1966 1967 1968 1969 1970 1971

1972 1973 1974

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT AHMEDABAD

1975 1976 1977 1978 1979 1980

1981 1982 1983 1984 1985 1986

1987 1988 1989 1990 1991 1992

1993 1994

50 वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2011-12

1995 1996 1997 1998 1999 2000

2001 2002 2003 2004 2005 2006

2007 2008 2009 2010 2011 2012

संस्थापक प्रणेता

डॉ. जीवराज मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

वर्तमान अध्यक्ष

श्री ए. एम. नायक

वर्तमान निदेशक

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

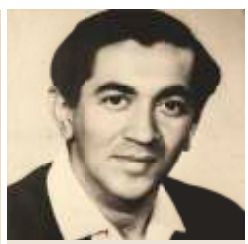
प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

50वाँ वार्षिक प्रतिवेदनः 2011-12

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
Indian Institute of Management Ahmedabad

विषयसूची

वर्ष का सिंहावलोकन 5

द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम 5
फैलो कार्यक्रम 6
एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम 6
संकाय विकास कार्यक्रम 6
प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) 6
अनुसंधान, प्रकाशन, सम्मेलन और संगोष्ठी 7
शैक्षणिक प्रशासन में नेतृत्व 8
व्यवहार जगत् से सम्पर्क 8
सामाजिक परिवर्तन में भागीदारी 8
सामाजिक दायित्व 9
वैश्विक आकांक्षाएँ 9
परिसर अवसंरचना 9
संस्थान की पचासवीं वर्षगाँठ 10
हमारा संकल्प 10

शैक्षणिक कार्यक्रम 11

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 11
कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 15
कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम 16
प्रबंध में फैलो कार्यक्रम 18
नियुक्ति 19
दीक्षांत समारोह 22
प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम 23

अनुसंधान एवं प्रकाशन 24

विकल्प: **निर्णयकर्ताओं का जर्नल 24**

प्रबंध विकास कार्यक्रम 26

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 27

इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र 27
लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केन्द्र 27
अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र 28

नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र 29

कृषि प्रबंध केंद्र 31

खुदरा बिक्री केंद्र 32

कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह (सी. एंड आई.एस.जी.) 32

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) 33

रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र 34

अनुशासनिक क्षेत्र 35

व्यापार नीति 35

संचार 36

अर्थशास्त्र 37

वित्त एवं लेखा 37

विपणन 38

संगठनात्मक व्यवहार 39

कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध 40

उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 40

पूर्वछात्र केन्द्र गतिविधियाँ 42

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले 45

सहायता अनुदान 48

बुनियादी ढाँचे का विकास 49

कार्मिक 50

छात्र गतिविधियाँ 52

विक्रम साराभाई पुस्तकालय 68

कल्याण गतिविधियाँ 70

परिशिष्ट 73

वर्ष का सिंहावलोकन

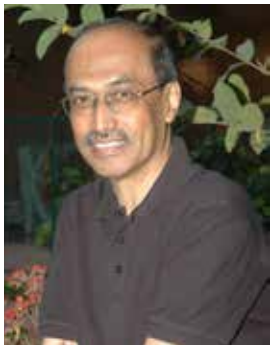

यह वर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की उम्मीद के साथ शुरू हुआ। तथापि जैसे जैसे वर्ष आगे बढ़ता गया वैसे वैसे स्पष्ट होता गया कि ये उम्मीदें गलत थी। घरेलू अर्थव्यवस्था ने भी तनाव और मंदी के लक्षण दिखाने शुरू कर दिये। लगातार पाँचवें वर्ष तक आर्थिक संकट में रहने के बावजूद भी, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि संस्थान अपनी वित्तीय स्थिति को ओर आगे मजबूत करने में सक्षम रहा है। पेंशन दायित्वों को पूरा करने की दिशा में लगभग 30 करोड़ रूपये ओर अलग से रख देने के बावजूद, संस्थान ने लगातार दूसरे वर्ष, 2012 में, संचालन अधिशेष हाँसिल किया है। यह खर्चों पर विवेकपूर्ण नजर रखने तथा राजस्व स्रोतों को बढ़ाने और उनमें विविधता लाने के ठोस प्रयासों से ही संभव हो सका है। संस्थान द्वारा किये गये प्रयासों के माध्यम से आने वाले वर्षों में संस्थान ने वित्तीय स्थिति को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक नींव रखी है।

द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम

देश में सबसे प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम, द्विवर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंध कार्यक्रम (पीजीपी) ने संस्थान के प्रमुखतम कार्यक्रम के तौर पर अपना वर्चस्व जारी रखा है। स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम के सातवें स्थान पर रैंककृत होने पर फ़ाइनैंसियल टाइम्स (एफ़.टी.) की वर्ष 2011-12 वैश्विक रैंकिंग में सुधार देखा गया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब इस कार्यक्रम को शीर्ष दस स्थानों में रैंककृत किया गया। भारत का यही एकमात्र कार्यक्रम है जिसने सूची में जगह लेना जारी रखा है।

यह पहला ऐसा वर्ष था जब पीजीपी में छात्रों की संख्या सर्वाधिक रही, प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ यह संख्या ओबीसी कोटा के अनुरूप, कार्यक्रम के बैच के आकार की आवश्यक संख्या तक पहुँच गई। इसके बावजूद भी, कार्यक्रम को सुचारु रूप से आयोजित किया गया था क्योंकि कार्यक्रम की भाषा-शैली तार्किकता को ध्यान में रख कर तैयार की गई थी। बैच के बढ़े हुए आकार के कारण कार्यक्रम की गुणवत्ता पर होने वाले संभावित प्रभाव के बारे में अब भी चिंता बनी हुई है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी की प्रवृत्ति को देखते हुए, यहाँ से उत्तीर्ण हो रहे छात्रों की नियुक्ति के बारे में आशंकाएँ व्यक्त की जा रही थी। लेकिन आशंकाओं को गलत सिद्ध करते हुए, नियुक्ति के इच्छुक सभी छात्रों को सार्थक नौकरियों में नियुक्ति मिली।

कृषि क्षेत्र में संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रम, द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कृषि-व्यवसाय कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) ने कृषि एवं खाद्य तकनीक क्षेत्र में प्रबंध कार्यक्रमों के बीच शीर्षस्थ कार्यक्रम बनने का गौरव हासिल किया है। यह वैश्विक रैंकिंग एड्यूनिवर्सल नामक एक सम्मानित श्रेणी निर्धारक फ्रेंच एजेन्सी द्वारा दिया गया, जो कि क्षेत्रीय प्रबंधन कार्यक्रमों के भी श्रेणी क्रम को निर्धारित करती है। इस कार्यक्रम में भी ओबीसी कोटा के कार्यान्वयन से उत्पन्न विस्तार को पूरा होते देखा गया।

फैलो कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान संस्थान के द्वारा कई नीतिगत पहल फैलो प्रबंध कार्यक्रम (एफपीएम) के डॉक्टरेट कार्यक्रम को मज़बूत बनाने के लिए की गई। इसके प्रथम वर्ष के कार्यक्रम को फिर से तैयार किया गया है जिसमें तीसरे सत्र के क्षेत्रों को कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में लेने का विकल्प दिया जा रहा है। डॉक्टरेट शोध निबंधों की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने के कारण, कई एफ़पीएम छात्रों के पेपर इनके कार्यक्रम के पूरा होने से पहले ही प्रकाशित हो रहे हैं।

एफपीएम के बारे में एक बड़ी चिंता का विषय यह है कि यह एक अत्यधिक संकाय संसाधन प्रगाढ़ कार्यक्रम है। सरकार का अतिरिक्त छात्रों (पिछले कई वर्षों में कार्यक्रम के औसत आकार से बढ़कर) को आंशिक रूप से सहायता करने का सुझाव है, वह उन पुराने भारतीय प्रबंध संस्थानों के साथ भेदभाव होगा जो पहले से ही अच्छे आकारों के डॉक्टरेट कार्यक्रम चला रहे हैं। सरकार के समक्ष ऐसे तर्कों के साथ निवेदन किया गया है कि शिक्षकों की अपार तंगी के लिए निधि होनी चाहिए, ना कि केवल पुराने संस्थानों में वर्तमान डॉक्टरेट कार्यक्रमों की संख्या को बढ़ाने के लिए।

कई पूर्वछात्रों की तरफ से यह प्रस्ताव है कि इस कार्यक्रम को बाहरी उम्मीदवारों के लिए भी खोला जाए। इस प्रस्ताव को गंभीरता से लेना होगा, जिसमें इन बाहरी उम्मीदवारों को अपनी डॉक्टरेट की उपाधि की आवश्यकताओं के लिए अनुमति प्रदान करने हेतु उचित शुल्क के भुगतान के लिए कहा जा सकता है। बाहरी उम्मीदवारों के लिए इस कार्यक्रम को खोलने के परिणाम-स्वरूप इस कार्यक्रम की गुणवत्ता पर कोई आँच नहीं आयेगी और इसके लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय रखे जायेंगे। इसके अलावा इस कार्यक्रम को समृद्ध बनाने के लिए थीसिस के विषयों की विविधता के माध्यम से, कार्यक्रम के लिए ज्यादा आवश्यक निधियों की पहल की जायेगी।

एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम

वैश्विक रूप से तुलनात्मक कार्यक्रमों के बीच पूर्वानुभव की तरह कार्यकारी अधिकारियों के लिए एकवर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंध कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) ने अपना प्रभुत्व जारी रखा। लगातार दूसरे वर्ष में भी इस कार्यक्रम को फ़ाइनैंसियल टाइम्स (एफ़टी) द्वारा एमबीए कार्यक्रमों की प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग में 11वाँ स्थान दिया गया है।

इस कार्यक्रम के द्वारा प्राप्त आवेदनों की गुणवत्ता का उच्च होना जारी रहा है। इस कार्यक्रम में प्रविष्ट कॉहार्ट भी वैश्विक रूप से श्रेष्ठ बीजनेस स्कूलों के एमबीए कार्यक्रमों में प्रविष्ट साथियों की तुलना में ज्यादा बराबरी पर रहे, शायद ज्यादा बेहतर रहे । इस कार्यक्रम की व्यापक समीक्षा के बाद, कार्यक्रम की प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाने के लिए बदलाव लागू किये गये।

संकाय विकास कार्यक्रम

संस्थान के चार माह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) पर ध्यान केन्द्रित करने से बदलाव देखा गया। प्रतिभागियों द्वारा अनुसंधान और शिक्षणशास्त्र संबंधित पाठ्यक्रमों और कार्यों पर ज्यादा जोर दिया गया। प्रतिभागियों को शिक्षण पर ध्यान केन्द्रित करने वाली जानकारी और केसों के लेख उपलब्ध कराये गये। प्रतिभागियों द्वारा डिजाइन में इस परिवर्तन की सराहना की गई। यह कार्यक्रम एक ऐसी क्षमता का विकास करता है जिसके माध्यम से आईआईएमए देश में प्रबंध शिक्षा की गुणवत्ता को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। एक केस में इस कार्यक्रम के वर्ष में दो बार प्रस्तावित करने हेतु स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट उद्देश्यों की शैक्षणिक निर्गम में संभावना की जाँच की गई है।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी)

संस्थान का कार्यकारी शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 2011-12 मे वर्चस्व जारी रहा। लगभग 150 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन करने के अलावा, प्रथम बार संस्थान ने नेपाल और भूटान में कार्यकारी

शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया। नेपाल में आयोजित कार्यक्रम सबसे बड़े उद्यमों में से एक स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम था। भूटान में आयोजित मुक्त नामांकन वाले दो सामान्य प्रबंधन कार्यक्रमों को काफी सराहा गया। भूटानी संगठनों के प्रतिभागियों के अलावा, कई भारतीय कम्पनियों के प्रतिभागी भी इस कार्यक्रम के प्रति आकर्षित हुए थे। शायद संस्थान के लिए यह सोचने का समय आ गया है कि कॉरपोरेट शिक्षा के लिए एक सेंटर खोला जाये, जो संकाय संसाधनों को केवल संस्थान से ही नहीं अपितु संस्थान के बाहर से भी आकर्षित करेगा और कार्यकारी शिक्षा का विस्तार करते हुए उसकी विविधता को हर तरफ पहुँचायेगा।

अनुसंधान, प्रकाशन, सम्मेलन और संगोष्ठी

स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह को जारी रखते हुए, संस्थान ने शिक्षाविदों, शैक्षणिक प्रशासकों और कॉरपोरेट सेक्टरों के कार्यकारियों को एक साथ लाते हुए, प्रबंध शिक्षा को समाज की ऊभरती आवश्यकताओं के प्रति ज्यादा प्रासंगिक बनाने के लिए जरूरी उपायों पर चर्चा करने का कदम उठाया। आईआईएम-कोलकाता भी अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा था, उसे भी संस्थान ने भारतभर में पाँच सम्मेलनों की एक श्रेणी का आयोजन करने में सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. श्रीकान्त दातार, आईआईएमए के पूर्वछात्र और एच.बी.एस. के एक संकाय सदस्य ने इन सम्मेलनों में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में भूमिका निभाने हेतु अपनी सहमति दी। ये सम्मेलन अहमदाबाद, कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई और कोयम्बटूर में प्रबंध शिक्षा के विभिन्न विषयों पर आयोजित किये गये। इन सम्मेलनों में सौ से अधिक प्रबंधन स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन सम्मेलनों की कार्यवाही महत्त्वपूर्ण सत्रों की वीडियो रिकोर्डिंग के रूप में उपलब्ध है जो कि देश में प्रबंध शिक्षा के सुधारों के लिए विचारों का एक बहुत अच्छा स्रोत बना रहेगा। इस प्रयास का एक दिलचस्प आकर्षण यह था कि चेन्नई में आयोजित सम्मेलन, आईआईएमए पूर्वछात्रों की चेन्नई सभा द्वारा अन्ना विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था। इन सम्मेलनों में शुरू की गई बातचीत, बहस और चर्चाएँ जारी रहनी चाहिए और ऐसे सम्मेलनों से आईआईएमए देश में प्रबंध शिक्षा का नेतृत्व करने और शेष विश्व के लिए जरूरी परिवर्तनों के विचारों को पेश करने का अन्य माध्यम बन सकेगा।

आईआईएमए की व्यापार पुस्तक श्रृंखला के बैनर के तहत संस्थान के संकायों द्वारा लिखित प्रासंगिक प्रबंध पुस्तकों एवं पढ़ने के लिए आसान पुस्तकों के प्रकाशन के लिए रैंडम हाउस के साथ सहयोग जारी है। अब तक इस श्रृंखला में छः पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं; दिसम्बर 2012 तक अन्य चार पुस्तकों के प्रकाशन की उम्मीद है। इन पुस्तकों पर प्रतिक्रियाएँ काफी उत्साहजनक रही हैं और कई पुस्तकों की काफी अच्छी बिक्री हो रही है।

संस्थान के केसों और शैक्षणिक सामग्री तक वेब आधारित पहुँच के लिए संस्थान ने कदम उठाये थे। यह पोर्टल अब चालू हो गया है। ऐसी उम्मीद है कि शैक्षणिक वर्ष 2012-13 के अंत तक संस्थान 1000 केसों और अन्य शैक्षणिक सामग्रियों को डिजिटल रूप में डाउनलोडिंग के लिए पेश करने में सक्षम हो जायेगा। इससे प्रबंध शिक्षा के साथ संस्थान के संबंध और भी मजबूत होंगे तथा प्रबंधन के विचारों को प्रभावित करने में मदद मिलेगी। संस्थान के संकायों द्वारा लिखित केसों की गुणवत्ता एवं संख्या बढ़ाने के लिए इस वर्ष भी केस संपादन और केस लेखन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

पिछले कुछ वर्षों में, संस्थान ने अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए कदम उठाये हैं। इन प्रयासों का ही असर दिखाई देता है कि पिछले एक वर्ष में संस्थान के संकायों के पन्द्रह से अधिक पेपर वैश्विक स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इस उद्देश्य के लिए ही बने केन्द्रों में काफी ध्यान केन्द्रित अनुसंधान किया गया। सीआईआईई (नवाचार ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र) के नवाचार एवं उद्यमिता में अनुभव ने गुणवत्ता युक्त शैक्षणिक सामग्री को महत्त्वपूर्ण राशि में परिवर्तित करना शुरू कर दिया है जो कि भविष्य में देश में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उपयोगी रहेगा। विश्व में उभरती हुई सभी अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी यह अनुभव उपयोगी होगा।

शैक्षणिक प्रशासन में नेतृत्व

आईआईएमए ने हमेशा ही देश में शैक्षणिक संस्थानों के प्रशासन में मानकों को बढ़ाने के लिए बदलाव लाने में अपना नेतृत्व रखा है। सभी हितधारकों के साथ काफी विचार विमर्श के बाद, इस वर्ष के अंत में संस्थान की प्रशासनिक नियम पुस्तिका एवं कामकाज के संचालन नियमों में बदलाव देखा गया है। इन बदलावों ने संस्थान को कहीं अधिक स्वायत्तता प्रदान की है और संस्थान के मामलों का प्रबंधन करने के लिए बोर्ड को एक बड़ी जिम्मेदारी प्रदान की है। यह तो समय ही बतायेगा कि संस्थान नई शासी संरचना की चुनौतियों से निपटकर कैसे ऊपर उठता है और सावधानी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करते हुए यह अभियान आगे जारी रखता है, जैसा कि पिछले कई वर्षों में दुनिया भर में अपनी प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए किया गया है।

बीते हुए इस वर्ष में भी संस्थान के संकायों के लिए एक व्यापक निष्पादन प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) की रचना की गई। यह बहुविशिष्ट प्रस्तावित प्रणाली अनुसंधान एवं शिक्षा को अपेक्षित महत्व देते हुए सावधानी से तैयार की गई है। इस प्रणाली का बोर्ड ने अनुमोदन कर दिया है और शैक्षणिक वर्ष 2012-13 से प्रचलन में लायी जायेगी। पिछले कुछ वर्षों से पीजीपी के अभूतपूर्व विस्तार के बाद से अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में संस्थान के संकायों का रिकोर्ड प्रकाशन यह दर्शाता है कि संस्थान प्रबंधन के क्षेत्र में विचारक का नेतृत्व करने की राह पर है। यह पीएमएस संकायों को गुणवत्ता युक्त अनुसंधान करने की प्रेरणा देगा, जिससे वैश्विक स्तर पर प्रबंधन के विचारों में बदलाव आयेगा।

वर्ष 2007-08 में संस्थान ने एक प्रक्रिया के तहत परामर्श आय का 3% और एमडीपी के खुले नामांकन से प्राप्त राजस्व के 2% (2011-12 से बढ़ाकर 3% किया गया है) से कर्मचारियों को उनके कार्यनिष्पादन के आधार पर प्रोत्साहन के लिए भुगतान करने हेतु एक कोष बनाया है। यद्यपि , कर्मचारियों के कार्यनिष्पादन की निगरानी के लिए एक ज्यादा औपचारिक प्रणाली शुरू नहीं की गई है। कर्मचारियों के लिए एक औपचारिक कार्यनिष्पादन समीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली (पीआरएएस) की पहल वर्ष 2011-12 में शुरू की गई। यह अनुभव एक व्यापक प्रणाली का विकास करने में समेकित होगा, जो संस्थान के प्रशासन के प्रति कर्मचारियों को कार्यदक्षता और प्रभावशीलता से योगदान देने के लिए प्रेरित करने में उपयोगी रहेगा। इस प्रकार से आँकी गई कार्यनिष्पादन क्षमता को भी कर्मचारियों में पुरस्कार का भुगतान करने के लिए बनाये गये प्रोत्साहन कोष के साथ जोड़ा जायेगा।

व्यवहार जगत् से सम्पर्क

अपनी स्थापना के बाद से निर्णयों और कार्रवाई में पूर्वाग्रह को देखते हुए, संस्थान ने हमेशा से सक्रिय रूप में व्यवहार जगत् से - सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और कॉरपोरेट जगत् में संगठनों का साथ निभाया है। पिछले पाँच वर्षों में इन संबंधों में मजबूती देखी गयी है। वर्ष 2011-12 में, संस्थान ने संगठनों के प्रबंधन और प्रशासनिक व्यवहार को प्रभावित करना जारी रखा है।

कई संकाय सदस्य कम्पनियों के बोर्ड के सदस्य हैं, सरकार एवं नियामकों की प्रमुख नीति निर्धारण समितियों के सदस्य हैं, और सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत ट्रस्टों के बोर्ड के सदस्य हैं। ऐसे संगठनों के माध्यम से संकाय सदस्यों ने काफी संगठनों के व्यापक विस्तार में नीति एवं निर्णय निर्धारण को प्रभावित करना जारी रखा है।

सामाजिक परिवर्तन में भागीदारी

वर्ष 2011-12 में संस्थान द्वारा जवाजा परियोजना के लिए किये गये योगदान में ओर भी मजबूती देखी गई। संस्थान के प्रयासों को जारी रखते हुए जवाजा के कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों के आधुनिकीकरण के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) की मदद से एक ग्रामीण विश्वविद्यालय सलाहकार बोर्ड का गठन किया गया। बाजार के साथ इन कारीगरों के संबंध मजबूत बनाने के लिए भी इस बोर्ड ने पहल शुरू की है।

संस्थान के छात्र पिछले कई वर्षों से, संस्थान के परिसर के आसपास की सड़क पर रहने वाले बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य से छात्रों द्वारा स्थापित 'प्रयास' नामक संगठन से जुडे हैं। वर्ष 2011-12 में ऐसे प्रयासों में निरंतरता और मजबूती देखी गई। इन बच्चों, छात्रों एवं आईआईएमए समुदाय को एकसाथ भारत का स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस, 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को मनाते हुए देखा गया। इन्होंने दोनों अवसरों पर ही ध्वजारोहण के बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी भाग लिया।

उपरोक्त संगठनात्मक गतिविधियों के अलावा, कई संकाय सदस्यों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता से सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत कई संगठनों के कामकाज में योगदान दिया।

सामाजिक दायित्व

वर्ष 2008-09 में, आईआईएमए शायद दुनिया का पहला ऐसा बिजनेस स्कूल बन गया, जिसने कुछ छात्रों को बिलकुल ही में मुफ्त शिक्षा देना शुरू किया। संस्थान ने वर्ष 2008-09 में 23 छात्रों को अपनी प्रथम वर्ष की शिक्षा बिलकुल मुफ्त प्राप्त करने में सहयोग किया। वर्ष 2009-10 में अन्य 22 छात्रों की निःशुल्क शिक्षा के लिए पहचान की गई तथा इनके जुड़ने से यह संख्या बढ़कर 45 हो गई। पूर्णतया शुल्क मुक्ति के अलावा, जो छात्र आर्थिक रूप से गरीब परिवारों से आये हैं उनको संस्थान ने ग्रेड शुल्क छूट भी प्रदान की है। यह पहल वर्ष 2011-12 में भी जारी रही।

वैश्विक आकांक्षाएँ

वर्ष 2008 में आईआईएमए भारत का पहला ऐसा प्रबंधन स्कूल बन गया, जिसे इक्विस (ईक्यूयूआईएस) से मान्यता दी गई। इस मान्यता को एक समीक्षा प्रक्रिया के बाद वर्ष 2011-12 में फिर से पुष्टि मिली है।

आईआईएमए, *दी इकोनोमिस्ट* द्वारा वैश्विक स्तर की शीर्ष 100 प्रबंध स्कूलों की रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाला भारत का पहला प्रबंध स्कूल है। हमारा संस्थान भारत का एकमात्र ऐसा प्रबंध स्कूल है जिसके सभी तीनों स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को वैश्विक रैंकिंग में उच्चस्थ स्थान पर रखा गया है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, एफ़टी द्वारा वैश्विक स्तर पर तुलनीय कार्यक्रमों की रैंकिंग में पीजीपी को 7वाँ और पीजीपीएक्स को 11वाँ स्थान प्राप्त हुआ है; और वैश्विक स्तर पर तुलनीय कार्यक्रमों में पीजीपी-एबीएम को एड्यूनिवर्सल द्वारा शीर्षस्थ रैंक दिया गया है। संस्थान ने विश्व की श्रेष्ठ स्कूलों में समाहित 70 से अधिक बिजनेस स्कूलों के साथ सक्रिय शैक्षणिक सहयोग किया है।

संस्थान ने अपनी एक वैश्विक प्रतिष्ठा स्थापित की है इसलिए इसे अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए भर्ती किये गये साथियों का अंतरराष्ट्रीयकरण करना होगा। इसके लिए संस्थान को प्रवेश के लिए जीमैट में अपना कट-ऑफ कम करना होगा, विशेष रुप से पीजीपी के लिए। आज के चलन में पीजीपी में प्रवेश के लिए साक्षात्कार के लिए बुलाये जा रहे उम्मीदवारों का जीमैट कट-ऑफ 760 या और भी ज्यादा होता है। चूँकि इतने उच्च जीमैट स्कोर वाले सक्षम आवेदकों को दुनिया के श्रेष्ठ स्कूलों में आसानी से प्रवेश मिल जाता है, अतः स्वाभाविक रूप से कोई भी उम्मीदवार संस्थान के पीजीपी के लिए आवेदन नहीं करता है।

संस्थान को अपने संकायों के बीच विविध नागरिकता प्राप्त करने के लिए भी कदम उठाने होंगे। यह फिर से तभी संभव हो सकता है अगर विदेशी संकायों को पर्याप्त प्रतिफल दिया जाये।

उपरोक्त मुद्दों के आसान जवाब नहीं हैं। हालाँकि, अगर संस्थान की ऐसी इच्छा है कि दूसरे देशों के स्कूलों से आये संकायों एवं छात्रों के बीच विविध नागरिकता पर सममूल्य बना रहे तो संस्थान को इन मुद्दों को उठाना होगा। ये विशेषताएँ रेटिंग और रैंकिंग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

परिसर अवसंरचना

सन् 2001 में आये भूकंप से पुराने परिसर में क्षतिग्रस्त हुए प्रशासनिक भवनों की अति आवश्यक मरम्मत का कार्य विभिन्न कारणों से अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। इन भवनों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य जो 2010-11 में शुरू किया गया था, वह अंत में 2011-12 में सक्षम संरचनात्मक इंजीनियरों के मार्गदर्शन व सलाहों के आधार पर पूरा कर लिया गया है। प्रसिद्ध लुईस काह्न प्लाज़ा सहित, इन संरचनाओं का फिर से इनके मूल सौंदर्य में जीर्णोद्धार किया गया है।

इस वर्ष छात्रों के लिए नये 320 कमरों के आवासीय संकुल के निर्माण कार्य में तेज़ी देखने को मिली। परिसर के स्थापत्य संग्रह को जब देखते हैं तो, हम पाते हैं कि पुराने स्थापत्य डिजाइन के सामने नये डिजाइन के भवननिर्माण की लागत लगभग 30% कम हो गई है। इन आवासीय संकुलों का कार्य अभी पूर्ण हो चुका है। इन नये आवासीय संकुलों में स्नातकोत्तर छात्रों के रहने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संलग्न शौचालय के साथ, आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध करायी गई हैं।

इस वर्ष एक इनडोर खेल संकुल के निर्माण की नींव रखी गई और टेनिस कोर्ट का भी लोकार्पण किया गया। ये काम भी अभी पूरे हो चुके हैं। पहले से ही छात्रों को और परिसर के निवासियों को फिट रखने में पुनः सज्जित टेनिस कोर्ट और आलीशान खेल परिसर सहायक बन रहे हैं।

संस्थान की पचासवीं वर्षगाँठ

संस्थान के जिन पूर्व कर्मचारियों, संकायों एवं बोर्ड के सदस्यों का आईआईएमए को एक प्रतिष्ठित प्रबंध संस्थान बनाने में योगदान रहा, उनके सम्मान समारोह के साथ 11 दिसम्बर, 2010 को स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारंभ हुआ। यह स्वर्ण जयंती समारोह संस्थान के पूर्वछात्रों की उपलब्धियों की पहचान तक विस्तारित होकर 11 दिसम्बर, 2011 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर एक आयोजित समारोह में लगभग 40 पूर्वछात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन पूर्वछात्रों की उपलब्धियाँ शिक्षाविदों, कोर्पोरेट क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र, खेल, राजनीति और प्रदर्शन कलाओं सहित विविध क्षेत्रों में हैं। इन पूर्वछात्रों के स्वीकृति भाषण अपने पुराने दिनों की अतीत की यादों से भरे हुए थे। उन सभी ने कहा कि उनके द्वारा यहाँ बिताये गये दो वर्षों ने ही उनकी आज की उपलब्धियों की नींव रखी है। हर एक का सामान्य सुर यही था कि संस्थान द्वारा दी गई शिक्षा ने उनको बढ़े सपनें देखने के लिए और कम चलन वाले रास्तों पर जोखिम उठने में उनका हौसला बढ़ाया है तथा प्रोत्साहित किया है।

इस स्वर्ण जयंती समारोह में आईआईएमए के एक पूर्वछात्र श्री कंडास्वामी द्वारा संस्थान के पाँच दशकों की यात्रा पर बनायी गयी फिल्म प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर संस्थान के शुरूआती दौर में संकाय सदस्य के रूप में सेवा देने वाले तथा तीन दशक पहले आईआईएमए बोर्ड में सदस्य रहे श्री प्रफुल्ल अनुभाई द्वारा लिखित एक पुस्तक "दी आईआईएमए स्टोरी : दी डीएनए ऑफ एन इन्स्टिटयूशन" का भी अनावरण किया गया। इस पुस्तक में संस्थान के प्रारंभिक वर्षों का वर्णन किया गया है और संस्थान के उन संस्थापक सदस्यों के महत्त्वपूर्ण योगदानों को दर्शाया गया है जिन्होंने संस्थान के स्वरूप को आकार दिया है।

पूर्वछात्रों के उत्कृष्ट योगदान के लिए उपयुक्त प्रशस्ति के रूप में प्रतिष्ठित पूर्वछात्र, श्री के. वी. कामथ, अध्यक्ष आईसीआईसीआई बैंक एवं अध्यक्ष इन्फोसिस टेकनोलॉजिज लिमिटेड ने वर्ष 2012 के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अध्यक्षता की। ये सन् 1971 में आईआईएमए से स्नातक हुए, तथा सन् 1997 से सन् 2010 तक आईआईएमए बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं।

हमारा संकल्प

जैसा कि हमारा संस्थान पचास वर्षीय युवा के रूप में आगे बढ़ रहा है, सभी हितधारकों के लिए यही समय है जब स्वयं को पुनः एक बार संस्थान की सेवा में समर्पित करते हुए, यह सुनिश्चित करें कि जो दीपक उन्होंने पचास वर्ष पहले जलाया था उसकी तेज़ रोशनी को जारी रखा जाये और अपने देश के लोगों की भलाई के लिए उनके भाग्य का मार्गदर्शन किया जाये। हमें शपथ लेते हुए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आईआईएमए कुछ अलग कर दिखाने के साथ एक ऐसे प्रबंध संस्थान के रूप में आगे बढ़ता रहे – जो प्रबंध शिक्षा का प्रयोग करते हुए कम सुविधा प्राप्त समाज के उत्थान के लिए एक उद्देश्य के साथ कार्य करता रहे।

समीर के. बरुआ
निदेशक

शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान द्वारा प्रस्तुत प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) सबसे लंबी अवधि तक चलने वाला कार्यक्रम है। भारत में और विदेशों में प्रकाशनों द्वारा किये गये सर्वेक्षणों में भारतीय प्रबंध स्कूलों के बीच यह कार्यक्रम लगातार शीर्ष पर रहा है। सर्वप्रथम पीजीपी की पेशकश 1964 में हुई थी। तब से संस्थान द्वारा कार्यक्रमों की श्रृंखला को विस्तारित किया गया है। वर्तमान में यह संस्थान अलग-अलग अवधियों के पाँच शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है : प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष), कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) (एमबीए के समकक्ष), कार्यकारियों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स), प्रबंध में फैलो कार्यक्रम (एफपीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष), तथा प्रबंध-शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।

1. प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का अड़तालीसवाँ सत्र, 20 जून, 2011 को 376 छात्रों के साथ प्रारंभ हुआ। वर्ष की समाप्ति पर 372 छात्र, द्वितीय वर्ष के लिए प्रोन्नत हुए।

47वें बैच का द्वितीय वर्ष, 13 जून, 2011 को 371 छात्रों के साथ शुरू हुआ। द्वितीय वर्ष की समाप्ति पर, 369 छात्र स्नातक हुए।

छात्र	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	विकलांग
प्रथम वर्ष	49	22	103	9
द्वितीय वर्ष	55	16	100	10

विवरण, **परिशिष्ट क1** में दिए गए हैं।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, और विकलांग छात्रों का विवरण निम्नानुसार है :

तैयारी कार्यक्रम

तैयारी कार्यक्रम को उन नये प्रविष्ट छात्रों के मतलब से तैयार किया गया है, जो संचार एवं गणितीय कौशलों में अपेक्षाकृत कमजोर हैं। नियमित सत्र प्रारंभ होने से पूर्व, 30 मई से 18 जून, 2011 तक आयोजित इस कार्यक्रम में अठारह छात्रों ने भाग लिया।

परिचय कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए परिचय कार्यक्रम, 20 से 22 जून, 2011 के दौरान चलाया गया। इसमें निदेशक व पीजीपी-अध्यक्ष के संबोधनों के अतिरिक्त, पीजीपी कार्यकारी समिति के साथ संवाद तथा कंप्यूटर एवं पुस्तकालय-सुविधाओं के उपयोग से संबंधित जानकारी परिचय कार्यक्रम में शामिल थी। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने हेतु केस-तैयारी और केस-पद्धति पर एक विस्तारित सत्र का आयोजन भी किया गया। इसका उद्देश्य नये छात्रों को शिक्षण की केस पद्धति से परिचित कराना था, क्योंकि यही एक प्रमुख शैक्षणिक उपकरण है।

शिक्षकीय

कार्यक्रम की आवश्यक अपेक्षाओं को पूरा करने में छात्रों की सहायता के उद्देश्य से, प्रथम वर्ष के कुछ कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकीय दिए गए।

पाठ्यक्रम

नवीनतम अनुसंधानों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पीजीपी पाठ्यक्रम समय समय पर पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा संशोधित किया जाता है। इस वर्ष प्रथम वर्ष के छात्रों ने 6 स्लॉटों में विस्तारित 33 पाठ्यक्रम (25.50 क्रेडिट) लिए।

द्वितीय वर्ष के छात्रों से अपेक्षा की गई कि वे पाठ्यक्रमों के न्यूनतम 17 क्रेडिट पूर्ण करें, लेकिन पाठ्यक्रमों के 20 क्रेडिट लेने तक की उन्हें अनुमति दी गई।

द्वितीय वर्ष में, 100 वैकल्पिक पाठ्यक्रम व 47 परियोजना-पाठ्यक्रम (बिना क्रेडिट की 6 स्वतंत्र परियोजनाओं सहित) चलाए गए। पंजीकरण की अधिकता को देखते हुए एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम को चार खंडों में, एक को तीन खंडों में और पचीस को दो खंडों में पढ़ाया गया। पेश किये गए 100 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में से छात्रों ने सभी पाठ्यक्रम लिए।

नए पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष में 14 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाए गए।

इन पाठ्यक्रमों के विवरण **परिशिष्ट क2** में दिये गये हैं।

दोहरी उपाधि कार्यक्रम एवं एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

दोहरी उपाधि कार्यक्रम

शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान विकसित करने के उद्देश्य से, संस्थान ने संयुक्त रूप से निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी उपाधि कार्यक्रम की पेशकश की है :

- ईसेक बिजनेस स्कूल, फ़्रान्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी, मिलान, इटली
- एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ़्रान्स

इस दोहरी उपाधि कार्यक्रम के अधीन, यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी के दो छात्रों, ईसेक, फ़्रान्स के एक छात्र और एचईसी के एक छात्र ने द्वितीय वर्ष-पीजीपी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी समय, अपने संस्थान से द्वितीय वर्ष के नौ छात्र, इस कार्यक्रम के अधीन ईसेक, यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी एवं एचईसी में गए।

एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

छात्र विनिमय कार्यक्रम का उद्देश्य पीजीपी का अंतरराष्ट्रीयकरण करना है और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन प्रदान करना है। शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान छात्रों के विनिमय के लिए संस्थान ने कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ सहयोग किया है। इस वर्ष के दौरान, संस्थान में 79 विनिमय छात्र और 4 दोहरी उपाधि के छात्र आए तथा 90 विनिमय छात्रों एवं 9 दोहरी उपाधि छात्रों को सहभागी संस्थानों में भेजा गया।

शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग का विवरण **परिशिष्ट क3 और क4** में दिया गया है।

व्याख्यान श्रृंखला

वर्ष 2011-12 के दौरान निम्नलिखित प्रसिद्ध व्यक्तियों ने छात्रों को संबोधित किया :

विजय गोविंदराजन	डार्टमाउथ कॉलेज में टक बिजनेस स्कूल में प्रोफेसर
ऋतु चौधरी	निरुला कॉर्नर के वाइस प्रेसिडेंट– विपणन
अरविंद सागर	प्रमुख – कोर्पोरेट पहल एवं योजना, मार्ग
पुनीत महिन्द्रू	कोर्पोरेट निदेशक, ताज होटेल रिसोर्ट्स एंड पेलेसेस

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान ने शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एक बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं और जरूरत के आधार पर शुल्क माफी योजना भी चल रही है।

- **उद्योग छात्रवृत्तियाँ**

  इस वर्ष के दौरान अड़तीस छात्रों ने योग्यता के आधार पर उद्योग-छात्रवृत्तियाँ प्राप्त की ।

- **आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ**

  आदित्य बिड़ला समूह ने इस वर्ष के दौरान सात छात्रों को प्रत्येक को 1,75,000 रुपयों की छात्रवृत्ति के लिए चुना।

- **सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ**

  सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ, पाँच छात्रों ने उनके प्रथम वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर प्राप्त की।

- **सैमसंग छात्रवृत्तियाँ**

  अपने प्रथम वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर पाँच छात्रों ने सैमसंग इंडिया द्वारा प्रायोजित सैमसंग छात्रवृत्तियाँ प्राप्त की।

- **टी थॉमस छात्रवृत्ति**

  यूनीलीवर, लंदन द्वारा प्रायोजित टी थॉमस छात्रवृत्ति, एक छात्र ने अपने प्रथम वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर प्राप्त की ।

- **ओ. पी. जिंदल इंजीनियरिंग एवं प्रबंध वृत्ति-छात्र**

  एक छात्र को ओ पी जिंदल इंजीनियरिंग एवं प्रबंध वृत्ति-छात्र के रूप में चुना गया । इस छात्रवृत्ति को ओ.पी. जिंदल समूह ने उत्कृष्ट शैक्षिक व नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया है।

- **श्री जी. सी. मित्तल उद्यमिता सहायता**

  यह पुरस्कार पीजीपी के एक पूर्वछात्र श्री अंकित मित्तल द्वारा स्वयं की उद्यमशीलता का व्यापार शुरू करने के लिए स्थापित किया गया है। इस पुरस्कार के लिए एक छात्र को चुना गया।

- **सोसाइटी जनरल वैश्विक समाधान केन्द्र छात्रवृत्तियाँ**

  तीन छात्रों को ये छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

इन छात्रवृत्तियों के प्राप्तकर्ताओं की सूची **परिशिष्ट क5** में दी गई है।

- **श्री एस. के. शेठ स्मारक पुरस्कार**

  यह पुरस्कार श्रीमती शान्ति शेठ द्वारा अपने पति स्व. श्री एस. के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार कपिल सिंह ढाका को दिया गया।

- **एस. उमापति पुरस्कार**

  यह पुरस्कार, स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने तथा संस्थान के साथ उमापति के सम्मान की स्मृति में सहयोग के लिए स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ पीजीपी छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार कपिल सिंह ढाका को दिया गया।

- **सर्वोत्तम पीजीपी ऑल राउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार**

  कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास के सम्मान की स्मृति में सहयोग के लिए स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार ठाकर रुषि को दिया गया।

- **शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्वर्ण पदक**

  यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, स्व. डॉ राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार गौरव जगदीश सिंघल को दिया गया था।

- **महिला ऑल राउंडर पुरस्कार**

  पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के अल्युम्नस श्री अरूण दुग्गल की पत्नी श्रीमती रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सौम्या सेन को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्वेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सौम्या सेन को दिया गया।

शुल्क माफी योजना

वर्ष 2011-12 के लिए, आय से जुड़ी शिक्षण शुल्क छूट योजना के तहत कुल 5,08,87,419 रु. की राशि का शुल्क माफ किया गया, इसमें द्वितीय वर्ष के 30 छात्रों (2010-12 बैच) के लिए सम्पूर्ण शुल्क छूट शामिल है।

भा. प्र. संस्थान अहमदाबाद की विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ

आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति में 97 पीजीपी के और 15 पीजीपी-एबीएम के छात्रों (सत्र 2011-13) को रु. 3,06,20,281 की राशि दी गई। इसमें दो पुनरावर्तन करने वाले छात्रों की रु. 7,35,281 की शुल्क माफी शामिल है। इस छात्रवृत्ति में 40,281 रूपए से लेकर 6,95,000 रूपए तक की धनराशि थी।

सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केन्द्र सरकार की केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति के लिए छात्रवृत्ति – पिछले वर्ष के दावे के अनुसार 9,77,042 रु. की धनराशि छात्रवृत्ति के लिए प्राप्त हुई और बाँट दी गई। मंत्रालय को चालू वर्ष की छात्रवृत्ति के लिए चार आवेदन भेज दिये गये और तीन छात्रों के लिए 6,69,420 रु. की धनराशि प्राप्त हुई, जिसमें से 4,16,280 रु. की राशि दो छात्रों में बाँटी गई । एक छात्र ने यह छात्रवृत्ति लेने से मना कर दिया, क्योंकि उसे दूसरी संस्था से उच्च धनराशि की छात्रवृत्ति मिल गई थी।

अनुसूचित जनजाति के लिए छात्रवृत्ति – पिछले वर्ष के दावे के अनुसार 60,800 रु. की धनराशि छात्रवृत्ति के लिए प्राप्त हुई और बाँट दी गई। मंत्रालय को चालू वर्ष के लिए तीन आवेदन भेज गये। चालू वर्ष के लिए अभी धनराशि आना बाकी है।

अ.जा./अ.ज.जा. छात्रवृत्तियाँ

इस वर्ष 145 छात्रों को 1500/- रु. प्रत्येक के हिसाब से अ.जा./अ.ज.जा. छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

प्रवेश

कंप्यूटर-आधारित परीक्षा, सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट) 2011, 22 अक्टूबर, 2011 से 18 नवम्बर, 2011 तक आयोजित की गई। जून 2012 से शुरू होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए कई विदेशियों के सहित 1,73,886 आवेदन किये गये। साक्षात्कार चरण तक के प्रवेश डाटा के बारे में अतिरिक्त विवरण **परिशिष्ट क6 और क7** में दिये गये हैं।

	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	167	25	192
एनसी-ओबीसी	94	9	103
अ.जा.	46	2	48
अ.ज.जा.	16	4	20
विकलांग	8	1	9
कुल	**331**	**41**	**372**

पीजीपी प्रवेश (2011-2013 बैच)

2. कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) यह सुनिश्चित करते हुए तैयार किया गया है कि यह उच्चतम अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करे , और इसमें वास्तविक जगत् की प्रत्यक्ष प्रासंगिकता रहे। कृषि-खाद्य उद्योग के अत्यधिक बाजारोन्मुख परिवेश में काम की बढ़ती पर्यावरण चिंताओं एवं चुनौतियों में बदलाव के जवाब में गतिशीलता तथा प्रबंधकीय नीतियाँ लानी होंगी। नवीन कौशलों के साथ साथ, इन उद्योगों में काम कर रहे लोगों को प्रबंधन कौशलों, नीतिगत पर्यावरण का परिचय, और एक रणनीतिक परिपेक्ष्य की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम इस गतिशील उद्योग में प्रमुख बदलावों के उन दुष्कर कार्यों के लिए छात्रों को तैयार करता है और उन बदलावों के लिए प्रक्रिया का प्रबंधन करना सिखाता है। संकायों, कार्मिकों, पूर्वछात्रों, और साथ में काम कर रहे कोरपोरेट भागीदारों के सशक्त सहयोग से कृषि-व्यवसाय शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कृषि-व्यवसाय में संभावनाओं की खोज करने के लिए यह कार्यक्रम अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम, कृषि व्यवसाय मूल्य श्रृंखला के लिए छात्रों को तैयार करता है, जबकि विशिष्ट रूप से यह निम्नलिखित का प्रयास करता है :

- छात्रों को संकल्पनात्मक एवं अंतर्वैयक्तिक कौशल से सुसज्जित करना और साथ ही, उनमें कृषि-व्यवसाय के विशिष्ट संदर्भ में प्रबंधकीय निर्णय लेने और निर्णयों के कार्यान्वयन के सामाजिक उद्देश्य जाग्रत करना।
- छात्रों को सफल व्यवसायियों के रूप में ढालने हेतु उन्हें कृषि-उद्यम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्रों में नेतृत्व-क्षमताएँ विकसित करना, ताकि वे परिवर्तन के अनुरूप ढल सकें और जिन संगठनों में वे कार्य करते हैं, उन्हें प्रेरित कर सकें।
- छात्रों की कल्पना-शक्ति का विस्तार करना तथा व्यावसायिकता, सत्यनिष्ठा, आचरण एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के मूल्यों को उनके मन में बैठाना।

इस कार्यक्रम के कई पूर्वछात्र भारत एवं विदेशों में कई कृषि-व्यवसाय संबंधित कंपनियों के संगठन में महत्त्वपूर्ण पदों पर योगदान या नेतृत्व करते हैं।

एड्यूनिवर्सल, पेरिस द्वारा किये गये विशेषज्ञ मास्टर डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रमों के एक सर्वेक्षण में पीजीपी-एबीएम को विश्व में प्रथम स्थान पर रखा गया है।

प्रारंभिक कार्यक्रम

गणित, संचार एवं कम्प्यूटर कौशलों को मजबूत करने हेतु सभी छात्रों को 25 मई, 2011 से 18 जून, 2011 तक चलाए गये एक प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

पीजीपी-एबीएम में नए भर्ती हुए छात्रों के लिए 20 से 22 जून, 2011 की अवधि के दौरान एक स्वागत एवं अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अलावा, पीजीपी-एबीएम कार्यकारी अधिकारी समिति के साथ बातचीत हुई और कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं तथा उनके उपयोगों के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी और केस-चर्चा पर एक सत्र का भी आयोजन किया गया।

पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष के छात्रों नें 25.50 इकाई क्रेडिट का अध्ययन किया।

द्वितीय वर्ष के छात्रों से अपेक्षा की गई कि वे न्यूनतम 17 क्रेडिटों के लिए और अधिकतम 20 क्रेडिटों के लिए पंजीकरण करें। चार क्षेत्रों के विशिष्ट अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, प्रबंधन के विशिष्ट क्षेत्रों में छात्रों की समझ गहरी हो तथा ग्रामीण एवं कृषि व्यवसाय क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में निर्णय लेने का कौशल, छात्रों में विकसित करने के दृष्टिकोण से छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। द्वितीय वर्ष के छात्रों को प्रत्येक संयुक्त स्लॉट में या अन्य संयुक्त स्लोट में 3.75 इकाई क्रेडिट के पंजीकरण करने की भी अनुमति दी गई ।

शिक्षा सत्र 2011-12 के दौरान चलाए गए पाठ्यक्रमों की सूची, **परिशिष्ट ख1** में देखी जा सकती है।

ग्रामीण निम्नगता मॉड्यूल

ग्रामीण निम्नगता मॉड्यूल का पहला चरण, 5 से 14 अप्रैल, 2011 तक आयोजित किया गया। छात्रों को छह समूहों में विभाजित किया गया। इन समूहों में से दो समूहों को सीतामढ़ी और मधुबनी में, दो समूहों को महाराष्ट्र के औरंगाबाद में रखा गया और दो समूहों को सीड्स (एनजीओ) आधारित एक्सएलआरआई, जमशेदपुर, झारखंड में रखा गया। दूसरा चरण कि जो कार्यान्वयन चरण के रूप में जाना जाता है, 5 से 18 दिसंबर, 2011 तक आयोजित किया गया। इस मॉड्यूल से छात्रों को ग्रामीण समाज के बारे में जानने की बहुत अच्छी अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।

प्रवेश

वर्ष 2011 में आवेदनों की संख्या में मामूली गिरावट के बावजूद भी **पीजीपी-एबीएम** कार्यक्रम का, छात्र-समुदाय ने अच्छा स्वागत किया है। इस वर्ष, संस्थान को पिछले वर्ष के 1,37,544 आवेदनों की तुलना में, 1,19,779 आवेदन प्राप्त हुए।

(**परिशिष्ट ख2** देखें)

गहन चयन प्रक्रिया के बाद, अड़तीस छात्रों को शैक्षणिक वर्ष 2011- 2013 के दौरान कार्यक्रम में शामिल किया गया।

3. कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम

पीजीपीएक्स 6 महिलाओं सहित 101 छात्रों के साथ 11 अप्रैल, 2011 से शुरू हुआ। इसका औसत जी-मेट स्कोर 714, औसत आयु 34 वर्ष, और उनके पास औसत 10 वर्ष का कार्यानुभव था तथा अंतर्राष्ट्रीय अनुभव 4.7 वर्ष का था।

कार्यक्रम की संरचना

पीजीपीएक्स समीक्षा समिति के रिपोर्ट पर आधारित इस कार्यक्रम की संरचना फिर से की गई। पाँच शैक्षणिक सत्रों में विस्तृत पीजीपीएक्स को इन छह क्षेत्रों में पेश किया गया है : प्रेरण, ब्लॉक निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतरराष्ट्रीय निमग्रता, चयनात्मकता और कैपस्टोन। इस वर्ष के दौरान 30 अनिवार्य और 43 वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किये गये।

अंतरराष्ट्रीय निमग्रता कार्यक्रम

यह विदेशी संस्थानों में होने वाला दो-सप्ताह का एक शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह 5 से 18 सितम्बर, 2011 के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने निम्न पाँच समूहों का दौरा किया :

- चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग, हाँगकाँग
- स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, फूदान युनिवर्सिटी, शंघाई
- वारविक बिजनेस स्कूल, वारविक युनिवर्सिटी, कोवेन्ट्री
- ईएससीपी, पेरिस
- ईएसएसईसी, सिंगापुर

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

पीजीपीएक्स छात्रों ने इस वर्ष के दौरान निम्न अवसरों की कल्पना की , योजना बनाई और निष्पादित किया :

- **कोनेक्सियन 2011** : यह शिक्षाविदों के साथ औद्योगिक संपर्क करने का एक वार्षिक अवसर है। इस वर्ष में दो-दिवसीय सम्मेलन 4-5 नवम्बर, 2011 के दिन 'नेतृत्व विचार' विषय पर आयोजित हुआ जिसमें भारत से और विदेशों से 30 से अधिक मुख्य कार्यकारियों ने भाग लिया, और प्रोद्योगिकी उन्मुख व्यवसायों एवं डिजिटल मार्केटिंग जैसे ऊभरते क्षेत्रों के महत्त्वपूर्ण विकास पर चर्चा की गई। एक पैनल ने वैश्विक मंच पर भारत को ले जाने के लिए 'भारत की विकास क्षमता के दोहन' पर ध्यान केन्द्रित किया, जबकि दूसरे पैनल ने 'प्रोद्योगिकी के नेतृत्व में व्यवसाय नवाचार' पर चर्चा करते हुए प्रौद्योगिकी का व्यवसाय में कैसे सार्थक उपयोग किया जा सकता है विषय पर विचार व्यक्त किये। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को बनाये रखने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 'भारत के विकास इंजन को कायम रखने' के बारे में चर्चा हुई।

- **एक्सबिज़ :** एक्सबिज़ एक वार्षिक व्यवसाय योजना प्रतियोगिता है। अपने व्यवसाय विचारों की मजबूती का प्रदर्शन करने एवं व्यवसाय योजना कौशलों को सुधारने हेतु उभरते उद्यमियों के लिए यह एक मंच प्रदान करता है। अभिनव समाधान उपलब्ध कराने में वैश्विक अग्रणी, एमर्सन द्वारा प्रायोजित एक्स-बिज़ 2011 में भारत से और कुछ विदेशी प्रमुख संस्थानों से आयी टीमों की 62 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। प्रतिष्ठित जजों के एक पैनल के सामने आखिरी तीन टीमों ने अपनी योजना प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त किया। आईआईएम, शिलोंग की इन्नोप्रिन्यर टीम ने प्रथम पुरस्कार जीता। उनकी व्यवसाय योजना कम कीमत में उच्च मूल्य प्रदान करते हुए गुरनैल सिंह ढोंसी द्वारा डिजाइन मशीनीकृत कृषि उपकरणों के उत्पादन एवं विपणन के बारे में थी। आईआईएमबी की वेस्ट जंक्शन टीम दूसरे स्थान पर और आईआईटी मद्रास की हैबरमास टीम तीसरे स्थान पर रही।
- **टेलिकॉम सीएक्सओ कॉनक्लेव :** 'एनटीपी 2011 - टेलिकॉम परिदृश्य को बदलने वाले वाहक' विषय के अंतर्गत आईआईएमए आइडिया टेलिकॉम एक्सैलेन्स सेन्टर (आईआईटीसीओई) के साथ सहयोग से इसका आयोजन किया गया। विभिन्न व्यवसाय मॉडलों और इस क्षेत्र के विनियमन निर्णयों के प्रभाव के निहितार्थ टेलिकॉम तथा संबंधित क्षेत्रों से आये विशेषज्ञों ने चर्चा की। राष्ट्रीय दूरसंचार नीति 2011 के महत्त्वपूर्ण पहलुओं की घिसी-पीटी बातों का विचार-विमर्श हुआ। प्रस्तावित टेलिकॉम नीति में स्थानीय विनिर्माण, आर. एंड डी., और स्पैक्ट्रम के बँटवारे से संबंधित प्रावधानों पर ध्यान दिया गया।

- **वक्तव्य श्रृंखला :** इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रतिष्ठित वक्ताओं ने छात्रों को संबोधित किया :
  - श्री जुंग सू शिन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रमुख, दक्षिण पश्चिम एशिया, सैमसंग
  - सुश्री किरण सेठी, संस्थापक/निदेशक, रिवरसाइड स्कूल, अहमदाबाद
  - श्री श्रीनिवास आदेपल्ली, वरिष्ठ उप प्रमुख, कॉरपोरेट रणनीति, टाटा कम्युनिकेशन्स
  - डॉ. दानी रोद्रिक, प्रोफेसर, हार्वर्ड युनिवर्सिटी
  - श्री आलोक कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सियर्स इंडिया
  - श्री हर्ष नंदा, कार्यकारी निदेशक, गोल्डमैन सैच्स
  - लेफ्टिनेंट जनरल राजेश कोचर, चीफ ऑफ स्टाफ, सेना प्रशिक्षण कमान, भारतीय सेना
  - डॉ. मिया दे क्विपेर, सह डीन, द्विसेनबर्ग स्कूल ऑफ़ फाइनैन्स, एम्स्टर्डम, और मुख्य कार्यपालक अधिकारी, दे क्विपेर ग्लोबल पार्टनर्स

शैक्षणिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 101 पीजीपीएक्स छात्रों ने सफलतापूर्वक स्नातक की उपाधि प्राप्त की। निम्नलिखित प्रशस्तियाँ दी गई :

- शिवराम रामकृष्णन को संस्थान के स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- शिवराम रामकृष्णन, विनय भास्कर, पुनीत कुमार सराफ, अर्पिता बिशोयी, और समीर जैन : प्रत्येक को 20,000/- रु. की नकद धनराशि के साथ शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार दिये गये।
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष, श्रीराम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए अतिथि संकाय एवं 1974 बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित 50,000/- रु. की नकद धनराशि के साथ अर्जव जगन्नाथ चक्रवर्ती को ऑल-राउंड उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता

पीजीपीएक्स ने कैरियर प्रगति में लगातार अपना प्रथम स्थान जारी रखा और फाइनेंशियल टाइम्स एफटी वैश्विक रैंकिग 2012 में समग्र रूप से ग्यारहवें स्थान पर रहा। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका *सीईओ वर्ल्ड* ने भी वरिष्ठ कार्यपालकों एवं उद्यमियों के लिए शीर्षस्थ 25 श्रेष्ठ वैश्विक एमबीए स्नातक बिजनेस स्कूल रैंकिंग्स में पीजीपीएक्स को 11वाँ स्थान दिया है। सीईओ वर्ल्ड्स की श्रेष्ठ 25 प्रतिष्ठित स्नातक बिजनेस स्कूल रैंकिंग्स में कार्यपालकों एवं उद्यमियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को सातवाँ स्थान दिया गया।

पीजपीएक्स 2012-13 प्रवेश

अगले बैच के लिए छह महिलाओं सहित 85 छात्रों का चयन किया गया।

4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम

संस्थान का डॉक्टरेट स्तर का कार्यक्रम, प्रबंध में फैलो कार्यक्रम के नाम से जाना जाता है, इस दो वर्ष के पाठ्यक्रम के अंत में एक शोध प्रबंध करना होता है। छात्रों को स्नातक होने पर, "फैलो ऑफ दी इंडियन इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद" की उपाधि दी जाती है। इस वर्ष स्नातक हुए 5 छात्रों को जोड़ कर, कुल डॉक्टरेट हुए छात्रों की संख्या 279 हो गयी है। वर्तमान में, 37 छात्र उनके शोध चरण में हैं और 28 छात्र पाठ्यक्रम कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2012 में स्नातक हुए एफ़पीएम छात्रों के विवरण, **परिशिष्ट ग** में दिये गये हैं।

पीजीपी, पीजीपी-एबीएम और एफपीएम में छात्रों की पिछले 10 वर्ष की संख्या **परिशिष्ट घ** में दी गई है।

पुरस्कार

श्रेष्ठ शोध-प्रबंध प्रस्ताव हेतु आईएफ़सीआई एवं चौधरी-पद्मनाभन-पन्त पुरस्कार सुदीप के. कृष्णन (सीआईएसजी) ने प्राप्त किया, जबकि प्रथम वर्ष में विद्वत्तापूर्ण प्रदर्शन हेतु अतुल अरुण पाठक (व्यापार नीति) ने चौधरी-पद्मनाभन-पन्त पुरस्कार प्राप्त किया। श्रेष्ठ शोध-प्रबंध प्रस्ताव के लिए आईएफसीआई पुरस्कार देबदत्त पाल (सीएमए) ने प्राप्त किया।

पाँचवीं आईआईएम-ए डॉक्टरीय वार्ता :

संस्थान द्वारा विप्रो टेक्नोलॉजिज के सहयोग से 6 से 8 जनवरी 2012 तक पाँचवीं डॉक्टरीय वार्ता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्योग समर्थन और डॉक्टरेट उम्मीदवारों की इस अवसर में भागीदारी के विचार पर बड़ी सफलता मिली। इस वर्ष इस वार्ता को बड़ा और बेहतर बनाने के लिए इसके प्रारूप में सुधार किया गये। भारत से और विदेश से बड़ी संख्या शोधकर्ताओं ने इसमें भाग लिया।

इस वर्ष की वार्ता में, एक पूर्व सम्मेलन कार्यशाला 6 जनवरी, 2012 को आयोजित की गई, जिसमें पद्धति और प्रबंधन अनुसंधान में प्रयुक्त उपकरणों पर छह कार्यशालाएँ आयोजित की गई। इसमें औद्योगिक अनुसंधान एवं प्रबंधन के तरीकों में अग्रणियों ने भी भाग लिया।

यह अवसर डॉक्टरेट छात्रों एवं प्रतिभागियों को प्रख्यात अनुसंधान विद्वानों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ वास्तविक जीवन की समस्याओं और प्रबंधन के मुद्दों पर चर्चा करने के मौके उपलब्ध कराता है। एक विख्यात समाज अर्थशास्त्री और समाज विज्ञान अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रोफेसर एस. मारजित इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। केस वेस्टर्न युनिवर्सिटी में मार्केटिंग के अध्यक्ष प्रोफसर जगदीप सिंह मुख्य वक्ताओं में से एक थे। विप्रो टेक्नोलॉजिज के श्री जयन्त प्रभु, एम.एस. विश्वविद्यालय के पूर्व उप कुलपति डॉ. अनिल काने, और पवन उर्जा विशेषज्ञ (प्रमुख एमेरिटस, डबल्यूडबल्यूईए, अध्यक्ष, आईएनडबल्यूईए), थर्मेक्स से डॉ. आर.आर. सोन्डे, और एमरेल्ड प्रकाशन के श्री बिजू गणेशन उद्योग जगत से विशिष्ट अतिथि थे।

सम्मेलन की प्रस्तुतियों, प्रकाशित पेपरों और अन्य कार्यों के विवरण, अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति के वार्षिक प्रतिवेदन में देखे जा सकते हैं।

5. नियुक्ति

पीजीपी

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के लिए स्नातक हो रहे बैच के लिए नियुक्ति प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। थोड़ी सी प्रतिकूल मार्केट स्थिति के बावजूद भी छात्र अपनी पसंद के क्षेत्रों में नौकरी पाने में सक्षम रहे।

नियुक्ति प्रक्रिया

नियुक्ति प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई। शुरू में पार्श्विक प्रक्रिया थी जिसमें कम्पनियों ने कार्यानुभव वाले छात्रों के साक्षात्कार लिए और उन्हें मध्य स्तर के पदों की पेशकश की। अगला अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया कॉहार्ट सिस्टम से आयोजित की गई जो सन् 2010 से चल रही है। नियमित पेशकश के अलावा, अपने छात्रों को 'सपनों' से खेलने की अपनी अनुमति जारी रखते हुए संस्थान ने उन्हें अपनी पसंद की किसी भी कम्पनी में जाने की छूट दी, चाहे उन्हें पहले पेशकश मिल गई हो, जिससे उनकी पसंद के क्षेत्रों में जाने की आज़ादी मिले और उन्हें अपना भविष्य बनाने में सहायता मिले। कुल मिलाकर, नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लेने वाले 364 छात्रों को 443 नौकरियों की पेशकश की गई।

पार्श्व नियुक्ति

पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया में इस पर जोर दिया गया कि बैच के 40 प्रतिशत से ज्यादा योग्य छात्र, अपने अनुभव का लाभ उठा सकें। अमेज़न, दिलोइत, आदित्य बिड़ला ग्रुप, सिमेन्स, और माइक्रोसोफ्ट जैसी नियोक्ता कम्पनियाँ थी जिन्होंने पेशकश रखी।

बाजार की प्रतिकूल स्थितियों के बावजूद, संस्थान को भर्ती के किसी भी क्षेत्र में रुकावट नहीं आई। इस वर्ष, बार्कलेज कैपिटल, ड्यूश बैंक, गोल्डमैन सैच्स, मॉर्गन स्टेनली, सिटिबैंक, नोमुरा जैसी निवेश बैंकों और भारतीय रिज़र्व बैंक जैसे वित्तीय संस्थानों, यस बैंक, डी.बी.एस., और एक्सिस बैंक आदि ने भी बड़ी संख्या में छात्रों को भर्ती किया। भर्ती की दोनों, अंतिम एवं पार्श्व प्रक्रियाओं में परामर्श कम्पनियों ने बड़ी संख्या में भर्ती की। इनमें बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप, मैक्किन्ज़े एंड कम्पनी, बैन एंड कम्पनी, ओलिवर वायमेन, ओपेरा कन्सल्टिंग, ए.टी. केअर्नी, बूज़ एंड कम्पनी, एक्सैन्चर, और देलोइत शामिल थी। कई ई-कॉमर्स कम्पनियाँ जैसे कि ज़िंगा, येभी डॉट कॉम, रेडबस, और इन्फोएज ने उत्पाद विकास, विपणन, और सामान्य प्रबंधन में भी नियुक्तियाँ की। नियुक्ति प्रक्रिया में इस बार उनतालीस नये नियोक्ताओं ने भाग लिया।

प्रमुख नियोक्ता

पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया सहित नियुक्ति प्रक्रिया में 120 से अधिक कम्पनियों ने भाग लिया। सभी समूहों में से आई.बी.एम. प्रमुख नियोक्ता था जिसने 21 छात्रों का भर्ती के लिए चयन किया। प्रमुख वैश्विक परामर्श कम्पनियों में से बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप ने 17 छात्रों को, और मैक्किंज़े एडं कम्पनी ने 9 छात्रों को भर्ती किया। एक्सेन्चर ने पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया के माध्यम से चयनित छात्रों के सहित 14 छात्रों को भर्ती किया। वैश्विक निवेश बैंकों में, रॉयल बैंक ऑफ़ स्कॉटलैंड ने 11 छात्रों को भर्ती किया और अपने साथियों में उसने सबसे बड़ी संख्या में भर्ती की। एफ़.एम.सी.जी. साथियों में पहली बार सुपरमैक्स ने सबसे ज्यादा पेशकश रखी और 14 छात्रों को भर्ती किया, जबकि, वैश्विक प्रमुख प्रोक्टर एंड गैम्बल ने 9 छात्रों को भर्ती किया। भारती एयरटेल ने 11 छात्रों को और ई.एक्स.एल. सर्विस ने 9 छात्रों को भर्ती किया।

उद्यमिता

हमेशा से संस्थान ने छात्रों को कैरियर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है और इस वर्ष, छह छात्रों ने अपने नये उपक्रम शुरू करने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना। बुज़ुर्ग लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक सामाजिक उद्यम से शुरूआत करते हुए, घर पर ही डॉक्टर एवं दवाइयाँ उपलब्ध कराने की सेवा शुरू की गई, और एक सूचना सुरक्षा परामर्श कम्पनी शुरू की। उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी संस्कृति के साथ इस क्रम में संस्थान अपने छात्रों को एक नियुक्ति छुट्टी प्रदान करता है।

नियुक्ति प्रतिवेदन मानक

संस्थान द्वारा देशभर की व्यावसायिक-स्कूलों की नियुक्ति प्रक्रिया में अधिक से अधिक पारदर्शिता लाने के प्रयास में शुरू किये गये, भारतीय नियुक्ति प्रतिवेदन मानकों (आईपीआरएस) के अनुरूप, मुआवजा सहित नियुक्ति प्रक्रिया का विवरण एक लेखा परिक्षित प्रतिवेदन में जारी किया जायेगा। बाहरी एजेन्सी (क्रिसिल) द्वारा लेखा परीक्षा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही यह प्रतिवेदन उपलब्ध होगा, और आधिकारिक वेबसाइट - पर अपलोड किया जायेगा।

पीजीपी-एबीएम

अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया फरवरी 2012 में आयोजित की गई थी और इसमें बीज, उर्वरक, कीटनाशक, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, खुदरा, कोर्पोरेट बैंकिंग, खाद्य एवं कृषिव्यवसाय अनुसंधान एवं सलाहकार, एफ़एमसीजी, रसद एवं भंडारण प्रबंधन, कृषि मशीनरी, ग्रामीण बैंकिंग, कृषि अनुसंधान, शिक्षा, ग्रामीण विकास, और परामर्शन जैसे उप-क्षेत्रों में विभिन्न पदों की पेशकश की गई।

इस वर्ष नियुक्ति प्रक्रिया में बत्तीस कम्पनियों ने भाग लिया, इसमें 37 छात्रों को 53 पेशकश की गई। एक छात्र ने अपना उद्यम शुरू करने के लिए इस प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना, और दो अन्य छात्रों को परिसर से बाहर की नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लेने की स्वीकृति दी गई। इस बैच ने बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से लेकर मध्यम एवं लघु उद्यमों तथा जानेमाने प्रारम्भिक उद्यमों तक के विभिन्न नियोक्ताओं को आकर्षित किया।

गोदरेज एग्रोवेट और मोनसेन्टो इंडिया ने दो पूर्व-नियुक्ति पेशकश रखी थी। इसके अतिरिक्त, गोदरेज एग्रोवेट, ब्रिटानिया, और टाटा रेलिस ने चार पूर्व-नियुक्ति साक्षात्कार की पेशकश की।

सिंजेंटा ने पाँच पेशकश की और यह सबसे बड़ा नियोक्ता रहा। इफ़्ट्रा, यस बैंक और कोरोमंडल इंट रनेशनल, प्रत्येक ने चार-चार पेशकश की जिससे वे अन्य मुख्य नियोक्ताओं में शामिल हैं। नियुक्ति प्रक्रिया में पहली बार शामिल, लेमकेन ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में वरिष्ठ पदों की पेशकश की। पहली बार के अन्य महत्वपूर्ण नियोक्ताओं में वेक्टर कन्सल्टिंग ग्रुप, स्टार एग्री, पीआई इंडस्ट्रीज़, और न्यू हॉलेंड एग्रिकल्चर शामिल हैं। नियमित नियोक्ताओं जैसे कि, रेबोबैंक, हेइन्ज़, मेरिको, ब्रिटानिया, और बेयर क्रोप सायन्स ने भी इस नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लिया। पूर्व अनुभव वाले कई छात्रों ने टाफे (टीएएफ़ई) की तरफ से पार्श्विक नियुक्ति स्वीकार की।

दो छात्रों को विदेश में नियुक्ति मिली।

पीजीपीएक्स

इस वर्ष पीजीपीएक्स में उत्कृष्ट नियुक्तियाँ देखी गई। इस कार्यक्रम में सीमापार तथा संस्कृतियों में नेतृत्व पर जोर देते हुए एक सामान्य प्रबंधन पर ध्यान दिया गया है और यह किये गये प्रस्तावों में प्रतिबिंबित हुआ है।

पीजीपीएक्स छात्रों को भारत में और विदेशों में वरिष्ठ और मध्य-वरिष्ठ प्रबंधकीय पदों पर नियुक्त किया गया। इन नियोक्ताओं में काफी प्रसिद्ध नाम शामिल हैं जैसे कि, बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप, प्राइस वॉटर हाउस कूपर्स, रोलेंड बर्गर, माइक्रोसोफ्ट कोर्पोरेशन, ओरेकल फाइनेंसियल सर्विसिज़ सोफ्टवेयर लिमिटेड, विप्रो बी.पी.ओ., कोग्निज़ेन्ट टैकनोलोजिस सोल्युशन्स, माइंडट्री कन्सल्टिंग, अमेज़न डेवलपमेंट सेन्टर, यस बैंक, हिन्दुस्तान कोका कोला बेवरेजिस प्रा. लि., सियर्स होल्डिंग इंडिया, टाटा मोटर्स, एरिक्सन ग्लोबल, देलोइत कन्सल्टिंग, फिलिप्स हेल्थकेयर, और कई अन्य।

एक छात्र कम्पनी द्वारा प्रायोजित था, इसलिए उसने नियुक्ति से बाहर रहने का विकल्प चुना। शेष 100 छात्रों के लिए निन्यानवे पेशकश की गई। नियुक्ति प्रक्रिया के माध्यम से बहत्तर छात्रों को रोजगार मिला। आठ छात्रों ने पिछले नियोक्ताओं के साथ जुड़ने का निर्णय लिया। चार छात्रों ने विदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर प्राप्त करने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना। नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहते हुए दस छात्रों ने रोजगार प्राप्त किया। छह छात्रों के लिए उचित भूमिका, स्थान और पद तलाशने की प्रक्रिया जारी है।

एफपीएम

अंतिम नियुक्ति

चार एफपीएम छात्र अंतिम नियुक्ति के लिए पात्र थे। लेकिन, उनमें से किसी ने भी नियुक्ति का विकल्प नहीं चुना। एक छात्र ने भारतीय प्रबंध संस्थान, इन्दौर में शैक्षणिक पद ग्रहण किया, जबकि एक अन्य छात्र अपनी पहले वाली कम्पनी में लौट गया। तीसरे छात्र को पिछले वर्ष एक परामर्श कम्पनी द्वारा नियुक्त किया गया था, लेकिन वह इस वर्ष स्नातक हुआ है। चौथे छात्र ने इस प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना।

ग्रीष्मकालीन नियुक्ति

ग्रीष्मकालीन नियुक्ति के लिए दो छात्रों ने विकल्प चुना।

नियुक्ति प्रक्रिया

एफपीएम छात्रों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया को दिन-आधारित से बदल कर रोल आधारित कर दिया गया था। इस नई प्रक्रिया से छात्रों पर एक विशेष समय के अंदर अपना शोध-प्रबंध पूरा करने के लिए अनुचित बोझ नहीं आयेगा, जो कि दिन-आधारित प्रक्रिया के मामले में इस्तेमाल किया जाता है। एफपीएम छात्र अब वर्ष के दौरान किसी भी समय अपना शोध-प्रबंध पूरा कर सकते हैं और उसके तुरंत बाद कॉर्पोरेट नियुक्ति के लिए विकल्प चुन सकते हैं। नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने से पहले, शोध-प्रबंध सलाहाकार समिति की स्वीकृति की आवश्यतता होगी।

इसके विवरण **परिशिष्ट ङ** में दिये गये हैं।

6. दीक्षांत समारोह

सैंतालीसवाँ दीक्षांत समारोह के अवसर पर श्री के. वी. कामथ, अध्यक्ष, आईसीआईसीआई बैंक और अध्यक्ष, इनफोसिस टेकनोलॉजिज लिमिटेड

संस्थान का सैंतालीसवाँ दीक्षांत समारोह, 24 मार्च, 2012 को आयोजित किया गया। श्री के. वी. कामथ, अध्यक्ष, आईसीआईसीआई बैंक और अध्यक्ष, इनफोसिस टेकनोलॉजिज लिमिटेड, ने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह में, 5 एफपीएम छात्रों को 'भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद फैलो' की उपाधि, 369 छात्रों को स्नातकोत्तर प्रबंध डिप्लोमा, 40 छात्रों को कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा दिया गया, 101 छात्रों को कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक कार्य-निष्पादन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया :

- गौरव जगदीश सिंघल
- नेहुल मल्होत्रा
- आदित्य खंडेलिया

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंध में एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्र शिवराम रामकृष्णन ने शैक्षिक प्रदर्शन के लिए, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पदक प्राप्त किया।

गौरव जगदीश सिंघल

नेहुल मल्होत्रा

आदित्य खंडेलिया

शिवराम रामकृष्णन

7. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) एक 15-सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से प्रबंध शिक्षा के संकाय सदस्यों व प्रशिक्षण संस्थानों के लिए बनाया गया है। संस्थान ने 1979 में पहली बार पेश किये गये इस क्रार्यक्रम में बाद में विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ प्रयोग किये। पिछले कई वर्षों में इस कार्यक्रम की संरचना एवं पाठ्यक्रम में प्रबंध शिक्षकों के विकास की उभरती आवश्यकताओं को देखते हुए, फिर से काम किया गया है।

33वाँ एफडीपी 6 जून से 24 सितम्बर, 2011 तक आयोजित किया गया। भारतीय संस्थानों से उनतीस प्रबंध शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें से दस महिलाएँ थी। प्रबंधन से संबंधित विषयों में दस लोगों ने डॉक्टरेट किया।नौ लोग स्व-वित्तपोषित और दो लोग आंशिक रूप से स्व-वित्तपोषित थे। नौ स्व-वित्तपोषित प्रतिभागियों को शुल्क का छोटा-सा हिस्सा मिल जाए, इस तरह से 66,000 रुपयों की कुल फ़ैलोशिप प्रदान की गयी।

एफ़डीपी में प्रबंध शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कौशलों पर विशेष रूप से शिक्षा तथा अनुसंधान तरीकों में जिन शिक्षकों को वर्तमान घटनाक्रम के परिचय का अवसर नहीं मिला है, ऐसे शिक्षकों के उन्नयन के लिए ध्यान दिया जाता है। 32वें एफडीपी के विकासशील गठन को जारी रखते हुए, 33वें एफ़डीपी में पाठ्यक्रम के तीन समूह पेश किये गये : अनुशासन आधारित पाठ्यक्रम, मूलभूत पाठ्यक्रम, और ऐच्छिक का एक समूह। पाठ्यक्रम के पहले समूह में रणनीति निर्माण व कार्यान्वयन, कानूनी पर्यावरण, प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, आर्थिक पर्यावरण व नीति, प्रबंधन लेखा, वित्तीय प्रबंधन, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार को समझना, मानव संसाधन प्रबंधन, डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी, संचालन प्रबंधन, और राजस्व प्रबंधन को शामिल किया गया है।

मूलभूत पाठ्यक्रम में विशिष्ट शैक्षणिक व अनुसंधान कौशलों के उद्देश्य सें प्रबंध, संचार, अनुसंधान तरीके, डेटा विश्लेषण के लिए अनुप्रयोग, तथा प्रबंध शिक्षा में केस विधि की नींव शामिल हैं।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम में परियोजना प्रबंधन, स्वास्थ्य व अस्पताल प्रबंधन, पाठ्यक्रम डिजाइन – जलवायु परिवर्तन प्रबंधन, पर्यावरण प्रबंधन, विपणन अनुसंधान, कार्यक्रम के डिजाइन-विकास-डिलिवरी, ज्ञान प्रबंधन, तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आदि पेश किये गये। प्रतिभागियों ने क्षेत्र का दौरा भी किया और केस लेखन पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।

एफडीपी को एक गहन प्रबंधन संकाय विकास के अनुभव के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम के तौर पर मान्यता प्राप्त है। अभी एफडीपी में 623 सदस्यों वाले पूर्वछात्र नेटवर्क में नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, और इथियोपिया सहित 76 प्रबंध शिक्षक हैं, जो प्रबंध शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए योगदान कर रहे हैं।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

इस संस्थान में अनुसंधान महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। वित्तीय सहायता एवं अन्य समर्थनों की मात्रा के आधार पर वृहत, लघु, या मूलधन परियोजनाओं के रूप में वर्गीकृत अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता इस संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। केस-लेखन एक अन्य महत्त्वपूर्ण गतिविधि है जिसे संस्थान से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, मॉनोग्राफ्स , जर्नल्स में लेख, केस - इन अनुसंधान परियोजनाओं के परिणाम हैं।

वर्ष के दौरान, 11 अनुसंधान परियोजनाएँ, 6 मूलधन परियोजनाएँ, और 7 केस-विकास परियोजनाओं का कार्य प्रारंभ किया गया। ग्यारह अनुसंधान परियोजनाएँ, दो मूलधन परियोजनाएँ, 12 ग्रीष्म इंटर्नशिप परियोजनाएँ, और दो केस-विकास परियोजनाएँ पूरी की गई। तीन अनुसंधान परियोजनाओं को वापिस लिया गया।

इस वर्ष के दौरान, शैक्षणिक समुदाय ने 13 पुस्तकें, 8 मोनोग्राफ एवं जर्नल्स में 83 लेख लिखे। उन्होंने पुस्तकों में 29 अध्यायों का योगदान दिया, सम्मेलनों में 103 आलेख प्रस्तुत किए और 35 वर्किंग पेपर लिखे।

इनके विवरण, **परिशिष्ट च, छ और ज** में दिए गए हैं।

विकल्पः निर्णयकर्ताओं का जर्नल

***विकल्प* : निर्णयकर्ताओं का जर्नल**,(www.vikalpa.com) एक तिमाही प्रकाशन है। प्रकाशन के अपने 37वें वर्ष में विकल्प, भारत में शीर्ष प्रबंध-जर्नल के रूप में उभरा है। इसमें अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, जो शैक्षणिक कठिनता और प्रतिभावों के मानकों को पूरा करते हैं जो कि अभी नये जुड़े प्रबंधकों के लिए प्रासंगिक बने हुए हैं।

विकल्प के प्रत्येक अंक में निम्नलिखित नियमित विशेषताएँ होती हैं। **दृष्टिकोण** उन उभरते मुद्दों व विचारों को प्रस्तुत करता है जो संगठनों में प्रबंधकों, प्रशासकों व नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की

मांग करते हैं। **अनुसंधान** में विश्लेषणात्मक या अनुसंधान आधारित लेख होते हैं, जो प्रबंधकीय व शैक्षणिक मुद्दों के समाधान पर ध्यान आकर्षित करते हैं। **अंतराफलक** ऐसे लेख प्रस्तुत करता है, जो प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक रूप से उपयोगी होते हैं तथा उनके प्रबंधकीय कौशलों को अद्यतन बनाने में सहायक होते हैं। **टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ** प्रारंभिक अनुसंधान, साहित्य की समीक्षा, और प्रकाशित आलेखों या किसी संगत विषय पर टिप्पणियों को समाविष्ट करती हैं । **वार्ता** के अंतर्गत, प्रसिद्ध पैनलिस्टों द्वारा समसामयिक विषय पर की गई चर्चा शामिल होती है। **प्रबंध केस** में, किसी एक प्रबंधक या संगठन ने, रणनीतिगत, प्रकार्यात्मक या प्रचालनात्मक स्तरों पर किसी वास्तविक स्थिति का सामना किया हो, उस पर निर्णय लिया हो या कार्रवाई की हो, तो उसका वर्णन होता है। **निदान**, अकादमी के सदस्यों एवं व्यवसायियों द्वारा किए गए किसी केस के विश्लेषण को प्रस्तुत करता है। पिछले दो वर्षों से, ***विकल्प*** ने केस और उसके निदान को एक ही अंक में समाहित करना शुरू कर दिया है। *विकल्प* **पुस्तक समीक्षाएँ** भी प्रस्तुत करता है।

विकल्प, ऐसा जर्नल है जिसकी समीक्षा समान योग्यता वाले व्यक्तियों द्वारा की जाती है। प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री की दोहरी अप्रत्यक्ष समीक्षा की जाती है और स्वीकृत सामग्री, इस जर्नल द्वारा अपेक्षित उच्च मानकों के अनुरूप संपादित की जाती है। वर्ष के दौरान, लगभग 130 समीक्षकों को समीक्षा के कार्य पर लगाया गया।

2011-12 के दौरान, ***विकल्प*** को 239 पेपर प्राप्त हुए, जिनमें से 113 को प्रारंभिक चरण में अस्वीकार कर दिया गया, तथा बाकी को समीक्षा के बाद, या तो संशोधन के बिना, या लेखकों द्वारा संशोधन के बाद स्वीकार किया जायेगा, या अस्वीकार किया जायेगा। इस वर्ष के दौरान, *विकल्प* ग्राहक संख्या (प्रति अंक औसत) 4029 थी। *विकल्प* आईआईएमए / आईआईएमए सोसायटी के 372 सदस्यों को वितरित किया गया।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

वर्ष 2011-12 के दौरान, संस्थान ने 58 प्रबंध विकास कार्यक्रम पेश किये, जिनमें सरकारी विभागों सहित, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों से 1,812 अधिकारियों ने भाग लिया। प्रबंध विकास कार्यक्रम गतिविधि 14,548 प्रतिभागी - दिवसों के लिए चलायी गई।

इस वर्ष के दौरान, दो कार्यक्रमों को दो बार पेश किया गया : 3टीपी : मध्य प्रबंधन कार्यक्रम और भूटान में सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम।

इन 58 कार्यक्रमों में से, चार कार्यक्रम नियमित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम थे। बाकी के 54 कार्यक्रमों में से, 11 नये कार्यक्रम थे, और 43 कार्यक्रमों की पुनरावृत्ति हुई थी। इन 11 नये कार्यक्रम में से, एक सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (दो बार पेश हुआ) था और 9 कार्यक्रम क्षेत्र-विशेष कार्यक्रम थे।

जब 73 कार्यक्रमों को पेश करने की योजना की गई, तब 15 कार्यक्रमों को या तो रद्द कर दिया गया, या फिर स्थगित कर दिया गया था।

प्रस्तुत कार्यक्रमों, प्रतिभागियों की संख्या, इत्यादि का विवरण **परिशिष्ट 'झ'** में दिया गया है।

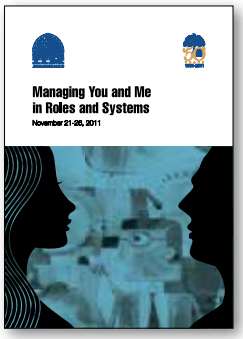

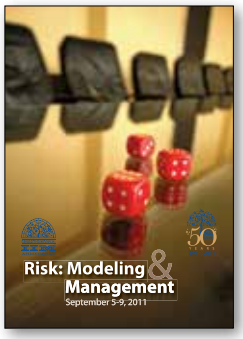

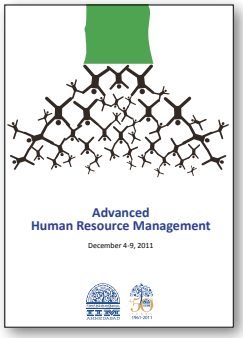

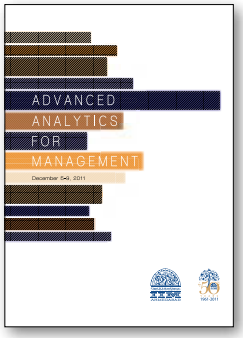

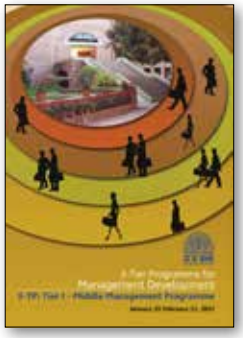

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

1. इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र

चालू वर्ष के दौरान, इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र (सीईजी) के संकायों ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ई-प्रशासी परियोजना के प्रभावी आकलन अध्ययनों के दूसरे चरण से प्राप्त निष्कर्षों का प्रसार किया।

प्रबंध संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय (आईएमएलयू), आईआईटी-दिल्ली, भारतीय कम्प्यूटर सोसायटी, और गुजरात सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ई-अभिशासन-2011 विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, अहमदाबाद में नवम्बर 2011 को आयोजित भारतीय कम्प्यूटर सोसायटी वार्षिक सम्मेलन में, 12 दिसम्बर 2011 को मुम्बई में दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कम्प्यूटर सम्मेलन (सेआर्क) में, 29 सितम्बर, 2011 को 8वें अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन, एसोचेम, नई दिल्ली में, और आईटीबिज़ बैंगलुरू में 18 से 20 अक्टूबर, 2011 के दौरान पूर्ण पैनल सत्र में प्रस्तुतियाँ की गई। ई-अभिशासन के विषय पर विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लगभग एक दर्जन प्रस्तुतियाँ की गई।

आई एफ आई पी / सी ई जी न्यूज़लेटर

विकासशील देशों में आई टी शीर्षक अंतर्गत आई एफ आई पी / सी ई जी न्यूज़लेटर के तीन मुद्दे इस वर्ष के दौरान प्रकाशित किये गये। इस न्यूज़लेटर के 600 ग्राहक हैं और विभिन्न देशों से लगभग 2500 पाठक हैं।

2. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केन्द्र

संस्थान द्वारा नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, नेताओं, प्रबंधकों, उद्यमियों, और अन्य हितकारक घटकों के सहित लिंग संबंधित चिंताओं के अध्ययन के लिए लिंग संसाधन केन्द्र एक नयी पहल है। इस केन्द्र का प्राथमिक कार्य लिंग संवेदनशील प्रक्रियाओं को सृजित करने, समर्थन देने, और उसे टिकाये रखने के लिए बेहतर समझ रखना है और लिंग भेद के प्रबंधन में असाम्यता से निपटना है। यह केन्द्र 2006 में नीति अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए और शिक्षा, प्रशिक्षण, और बाहरी पहुँच के माध्यम से क्षमता निर्माण के उद्देश्य से रचा गया, जिसमें नीति निर्माताओं, अभ्यस्तों, विद्वानों, और पूर्वछात्रों को लिंग पहल पर सलाह समर्थन के साथ उपलब्ध किया जाता है, और लिंग समानता में ज्ञान सृजन एवं कार्रवाई अनुसंधान, विविधता, एवं समावेशिता के लिए गतिविधियों के उपक्रम उपलब्ध कराये जाते हैं। इसी कारण से, इस केन्द्र का नाम **जेडी सेन्टर** लोकप्रिय हुआ है और इस वर्ष के दौरान इसी नाम से इसका पुनः नामकरण किया गया है।

विषयगत केन्द्र-बिंदु

आदर्श रूप से, 'लिंग' शब्द पुरुष और स्त्री दोनों के दृष्टिकोण की एक समझ का उल्लेख करता है। महिलाओं के अध्ययन के प्रवाह से खुद को अलग रखते हुए, यह केन्द्र लिंग अलगाव के प्रबंधन में असामंजस्य की राजनीति के बारे में प्रकाश डालता है। जीवन के विभिन्न चरणों में लिंग असमानता उत्पन्न होती है और कार्य स्थल के जीवन में वयस्क भूमिकाओं की संकीर्णता के लिए त्वरित रूप से कुछ भी तय

नहीं किया जा सकता। इसी कारण से, इस केन्द्र ने जीवन-चक्र के परिपेक्ष्य में, गर्भ से लेकर बुढ़ापे तक लिंग भेद की राजनीतिक असामंजस्यता से निपटने के लिए प्रसव पूर्व देखभाल, शिशु देखभाल, बच्चे का पालन, शिक्षा, कार्यालय-जीवन में जोड़ों की भूमिकाओं और प्रणालियों में संतुलन, आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन तथा पेशेवर महिलाओं के जीवन में पुराने प्रतिधित्व को अपनाया है। इनमें से कुछ पहचानी गई प्राथमिकताओं में निर्वाचित महिलाओं के प्रतिनिधित्व के तहत पेशेवर महिलाओं के उत्तरदायित्व की चयनित भूमिकाओं और कार्यस्थल पर तथा उच्चतर शिक्षा प्रणाली में लिंग विविधता, समानता, एवं समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण और बच्चे के पालन में लिंगगत व्यवहार और शैक्षिक पाठ्यक्रम के डिजाइन में प्रणालीगत कमी तथा महिला उद्यमियों और प्रबंधकों के लिए विशेष चुनौतियों मुकाबला करना है।

सेवा के बारे में केस अध्ययन

यह केन्द्र विश्व में सबसे बड़ा महिला संगठन *सेवा* संगठन के बारे में एक केस अध्ययन को अंजाम दे रहा है, जिससे छत्र विशेषताओं, संकर संगठनात्मक सुविधाओं, और प्रतिकारी शक्ति गतिशीलता को समझा जा सके।

क्षमता निर्माण

इस केन्द्र ने 14 से 20 मार्च, 2012 के दौरान 'आप में और मुझ में भूमिकाओं एवं प्रणालियों का प्रबंध' विषय पर एक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य संगठनों में प्रबंधन और नेतृत्व में चुनौतियों का सामना करने के लिए क्षमता का विकास करना था।

जेडी संवर्धन संध्या

एक फ्रेन्च फिल्म *विमेन आर हिरोज़* प्रदर्शित करते हुए और बाद में आलियोन्स फ्रोन्सेज़ द-एहमेदाबाद के निदेशक श्री फिलिप मार्टिन द्वारा उत्साहजनक चर्चा के साथ मासिक जेडी संवर्धन संध्या का उद्घाटन एक उल्लेखनीय नयी गतिविधि से हुआ। सितम्बर में, 'महिलाओं और पुरुषों को संगठित करने में क्या भिन्नता है?' शीर्षक से जेडी के अध्यक्ष प्रोफेसर अजीत एन. माथुर द्वारा एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया गया था। सितम्बर 2011 में जेडी संवर्धन संध्या में चर्चा हुई थी कि जिन तरीकों से महिलाओं और पुरुषों को संगठित किया जाता है वे तरीके परस्पर क्यों भिन्न होते हैं? अक्टूबर 2011 में जेडी संवर्धन संध्या का विषय था - 'लिंगगत भूमिका पहचान' और एक फिनिस फिल्म *कोवास पिल्वेट कर्कवत* को अँग्रेज़ी उपशीर्षक से प्रदर्शित किया गया था और बाद में रोजगार के संदर्भ में भूमिका पहचान के बारे में एक चर्चा का आयोजन हुआ था। नवम्बर 2011 से फरवरी 2012 के दौरान जेडी संवर्धन संध्या के विषय थे - 'भूमिकाओं एवं प्रणालियों में लिंग भेद का प्रबंधन' (29.11.2011 और 16.12.2012), 'लिंग परिचर्चा में एक समूह के भीतर और परस्पर दोनों समूहों के दौरान होता संघर्ष' (20.01.2012)।

जेडी केन्द्र ने 8 मार्च, 2012 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विशेष जेडी संवर्धन आयोजित किया था। इस अवसर पर दो वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। सेवा बैंक की प्रबंध निदेशक सुश्री जयश्री व्यास ने 'गरीबों के लिए पूंजी निर्माण : सेवा संगठन के अनुभवों से सबक' विषय पर वक्तव्य दिया और उनके बाद भारत में रेडियोफोनी के संस्थापक श्री विक्रम कृष्णा ने 'गोपनीयता नीतियों और आर्थिक रूप से असन्तुष्ट प्रजा : लिंग, समानता, विविधता और समावेशिता (जेडी) के निहितार्थ' विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

3. अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र

अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र (सीआईपीआर), परामर्शी सेवाओं, शिक्षा, प्रकाशन, अनुसंधान तथा अवसंरचना, नीति व विनियमन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा देता है। सीआईपीआर, संस्थान में उपलब्ध बुनियादी ढाँचे व विनियमन के क्षेत्रों में नीति अनुसंधान में महत्वपूर्ण अनुभव को शक्ति प्रदान करने का प्रयास करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

कंपनी के कार्यक्रम

- *डेनिक्स* के (सार्वजनिक नीति एवं अभिशासन, विकास प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन, ई-अभिशासन एवं पीपीपी में प्रशिक्षण कार्यक्रम) वरिष्ठ अधिकारियों की व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम, 11-15 अप्रैल, 2011
- योजना आयोग के लिए बुनियादी ढाँचे में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी), 18-23 अप्रैल, 2011।
- ऊर्जा बाजार नेतृत्व (पावर मार्केट लीडरशिप कोर्स) – पावर एक्सचेन्ज (ऊर्जा विनिमय) भारत लिमिटेड (पीएक्सआईएल) के लिए अनुकूलन पीढ़ी और पावर ट्रेडिंग, 25-27 अप्रैल, 2011
- आईएएस अधिकारियों के लिए मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम : सार्वजनिक नीति एवं विश्लेषण पर मोड्यूल, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन एकेडमी, मसूरी, 25 अप्रैल से 5 मई, 2011
- नियामकों के फोरम के लिए इलैक्ट्रिसिटी विनियामकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम, 3 से 10 जून, 2011
- पावर मार्केट लीडरशिप कोर्स – पावर एक्सचेन्ज इंडिया लिमिटेड (पीएक्सआईएल) के लिए ट्रान्समिशन मूल्य निर्धारण और खुली पहुँच, 13 से 15 मार्च, 2012

सार्वजनिक प्रणाली समूह के माध्यम से प्रस्तुत प्रबंध विकास कार्यक्रम

- विमानन प्रबंधन
- बुनियादी ढाँचे में कानूनी व विनियामक मुद्दे
- अवसंरचना में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी)
- वरिष्ठ प्रबंधन के लिए सामरिक पोर्ट प्रबंधन
- शहरी परिवहन

राष्ट्रीय सम्मेलन

(भारतीय अवसंरचना प्रकाशन के साथ सहयोग से आयोजित)

- कन्टेनर अवसंरचना विकास के बारे में 5वाँ वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 21-22 जुलाई, 2011
- भारत में रेलवे के बारे में 5वाँ वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 3-4 नवम्बर, 2011
- भारत में बन्दरगाहों के बारे में 9वाँ वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 31 जनवरी से 1 फरवरी, 2012

4. नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र

नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता केन्द्र (सीआईआईई) नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में अनुसंधान केन्द्र के रूप में 2001 में स्थापित किया गया। गुजरात सरकार तथा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से 2007 में भौतिक अवसंरचना एवं प्रौद्योगिकी व्यापार ऊष्मायन की स्थापना हुई थी।

रुचि के प्राथमिक क्षेत्रों के रूप में तीन क्षेत्र उभरे हैं :

- ऊष्मायन एवं निवेश
- अनुसंधान एवं प्रशिक्षण
- पारिस्थितिकी तंत्र विकास

पिछले कुछ वर्षों में इस केन्द्र ने भारत में सलाह, निवेश, ऊष्मायन और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमियों के सृजन में नेतृत्व किया है।

ऊष्मायन एवं निवेश

सीआईआईई उद्यमिता समाधान आधारित अभिनव प्रौद्योगिकी एवं व्यापार मॉडल के लिए सक्रिय भौतिक और आभासी ऊष्मायन समर्थन एवं निवेश उपलब्ध कराता है। देशभर के प्रत्येक आकांक्षी के लिए नवाचार एवं निवेश समर्थन खुला रहता है।

सीआईआईई प्राथमिक रूप से सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, शुद्ध प्रौद्योगिकी, और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों में जहाँ व्यापार मॉडल के साथ प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण विशाल सामाजिक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है उन क्षेत्रों से अलग सामाजिक रूप से प्रासंगिक एवं टिकाऊ उद्यमों में नवाचार एवं निवेश पर ध्यान केन्द्रित करता है। सीआईआईई ने उपरोक्त डोमेन में सलाह के अलावा 60 से ज्यादा स्टार्टअप में ऊष्मायन / निवेश किया हुआ है। नवाचार एवं उद्यमशीलता के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए, सीआईआईई को भारत सरकार द्वारा श्रेष्ठ प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्युबेटर पुरस्कार-2010 से सम्मानित किया गया था।

भारत भर में शीर्ष 18 नवीन आविष्कारकर्ताओं की घोषणा *एमआईटी टैकनोलोजी रिव्यू* ने की और उनमें से तीन नवीन आविष्कारकर्ता सीआईआईई द्वारा समर्थित थे। लॉकहीड मार्टिन और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने हाल ही में भारत में शीर्ष नवाचारकर्ता की घोषणा की और फिर से उनमें से 5 नवीन आविष्कारकर्ता सीआईआईई द्वारा समर्थित थे। सीआईआईई द्वारा समर्थित कई उद्यमों ने बाद में रकम जुटाई और आज वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य बन गये हैं। सीआईआईई द्वारा समर्थित उद्यमों को सामान्यतया सीआईआईई द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्काउटिंग कार्यक्रमों के माध्यम से सीधे ही चयन किया जाता है अथवा सीआईआईई के साथ भागीदारी में चयन किया जाता है।

संस्थान में मौजूद अनुभव एवं विशेषज्ञ, उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम के साथ साथ प्रबंधन, नवाचार, और प्रौद्योगिकी नेटवर्क के क्षेत्रों की इस पहल में प्रोत्साहन और बौद्धिक आधार प्रदान करते हैं। संकाय सदस्य इन टीमों को सलाह देने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं जिससे सीआईआईई के सहयोग से हुई ऊष्मान्वित परियोजनाओं में सहायता मिलती है। इनमें प्रबंधकीय निवेश की जरुरतों को संकाय सदस्यों की देखरेख में छात्रों की परियोजनाओं में बदला जाता है। ऊष्मान्वितों को किसी भी संकाय के साथ बातचीत करने और नेटवर्किंग समर्थन का पता लगाने की आज़ादी रहती है।

अक्षय - ऊर्जा के लिए भारतीय निधि (इनफ़्यूज़)

अक्षय ऊर्जा के लिए भारतीय निधि (इनफ़्यूज़) अपनी तरह की पहली सार्वजनिक निजी शिक्षा भागीदारी है जो भारत में टिकाऊ उद्यमशीलता समाधान के माध्यम से ऊर्जा की माँग-आपूर्ति के बीच के अंतराल को पाटती है। यह मंच नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, निगमों, और विकास संगठनों को एकसाथ लाता है जिससे ऊष्मायन, रचना एवं अक्षय ऊर्जा निधि क्षेत्र में नये उद्यम बनते हैं।

संस्थान में, 25 अगस्त, 2011 को नवीन एवं अक्षय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के आदरणीय मंत्री डॉ. फारुक अब्दुल्लाह और आदरणीय मुख्य मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गुजरात सरकार, द्वारा **इनफ़्यूज़** का उद्घाटन किया गया।

आई-गतिवर्धक कार्यक्रम – 2011

आई-गतिवर्धक, आई टी और मोबाइल क्षेत्र में अभिनव प्रौद्योगिकियों को पहचानने, प्रोत्साहित करने तथा प्रेरणा के लिए सीआईआईइ द्वारा किया गया उपक्रम है। यह दो से चार महीने का शुरुआती शिविर है, जिसका उद्देश्य है - शुरुआती-टीमों को सघन समर्थन प्रदान करना। कार्यक्रम का तीसरा संस्करण 2011 में आयोजित किया गया। लगभग 250 आवेदनों की जाँच करने के बाद ग्यारह टीमों का चयन किया गया और आदर्श विकसित करने के लिए सहायता एवं धनराशि प्रदान की गई। इन अतिरिक्त शिविर में, जर्मनी से भी दो शुरुआतियों ने भाग लिया। एन्जिल निवेशकों ने काफी समय का योगदान दिया और सफल उद्यमियों ने टीमों के साथ बातचीत की।

पारिस्थितिकी तंत्र विकास

सीआईआईई का लक्ष्य इच्छुक उद्यमियों एवं नवीन आविष्कारकर्ताओं को एक अनुकूल माहौल और शुरूआती नवीन आविष्कारकर्ताओं तथा उद्यमियों को खतरे से सुरक्षा प्रदान करना है। इस केन्द्र ने प्रमुख उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ आगे कदम बढ़ाये हैं और भागीदारी की है।

उद्यमशीलता की भावना को उत्प्रेरित करने के लिए, संस्थान के पूर्वछात्रों एवं सीआईआईई ने एक सक्रिय सलाहकार नेटवर्क के माध्यम से बैंगलुरू से शुरू करके देशभर में सीआईआईई की पहुँच के लिए भागीदारी की है। यह नेटवर्क आकांक्षी उद्यमियों को मदद करने हेतु पूर्वछात्रों की विशेषज्ञता एवं सीआईआईई के ऊष्मायन अनुभव का लाभ उठायेगा।

सीआईआईई नयी प्रवृत्तियों, नवाचार एवं उद्यमशीलता के क्षेत्र में अनुसंधान एवं प्रशिक्षण को अंजाम देता है। संस्थान के छात्रों एवं इच्छुक उद्यमियों, दोनों को उपक्रम निवेश, उद्यमशीलता, और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में आवश्यक कौशलों का विकास करने के लिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है। सीआईआईई आईआईएमए में विभिन्न संगोष्ठियों और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करने के अलावा, नये पाठ्यक्रम एवं केसों के गठन में भी शामिल रहा है।

पुरस्कार / मान्यता

सीआईआईई को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी व्यापार ऊष्मायनकर्ता 2010 के रूप में मान्यता दी गई।

हाल ही में निम्नलिखित शुरूआतकर्ताओं को मान्यता दी गई :

- इनोज़, इकोलिब्रियम और ग्रिडबोट्स को एमआईटी-प्रौद्योगिकी समीक्षा की 35 प्रवर्तक सूची-2011 में विजेता घोषित किया गया है।
- ग्रिडबोट्स, *नासकोम इनोवेशन पुरस्कार की* शीर्ष 8 नवाचार कम्पनियों में रही।
- शीर्ष 200 एशियाई कंपनियों की रेड हेरिंग सूची में ग्रिडबोट्स को शामिल किया गया।
- लगातार तीसरे वर्ष वाइब्रेन्ट गुजरात की वेबकास्टिंग के लिए वी-मुक्ति को सम्मानित किया गया।
- वैश्विक सामाजिक उद्यमशीलता प्रतियोगिता 2010 में बायोसेन्स प्रौद्योगिकियों के लिए वॉशिंगटन युनिवर्सिटी, सिएटल, वैश्विक स्वास्थ्य ग्रैंड पुरस्कार मिला ।
- रोलोक्यूल के फ़्लिक टेनिस ने स्पेन में आयोजित इंटरनेशनल मोबाइल गेमिंग पुरस्कार 2012 में *पीपल्स चोइस पुरस्कार* जीता।

5. कृषि प्रबंध केंद्र

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर्विषयक समूह है, जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण व समवर्गी क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त नीति एवं समस्या समाधान के अनुसंधान में संलग्न है। सीएमए, इन क्षेत्रों/इलाकों में शिक्षण, प्रशिक्षण व परामर्शी कार्यकलापों में भी संलग्न है। इस केन्द्र में, छह प्राथमिक और चार माध्यमिक संकाय-सदस्य हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

सम्पन्न

- व्यापार प्रतिस्पर्धा और भारतीय कृषि की कीमत वसूली के लिए क्षमता निर्माण

विवरण **परिशिष्ट ञ** में दिये गये हैं।

प्रगति में

- कृषि व्यवसाय एवं एलाइड क्रेडिट में आजीविका संवर्धन के लिए क्रेडिट बनाम क्रेडिट-प्लस अभिगम : एक समेकित अध्ययन रिपोर्ट
- भूमि स्वास्थ्य, पौधों का स्वास्थ्य, और मानव स्वास्थ्य
- भारत में प्रमुख खाद्यान्नों के विपणन और विक्रय अधिशेष का आकलन

- भारत में तिलहन और पाम उत्पादन की समस्याएँ तथा संभावनाएँ
- संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी का एक अर्थमितीय विश्लेषण : लघु सिंचाई प्रणाली का एक केस
- लघु वित्त के तहत स्वयं सहायता और संयुक्त देयता समूह संस्थानों की स्थिरता
- कृषि में जैव प्रौद्योगिकी : वादे, प्रदर्शन, चिंताएँ, और अर्थशास्त्र की जाँच

अध्यापन

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) ने, पीजीपी-एबीएम, पीजीपी, और पीजीपीएक्स में 31 पाठ्यक्रम तथा फैलो प्रबंध कार्यक्रम (कृषि) में पाँच पाठ्यक्रम चलाए।

प्रबंध विकास कार्यक्रम / संगोष्ठियाँ

- कृषि निवेश विपणन
- सामरिक प्रतिस्पर्धा एवं सहयोगात्मक लाभ के लिए बौद्धिक संपदा का दोहन करना
- कृषि के साथ व्यापक आर्थिक संबंध
- डेयरी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन और प्रासंगिक अनुकूलन निवेश के प्रभाव का मूल्यांकन करना : संयुक्त राज्य अमेरिका से एक केस अध्ययन

6. खुदरा बिक्री केंद्र

खुदरा बिक्री केन्द्र का उद्देश्य अंतिम ग्राहक तक उत्पाद एवं सेवाओं के वितरण की क्षमता एवं गुणवत्ता में सुधार करने के लिए खुदरा प्रबंधन विषयक ज्ञान का सृजन और प्रसार करना है। नौ संकाय-सदस्यों की एक अंतःशास्त्रीय टीम को इस केन्द्र के उद्देश्यों से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, व परामर्शी कार्यकलाप में लगाया गया है।

प्रबंधन विकास / संस्थान के आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

- खुदरा प्रबंधन
- खुदरा प्रबंधन पर अल्पावधि कार्यक्रम, दुबई

छात्रों द्वारा स्वतंत्र अनुसंधान परियोजना (आईआरपी)

- 'एक भारतीय ब्राण्ड द्वारा हेयर कलर बाजार में बढ़ते हुए बाजार हिस्से के लिए विपणन रणनीति का विकास', अभिक प्रमाणिक, स्पन्दन सिन्हा और सुब्रता सहारिया; अनुसंधान मार्गदर्शक, प्रोफेसर पीयूष कुमार सिन्हा
- 'आत्यंतिक बाजार में दुकानदारों का व्यवहार', कुमार सोनल और मृणाल एस. कवूर, अनुसंधान मार्गदर्शक, प्रोफेसर पीयूष कुमार सिन्हा
- 'सामाजिक मीडिया विपणन', अमित भसिन, अनिर्बन डी. दास और अंकित गर्ग; अनुसंधान मार्गदर्शक, प्रोफेसर पीयूष कुमार सिन्हा

7. कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह (सी. एंड आई.एस.जी.)

पाठ्यक्रम

पीजीपी

सी. एंड आई.एस.जी. ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तुत किये :

अनिवार्य

- व्यापार के लिए सूचना प्रणाली
- व्यापार के लिए इंटरनेट प्रौद्योगिकी
- प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग

ऐच्छिक

- ई-शासन में परामर्श : दूरदृष्टि से कार्यान्वयन तक (पीजीपी-एबीएम के लिए खुला है)
- डाटा खनन और व्यापार आसूचना
- निर्णय करने के लिए डाटा कल्पनाशीलता
- निर्णय समर्थन प्रणाली
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- उद्यम डिजिटल अवसंरचना
- ईआरपी प्रणालियाँ : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- सॉफ्टवेयर परियोजनाओं और उद्यमों का प्रबंधन
- सूचना प्रणाली की सामरिक योजना

एफ़डीपी

- प्रबंधन के लिए आई.टी.

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान समूह द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम पेश किये गये :

- प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी
- ईआरपी प्रणालियाँ : तकनीकी योजना एवं कार्यान्वयन
- सामरिक आईटी प्रबंध
- सूचना प्रणाली की सामरिक योजना

8. सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी)

इस वर्ष के दौरान, सार्वजनिक प्रणाली समूह ने अपने कार्यकलाप को पर्यावरण, परिवहन, अवसंरचना, शहरी प्रबंध, स्वास्थ्य प्रबंध और मूल्यांकन पर केन्द्रित किया।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध
- अस्पताल प्रबंध
- अवसंरचना विकास एवं वित्त व्यवस्था
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- अवसंरचना में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- दूरसंचार उद्यम प्रबंधन
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक नीति
- सामाजिक उद्यमिता
- परिवहन अवसंरचना
- शहरी अर्थव्यवस्थाएँ और व्यवसायिक वातावरण

पीजीपी-एबीएम

- कृषि व्यवसाय एवं ऊर्जा बाजार
- कृषि व्यवसाय में कार्बन वित्त
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- सार्वजनिक वित्त
- सामाजिक उद्यमिता

एफपीएम

- आर्थिक विकास एवं वृद्धि
- इलैक्ट्रिक पावर अर्थशास्त्र और नीति
- ऊर्जा एवं पर्यावरण नीति
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक प्रबंध
- सार्वजनिक नीति
- पर्यावरण प्रबंध के लिए सार्वजनिक नीति उपकरण
- परिवहन नीति पर संगोष्ठी
- शहरी विकास नीति एवं कार्यान्वयन

पीजीपीएक्स

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध
- अस्पताल प्रबंध
- अवसंरचना विकास एवं सार्वजनिक निजी भागीदारी
- बुनियादी ढाँचे में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे
- दूरसंचार उद्यम प्रबंधन
- परिवहन अवसंरचना

एफडीपी

- जलवायु परिवर्तन प्रबंध पर पाठ्यक्रम डिजाइन
- पर्यावरण प्रबंठध
- स्वास्थ्य और अस्पताल प्रबंध
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान समूह ने निम्नलिखित कार्यक्रम प्रस्तुत किये :

- विमानन प्रबंध
- अस्पताल प्रबंध
- अवसंरचना में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे
- अवसंरचना में सार्वजनिक-निजी भागीदारी
- वरिष्ठ प्रबंधन के लिए सामरिक बंदरगाह प्रबंध
- शहरी परिवहन

9. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र

रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केन्द्र (आरजेएमसीईआई) प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संस्था निर्माण के अनुसंधान में शामिल है। 'परियोजना आधारित शिक्षण एवं सीखने की विधि' नामक परियोजना के तहत तीन स्कूलों का एक अध्ययन सम्पन्न हुआ है। निलोबराय विद्यालय, रालेगाँव सिद्धि, और बैंगलुरू के परिक्रमा स्कूल जैसे नवाचार स्कूलों का भी अध्ययन किया गया। 'नेटवर्क व्यावसायिक विकास : अध्यापको द्वारा संचालित शैक्षणिक नवाचार के लिए एक क्लियरिंग हाउस' शीर्षक की परियोजना के तहत 25 अभिनव प्राथमिक शिक्षकों के केस अध्ययनों के संग्रह को गुजरात शैक्षणिक नवाचार आयोग द्वारा सितम्बर 2011 में प्रकाश में लाया गया। अन्य प्राथमिक शिक्षकों के केस अध्ययनों को भी शुरू किया गया था। महाराष्ट्र में शिक्षक विकास नेटवर्क के एक अध्ययन की शुरूआत की गई। इसके अलावा, दो प्रबंधन शिक्षा संस्थानों के केस अध्ययन भी शुरू किये गये।

सीबीएसई स्कूलों के आचार्यों के लिए और प्रबंध शिक्षा संस्थानों के निदेशकों के लिए आरजेएमसीइआई ने हफ्ते भर के कार्यक्रमों की(प्रति वर्ष एक कार्यक्रम) पेशकश जारी रखी। "शिक्षा में उद्यमशीलता" पीजीपी के लिए एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम और एफडीपी व एफपीएम के लिए संचार संबंधित वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी पेश किये गये।

अनुशासनिक क्षेत्र

संस्थान में आठ अनुशासनिक क्षेत्र हैं : व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक व औद्योगिक संबंध तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके।

1. व्यापार नीति

शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान व्यापार नीति क्षेत्र की निम्नलिखित गतिविधियाँ रही :

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- व्यवसाय बौद्धिक सम्पदा
- व्यापार कराधान
- व्यवसाय, सरकार और कानून
- कॉर्पोरेट कर योजना
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- परिवार व्यवसाय गतिशीलता
- रणनीति परामर्शन की नींव
- नवाचार एवं बौद्धिक सम्पदा
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- नेतृत्व : दृष्टि, अर्थ और वास्तविकता
- व्यवसाय के कानूनी पहलू
- सामरिक प्रबंधन
- रणनीतियाँ और भविष्य
- उच्च-तकनीक उद्योगों के लिए प्रौद्योगिकी रणनीति

पीजीपी-एबीएम

- अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यवसाय

पीजीपीएक्स

- व्यवसाय नेतृत्व और कानून
- कैपस्टन प्रोत्साहन
- प्रतिस्पर्धात्मक रणनीति
- कॉर्पोरेट अभिशासन
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय
- नेतृत्व, मूल्य और नैतिकता
- सीख जो पढ़ाई नही गई
- प्रबंधन परामर्शन कौशल
- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- विलय और अधिग्रहण
- एक महाप्रबंधक की भूमिका
- कॉर्पोरेट विकास के लिए रणनीतियाँ

एफपीएम

- कार्रवाई अनुसंधान प्रणालियों पर उच्च स्तरीय संगोष्ठी
- कॉर्पोरेट अभिशासन
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- अन्तर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन
- रणनीति प्रबंध - I
- रणनीति प्रबंध - II
- रणनीति और नवाचार

एफडीपी

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- विधिक पर्यावरण
- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन
- केस विधि कार्यशाला

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने पाँच प्रबंध विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किये :

- व्यवसाय नेतृत्व और कानून
- अनुबंध प्रबंधन
- नवाचार, कोर्पोरेट रणनीति, और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- ज्ञान प्रबंधन
- 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्त्व
- विकास के लिए रणनीतियाँ

संस्थान में 24 से 28 मार्च,2012 के दौरान ईसेक, पेरिस के ईडीपी प्रतिभागियों के लिए एक पाँच दिवसीय मोड्यूल का आयोजन किया गया।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में केसों को विकसित करने का काम क्षेत्रीय संकाय ने जारी रखा। अनुसंधान में विभिन्न संस्कृतियो की शिक्षा, बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सामरिक मुद्दे, वैश्विकीकरण, और क्षमता विकास के हित शामिल हैं। भारत में और विदेशों के सम्मेलनों में संकाय सदस्यों ने अपने पेपर्स प्रस्तुत किये।

2. संचार

शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान संचार क्षेत्र की गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं :

पाठ्यक्रम

पीजीपी / पीजीपी-एबीएम

- मौखिक व्यापार संचार
- लिखित विश्लेषण और संचार I
- लिखित विश्लेषण और संचार II

ऐच्छिक

- चीनी व्यवसाय
- फ्रेन्च व्यवसाय
- जर्मन व्यवसाय
- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा संचार
- मुश्किल संचार
- अंतर-सांस्कृतिक संचार क्षमता
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : आर्थिक, राजनीतिक, नैतिक, और जन संचार प्रौद्योगिकियाँ
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार

पीजीपीएक्स

- प्रबंध संचार
- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का निर्माण एवं प्रबंधन

एफपीएम

- लिखित विश्लेषण और संचार I
- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

एफडीपी

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

प्रबंध विकास कार्यक्रम

क्षेत्र ने निम्नलिखित प्रबंध विकास कार्यक्रमों की पेशकश की :

- प्रभावशाली संचार रणनीतियाँ
- जीतने की कगार : नेतृत्वकर्ताओं के लिए संचार रणनीतियाँ
- लोगों को साथ लेकर : प्रोत्साहन द्वारा प्रबंधन

3. अर्थशास्त्र

शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान अर्थशास्त्र क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में निम्नलिखित अनिवार्य पाठ्यक्रम चलाए गए :

पाठ्यक्रम

पीजीपी I

- सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र एवं नीति
- आर्थिक वातावरण एवं नीति

पीजीपी II

- खेल सिद्धांत एवं अनुप्रयोग
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश
- आर्थिक रणनीति
- संगठन का अर्थशास्त्र
- विकासशील देशों में श्रम बाजार
- सार्वजनिक वित्त

पीजीपीएक्स

- कंपनियाँ एवं बाजार
- खुली अर्थव्यवस्था में अर्थशास्त्र
- अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक माहौल

एफपीएम

- अर्थमिति
- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- उन्नत बृहत अर्थशास्त्र

एफडीपी

- अर्थशास्त्र मॉड्यूल

4. वित्त एवं लेखा

शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान वित्त एवं लेखा क्षेत्र की गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं :

पाठ्यक्रम

पीजपी

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय लेखा, रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण
- वित्तीय बाजार

ऐच्छिक

- सम्पत्ति समर्थित प्रतिभूतिकरण
- व्यावहारिक वित्त
- गणनात्मक वित्त
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - सी
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - आर
- वायदा, विकल्प व जोखिम प्रबंधन
- वित्तीय संस्थाओं का प्रबंधन
- बीमा व्यवसाय का प्रबंधन
- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- आधुनिक निवेश व पोर्टफोलियो प्रबंधन

- हस्तांतरण मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- प्रतिभूति विनियमन
- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- वित्त में प्रसंभाव्य कलन
- रणनीतिगत वित्तीय प्रबंधन
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण के विषय
- व्यापार रणनीतियाँ
- उद्यम पूंजी एवं निजी इक्विटी

एफपीएम

- गणितीय वित्त
- लेखांकन शोध संबंधी संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- वित्त सिद्धान्त I
- वित्त सिद्धान्त II

पीजीपीएक्स

- लेखांकन-नीति विकल्प और वित्तीय विवरण
- गणनात्मक वित्त
- कॉर्पोरेट वित्त
- वित्तीय कार्य का प्रभावशाली प्रबंधन
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग व विश्लेषण
- वित्तीय विवरण विश्लेषण
- प्रबंधन नियंत्रण प्रणालियाँ
- विलय, अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- रणनीतिगत लागत प्रबंधन
- संगठनात्मक प्रदर्शन की समझ
- उद्यम पूंजी एवं निजी इक्विटी

एफडीपी

- लेखा
- वित्तीय प्रबंधन

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने दो कार्यक्रम प्रस्तुत किये :

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- रणनीतिगत लागत प्रबंधन

अनुसंधान

इस वर्ष काफी संख्या में अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की गई।

5. विपणन

विपणन क्षेत्र ने शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों, और अकादमिक प्रशासन की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रणी व्यवसायियों द्वारा अनुभव बाँट कर इस क्षेत्र के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया। उद्योग से कई वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों ने क्षेत्र द्वारा पेश हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभव बाँटे।

खुदरा बिक्री, संवर्धन, वैश्विक विपणन प्रबंध, विपणन रणनीति, और पढ़ाई की केस विधि जैसे विविध विपणन विषयों में अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

पाठ्यक्रम

इस क्षेत्र ने दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को अनिवार्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की पेशकश जारी रखी : एफपीएम, पीजीपी, और पीजीपीएक्स।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने निम्नलिखित प्रबंध विकास कार्यक्रम चलाए :

- विपणन निर्णयों के लिए उच्चस्तरीय आंकड़ा विश्लेषण
- बी टू बी (व्यापार से व्यापार तक) विपणन
- विक्रय बल के कार्य निष्पादन को बढ़ाना
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- खुदरा व्यापार का प्रबंधन
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण

क्षेत्रीय संकाय ने इजिप्त, दुबई, मलेशिया, और फ्रांस में भी कार्यक्रम की रचना की और चलाए/कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

अनुकूलित कार्यक्रम

क्षेत्रिय संकायों ने 25 से अधिक संगठनों के अधिकारियों के लिए अनुकूलित कार्यक्रम तैयार किये तथा पेश किये। इन कार्यक्रमों में विपणन एवं नेतृत्व कौशलों का विकास करने के अलावा, ब्रांडिंग, उत्पाद प्रंबधन, व्यापार विकास, सेवा प्रबंधन, और रणनीतिक विपणन शामिल हैं।

अनुसंधान और संगोष्ठियाँ

इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के विषयों पर अनुसंधान किये। इन्होंने 20 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों/पुस्तकों में प्रकाशित पेपरों के माध्यम से इन निष्कर्षों को साझा किया और सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ दी। अनुसंधान में जिन विषयों पर ध्यान केन्द्रित किया गया वे हैं, उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पाद और सेवाएँ, पिरामिड का तल तथा सेवा-केन्द्रित रणनीति।

केस पद्धति और केस अनुसंधान

विपणन में, केस-पद्धति का एक महत्वपूर्ण शिक्षण पद्धति बनी रही है। इस वर्ष के दौरान, छह केस पत्रिकाओं/पुस्तकों में प्रकाशित किए गए। कुल अठारह केस-अध्ययन और शिक्षण तथा तकनीकी नोट उत्पाद-बाजार की स्थितियों एवं संगठनों के एक व्यापक स्पेक्ट्रम को शामिल करते हुए पूर्ण किए गए एवं कई इस वर्ष के दौरान शुरू किए गए। ये केस थे – एमआईएस के डिजाइन, अनुभवात्मक विपणन, ग्रामीण वितरण, ऑनलाइन उत्पाद, एफएमसीजी उत्पाद, बैंकिंग सेवाएँ, संगठन पुनर्गठन और ग्राहक सेवा।

6. संगठनात्मक व्यवहार

शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र की गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं :

पाठ्यक्रम

पीजीपी / पीजीपी-एबीएम

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- पारस्परिक एवं सामूहिक प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक निदान
- संगठनात्मक गतिशीलता

पीजीपी II

- सहनिर्माणाधीन संगठनात्मक परिवर्तन
- उद्यमी व्यक्तित्व का विकास
- स्व-रचनात्मक का विकास
- भूमिकाओं एवं पहचान का अन्वेषण
- प्रतिभा प्रबंधन
- मानव संसाधन विकास स्कोर कार्ड 2500 के साथ बौद्धिक पूंजी प्रबंधन
- कोर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- संगठन में सत्ता एवं राजनीति

पीजीपीएक्स

- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- संगठन व्यवहार
- नेतृत्व कौशल पर कार्यशाला (पूर्व नेतृत्व : फंसाने के सिद्धांत एवं व्यवहार)

एफपीएम

- उन्नत सूक्ष्म संगठन व्यवहार (ओबी)
- संगठन व्यवहार में उन्नत अनुसंधान के तरीके
- अनुप्रयुक्त व्यवहार विज्ञान I
- अनुप्रयुक्त व्यवहार विज्ञान II
- अनुसंधान का क्राफ़्टिंग और प्रकाशन
- स्वतंत्र परियोजना
- बृहत् संगठन व्यवहार (ओबी)
- सूक्ष्म संगठन व्यवहार (ओबी)
- राष्ट्रीय संस्कृति : कल्पित कथाएँ, अर्थ, और उपाय
- संगठनात्मक सिद्धांत और उसत्त्व सामाजिक संदर्भ

एफडीपी

- संगठनात्मक व्यवहार को समझना

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान छह प्रबंध विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये :

- मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवाचार : व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता का विकास
- व्यावसायिक महिलाओं की नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं को बढ़ावा देना
- पारस्परिक प्रभाव एवं टीम निर्माण
- नेतृत्व एवं प्रबंध बदलाव
- अंतर संगठनात्मक संबंधों और नेटवर्कों का प्रबंधन
- काम में स्व-रचनात्मकता : आपकी अभिनव क्षमता का प्रणालीकरण

7. कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र की गतिविधियाँ इस प्रकार हैं :

पाठ्यक्रम

पीजीपी/पीजीपी-एबीएम

- क्षमताओं का विश्लेषण एवं निर्माण
- समझौता-वार्ता का प्रबंधन
- कार्मिक क्षमता एवं क्षमता निर्माण प्रणालियाँ
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

एफडीपी

- मानव संसाधन प्रबंधन

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान इस क्षेत्र ने पाँच प्रबंध विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किये :

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- मानव संसाधन सम्पन्नता प्रबंधन
- प्रेरणा द्वारा प्रबंधन
- वार्ता एवं कौशल क्लिनिक
- कार्यप्रदर्शन प्रबंधन एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभ

अनुसंधान

इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने केस-लेखन, शिक्षण-सामग्री विकास और उनकी अभिरूचि के क्षेत्रों के अनुसंधान में अपना योगदान दिया। वे संस्थान में तथा संस्थान से बाहर भी अनुसंधानकर्ताओं के साथ अंतः विषय अनुसंधान में सहयोग करने में शामिल थे। सदस्यों द्वारा लिखित आलेखों को, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया तथा सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया।

8. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

शैक्षणिक वर्ष 2011-12 के दौरान उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके क्षेत्र की गतिविधियाँ इस प्रकार हैं :

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- डाटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- निर्णय निर्माण I एवं II
- संचालन प्रबंधन I एवं II
- संभावना एवं सांख्यिकी I, II एवं III
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय पद्धतियाँ
- वित्त में प्रसंभाव्य आकलन

पीजीपीएक्स

- डेटा विश्लेषण
- निर्णय के लिए मॉडलिंग
- माँग-पूर्ति के लिए परिचालनों की डिजाइनिंग
- सेवा स्तरों की स्थापना एवं वितरित करना
- गुणवत्ता प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला एवं रसद प्रबंध
- जोखिम की समझ और आकलन

एफपीएम

- निर्णय निर्माण I एवं II
- संचालन प्रबंधन I एवं II
- संभावना एवं सांख्यिकी I, II एवं III
- संचालन अनुसंधान II
- अनुप्रयुक्त बहुभिन्नरूपी विश्लेषण
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकरण

एफ़डीपी

- डाटा विश्लेषण
- डाटा विश्लेषण के अनुप्रयोग
- संचालन प्रबंधन

अनुसंधान

प्रौद्योगिकी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों, विनिर्माण, निर्णय समर्थन प्रणाली, रसद, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, अनुकूलन, नेटवर्क अनुकूलन एवं बहु-अनुमानी, नेटवर्क विश्वसनीयता, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, और सांख्यिकीय निष्कर्ष, आदि ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें क्षेत्रिय संकाय सदस्यों ने प्रकाशनों के माध्यम से अपना योगदान दिया है।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने इस वर्ष के दौरान आठ प्रबंधन कार्यक्रम प्रस्तुत किये :

- उन्नत विश्लेषिकी
- उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन
- रसद वितरण समाधान
- परियोजना प्रबंध
- परियोजना जोखिम प्रबंधन
- राजस्व प्रबंधन
- जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

पूर्वछात्र केन्द्र गतिविधियाँ

लगभग 35,000 सदस्यों की सक्रिय सदस्यता के साथ, इस संस्थान के पास पूर्वछात्रों का एक बड़ा नेटवर्क है। पूर्वछात्र केन्द्र संस्थान के पूर्वछात्र सदस्यों एवं आईआईएम-ए समुदाय की घटनाओं, समाचारों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की जानकारी सदस्यों को प्रदान करके, इस नेटवर्क को सक्रिय रखता है। यह केन्द्र, *आईआईएम-ए अल्युम्नस* नामक पत्रिका का प्रकाशन वर्ष में तीन बार करता है, और यह पत्रिका पूर्वछात्र संघ के सभी सक्रिय सदस्यों को भेजी जाती है। यह एक विशेष वेबसाइट iimaalumni.org का रखरखाव भी करता है। हर वर्ष, यह केंद्र, रजत जयंती बैच, अर्थात 25 वर्ष पूर्व स्नातक हुए बैच का वार्षिक पुनर्मिलन आयोजित करता है। यह केन्द्र अभी संस्थान के लिए निधि जुटाने संबंधी गतिविधियों में संलग्न है।

नई सदस्यता

प्रति वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी इसकी सदस्यता से जुड़ते हैं। 2011-12 के दौरान, सदस्यता-अंशदान वर्ष 2010-11 के 37.81 लाख रु. से बढ़कर वर्ष 2011-12 में 38.77 लाख रु. हुआ है।

आईआईएम-ए अल्युम्नस पत्रिका

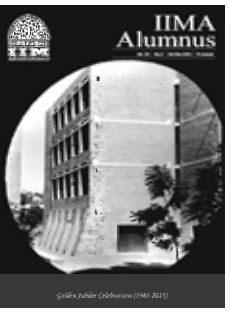

आईआईएम-ए अल्युम्नस, पूर्वछात्र-सदस्यों के साथ संपर्क बनाए रखने का प्रमुख माध्यम है। फरवरी, जून, और अक्टूबर में तीन बार प्रकाशित होने वाली, इस पत्रिका में अल्युम्नी-सदस्यों के अनुभवों पर आधारित उनके लेख प्रकाशित होते रहते हैं। पूर्वछात्र वेबसाइट पर रखे जा रहे नौकरी के विज्ञापनों और अन्य वेब विज्ञापन अभियान से राजस्व जुटाया जाता है। वर्ष 2011-12 के दौरान, प्राप्त होने वाला विज्ञापन-राजस्व 7.57 लाख रुपये से बढ़कर 8.05 लाख रूपये हुआ।

रजत जयंती पुनर्मिलन

इस केंद्र की प्रमुख गतिविधियों में से एक है - उन छात्रों के लिए रजत जयंती पुनर्मिलन आयोजित करना, जिन्होंने लंबी अवधि के कार्यक्रमों में 25 वर्ष पूर्व भाग लिया था। प्रत्येक वर्ष दिसंबर माह में इस पुनर्मिलन का आयोजन होता है। 30 दिसम्बर, 2011 से 1 जनवरी, 2012 के दौरान 1985-87 में स्नातक हुए बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन आयोजित किया गया था। छियासी

पूर्वछात्रों और उनके परिवारों ने इस पुनर्मिलन में भाग लिया। इस पुनर्मिलन के दौरान, उन 12 संकाय-सदस्यों, जिन्होंने इस बैच को पढ़ाया था और कार्यक्रम अधिकारी (एमडीपी) को सम्मानित किया गया।

अन्य पुनर्मिलन

रजत-जयंती पुनर्मिलन के अतिरिक्त, विभिन्न बैचों के पुनर्मिलन भी स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किये गये : 40 वर्ष पूर्ण करने पर 16 दिसम्बर, 2011 को 1969-71 बैच का मिलन हुआ; 15 वर्ष पूर्ण करने पर 24-25 दिसम्बर, 2011 को 1994-96 बैच का मिलन हुआ; और 10 वर्ष पूर्ण करने पर 23-24 दिसम्बर, 2011 को 1999-2001 बैच का मिलन हुआ।

स्वर्ण जयंती समारोह

भारतीय प्रबंध संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह का समापन समारोह 10 और 11 दिसम्बर, 2011 को आयोजित हुआ था। अपने कैरियर में जिन चालीस पूर्वछात्रों ने महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की और शैक्षणिक, कोर्पोरेट, उद्यमशीलता, ललित कला, और सामाजिक सेवा क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, उन सभी को विशिष्ट पूर्वछात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिन पूर्वछात्रों ने संस्थान को महत्त्वपूर्ण वित्तीय योगदान दिया उनको भी सम्मानित किया गया।

पूर्वछात्र संबंध

संस्थान ने अपने पूर्वछात्रों के साथ भावनात्मक संबंध बढ़ाने के लिए कदम उठाये हैं। कुछ पूर्वछात्रों द्वारा कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किये हैं। नियमित रूप से पूर्वछात्रों को अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के महत्त्व के बारे में 'बौद्धिक योगदान' के माध्यम से अनुस्मारक दिया जाता है।

निधि जुटाने की गतिविधियाँ

संस्थान का अपनी प्रगति को समर्थन देने के लिए आने वाले पाँच वर्षों में पर्याप्त संसाधन जुटाने का उद्देश्य है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पूर्वछात्र केन्द्र, पूर्वछात्रों और कंपनियों से धन जुटाने के लिए सक्रिय है। इस कोष को जुटाने की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक पूर्णकालिक प्रबंधक नियुक्त किया गया है। स्वर्ण जयंती उत्सव के समापन समारोह के दौरान, पूर्वछात्रों ने अगले पाँच वर्ष में लगभग 38 करोड़ रुपये का योगदान करने की प्रतिबद्धता जताई है। इन्होंने इस वर्ष के दौरान प्रथम किश्त के रूप में 2 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

संस्थान ने पूर्वछात्रों को योगदान करने के लिए, संस्थान की अपनी मुख्य वेबसाइट के माध्यम से भुगतान हेतु छात्र समर्थन, संकाय समर्थन, और बुनियादी सुविधा समर्थन जैसे उद्देश्यों के लिए सुविधा प्रदान की है।

छात्रवृत्तियाँ

इस वर्ष के दौरान, निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई :

- **आईआईएमए पूर्वछात्र ट्रस्ट छात्रवृत्ति**

  आईआईएमए पूर्वछात्र ट्रस्ट में से प्रति वर्ष पीजीपी के योग्य छात्रों को योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति (प्रत्येक को 1 लाख रु.) के रूप में ट्यूशन फीस का एक हिस्सा मदद के तौर पर दिया जाता है। इस वर्ष, आईआईएमए पूर्वछात्र ट्रस्ट समिति ने इस राशि का भुगतान प्रायोजकों के माध्यम से प्राप्त योगदान से करने पर सहमत जताई। ये छात्रवृत्तियाँ विक्रम साराभाई, रवि मथाई, एस.के. भट्टाचार्य, कमला चौधरी, लब्धि भंडारी, और एम.एन. वोरा की स्मृति एवं नाम पर प्रदान की जाती हैं।

- **1969 बैच छात्रवृत्ति**

  पीजीपी 1969 बैच के दाताओं ने आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक रूप से कमजोर प्रथम वर्ष पीजीपी के छात्रों को सहायता देने के लिए 2011-13 बैच से निधि बनाने का निर्णय लिया है। इस निधि से पाँच छात्रों को प्रत्येक को 2 लाख रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

- **श्री जी.सी. मित्तल उद्यमिता सहायता**

  वर्ष 2005 के एक पूर्वछात्र ने इस सहायता निधि (2 लाख रु.) की स्थापना उन छात्रों के लिए की है जो अपना स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुनते हैं। यह सहायता 2012 के वर्ग से दी जायेगी।

स्मारिका वस्तुएँ

वर्ष 2011-12 के दौरान, इस केन्द्र को स्मारिका वस्तुएँ जैसे कि, टी-शर्ट्स, सिल्क टाई, ब्रास वॉल हेंगिंग, कॉफी मग, इत्यादि के बेचने से 3.19 लाख रु. की राशि प्राप्त हुई।

सभा गतिविधियाँ

चेन्नई, हैदराबाद, पूणे, कोलकाता, यूएसए, इत्यादि में स्थित सभाएँ काफी सक्रिय थी। इन सभाओं ने निम्नलिखित पूर्वछात्र सम्मेलन आयोजित किये जिनमें बड़ी संख्या में आईआईएमए पूर्वछात्र उपस्थित रहे।

- 23 अप्रैल, 2011 को संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन फ्रान्सिस्को में वार्षिक सम्मेलन।
- 7 मई, 2011 को चेन्नई में समकालीनों का सम्मेलन जहाँ पद्मश्री राघवेन्द्र को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रथम वर्ष पीजीपी के छात्रों को आमंत्रित किया गया था और वे उद्योग जगत् के कई दिग्गजों के साथ मुलाकात व बातचीत करने का अवसर पाकर रोमांचित हो गये थे।
- 24 सितम्बर, 2011 को शिकागो में ग्रेटर शिकागो उद्घाटन शिखर सम्मेलन 2011, जिसका विषय, 'सफलता से प्रतिष्ठा तक' था।
- 15 अक्टूबर, 2011 को कोलकाता में स्वर्ण जयंती समारोह। इस अवसर पर आईआईएम अहमदाबाद और आईआईएम कोलकाता सुविज्ञ भागीदार बने थे।
- 29 अक्टूबर, 2011 को 'नवाचार एवं रचनात्मकता के साथ प्रबंधन शिक्षा पर पुनःविचार' के बारे में चेन्नई में चौथे सम्मेलन की श्रृंखला।
- 20 नवम्बर, 2011 को पूणे में स्वर्ण जयंती समारोह।
- 5 नवम्बर, 2011 को हैदराबाद में स्वर्ण जयंती समारोह।

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले

इस वर्ष के दौरान संस्थान ने 11 व्यावसायिक-स्कूलों के सर्वेक्षणों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) में भाग लिया। संस्थान ने सभी प्रमुख एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाये रखा। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि संस्थान के कार्यक्रमों एवं छात्रों की गुणवत्ता विश्व भर में सर्वोत्तम है।

प्रबंध में एफटी *(फाइनान्सियल टाइम्स) विशेषज्ञ* रैंकिंग 2011

प्रबंध में मास्टर्स के लिए वैश्विक फाइनान्सियल टाइम्स विशेषज्ञ रैंकिंग 2011 में, रैंकिंग के लिए समीक्षित 73 कार्यक्रमों में यह संस्थान सातवें (आठवें रैंक से आगे बढ़ते हुए) रैंक पर रहा। एकमात्र भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद ने प्रबंध शिक्षा के वैश्विक नक्शे पर प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की रैंकिंग में शीर्ष 10 स्थानों में स्थान प्राप्त करना जारी रखा है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद का स्नातकोत्तर कार्यक्रम नियुक्ति सफलता रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है।

एफटी वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2012

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद फाइनान्सियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2012 में शीर्ष 100 बी-स्कूलों में ग्यारहवें स्थान पर रहा है। इसके अलावा, *एफ़.टी. कैरियर प्रगति रैंकिंग* में पीजीपीएक्स ने दुर्लभ गौरव प्राप्त करते हुए **प्रथम स्थान** प्राप्त किया है। इस रैंकिंग के साथ, एक वर्षीय कार्यकारी अधिकारियों के कार्यक्रम पीजीपीएक्स ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तुत किये गये शीर्षस्थ वैश्विक 20 एमबीए कार्यक्रमों में अपना स्थान बनाये रखा है और इसके विश्व स्तर का होने के प्रति ध्यान आकर्षित करना जारी रखा है।

इकोनोमिस्ट रैंकिंग 2011

***भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2011* में स्थान प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय व्यावसायिक-स्कूल है।**

रैंकिंग के लिए "खुले नये रोजगार अवसर" कसौटी में शीर्ष दस व्यावसायिक-स्कूलों की सूची में संस्थान ने **पाँचवाँ स्थान** प्राप्त किया है। **एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया क्षेत्रीय रैंकिंग 2011 में संस्थान को नौवाँ स्थान प्राप्त हुआ है तथा *दी इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2011* में वैश्विक रूप से छह स्थान बढ़कर 78वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।**

एड्यूनिवर्सल सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग 2011

आईआईएमए के कृषि-व्यवसाय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) ने इस क्षेत्र के लिए वैश्विक रूप से शीर्ष 50 रैंककृत कार्यक्रमों में एड्यूनिवर्सल *कृषि-व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन की सर्वोत्तम मास्टर* रैंकिंग में **प्रथम स्थान** प्राप्त किया है।

ईक्विस पुनः मान्यता

यूरोपीय प्रबंधन विकास फाउंडेशन (ईएफ़एमडी) ने वर्ष 2011 में, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद को तीन वर्ष की अवधि के लिए ओर पुनः मान्यता दी थी। वर्ष 2008 में भारत के पहले ईक्विस मान्यता प्राप्त व्यावसायिक - स्कूल बनने के बाद, इस संस्थान ने उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने में अंतरराष्ट्रीय मानकों की स्थापना की है और शीर्षस्थ अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक स्कूलों में अपना नाम शामिल होना जारी रखा है।

ईक्विस की पुनः मान्यता की प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, संस्थान ने सहकर्मी समीक्षा टीम की मेजबानी की, जिसमें शामिल थे :

- प्रोफेसर मार्सेलो पालादिनो, डीन, ऑस्ट्राल उनिवेर्सिदाद, आईएई बिजनेस स्कूल, आर्जेन्टिना, अध्यक्ष, सहकर्मी समीक्षा टीम
- डॉ. डेनियल मुज़िका, डीन, सोदर बिजनेस स्कूल, ब्रिटिश कोलम्बिया युनिवर्सिटी, कनाडा
- प्रोफेसर झिहोंग यी, डीन, रेनमिन चायना युनिवर्सिटी, बिजनेस स्कूल, चीन
- श्री जेरोम गुएनियेर, ऑपरेशन विभाग निदेशक, कॉर्पोरेट विश्वविद्यालय, ईडीएफ़ समूह, फ्रांस

वैश्विक भागीदारी

आईआईएमए ने प्रतिष्ठित विदेशी व्यावसायिक -स्कूलों / विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी के लिए शुरूआत की है। आईआईएमए ने अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा मे किये गये अगले प्रयासों के तहत नये क्षेत्रों में शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं।

- मैकक्वेर युनिवर्सिटी, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया (डॉक्टरेट स्तर का छात्र विनिमय)
- फुन्दाकाओ डोम काब्राल, ब्राजील (संकाय विकास, सहयोगात्मक संयुक्त अनुसंधान परियोजना, संयुक्त कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम, विनिमय कार्यक्रम)
- ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी, कोलम्बस ओहियो, यूएसए (अनुसंधान सहयोग, संकाय / विद्वानों / छात्रों का विनिमय, कृषि व्यवसाय प्रबंध और परस्पर हित के अन्य क्षेत्रों में अग्रिम अध्ययन एवं अनुसंधान)
- टेक्सास युनिवर्सिटी, ऑस्टिन, मैक कोम्ब बिजनेस स्कूल, यूएसए (छात्र विनिमय)

विदेशी संस्थानों के साथ संलग्नता

इस वर्ष के दौरान आईआईएमए, विदेशी संस्थानों / अंतरराष्ट्रीय एजेन्सियों के 25 उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ शैक्षिक सहयोग के लिए सार्थक संवाद में संलग्न रहा है।

प्रमुख प्रतिनिधिमंडल शामिल थे :

- लेफ्टेनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एंडी एम. गालिब, इंडोनेशियाई राजदूत, इंडोनेशिया गणराज्य दूतावास
- प्रोफेसर एलेक केमरोन, डीन, ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस स्कूल, युनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वैल्स
- प्रोफेसर एमर्सन दे आल्मेइड़ा, डीन, फुन्दाकाओ डोम काब्राल (एफ़डीसी), ब्राजील
- श्री वेर्नेर ई. नीवरगेल्ट, कौंसल जनरल, स्विट्जरलेंड
- श्री पैट्रिक किएरिन्स, कौंसल (वाणिज्य) एवं व्यापार आयुक्त (ऑस्ट्रेड), ऑस्ट्रेलिया
- डॉ. ई. गोर्डोन जी, प्रमुख, एवं डॉ. विलियम आई. ब्रुस्टीन, वैश्विक रणनीति एवं अंतरराष्ट्रीय मामले के उपाध्यक्ष, ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी
- श्री कर्टिस आर. मंचून, अध्यक्ष, त्रिनिदाद एवं टोबैगो विश्वविद्यालय, वेस्ट इंडीज़
- डॉ. रोजर जेफरी, दक्षिण एशिया में समाजशास्त्र के प्रोफेसर, डीन अतंरराष्ट्रीय (भारत), एडिनबर्ग विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर मार्क पी. टैलर, डीन, वारविक बिजनेस स्कूल, वारविक विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर पीटर मोइजेर, डीन, लीड्स बिजनेस स्कूल युनिवर्सिटी

प्रोफेसर श्रीकान्त दातार

प्रोफेसर विजय गोविन्दराजन

श्री नलिन सूरी

डॉ. ई. गॉर्डन जी

संस्थान व्याख्यान

यह आईआईएमए का व्यापारिक समुदाय तथा सहभागी स्कूलों के साथ मिल कर काम करने की दिशा में विदेशी संबंधों के निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद परिसर में सार्वजनिक भागीदारी को सक्षम बनाने के एक बड़े उद्देश्य के साथ सार्वजनिक व्याख्यानों का आयोजन करता है।

आईआईएमए के स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में प्रोफेसर श्रीकान्त दातार, लेखाकंन प्रोफेसर, आर्थर लोव्स डिकिन्सन, पूर्व वरिष्ठ सहयोगी, डीन, हावर्ड बिजनेस स्कूल एवं आईआईएमए से स्वर्ण पदक विजेता, द्वारा '**प्रभावी नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण कौशल के विकास**,' विषय पर 10 अक्टूबर, 2011 का एक वार्ता की गई।

3 जनवरी, 2012 को प्रोफेसर विजय गोविन्दराजन, प्रोफेसर, डार्टमाउथ कोलेज की टक बिजनेस स्कूल, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा '**रणनीति नवाचार है**,' विषय पर एक वार्ता की गई।

श्री नलिन सूरी, चीन और ब्रिटेन के पूर्व राजदूत, द्वारा 16 फरवरी 2012 को सार्वजनिक कूटनीति प्रभाग, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से '**भारत-चीन संबंध : पूर्ण या संलग्न**?' पर एक व्याख्यान हुआ।

डॉ. ई. गॉर्डन जी, प्रमुख, ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा '**अभिनव एवं एक सुविज्ञ अर्थव्यवस्था में सहयोग**' विषय पर 9 मार्च, 2012 का एक वार्ता की गई।

प्रोटोकॉल एवं दौरे

प्रत्येक वर्ष संस्थान की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के लिए सक्षम आगंतुक उपलब्ध कराता है। वर्ष 2011-12 के दौरान संस्थान ने लगभग 3700 आगंतुकों का स्वागत किया, इनमें विदेशी नागरिक, सरकारी अधिकारी, कॉर्पोरेट क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी तथा शिक्षा क्षेत्र, सशस्त्र बलों के पेशेवर एवं छात्र शामिल थे।

मीडिया संपर्क

संस्थान नियमित रूप से बड़ी संख्या में प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पेशेवरों के साथ अपनी पहुँच के अनुसार जुड़ा है। यह समर्थन कई साक्षात्कारों, प्रेस ब्रीफिंगों, प्रेस सम्मेलनों एवं प्रेस विज्ञप्तियों को जारी करने के माध्यम से बढ़ाया गया है।

स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर प्रोफेसर समीर के. बरुआ, निदेशक ने 7 दिसम्बर, 2011 को मीडिया से जुड़े लोगों की मेजबानी की और उनके पिछले कुछ वर्षों के समर्थन को स्वीकारते हुए, उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किये।

सहायता अनुदान

वर्ष 2011-12 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

वर्ष 2011-12 के दौरान, इस संस्थान को अन्य पिछड़ी जाति विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से 500 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ।

बुनियादी ढाँचे का विकास

नया परिसर

320 कमरों वाले छात्रावास का कार्य पूरा हो गया और नये शयनगृहों का उपयोग शुरु हो गया है। नये परिसर का कुल निर्माण क्षेत्र 7,13,900 वर्ग फुट है। नये परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्रतिदिन 3 लाख लीटर की क्षमता वाला एक मलजल शोधन संयंत्र बनाने का प्रस्ताव है।

पुराना परिसर

नया निर्माणकार्य

एक नया टेनिस कोर्ट बनाया गया है। एक 12,500 वर्ग फुट क्षेत्र का इनडोर खेल परिसर 280 लाख रुपयों की लागत से बनाया गया है। इसमें दो बैडमिंटन कोर्ट, दो टेबिल टेनिस कोर्ट, एक बिलियर्ड कक्ष और एक स्क्वैश कोर्ट हैं।

नवीनीकरण और मरम्मत

चार संगोष्ठी कक्षों को पुनर्निर्मित एवं फिर से सुसज्जित किया गया है। इनमें से तीन 48 छात्रों की क्षमता वाले क्लासरूम हैं और एक 32 छात्रों की क्षमता वाला एफ़पीएम कक्ष है। बास्केटबॉल और टेनिस कोर्टों को सिंथेटिक कोर्टों में बदल दिया गया है।

क्लासरूम की छत के मेहराबों की मरम्मत की गई है।

कार्मिक

वर्ष 2011-12 के दौरान, सात संकाय सदस्यों और नौ स्टाफ़ सदस्यों ने इस संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। चार संकाय सदस्यों ने और पाँच स्टाफ सदस्यों ने संस्थान की सेवा से त्यागपत्र दिया, और दो संकाय सदस्यों ने संस्थान में अपना कार्यकाल पूर्ण होने पर संस्थान की सेवाएँ छोड़ दी। सोलह स्टाफ सदस्यों ने सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त ली,जबकि एक संकाय सदस्य ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुना।

दो संकाय सदस्यों को एवं एक अनुसंधान कर्मी को अन्यत्र कार्यभार ग्रहण करने के लिए, अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई, जबकि पाँच संकाय सदस्यों ने और एक स्टाफ सदस्य ने अनुपस्थिति की छुट्टी समाप्त होने पर, पुनः संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

परिशिष्ट ठ7 में कर्मचारियों की संख्या का विवरण दिया गया है।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधि

वर्ष के दौरान, कई अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित, कौशल विकास एवं और साथ ही साथ सामान्य पर्यवेक्षी व प्रबंधकीय कार्य संबंधी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रायोजित किया गया। संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में कई कर्मचारियों को प्रायोजित करना जारी रखा।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान पूर्णतया भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान में, 14 से 29 सितम्बर, 2011 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी कविता पाठ, शब्द-ज्ञान, आशु-भाषण, तथा सुलेखन के साथ हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें 100 से अधिक हिन्दीभाषी और गैर-हिन्दीभाषी कर्मचारियों ने भाग लिया। स्टाफ सदस्यों और छात्रों की जानकारी के लिए विक्रम साराभाई पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न विषयों की हिन्दी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी लगाई गई। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माननीय मंत्री, माननीय गृहमंत्री तथा कैबिनेट सचिव द्वारा भेजे गये संदेशों की प्रतियाँ सभी नोटिस-बोर्डों पर प्रदर्शित की गई। समापन-दिवस के अवसर पर, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल द्वारा विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। इस पखवाड़े के दौरान, 26 सितम्बर, 2011 को डीन, प्रोफेसर बी. एच. जाजू द्वारा संस्थान की हिन्दी वेबसाइट का अनावरण किया गया, जिसकी मीडिया द्वारा अत्यधिक सराहना की गई थी।

संस्थान की पहली हिन्दी पत्रिका "*प्रतिबिम्ब*" का प्रकाशन जनवरी 2012 में किया गया, जिसे सभी आईआईएम, आईआईटी, संबंधित मंत्रालयों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी 156 सदस्यों को अहमदाबाद एवं गाँधीनगर में भेजा गया। इस पत्रिका के लिए 22 प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए।

संस्थान ने अपने आरजेएमसीईआई सभागृह में 28 मार्च, 2012 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 60वीं बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में संस्थान को राजभाषा कार्यान्वयन में विशेष योगदान करने के लिए प्रशंसा पत्र एवं शील्ड से सम्मानित किया गया। इस समिति द्वारा संस्थान के हिन्दी अधिकारी डॉ. मुकेश शर्मा को भी संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन में विशेष योगदान करने के लिए स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

वर्ष के दौरान, हिन्दी में टिप्पण व प्रारूपण पर, चार हिन्दी-कार्यशालाएँ आयोजित की गई, इनमें 70 कर्मचारियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं में व्याख्यान देने के लिए हिन्दी के प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया।

वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गई, इनमें भारत सरकार द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु 'ख' क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया।

कर्मचारी पुरस्कार/सम्मान

एक संकाय सदस्य को और पाँच कर्मचारियों को, 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के निमित्त, इस वर्ष के दौरान पुरस्कृत किया गया। मनुभाई ए. चौधरी, एम.एस. नाणावटी, ए.एम. मिस्त्री, वी.सी. डोडिया, हीराभाई आर. वाघेला, टी.एम. चन्द्रगोपी, वी.बी. दलवी, जुहाजी पी. ठाकोर, प्रतिमा देसाई, सुधाकर बी. हिवाले, एस. गोविन्दराजन, राजेन्द्र ए. पंड्या, और हसमुख पी. साधु को संस्थान की रिकॉर्ड दीर्घ सेवा से सेवानिवृत्त पर, इन कर्मचारियों को संस्थान द्वारा सुदीर्घ सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसके विवरण **परिशिष्ट ठ** में दिये गये हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन, वर्ष के दौरान बहत्तर आवेदन प्राप्त हुए तथा निपटाए गए।

छात्र गतिविधियाँ

एबेकस

एबेकस, एक मुकाबला क्लब है, इसका उद्देश्य गणित एवं साँख्यिकी के उत्साहियों को व्यवसाय प्रबंधन में मात्रात्मक तरीकों की बढ़ती भूमिका का पता लगाने के लिए एक औपचारिक मंच प्रदान करना है। यह क्लब छात्रों को कम या बिना किसी पूर्व प्रशिक्षण के गणित में आगे आने के लिए विभिन्न परिणामात्मक पाठ्यक्रमों द्वारा भी मदद करना चाहता है। इस वर्ष, एबेकस ने प्रथम वर्ष के छात्रों की उनकी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप की तैयारी में मदद हेतु एक औपचारिक उद्यम का शुभारंभ किया।

नटक्रेकर – पहेली प्रतियोगिता इस क्लब का प्रमुख वार्षिक आयोजन है। इस वर्ष, एक पखवाड़े से अधिक अवधि में विस्तृत एक त्रिस्तरीय प्रारूप के माध्यम से इस आयोजन को फैलाया गया था। प्रथम क्वालीफायर का आयोजन ऑनलाइन किया गया और इसमें कैम्पस से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। दूसरे और अंतिम क्वालीफायर का आयोजन अंतिम अवसर पर ही किया गया। आखिरी में बराबर की आठ टीमों के बीच कुछ नवीन डिजाइन किये दौर के माध्यम से कड़ा मुकाबला हुआ।

संभावना, सांख्यिकी, निर्णयनिर्माण और संचालन प्रबंधन पाठ्यक्रमों के सुधारात्मक सत्रों को छात्र समुदाय से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली। ये कक्षाएँ विशेष रूप से जो छात्र इंजीनियरिंग एवं विज्ञान की पृष्ठभूमि से नहीं थे उनके लिए मददगार साबित हुई।

कोन्फ्लुअन्स के बैनर तले इस क्लब ने **क्रिकएक्स** जो कि एक क्रिकेट व्यापार का खेल है और आईपीएल खिलाड़ियों की नीलामी जैसा ही है उसका भी आयोजन किया। एक पूर्व परीक्षण के रूप में इस इवैंट में एक क्रिकेट सामान्य ज्ञान क्विज़ का भी आयोजन किया गया।

इस क्लब की तरफ से एक और भी उल्लेखनीय पहल थी – नियुक्ति की तैयारी में अपना धावा। टेसरऐक्ट जो प्रत्येक सप्ताह पाँच पज़ल का आयोजन करते हुए लंबा चलने वाला एक ऑनलाइन इवैंट है, उसके माध्यम से, यह क्लब प्रथम वर्ष के छात्रों को इंटर्नशिप साक्षात्कार के लिए तैयार करने में मदद करता है।

क्लब की वेबसाइट को इस वर्ष नया किया गया। क्लब की और उसकी गतिविधियों के बारे में अधिक सूचनात्मक होने के अलावा, वेबसाइट ने भी क्लब की ऑनलाइन इवैंट्स के लिए मेजबानी की, पहेलियों और साक्षात्कार प्रश्नों के डाटाबेज़ रखे तथा दैनिक सुडोकू एवं शतरंज खेलों का आयोजन किया।

शैक्षणिक परिषद्

शैक्षणिक परिषद् की यह जिम्मेदारी है कि वह छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच एक अंतरफलक के रूप में छात्रों के हितों की आवाज़ बने, और प्रशासन को छात्रों की जरूरतों के अनुरूप प्रासंगिक शैक्षणिक नीतियों के लिए सुझाव दे।

शैक्षणिक परिषद् आईआईएमए में वर्तमान शिक्षा मानकों की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए नये पाठ्यक्रमों के लिए सुझाव देने, छात्रों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखकर मौजूदा पाठ्यक्रम में सुधार करने के लिए उत्तरदायी है। यह एक गतिशील पाठ्यक्रम प्रक्रिया हेतु प्रत्येक सत्र में छात्रों की सुविधा के लिए वैकल्पिक पंजीकरण प्रक्रिया का आयोजन करती है। पीजीपी कार्यालय के साथ काम करते हुए, शैक्षणिक परिषद् ने प्रभावी समयबद्ध एवं वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के बीच के संघर्ष को कम करने का प्रयास किया है, इस प्रकार ऐच्छिक पूल को विस्तृत करते हुए किसी भी छात्र को चुनने का विकल्प दिया है।

इस वर्ष शैक्षणिक परिषद् सभी पाठ्यक्रमों के लिए अनुमोदित घटक वार ग्रेड वितरण को प्राप्त करने में सफल रही, और दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए सत्रों के संबंध में आवश्यक क्रेडिट में थोड़ा परिवर्तन लाकर लचीलापन बढाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह गतिशील पाठ्यक्रम बोली प्रक्रिया के माध्यम से द्वितीय वर्ष में तीन सत्रों के अंतर्गत 120 से अधिक ऐच्छिकों में कामयाब रही। कुछ निश्चित लोकप्रिय पाठ्यक्रम जो परम्परागत रूप से केवल एफ़पीएम, पीजीपी-एबीएम और पीजीपीएक्स छात्रों को ही पढ़ाये जाते थे, वे पीजीपी छात्रों को भी उपलब्ध कराये गये, और विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में ऐच्छिकों का संतुलन बनाये रखने का प्रयास किया गया।

कृषि व्यवसाय क्लब

खेत से दोराहे तक! यह ऐसा प्रभावशाली डोमेन है जो हमारे कृषि व्यवसाय जीवन में शामिल हो गया है! कृषि व्यवसाय का दायरा ऐसा है जो खाद्य उत्पादन में रासायनिक डालने से लेकर आखिरी उत्पाद तक और उसका प्रसंस्करण, बिक्री और विपणन, वित्त पोषण के विकल्पों से लेकर उद्योग के दैनिक संचालनों तक चलता है। कृषि व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी-एबीएम) में विशेषज्ञता के एक क्षेत्र के साथ इस क्लब के अपने उत्साही लोग हैं और साथ ही साथ उद्यमशीलता की वृत्ति एवं कृषि-व्यवसाय पर ध्यान केन्द्रित करने में छात्र भी सहभागी हैं।

इस वर्ष के दौरान, इस क्लब ने कृषि व्यवसाय में और संलग्न डोमेन में प्रमुख वक्ताओं की मेजबानी की। इस क्लब ने व्यापक प्रतिभागियों को आकर्षित करते हुए *इनक्विज़िशन* (बहुउद्देश्यीय सामान्य ज्ञान एवं व्यवसाय क्विज़) जैसी गतिविधियों की भी मेजबानी की। *हाइफन* पत्रिका, और एक ब्लॉग *द डेइली मेंगो* और एक वार्षिक पत्रिका *औरम* द्वारा यह क्लब मनोरंजन करता है और छात्रों को अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। *हाइफन* में छात्रों की तरफ से कृषि व्यवसाय के बारे में लेख प्रकाशित होते हैं, जबकि *द डेली मेंगो* ब्लॉग हाल की घटनाओं के बारे में तथा उद्योग के संदर्भ में विनोदपूर्ण पोस्ट था। *औरम* संकायों के कल्पनात्मक लेखों और प्रख्यात पूर्वछात्रों के साथ साक्षात्कार को दर्शाती हुई एक वार्षिक पत्रिका है।

भूखों को भोजन प्रदान करने के लिए इस क्लब ने *क्रोनोस* का गठन किया : *कोन्फ्लुअन्स* के कृषि व्यवसाय अंचल के साथ *क्रोनोस* आईआईएमए और प्रारंभिक इवैंट्स को महसूस करने के लिए छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन योजना (मिड डे मील स्कीम- एमडीएमएस) चलाता है। जबरदस्त भागीदारी को आकर्षित करते हुए ग्रामीण विपणन के लिए *रुरल क्रुसेडर्स* इवेंट था। इस बार सभी छात्रों के लिए *ग्रीन पहल* मुक्त रखा गया था और फ्लैगशिप इवेंट्स पोर्टफोलियो के लिए *आविष्कार, द बिजनेस प्लान* की रचना की गई। 'गरीबों के लिए स्थायी आजीविका देना' के बारे में एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

पूर्वछात्र सहभागिता कक्ष

पूर्वछात्र सहभागिता कक्ष का मुख्य लक्ष्य पूर्वछात्रों और छात्रों के बीच दीर्घकालीन एवं अच्छे संबंध बनाना है और छात्रों के बीच नेतृत्व विकास में सहायता करने के लिए पूर्वछात्रों को सक्षम बनाये रखना भी है।

सिंक्रोनी

सिंक्रोनी पूर्वछात्र कक्ष के सहयोग से आयोजित एक वार्षिक मिलन है जो विश्वभर के विभिन्न क्षेत्रों के सम्मानित पूर्वछात्रों, और आईआईएमए के वर्तमान एवं भावि छात्रों को एक साथ लाता है। सिंक्रोनी 2011 का आयोजन दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बैंगलुरू, हैदराबाद, न्यू योर्क, हाँगकाँग, दुबई, और लंदन सहित 10 शहरों में किया गया। इस इवैंट में कई कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी तथा नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर प्रदान किया और दिग्गजों के साथ अच्छे अनौपचारिक संबंध स्थापित किये।

पुनर्मिलन समारोह

हर वर्ष पूर्वछात्र प्रकोष्ठ, पूर्वछात्रों को अपनी मातृसंस्था में वापस लाने के प्रयास में पुनर्मिलन समारोह की मेजबानी करता है। इस वर्ष, यह पुनर्मिलन समारोह वर्ष 1987, 1996 और 2001 बैचों के लिए आयोजित किया गया था। पुनर्मिलन समारोह नें पूर्वछात्रों एवं उनके परिवारों को अपने बैच के साथियों से मिलने, अपने अनुभवों को बाँटने, एक दूसरे के साथ नेटवर्क बनाने, और संस्थान के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। प्रसन्न चेहरों और उत्साहित अभिव्यक्ति से समग्र परिसर में उत्साह की विशेष भावना फैल गई। पूर्वछात्रों के साथ बातचीत करने से वर्तमान छात्र काफी खुश एवं बहुत उत्साहित महसूस कर रहे थे। इसके अलावा, पूर्वछात्र प्रकोष्ठ ने स्वर्ण जयंती समारोह में एक सक्रिय भूमिका निभाई।

अतिथि व्याख्यान श्रृंखला

इस वर्ष, पूर्वछात्र प्रकोष्ठ ने हमारे आदरणीय पूर्वछात्रों द्वारा अतिथि व्याख्यानों की श्रृंखला का आयोजन करने की एक नयी पहल शुरू की। इस पहल ने वर्तमान छात्रों को विभिन्न उद्योगों के प्रारंभिक ज्ञान और उद्योग जगत के दिग्गजों की तरफ से कैरियर के रास्ते तय करने का बड़ा अवसर प्रदान किया। अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के लिए यहाँ आने वाले पूर्वछात्रों में श्री विक्रम संपत, श्री विनय दीक्षित, श्री अमित कुमार और श्री राजा विश्वेश्वरन थे।

पूर्वछात्र पत्रिका

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ वर्ष में तीन बार पूर्वछात्रों की पत्रिका प्रकाशित करने में भी मदद करता है, जिसमें पूर्वछात्रों और संस्थान से संबंधित समाचार, घटनाएँ, कैरियर संबंधी गतिविधियाँ और संबंधित रिपोर्ट्स एवं उद्योग जगत के व्यवसायियों द्वारा लिखे गये विशिष्ट लेखों का प्रकाशन किया जाता है। यह पत्रिका संस्थान और पूर्वछात्रों के बीच एक सतत कड़ी के रूप में कार्य करती है।

बीटा

बीटा, वित्त एवं निवेश क्लब है। वह वित्तीय क्षितिज के दूर तक जाने वाली गतिविधियों के लिए विविध पोर्टफोलियो का आयोजन करता है। राष्ट्रीय स्तर की वित्तीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करना, वित्त में कैरियर के लिए छात्रों को तैयार करना, और अपने प्रकाशनों से 20 देशों के 120 संस्थानों में अपने पाठकों की बड़ी संख्या के साथ, इस क्लब ने काफी वर्षों से, वित्तीय उद्योग जगत में प्रतिष्ठा प्राप्त की है।

बीटा टीम पूरे कैलेंडर वर्ष में फैले सभी इवैंट्स के आयोजनों में सक्रिय रूप से शामिल रही। *एक्सचैकर* (राजकोष) देश का पहला ऐसा वित्त इवैंट बना रहा जिसमें देश के शीर्ष 25 बी-स्कूलों ने भाग लिया, और गुणात्मक और मात्रात्मक कौशलों के कई आयामों पर छात्रों का परीक्षण किया गया। ये इवैंट्स विविध विषयों में कटौती, निजी इक्विटी, निवेश बैंकिंग, बाजार और खुदरा बैंकिंग पर थे। एक्सिस बैंक के वर्तमान अध्यक्ष श्री नीलेश शाह एवं पूर्व म्युचुअल फंड मैनेजर, जिन्होंने 70,000 करोड़ रु. से अधिक की सम्पत्ति का प्रबंध किया है, उनकी एक वार्ता के साथ *एक्सचैकर* का समापन हुआ।

फिनोमिना नाम से एक सप्ताह तक चलने वाला वित्त उत्सव, वक्ता श्रृंखला और प्रतियोगिताओं के माध्यम से आयोजित किया जाता है, यह प्रथम वर्ष के छात्रों को वित्त जगत् में एक परिचायात्मक मंच प्रदान करने, उनकी समझ के किसी अंतराल को पाटने, साथ ही साथ इस क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में जागरुकता बढ़ाने का कार्य करता है। ब्लूमबर्ग के साथ भागीदारी में इस क्लब ने एक आकलन परीक्षण (बीएटी) का आयोजन किया था, जिससे वैश्विक रूप से अपने साथियों के साथ अपने वित्तीय ज्ञान को बेंचमार्क करने में छात्रों को मदद मिली।

इस क्लब ने आईआईएम अहमदाबाद के *मनी मैनेजर* के संस्करण को *दी एफिसियन्ट फ्रन्टियर* (टीईएफ़) नाम से पुनः ब्रांड बनाने का जागरूक निर्णय लिया। टीईएफ़ में दुनिया के सबसे बड़े हेज फंडों और वित्तीय संस्थानों के कुछ सीईओ और सीएफओ के साक्षात्कारों एवं विचारों के भाग प्रकाशित किये गये हैं। उद्योग जगत् के अग्रणियों जैसे कि, के.वी. कामथ, रोबर्ट कियेर्नन, डॉ. सुबीर गोकर्ण, ब्रूस रिचड्र्स, एड्री गुहा, और अन्य कई लोगों ने बाजार में उथलपुथल के समय पर अधिक प्रतिफल प्राप्त करने पर विचार विमर्श किये। इस अंक में शीर्ष बी-स्कूलों के छात्रों से प्राप्त तथा मूल्यांकन की कठोर प्रक्रिया से चुने हुए चयनित लेखों को भी प्रकाशित किया गया।

इस वर्ष, क्लब ने बजट पैनल चर्चा पर एक नया इवैंट *व्यू प्वाइंट* शुरू किया। व्यू प्वाइंट में जाने माने स्तम्भ लेखकों, पूर्व-नियामकों, और साहित्यकारों सहित सम्मानित वक्ताओं का एक पैनल शामिल था। इस विचार विमर्श में वित्तीय बजट और एक विश्लेषणात्मक सारांश जो शायद ही कभी कहीं वर्तमान पत्रों में देखा हो, उसका एक भेदक दृश्य ऊभर आया।

बाजार और आईबीडी तैयारी के लिए इस क्लब की एक विस्तृत हैंडबुक *बीटा प्राइमर* का छात्रों में अच्छा स्वागत हुआ, क्योंकि इस हैंडबुक में ग्रीष्म और अंतिम नियुक्तियों की दिशा में उनकी तैयारियों के लिए एक प्रभावी साधन उपलब्ध है। इस क्लब के द्वारा *बीटा टाइम्स* पूंजी बाजार और विलय तथा अधिग्रहण के बारे में टीम के विचारों को फैलाने और वित्तीय उद्योग में नवीनतम घटनाओं के साथ पाठकों को अद्यतन करते हुए *बीटा डेली* और *बीटा वर्ड ऑफ द डे* पत्रिका का प्रकाशन किया। इन प्रकाशनों के लिए पाठकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। इस तेज़ वृद्धि के कारणों में से एक कारण है क्लब की वेबसाइट, जिसमें अधिक कार्यक्षमता शामिल है।

सीसीसी

कम्प्यूटर केंद्र समिति अथवा सीसीसी के रूप से परिसर में हर जगह जाना जाता है, यह ऐसा छात्र क्लब है जो परिसर में छात्रों की आई टी की बुनियादी जरूरतों को संभालता है और संस्थान के प्रशासन में छात्रों के प्रतिनिधि के रूप में कार्यकारी बनते हुए छात्रों के आई टी संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

सीसीसी, अपने लैपटोप थोक सौदे और फच्चा अंतर्क्रिया समूह से, आने वाले नये बैच के छात्रों के साथ बातचीत करने का अनूठा विशेषाधिकार प्राप्त करता है। परिसर में छात्रों के रोजमर्रा जीवन को सीसीसी छूता है इसलिए इसके संबंध काफी मजबूत बने रहते हैं, फिर चाहे लैन व वाई-फाई नेटवर्क के माध्यम से हों, प्रिन्टर, संस्थान का मेल-बॉक्स अथवा डीबैब हों। सीसीसी जो काम करता है, वह काफी कम क्लब कर सकते हैं – परिसर में प्रत्येक छात्र तक पहुँचने की क्षमता और उनको एक तरीके से या अन्य तरीके से मदद करना।

हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय सौदे हुए हैं जिनमें मोबाइल फोन कनैक्शन के लिए बाहरी एचडीडी, लैपटोप माउस, पेन ड्राइव, डाटा काड्र्स और सीयूजी इत्यादि थे। हालाँकि परिसर में अब तक का सबसे महत्त्वपूर्ण और सबसे बड़ा सौदा लैपटोप सौदा है। पिछले वर्ष, इस सौदे से अखिल-आईआईएम की स्थिति प्राप्त करते हुए, आँकड़ों की (पोर्टर के पाँच-बल मॉडल का सीधा अनुप्रयोग करते हुए) प्रभावी ढंग से लेन-देन की सौदेबाजी देखने को मिली थी। सीसीसी ने बड़ी रियायती दर पर एक बेहद टिकाऊ

थिंकपैड्स की खरीद की। यह भी उल्लेखनीय रहा कि सीसीसी की सफल वार्ता से आईआईएमए में पहली बार लैपटोप की डिलिवरी सुनिश्चित हुई।

पिछले वर्ष पुराने डीबैब से नये डीबैब का परिवर्तन भी देखा गया, जो समग्र आईआईएम-अहमदाबाद समुदाय के लिए एक सामाजिक मंच बना रहा, फिर चाहे वे छात्र हों, टी.ए. हों, संकाय, कर्मचारी या पूर्वछात्र हों, सभी ने एक साथ मिलकर वार्ता की। स्वदेशी रूप से स्क्रैप करके विकसित किया हुआ नया डीबैब प्रदर्शित करने में सीसीसी गर्व का अनुभव कर सकता है क्योंकि आईआईएमए के छात्रों की टैकनोलोजी की क्षमता और एक सफल प्रयास ही विमवियान्स की जनरेशन को एकसाथ लेकर आये हैं।

कैओस

कैओस, दुनियाभर के सर्वोत्तम व्यावसायिक-स्कूलों से आईआईएम-अहमदाबाद में आने वाले प्रतिभागियों के साथ आयोजित होने वाला बड़ा सांस्कृतिक महोत्सव है। कैओस 2012 ने चार दिनों में 40 से अधिक इवैंट्स के साथ जबरदस्त हडकम्प मचा दिया। इसमें विभिन्न प्रतिभाओं, संगीत एवं कौशलों का भरपूर मिश्रण प्रमुख एवं प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा प्रदर्शित किया गया, इनमें अंबी सुब्रमणियम, अमान व अयान अली खान इत्यादि स्टार नाइट्स में आये थे, जबकि रॉक नाइट में अश्वमेध, इन्नर सैंक्टम, और हायर ओन मेडेन जैसे बैंड़ की मेजबानी की गई।

कैओस महोत्सव में श्रीमान् एवं श्रीमती कैओस, ललित कला और फोटो प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता से लेकर कोरियो एवं फैश पी का व्यापक दृष्टिकोण था जिसमें से रचनात्मकता, काल्पनिकता और प्रतिभा निकल रही थी।

विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का स्तर परखने के लिए प्रश्नोत्तरी एवं साहित्यिक इवैंट्स का आयोजन किया गया। ब्लिज़र्ड्स ऑफ़ रॉक सा कॉलेज बैंड का प्रदर्शन चौकाने वाला रहा। जबकि फोटोग्राफी कार्यशाला में तस्वीरों के माध्यम से कहानी बताने की कला की अभिव्यक्ति हुई, तथा नैतिक हैकिंग कार्यशाला में उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया। कैलिग्राफी और वैक्स मॉडलिंग कार्यशालाओं में मुक्त रचनात्मकता देखने को मिली तथा प्रतिभा उजागर हुई, और नृत्य कार्यशालाओं ने तो चक्करों एवं घुमावों के साथ छात्रों को मोहित कर दिया।

शंकर, एहसान, और लॉय लुई काह्न प्लाज़ा में आखिरी नाइट शो में आये थे तब तो छात्रों के झूमने के साथ चक्का जाम हो गया था और तालबद्ध पल्स द्वारा दिये प्रदर्शन को भी बेहद सराहना मिली थी।

कॉन्फ्लुअन्स

इस वर्ष एशिया-पेसिफिक क्षेत्र में अपनी तरह के सबसे बड़े इवैंट कॉन्फ्लुअन्स में 32 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बी-स्कूलों सहित 150 से अधिक भारतीय बी-स्कूलों, व्यापारिक घरानों के व्यवसाय अग्रणियों, कार्यपालकों से लेकर प्रबंधकों तक, संकायों से लेकर छात्रों तक ने भाग लिया। कॉन्फ्लुअन्स में, व्यापार योजना के इवैंटस, केस अध्ययन एवं वित्त प्रतियोगिताओं के अलावा, विपणन, संचालन, तथा सामान्य प्रबंधन क्षेत्रों में पैनल चर्चा एवं वक्ता सत्रों के लिए विभिन्न चर्चा मंच आयोजित किये गये। इस शिखर सम्मेलन की अवधि में कॉन्फ्लुअन्स में 5000 से अधिक प्रतिभागियों (प्राथमिक दौरे में प्रतिभागियों के सहित) ने भाग लिया। यह वर्ष संस्थान का पचासवाँ वर्ष था, इसलिए कॉन्फ्लुअन्स का आयोजन प्रतिष्ठित पूर्वछात्रों, कोरपोरेट जगत्, संकायों, और छात्रों के समर्थन से भव्य पैमाने पर किया गया।

इस वर्ष के विषय – *"परिवर्तन को बढ़ावा देना, उत्कृष्टता में अव्वल रहो"* आधुनिक भारत की अवधारणा पर थे। यह विषय उस परिवर्तन के लिए था जो हमें हमारे आसपास देखने को मिलता है, साथ ही साथ हम कैसे उस परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए खुद को करते हैं। यह विषय परिवर्तन के परिवेश, उत्कृष्टता की भावना, मौलिकता, जिसे सब देखते हैं उसके माहौल के बारे में भी था।

इन इवैंट्स को वित्त, विपणन, सामान्य प्रबंधन एवं रणनीति क्षेत्रों में अधिक स्पष्टता लाने एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए विभाजित किया गया था। *क्रोनोस* जो कि कृषि व्यवसाय क्षेत्र को ध्यान में रखकर बनाया गया है उसे कॉन्फ्लुअन्स में अलग से दर्शाया गया था। विभिन्न प्रकार के इवैंट्स – केस अध्ययन, प्रश्नोत्तरी, अनुकरण खेल, तुरंत प्रतियोगिता इत्यादि के अलावा विपणन, परामर्शन, वित्त, संचालन, एवं सामान्य प्रबंधन में चुनौतिपूर्ण एवं उत्साहित प्रतिभागी आये, जबकि उसी समय इन प्रतिभागियों को अपनी विशेषज्ञता दर्शाने का मंच प्रदान किया गया। लगभग 20 लाख रुपयों की पुरस्कार राशि, दूसरा बड़ा आकर्षण रहा।

इस वर्ष, कॉन्फ्लुअन्स ने दुनियाभर के सभी सर्वाधिक प्रेरणात्मक लोगों को अपने यहाँ बुलाने की अपनी विरासत बनाये रखी। वक्ताओं में प्रतिष्ठित कम्पनियों के प्रबंध निदेशकों एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ राकेश शर्मा और जे.एम. लिंगदोह जैसी हस्तियाँ शामिल थी।

परामर्श (कन्सल्ट) क्लब

प्रबंध परामर्शन के व्यवसाय में उत्कृष्टता का रखने वाले छात्रों के लिए परामर्श क्लब एक संगठन है। यह क्लब व्यवसाय की समझ विकसित करने एवं बढ़ाने हेतु तैयार गतिविधियों के माध्यम से छात्रों, संकायों, पूर्वछात्रों और व्यवसायियों के बीच बातचीत के लिए अवसर प्रदान करता है।

इस क्लब ने क्षेत्र आधारित केस अध्ययनों के बारे में क्लब के प्रमुख इवैंट - सेक्टोरामा 2011 का अत्यंत सफल आयोजन किया। इसमें 80 बी-स्कूलों की 2000 से अधिक टीमों ने भाग लिया, जिसमें फार्मास्यूटिकल्स एवं स्वास्थ्य देखभाल, खुदरा बिक्री, टैकनोलॉजी, मीडिया एवं टैलिकोम, ऑटोमोबाइल, वित्तीय सेवाएँ, और ऊर्जा जैसे क्षेत्र शामिल थे।

इस क्लब के साथ प्रोक्टर एंड गैम्बल ने ग्राहक एवं बाजार ज्ञान (सीएमके) के बारे में अपने रणनीति अनुकार खेल का आयोजन करने में सहयोग किया। पिछले वर्ष में यह इवैंट दो बार आयोजित किया गया था – पीजीपी-1 छात्रों के लिए अक्टूबर में और पीजीपी-2 छात्रों के लिए फरवरी में। प्रत्येक इवैंट में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

इस क्लब ने आईआईएम-बैंगलुरू और आईआईएम-कोलकाता के परामर्श क्लबों के सहयोग में *आउदिरे* नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया। इस वर्ष की *आउदिरे* पत्रिका ने के.वी. कामथ (अध्यक्ष –इनफोसिस लिमिटेड एवं गैर-कार्यकारी अध्यक्ष - आईसीआईसीआई बैंक) और संजीव बिखचंदानी (संस्थापक एवं सी ई ओ – नौकरी डॉट कॉम) जैसे प्रमुख व्यक्तियों के साक्षात्कार को प्रकाशित करके अपने मानक बढ़ा दिये। इस पत्रिका में आईआईएम के तीन छात्रों के भी लेखों को प्रकाशित किया गया। इस क्लब ने एक मासिक समाचार पत्र *पैनोरामा* का भी प्रकाशन किया। समाचार पत्र के प्रत्येक संस्करण के विस्तार में एक विशेष क्षेत्र के मुख्य वाहकों, ऊभरती प्रवृत्तियों, प्रमुख खिलाड़ियों, और विनियामकों एवं नीतियों में परिवर्तन के प्रभाव का विश्लेषण समाहित करते हुए विस्तृत क्षेत्र को शामिल किया गया। इस समाचार पत्र में प्रासंगिक क्षेत्र के बारे में महत्त्वपूर्ण समाचार अद्यतन को भी समाहित किया गया। इसका अपना स्वयं का ब्लॉग भी है, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर बॉलीवुड़ व्यवसाय के विषयों को लेकर लिखे गये लेखों को शामिल किया गया।

इस क्लब ने आईआईएमए केस बुक के अद्यतन संस्करण प्रकाशन किया है जिसमें परामर्श कम्पनियों द्वारा ग्रीष्मकालीन और अंतिम नियुक्ति के दौरान आयोजित केस साक्षात्कारों के लेख हैं जो छात्रों को अपनी परामर्शन नियुक्तियों के लिए बेहतर तैयारी करने में मददगार हैं।

कल्टकॉम

कल्टकॉम ही ऐसा क्लब है जो समय समय पर, परिसर में एक गूँज बनाये रखता है, जो काफी माइने रखता है, फिर चाहे वह नये वर्ष की पार्टी हो, वैलेन्टाइन डे हो, वेलकम पार्टी (नये छात्रों का स्वागत मिलन) हो अथवा कई समारोह हों। पिछले वर्ष छात्रों ने परिसर में होली, दिवाली, जन्माष्टमी, लोहड़ी, क्रिसमस और गणेश चतुर्थी जैसे त्यौहारों के समारोह, ऐसे कार्यों के लिए सक्रिय रहने वाले *कल्टकॉम* क्लब की शक्ति के साथ मनाये थे। अन्य उत्कृष्ट बाहरी समारोह भी थे, जिसमें परिसर पर चित्रित *शामियाना* नाम की एक लघुफिल्म प्रदर्शित की गई। परिसर में *स्पिकमेकेय* संगीत समारोह और गरबा कार्यक्रम भी हुआ, जिनमें परिसर के बाहर के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया और आईआईएम-अहमदाबाद समुदाय के साथ मिलकर आनंद उठाया। एक काफी सुआयोजित टी-नाइट समारोह में, कई पीजीपी-1 के छात्र इकट्ठा हुए और अपने सांस्कृतिक कौशलों का प्रदर्शन किया और इस तरह से अनुभागों के संबंध लगातार बढ़ते रहे। इवैंट्स में एक व्यापक विविधता भी थी, जिससे छात्रों को अपने रचनात्मक पक्ष का पोषण करने एवं अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने में मदद मिली। *कल्टकॉम* ने जन्माष्टमी के दौरान अंतर-छात्रालय मटकी फोड़ प्रतियोगिता और दिवाली के दौरान रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन करके छात्रावास समुदाय का भी उपयोग किया है।

एंत्रे

एंत्रे, का लक्ष्य उद्यमशीलता क्लब के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए की विभिन्न गतिविधियों एवं इवैंटस का आयोजन करना है जो छात्रों के बीच उद्यमशीलता की भावना को प्रकट करने एवं उनकी प्रशंसा करने की दिशा में मनाये जाते हैं।

अपनी तरह का एक एंत्रे स्टोर इस क्लब के मुख्य यूएसपी में से एक है। इस स्टोर के माध्यम से, सौदे की एक किस्म को छात्रों, संकायों, और समुदाय के अन्य सदस्यों के समक्ष उपलब्ध कराया जाता है। सम्पूर्ण रूप से अपने ही बलबूते पर इस स्टोर को चलाना, और अपने कार्यों की सभी बारिकियों का खयाल रखना आदि के द्वारा इस क्लब के सदस्यों को उद्यमी अनुभव को अपने हाथों प्राप्त करने का अद्वितीय अवसर

दिया जाता है। एंत्रे, परिसर में शुरूआती और उद्यमी कम्पनियों को आमंत्रित करके एंत्रे मेला आयोजित करने के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। यह मेला केवल आईआईएमए छात्रों के लिए ही नहीं, अपितु अन्य बिजनेस स्कूलों के छात्रों के लिए भी इन उद्यमी उपक्रमों के बारे में ज्यादा जानकारी एवं बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करता है और उनके साथ काम करने की सुविधा उपलब्ध कराता है। *एंत्रे* ने *आइडिया फेस्ट* की पहल भी शुरू की है जो कि एक दो दिवसीय इवैंट है जिसमें प्रसिद्ध व्यक्ति परिसर में आते हैं और नवाचार एवं उद्यमशीलता के बारे में सत्रों में व्याख्यान देते हैं।

साम्यावस्था (इक्विपॉइज़)

इक्विपॉइज़ ने अपनी वार्षिक गतिविधि "*क्विज़-मास्टर्स*" के साथ शुरूआत की, जिसने पिछले वर्ष में काफी लोकप्रियता हासिल की थी। वास्तव में यह इवैंट प्रश्नोत्तरी के दौरान गूँज उत्पन्न करने एवं उत्तेजना पैदा करने के लिए है। इस क्लब ने सामान्य क्षेत्रिय अर्थशास्त्रियों के अलावा, वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं यश बैंक के परिसर भर्ती के प्रमुख की मेजबानी की थी, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और उसके वैश्विक संबंधों के प्रभाव के बारे में एक दृष्टिकोण उपलब्ध कराया।

कॉन्फ्लुअन्स के एक भाग के रूप में इस क्लब ने बजट, नीति निर्माण गतिविधि एवं तेल व्यापार के दिग्गजों का अनुकरण सहित इवैंट्स का आयोजन किया जिनमें देशभर से आये लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, "*इको*" के नियमित प्रकाशन में टीम के विचारों और कई आर्थिक मुद्दों व इवैंट्स के बारे में लेखों का प्रकाशन जारी है। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के साक्षात्कार से पहले कैलिडोस्कोप को परिचालित किया गया, जो कि वर्तमान आर्थिक मामलों का एक उत्कृष्ट क्षेत्रीय दौर था। एक नयी पहल "*इको-कोन्सेप्ट्स*" को भी साप्ताहिक आधार पर वितरित किया गया। इन लेखों ने इस बैच को कई महत्त्वपूर्ण आर्थिक अवधारणाओं के बारे में जानकारी प्रदान की, जो साक्षात्कार के लिए आवश्यक होती हैं।

विनिमय परिषद्

छात्र विनिमय कार्यक्रम, छात्रों को दुनिया भर की विभिन्न संस्कृतियों एवं व्यवसाय पद्धतियों को उजागर करने का अवसर प्रदान करता है। दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में से एक ज्वलंत सेट का चयन कर, उसे शामिल करने के उपरांत, संस्थान ने एसेक-फ्रान्स, बोकोनी युनिवर्सिटी-इटली और एचईसी-फ्रान्स के साथ एक दोहरी उपाधि कार्यक्रम के समर्थन का भी समझौता किया है। विदेश जा रहे छात्रों को उनके संबंधित महाविद्यालय में ठहरने, बडे सौदे के द्वारिविदेशी मुद्रा की उपलब्धता सुनिश्चित करना इस परिषद् के कार्य हैं। अन्य कार्यों में यात्रा की सुविधा के लिए यूरो रेल पास, आवास की सुविधा के लिए यूथ होस्टल काड्र्स एवं विद्यार्थी कार्ड शामिल हैं। इस वर्ष, इस परिषद् ने नयी पहल *एक्सचेन्ज फेयर* की भी शुरूआत की, जहाँ परिसर में विनिमय छात्र प्रथम वर्ष के छात्रों के समक्ष अपने विश्वविद्यालय के बारे में प्रस्तुतियाँ देते हैं।

संकाय छात्र सहभागिता

संकाय छात्र सहभागिता (एफएसआई) प्रकोष्ठ संकाय सदस्यों एवं छात्रों के बीच अनौपचारिक संबंधों एवं बातचीत को बढ़ावा देता है। यह प्रकोष्ठ नियमित रूप से शिक्षक-छात्र रात्रिभोज, क्रिकेट मैच, प्रकृति में टहलना, और सामान्य विषयों पर विचार विमर्श जैसे इवैंट्स का आयोजन करता है जिससे प्रोफसरों और छात्रों के बीच की सीमारेखा को धुंधला किया जा सके और सोच तथा विचारों का एक परस्पर विनिमय हो सके। पिछले वर्ष आयोजित इवैंट्स में से कुछ शामिल हैं :

- **प्रोफेसर के साथ कॉफी** : यह कार्यक्रम छात्रों को संकाय के साथ शांति से बातचीत करने का अवसर प्रदान करता है जहाँ आप उनसे कुछ भी और सबकुछ एक छत के नीचे पूछ सकते हैं, चाहे वह शिक्षाविदों, वन्य जीवन, खेलकूद अथवा साहस के बारे में हों।
- **शिक्षक दिवस समारोह** : 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया गया। छात्रों ने अपने दुलारे प्रोफेसरों

के लिए अद्भुत इवेंट्स की बाद एक श्रृंखला रखी थी। हमने देखा कि प्रोफेसरों ने छात्रों के साथ अपने पढ़ाने के अनुभवों और अपने छात्र जीवन के अनुभवों को भी साझा किया। शिक्षक दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण, अनुकूलित स्मृति चिन्हों और छात्रों के संदेशों वाले ग्रीटिंग कार्डों से प्रोफेसरों को पहचानना एवं सम्मान करना था।

- **क्रिकेट मैच** : इस क्लब ने संकाय-छात्रों के क्रिकेट मैचों का आयोजन किया – इन खेलों का दोनों ने ही पूरी तरह से आनंद उठाया। प्रोफेसरों के साथ अनेक तरीकों से बातचीत हुई, जैसे कि औपचारिक, अनौपचारिक, वर्ग में, वर्ग से बाहर, सामाजिक, शैक्षणिक, आकस्मिक, योजनाकृत, इत्यादि लेकिन जो इन क्रिकेट मैचों ने हासिल किया,वह शायद ही किसी खेल के रूप में देखने को मिलता है
- **गुरु-शिष्य कार्यक्रम** : संकाय सदस्य छात्रों के लिए एक गुरू के रूप में होने के कारण वे छात्रों को गुरुओं के साथ संबंध बनाने और उनकी रुचि के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अवसर प्रदान करते हैं। नये बैच के संस्थान में आने के पहले दो सप्ताह के अन्दर ही गुरु नियत हो जाते हैं।संकाय सदस्यों को भी उनकी रुचि एवं उपलब्धता के बारे में पूछा गया है। यह क्लब गुरूओं और शिष्यों के बीच के अधिकतम हितों का अधिव्यापन करने की कोशिश करता है।
- **संकाय सदस्यों के जन्मदिन समारोह** : यह क्लब संकाय सदस्यों के जन्मदिन समारोहों का आयोजन करता है, जिसके अंतर्गत भोजनालय, वर्गखंड, कार्यालय अथवा संकायों के घरों पर केक काटने की रसम की जाती है।

उद्योग सहभागिता मंच

उद्योग सहभागिता मंच (एफआई आई) छात्र परामर्शन निकाय है। एफ आई आई का मूल लक्ष्य, विभिन्न क्षेत्रों में स्वदेशी तथा अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेट कम्पनियों, प्रारम्भिक उपक्रमों, व गैर-लाभकारी संगठनों को नवीन एवं व्यावहारिक समाधान प्रदान करने के लिए छात्रों और उद्योग के बीच एक सफल भागदारी बनाना है।

पिछले वर्ष कई नये मानक स्थापित हुए थे। एफ़आईआई की कोर टीम वर्ष 2010-11 पूरा होने तक परियोजनाओं की संख्या 112 प्रतिशत तक बढ़ाने में सफल रही। एफ़आईआई का वार्षिक राजस्व पिछले वर्ष से 67.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 10,00,000 रु. तक पहुँच गया। लगभग सभी टीमों को ग्राहकों द्वारा 'औसत से ऊपर' का दर्ज़ा दिया गया था। वर्ष 2011-12 में प्रारंभिक उपक्रमों से लेकर प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय कम्पनियों तक के ग्राहक थे। 2011-12 में एफ़आईआई के प्रमुख ग्राहकों में कुछ बड़े नाम शामिल थे, जैसे कि, आरबीएस, पीडबल्यूसी, एमेज़न, जीई, डीएलएफ़ इत्यादि।

दुनियाभर में कई शहरों में आईआईएमए पूर्वछात्र बैठक *सिंक्रोनी* के दौरान एफ़आईआई की औपचारिक प्रस्तुतियाँ की गई थी। मानकीकृत पराकाष्ठा एवं ग्राहक प्रस्तुति सांचों को लागू किया गया। एक एफ़आईआई नीति दस्तावेज़ तैयार किया गया, जिसमें परियोजना टीम की संरचना से संबंधित दिशा-निर्देश, विभिन्न हितधारकों की भूमिकाएँ, इत्यादि पर एफ़आईआई की विभिन्न विस्तृत नीतियाँ शामिल थी।

दिसम्बर में एक अंतिम पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसमें एफ़आईआई के विभिन्न हितधारकों – ग्राहकों, परियोजना टीमों, संकाय परामर्शकों , पीजीपीएक्स एवं एफ़पीएम गुरूओं – को आमंत्रित किया गया और पुरस्कार की राशि के रूप में लगभग 7,00,000 रु. बाँटे गये।

कौशल (फिनेस)

कौशल (फिनेस), ललित कला क्लब का लक्ष्य आईआईएमए समुदाय में ललित कला को बढ़ावा देना और मुक्त विचार-वहन से प्रेरित भविष्य के प्रबंधकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को प्रेरित करना है। यह क्लब न केवल ललित कला के नये रूपों को सीखने के अवसर देता है अपितु परिसर में आयोजित होने वाली प्रदर्शनियों में भी उनके काम को प्रदर्शित करने का अवसर देता है। पिछले वर्ष, फिनेस ने वर्षभर

विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे कि, चित्रकला प्रदर्शनी, लकड़ी के कोयले एवं सूखी रंग-पेन्सिल की कार्यशाला, और चित्रकला प्रतियोगिता।

फुटलूज़

डान्स क्लब *फुटलूज़* एक मस्तीभरा उत्साही समूह है जिनके लिए नृत्य उनके जीवन का एक अविभाज्य अंग है। यह क्लब पूरे वर्ष स्वतंत्रता दिवस से लेकर शिक्षक दिवस तक के समारोह तथा रंगभरी डान्स नाइट्स तक के विभिन्न इवैंट्स में शामिल होता है। इस क्लब को इस वर्ष, स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान विशिष्ट पूर्व छात्रों सहित, बहुत अधिक एवं प्रतिष्ठित दर्शकों के सामने प्रदर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह इवैंट एक शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ और उसके बाद हिप-होप, लोकनृत्य, और कंटेंप्ररी नृत्य शैली जैसे कुछ भव्य नृत्य प्रदर्शन हुए। इस वर्ष फ़ूटलूज़ द्वारा विभिन्न प्रकार की नृत्य शैलियों, जैसे कि, सालसा, बॉलीवुड़ एवं टैंगो पर नृत्य कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई।

जेनेसिस

आईआईएम-ए के प्रणाली क्लब *जेनेसिस* का लक्ष्य प्रौद्योगिकी के ऊभरते रुझान को प्रकट करना है। *जेनेसिस* प्रौद्योगिकी के विभिन्न कैरियर विकल्पों से भविष्य के प्रबंधकों और उद्योगों के बीच एक संचार मंच के रूप में प्रतिभागियों को परिचित कराता है : आईटी परामर्शन से प्रौद्योगिकी विपणन, परियोजना प्रबंधन और व्यवसाय विकास तक।

वर्ष 2011 में आयोजित मुख्य इवैंट – कॉन्फ्लुअन्स 2011 के हिस्से के रूप में सीआईओ गोलमेज सम्मेलन था जो कि आज तक का पहला गोलमेज सम्मेलन था। प्रतिष्ठित वक्ताओं में श्री सुमित चौधरी (आईबीएम के उपप्रमुख एवं भागीदार), श्री प्रकाश शुक्ल (ताज होटेल्स के वरिष्ठ उपप्रमुख एवं सीआईओ), श्री जगदीश बेलवाल (टाटा मोटर्स के सीआईओ), डॉ. वी. सुब्रमणियम (निदेशक, आईटी एवं सीआईओ, ओटिस इंडिया), श्री गुरुराज राव (महिन्द्रा एंड महिन्द्रा वित्तीय सेवा समूह के सीआईओ), और श्री प्रसून दत्त (रिलायन्स एनर्जी लिमिटेड के वरिष्ठ ईवीपी) शामिल थे। *जेनेसिस* ने प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग में पीजीपी छात्रों के लिए रैम्स का भी आयोजन किया और आईटी में कैरियर के विभिन्न अवसरों के बारे में पीजीपी छात्रों की जागरूकता बढ़ाने के लिए पीजीपीएक्स छात्रों के साथ बातचीत के सत्रों का आयोजन किया। एक मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजन किया गया, जिसमें अपनी इंटर्नशिप के दौरान आईटी संबंधित पदों में दिलचस्पी रखने वाले पीजीपी छात्रों के लिए बुद्धिमान निर्णय लेने में मदद हेतु एक पीजीपीएक्स गुरू नियत किया गया।

स्वर्ण जयंती समिति

छात्रों की *स्वर्ण जयंती समारोह समिति* ने जॉय ऑफ़ गिविंग सप्ताह (2 से 8 अक्टूबर, 2011) के दौरान विभिन्न इवैंट्स का आयोजन किया, जिसने अलग अलग लोगों को समाज को देने और देने की खुशी को महसूस करने के लिए एक मंच प्रदान किया। एक राष्ट्रीय स्तर के चैरिटी इवैंट *सीईओ-की-छाँव* के लिए बोली लगाने में, जबर्दस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, इसमें छात्र अपनी पसंद के सीईओ के साथ एक दिन बिताने के लिए निश्चित धनराशि व्यय करने के लिए बोली लगा सकते हैं। इस सप्ताह का मुख्य आकर्षण - "*आईआईएम अहमदाबाद में एक दिन*" *था,* जिसमें परिसर से बाहर के लोगों को संस्थान में एक दिन व्यतीत करने और प्रथम वर्ष के छात्रों के जीवन को अनुभव करने का मौका मिला। यह 50 सीटों की नीलामी से शुरू होकर लॉटरी प्रणाली द्वारा आमंत्रण में परिवर्तित हो गया, जबकि बोलियाँ आसमान छू रही थी और ऐसा लग रहा था कि कई लोग स्थान पर बोलियों का मेल करने में असक्षम रहेंगे और उन्हें इसका हिस्सा बनने का उचित मौका मिल जायेगा। प्रतिभागियों को प्रयास के लिए किये जा रहे सभी संग्रहों के लिए स्वैच्छिक रूप से दान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उपयोग किये हुए तथा अवांछित कपड़ों का संग्रहण करके, जरूरतमंदों की सुविधा के लिए उनमें वितरित करने का एक अभियान चलाया गया।

संस्थान के 50 वर्ष की स्थापना के क्रम में, पुराने एवं नये परिसर को परस्पर जोड़ने के लिए *अपनी तरह के* एक सुविधाजनक भूमिगत उपमार्ग की स्थापना की गई। इसके अधिष्ठापन में दो प्रोजेक्टरों की सिली हुई छवि का उपयोग किया गया है और यह माइक्रोसॉफ्ट काइनेक्ट 360 सेन्सर द्वारा पूर्वछात्रों की पिछले 50 वर्षों की पुरानी यादों को पुनःजीवित करने तथा छात्रों को संस्थान के विकास की एक झलक देने में सक्षम है। स्वर्ण जयंती पूर्वछात्र बैठकों के दौरान विभिन्न वर्षों की लगभग 750 छवियों को डाटा के साथ इस अधिष्ठापन पर प्रदर्शित किया गया।

आईआईएम अहमदाबाद सांस्कृतिक एवं नाट्य सोसायटी

आईआईएम ऐक्ट्स ने इस वर्ष तीन दिवसीय नाट्य महोत्सव *रुबरू* द्वारा लगभग 450 से अधिक कदमों के साथ शुरूआत की। इस इवैंट के अंतर्गत, आईआईएम ऐक्ट्स ने *पार्क* (हिन्दी), *ब्लेक कोमेडी* (अँग्रेज़ी) जैसे नाटकों तथा टैगोर की 150वीं जयंती मनाते हुए *सम्पत्तिसमर्पण* (बंग्ला), *अंतिम पाथ* (हिन्दी), *ऑन क्युरियोसिटी* (अँग्रेज़ी) जैसे लघुनाटकों का सफलतापूर्वक मंचन किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर *खुदा हाफ़िज़* में लिखित गुलज़ार के लेखों को भी मंच पर समाविष्ट किया गया। इस वर्ष एलेक्स ब्राउन की कहानी पर आधारित एक लघुफिल्म *किल* का निर्माण देखने को मिला, जिसका प्रदर्शन मुम्बई में काला घोड़ा महोत्सव में किया गया था और बाद में अहमदाबाद में नटरानी में किया गया। व्यंगात्मक रूप से, *किल* एक लघुफिल्म निर्माण के रूप में नाटक के अन्य पहलू और कौशलों को जीवंत कर देती है।

आईआईएम अहमदाबाद की समर्थन प्रणाली

संस्थान में यह कार्यक्रम अत्यंत कठिन है और छात्रों को इसमें स्वयं ही समायोजित होने की जरूरत है। संस्थान में सुरक्षा की कई पंक्तियाँ और समर्थन की प्रणालियाँ हैं।

जाति वर्ग का कोई प्रकटीकरण नहीं : सबसे पहले तो, संस्थान की व्यापक नीति के अनुसार, किसी को अपनी जाति का खुलासा करने की जरूरी नहीं है, फिर चाहे वे सामान्य, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग अथवा अन्य कोई वर्ग से भी हो, और सभी पर छात्र से जाति के बारे में पूछने पर प्रतिबंध है। वर्गों/ वर्गखंडों/अध्ययन समूहों में छात्रों के बीच कोई भेदभाव नहीं है। जाति की जानकारी का उपयोग केवल प्रवेश से पहले ही किया जाता है और यह जानकारी छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं होती है।

समर्थन के माध्यम : जो लोग कठिनाइयों का सामना करने में मुश्किलें पाते हैं, उनके लिए सहायता के विभिन्न प्रकार उपलब्ध हैं और उनका दायरा जरूरत के अनुसार बदलता रहता है।

वित्तीय : संस्थान ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बेताब रहता है, और अपनी इन वास्तविकताओं के बारे में स्वयं पर गर्व महसूस करता है। किसी की भी आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसे शिक्षा से वंचित नहीं किया जाता और जरूरतमंद छात्रों की सहायता के लिए विभिन्न रूपों में शुल्क मुक्ति/ छात्रवृत्तियाँ / वित्तीय पैकेज उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ विशेष रूप से अ.जा./अ.ज.जा. और अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों और फीस वहन नहीं करने वाले छात्रों के लिए हैं।

प्रारंभिक कार्यक्रम : कार्यक्रम में जुड़ने से पहले भी कुछ छात्रों को संचार कौशल, कम्प्यूटर कौशल और मात्रात्मक तरीकों पर कक्षाओं के साथ प्रारंभिक पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए कहा जाता है। यह एक महीने लंबा कार्यक्रम है और बैच के लगभग 20 प्रतिशत छात्रों को इसमें प्रवेश दिया जाता है। नियमित पाठ्यक्रम शुरू होने से पहले एक महीने तक यह पाठ्यक्रम चलता है। यह किसी भी प्रकार की वर्गजाति के आधार पर नहीं होता है अपितु साक्षात्कार की प्रक्रिया के दौरान संकाय ऐसे उम्मीदवारों को परख लेते हैं जिन्हें ऐसी सहायता की जरूरत है। इसमें भी उम्मीदवारों की स्थानीय भाषा के माध्यम का खयाल रखा जाता है।

छात्र गुरू : द्वितीय वर्ष के 50 से अधिक छात्रों की एक टीम सीधे ही प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ जुड़ती है। प्रत्येक गुरू के समूह में 8 से 10 छात्र होते हैं जिनके लिए वह व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होता है और कार्यक्रम के माध्यम से उनका मार्गदर्शन कर सकता है। मूलतः, यह कार्यक्रम प्रथमवर्ष के छात्रों के लिए उन अवसरों की पहचान करता है जिसमें वे सबसे ज्यादा रुचि रखते हैं और उसमें बहुत कुछ कर सकते हैं। जैसे ही प्रवेशपत्र जारी किये जाते हैं उसके तुरंत बाद गुरू आवंटित हो जाते हैं और वे अपने शिष्यों की परिसर में सेट होने से लेकर कैरियर के विकल्प चुनने तक में हर संभव मदद करते हैं। आईआईएमए में प्रथम वर्ष काफी कठिन होता और छात्र-गुरू आमतौर पर अपने दिशा-निर्देशों द्वारा छात्रों को इन सभी कठिनाइयों से पार निकलने में अच्छे मददगार रहते हैं।

विशेष जरूरतों की पहचान : आने वाले प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ यहाँ आने से बहुत पहले ही सम्पर्क किया जाता है यदि संस्थान के साथ जुड़ने से पहले उनकी कोई विशेष जरूरत या आवश्यकता हो तो उसे समझ जा सके। संस्थान सभी तरह के विकलांग छात्रों को समान अवसर प्रदान करता है और उनको विशेष सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करता है जिनकी उन्हें जरूरत है।

उपचारात्मक सत्र : ये सत्र प्रत्येक पाठ्यक्रम में छात्रों द्वारा एक दूसरे के लिए चलाये जाते हैं। आमतौर पर ये प्रत्येक स्लॉट में दो या तीन बार किये जाते हैं। ये उपचारात्मक सत्र हर छूटे हुए विषय के एक-एक भाग को ताज़ा करने का उत्तम तरीका है। क्योंकि ये छात्रों द्वारा प्रशासित होते हैं, इसलिए प्रश्न पूछने पर कोई भी दबाव तथा संकोच नहीं होता है। ये फिर से, प्रति सत्र एक घंटे के कम समय में हो सकते हैं और 3 से 4 घंटों तक भी चल सकते हैं। ऐसे सत्रों में 100 से अधिक छात्रों का शामिल होना सामान्य है।

छात्रों का व्यक्तिगत एवं कैरियर विकास केन्द्र : यह एक पेशेवर परामर्शदाता केन्द्र है, जो छात्रों के व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उपलब्ध है। मार्गदर्शक टीम और छात्र परिषद् इस केन्द्र में काफी बारीकी से काम करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि यह सुविधा छात्र समुदाय में अच्छी तरह से जानी जाती है।

छात्रालय जीवन : एक छात्रालय में 19 से 39 मित्र होते हैं जो अपने दैनिक जीवन को एक साथ जीते हैं। प्रत्येक छात्रालय का एक छात्रालय प्रतिनिधि होता है और मित्रों का एक समूह होता है जो हमेशा पास में ही उपलब्ध रहते हैं।

छात्रों की परिषद् के बारे में उल्लेख किये गये प्रत्येक चरण यह यकीन दिलाते है कि छात्रों की पहचान करने एवं उनकी मदद सुनिश्चित करने के लिए यह एक ठोस समर्थन प्रणाली है। आवश्यकताओं की पहचान करने और उनका उचित पद्धति के माध्यम से पता लगाने मे परस्पर सहयोग के साथ ये प्रणालियाँ काम करती हैं।

अन्तर्दृष्टि

अन्तर्दृष्टि 2011 ने *विपणन अनुसंधान मेले* में स्वयं को नया नाम देकर आईआईएम-अहमदाबाद के *विपणन शिखर सम्मेलन* में एक कदम आगे बढ़ाया है। नये इवैंट्स की शुरूआत के साथ जैसे कि *प्रोडक्टोमेनिया, एड-डिक्टेड, सामाजिक रहस्योद्घाटन,* और *ऑनलाइन शोधकर्ता छात्रों* को विभिन्न परिदृश्यों में उनके विपणन कौशल का प्रदर्शन करने तथा अन्तर्दृष्टि के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति देता है। 22 से 23 अक्टूबर, 2011 को आयोजित इनसाइट ने अनुकार खेलों, ऑनलाइन इवैंट्स, विज्ञापन निर्माण इवैंट और विपणन के बारे में सामाजिक दृष्टिकोण के इवैंट से विपणन के विभिन्न महत्त्वपूर्ण पहलुओं का पता लगाया गया। इस इवैंट की सफलता ए.सी. नीलसन द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में 400 से अधिक छात्रों की बड़ी भागीदारी से स्पष्ट हो जाती है। प्रोफेसर अरविन्द सहाय,

संकाय समन्वयक ने, प्रायोजकों के लिए अपनी ब्रांड को ज्यादा बड़ा बनाने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि देते हुए एक पेशेवर विपणन कार्यशाला ली।

साहित्य संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी)

एलएसडी ने पिछले वर्ष आईआईएमए की वार्षिक पुस्तक से अपनी पहली छाप छोड़ी, जिसमें पहले श्वेत-श्याम रंगों में जो प्रसंग छपते थे वे अब रंगीन यादों के संग्रह में बदल गये।

उसके बाद, इस टीम ने आईआईएमए की साहित्यिक संस्कृति में साहित्य सप्ताह के साथ फच्चा की शुरूआत की। इस सप्ताह के दौरान, जस्ट-अ-मिनट, पोट-पुर्री, शब्दखेल और एक फच्चा प्रश्नोत्तरी जैसे इवैंट्स आयोजित किये गये। उसके बाद, लोगों को वक्तृत्व कौशलों को ऊभराने के लिए तैयार किया गये इवैंट *गिफ्ट ऑफ़ द गैब* का आयोजन किया गया।

एयन रैंड के काम के बारे में एक पुस्तक विमर्श की मेजबानी सर्व आदरणीय प्रोफेसरों – प्रोफेसर सेबास्तियन मोरिस और प्रोफेसर अजय पांडे द्वारा की गई जिसमें लोगों ने काफी रुचि ली और बहुत लोगों ने उसमें भाग लिया था।

एलएसडी सदस्यों ने अंतर-कॉलेज प्रतिस्पर्धाओं में अपनी क्षमताएँ अच्छी तरह से साबित की। प्रश्नोत्तरी के क्षेत्र में अपने कारनामे जारी रखते हुए एलएसडी सदस्यों ने आईआईएम अहमदाबाद के लिए निहिलंथ में अंतर-आईआईटी-आईआईएम प्रतियोगिता में पहला स्थान जीता।

रचनात्मक लेखन के लिए वैविध्य वाले इस भव्य संस्थान के भीतर की अव्यक्त प्रतिभा की एक झलक काव्यों व लघुकथाओं के रूप में देते हुए एलएसडी *लितराती पत्रिका* का भी प्रकाशन इस वर्ष के दौरान हुआ।

मीडिया कक्ष

मीडिया कक्ष ने संस्थान की सभी घटनाओं का कवरेज प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को दिया। यह कक्ष *कोन्फ्लुअन्स, कैओस, इनसाइट,* और *स्वर्ण जयंती समारोह* के लिए नियमित रूप से प्रेस विज्ञप्तियाँ भेजता है।

मार्गदर्शन कार्यक्रम

मार्गदर्शन कार्यक्रम इस वर्ष संस्थान के जीवन के सभी पहलुओं पर नये आने वाले बैच को कमर कसकर तैयार करने के इरादे से शुरू किया गया। वर्षभर में इस कार्यक्रम को तीन चरणों में अंजाम दिया गया, पहला चरण परिसर में प्रथम वर्ष के छात्रों के आने से पहले हुआ, दूसरा चरण परिसर में यहाँ आने के बाद उनके अच्छे ठहराव एवं उन्हें संस्थान की संस्कृति के अनुकूल बनने के लिए हुआ, और तीसरा चरण उनकी शैक्षणिक एवं नियुक्ति प्रक्रिया में क्षमता बढ़ाने के लिए किया गया। नवागंतुकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर मार्गदर्शन कार्यक्रम ने अपने पहले वर्ष में अभूतपूर्व स्वीकृति एवं परिणाम पायें।

संगीत क्लब

संगीत क्लब छात्रों के ऐसे समूह द्वारा चलाया जाता है जिनका संगीत में गहरा जूनून है। इस क्लब का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि परिसर में छात्रों के बीच आयोजित होने वाले सभी आयोजनों में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी रहे।

पिछले वर्ष आयोजित गतिविधियों में से कुछ इस प्रकार थी :

- **नाद सौंदर्य (यूफोनी) :** जुलाई के मध्य में सी.टी. में आयोजित निर्बाध संगीतमय रात्रि कार्यक्रम *यूफोनी* था। हिन्दी और अँग्रेज़ी दोनों गाने इस इवैंट के दौरान बजाये गये और इसमें जमा होने वाली भीड़ काफी उत्साहवर्धक थी। इस इवैंट में हिन्दी मिश्रित गाने भी थे जो कि भीड़ का मुख्य आकर्षण रहे।

- **अंतर-आईआईएम जैम :** इंटर-आईआईएम जैम भोजनालय के सामने आईआईएम बैंगलुरू की तरफ से आयोजित एक मुक्त-जैम सत्र था जिसके साथ उत्साही संगीतकार भी जुड़े थे। अंतर-आईआईएम खेल महोत्सव *संघर्ष* के दौरान यह इवैंट आयोजित हुआ था, और इसमें आईआईएमए, आईआईएमबी, आईआईएमसी और आईआईएमएल के छात्र बड़े पैमाने पर उपस्थित रहे।
- **विमवाई वूडस्टोक :** *विमवाई वूडस्टोक* पिछले वर्ष अक्टूबर में रवि जे. मथाई सभागार में आयोजित एक पाश्चात्त्य संगीत समारोह था। इस क्रार्यक्रम में बड़ी संख्या में रॉक संगीत प्रेमियों ने भाग लिया।
- **कैओस अंतर-कॉलेज प्रतिस्पर्धा :** इस संगीत क्लब टीम ने *कैओस* के हिस्से के रूप में अंतर-कॉलेज संगीत प्रतिस्पर्धा *डेसिबल* में भाग लिया।
- **जॉय ऑफ गिविंग प्रदर्शन :** *जॉय ऑफ गिविंग सप्ताह* अभियान के एक हिस्से के रूप में, *संगीत क्लब* ने बॉलीवुड के कुछ खुश-मिजाज गानों का प्रर्दशन किया।
- **स्वतंत्रता दिवस प्रदर्शन एवं शिक्षक दिवस :** जैसे कि यह एक परम्परा बन गई है, *संगीत क्लब* स्वतंत्रता दिवस और शिक्षक दिवस के समारोह पर अपने गानों के द्वारा प्रदर्शन करता है।

निशे

निशे ने पिछले वर्षों की तरह, उपचारात्मक सत्र चलाये और वह निशे क्रोनिकल, जारगन डिमिस्टिफाइड, ब्रांड अपडेट, कम्पनी प्रोफाइल और विपणन की बुनियादी बातों पर लेखों के साथ सामने आया। छात्रों को सर्वोत्कृष्ट विपणन बोध के साथ सबकुछ उपलब्ध कराते हुए ये सभी प्रयत्न किये जाते है, जिससे यह सुनिश्चित हो जायें कि वे स्वयं ही अपने नियोक्ताओं के लिए बेहतर बाजार हैं। *निशे* ने लोवेस लिन्तास द्वारा विज्ञापन जगत् की विचित्र रीति के विशिष्ट हितों के प्रति काम करने के लिए विपणन की बुनियादी बातों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसके अलावा, *निशे* के सहयोग से कुछ प्रमुख विपणन कम्पनियों द्वारा आयोजित हुए इवैंट्स में बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे और इस बैच में कैरियर विकल्प के रूप में विपणन को चुनने के लिए एक हलचल पैदा कर दी।

कॉन्फ्लुअन्स 2011 में आयोजित 'बियांड दी *केस*' ने लोगों पर अपनी पकड़ जमायी। यह इवैंट विपणन का प्रमुख इवैंट था जिसमें एक गैरसरकारी संगठन (एनजीओ) के स्रोत से चीज़ें बेचने के लिए प्रतिभागियों ने अपने खुद के स्टॉल बनाये थे और एक वास्तविक बाजार स्थान का अनुकार किया गया। इस शैक्षणिक वर्ष के अंत में, *निशे* ने *एड-मैड शो* का आयोजन किया, जो कि एक विज्ञापन को चकमा देने वाला इवैंट बनाया गया था जिसमें अपेक्षा के अनुसार बड़ी संख्या में लोगों ने विचार रखे।

निशे का मासिक समाचार पत्र *एम्पोरियो* में *गेरिल्ला (छापामार) विपणन, लाल सागर रणनीति, भीड़ स्रोतकरण* और *अन्य* तथा बड़े तौर पर विफल रही ब्रांड के रूझान स्थापित करते ब्रांड जैसे विषयों को कवर करते हुए दिलचस्प विषयों के लेख समाहित हुए। इन मासिक पत्रों में आगे जाकर अखिल आईआईएम समाचार पत्र लुकिंग *ग्लास* को जोडा गया, जिसमें चारों आईआईएम के छात्रों ने योगदान दिया।

राम-बाण (पैनेसिया)

संस्थान में *पैनेसिया* स्वास्थ्य देखभाल का एक विशेष हित समूह (एस.आई.जी.) है। *पैनेसिया* ने 17 जुलाई, 2011 को भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की मदद से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। लगभग 115 छात्रों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान का नेक कार्य किया। व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक रक्तदाता को अपने रक्तसमूह, एचआईवी1/2 स्थिति, एचसीवी स्थिति, एचबीएसएजी स्थिति, वीडीआरएल जाँच परिणाम, और मलेरिया पेरेसाइट की मौजूदगी या अनुपस्थिति को दर्शाने वाली ब्लड रिपोर्ट मेल द्वारा भेजी गई।

सितम्बर 2011 में, *पैनेसिया* ने अपना पहला समाचार पत्र *पैनेसिया प्लस* जारी किया, जिसमें फार्मास्यूटिकल उद्योग पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

दिसम्बर 2011 में, *भारत में स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र* विषय पर एक वक्ता सत्र का आयोजन किया गया। प्रोफेसर के.वी. रमणी ने छात्रों को भारत में स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में प्रथाओं के बारे में काफी जानकारी एवं अंतर्दृष्टि उपलब्ध करायी और कई कौशल प्राप्त कार्मिकों को रोजगार प्रदान करते हुए तेज़ी से विकास कर रहे क्षेत्रों में से एक ऐसे इस फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण पहलुओं को सामने रखा।

जनवरी 2012 में, इच्छुक छात्रों के लिए हेपेटाइटिस-ए के दूसरे डोज़ के लिए पैनेसिया ने थोक में सौदा करने की व्यवस्था की। इसमें कैम्पस में आने से पहले हर एक ने पहले डोज़ के लिए जो कीमत चुकाई थी उससे लगभग आधे दाम में यह दूसरा डोज़ देने के कारण सभी छात्रों में विशाल प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस थोक सौदे से लगभग 173 छात्रों ने लाभ उठाया।

परिप्रेक्ष्य (पर्स्पैक्टिव्स)

फोटोग्राफी क्लब *पर्स्पैक्टिव* ने वर्षभर विभिन्न फोटोग्राफी कार्यशालाएँ आयोजित की, कुछ अभियान और कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की। वर्ष की शुरूआत नवांगतुकों और मध्यवर्ती स्तर के फोटोग्राफरों के लिए एक *फोटोग्राफी कार्यशाला* के आयोजन के साथ की गई। इसके बाद *टी-नाइट* के दौरान फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें असंख्य रंगीन व पारदर्शी फोटोग्राफ प्रविष्टियों के रूप में देखने को मिले, जिसने *टी-नाइट के सार पर कब्जा कर लिया* और उन चार दिनों में एक पागलपन का सा उन्माद बना रहा। इन गतिविधियों में उसके बाद *हैरिटेज वाक* की बारी आई, जिसमें विनिमय पर आये विदेशी छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस क्लब द्वारा एक दूसरी पहल थी – विनिमय पर आये छात्रों के लिए फोटोग्राफी प्रतियोगिता। इसमें नोर्वे से लेकर जापान तक की प्रविष्टियाँ देखने को मिली।

प्रकृति

इस वर्ष का महत्त्वपूर्ण आकर्षण था – नल सरोवर झील की यात्रा की सफलता, जहाँ परिसर से सबसे पहले आने वाले 40 लोगों की टीम ठंड के मौसम में सुबह एक साथ मिली और उसने 60 किलोमीटर जाकर पक्षियों के विहंगम दृश्यों तथा फोटोग्राफी का अद्‌भुत आनंद उठाया। *प्रकृति* ने पहली बार *हरित अभियान* का आयोजन करके अपनी छाप छोड़ी। परिसर के आस पास चारों ओर इस सुखद अभियान को काफी प्रचार मिला और चर्चाएँ हुईं और समग्र आईआईएमए समुदाय से काफी लोगों ने इसमें भाग लिया। इस क्लब की गतिविधियाँ हमेशा प्रकृति के संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने पर केंद्रित रहती हैं।

प्रयास

प्रयास, आईआईएमए के इर्दगिर्द जीवन व्यतीत करने वाले छोटे बच्चों के जीवन में फ़र्क लाने, उन्हें नयी आशा व समर्थन दिलाने और एक बेहतर भविष्य का मौका देने के लिए एक कोशिश है।

इस वर्ष, *जॉय ऑफ गिविंग सप्ताह* की नयी पहल के तहत - *आईआईएमए में एक दिवस* का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से 50 प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने परिसर में एक पूरा दिन व्यतीत किया। इस इवैंट से *प्रयास* के लिए 56,000 रु. की सहायता राशि प्राप्त हुई। वर्षभर में पूर्वछात्र बैचों ने 225,000 रु.से अधिक का योगदान दिया। *प्रयास* को भी अपनी गतिविधयाँ चलाने के लिए एक विदेशी विश्वविद्यालय से 100,000 रुपये मिले।

प्रयास इन बच्चों को *स्वास्थ्य शिविरों* के आयोजन द्वारा चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करता है। *प्रयास* का एक शिशु देखरेख गृह (क्रेच) है जो निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए दिनभर चलता है। बच्चो को बाहर प्रशिक्षण कार्यशालाओं तथा सांस्कृतिक स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए ले जाया जाता है।

सार्वजनिक नीति एस.आई.जी. (विशेष हित समूह)

सार्वजनिक नीति एस.आई.जी. हाल के ताज़ा प्रासंगिक लोकपाल आंदोलन से लेकर दूरसंचार विधेयक मसौदे तक के नीति मुद्दों पर इवैंट्स, अतिथि व्याख्यानों का आयोजन करके छात्रों पर अपना प्रभुत्त्व जमाने

में सक्षम रहा है। पिछले नौ महीनों के दौरान, सार्वजनिक नीति एस.आई.जी. ने छात्रों को नीति क्षेत्रों में कुछ प्रसिद्ध हस्तियों के सहित निम्न के साथ बातचीत के अवसर प्रदान किये हैं :

- अरविन्द केजरीवाल, सामाजिक कार्यकर्ता
- प्रंजय गुहा ठाकुर्ता, समाजसेवक, कमेंटेटर और शिक्षाशास्त्री
- दिलीप चेरियन, संचार परामर्शदाता और राजनीतिक अभियान सलाहकार
- प्रोफेसर संदीप पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता, रेमन मैगसेसे पुरस्कार विजेता
- जगदीप एस. छोकर, लोकतांत्रिक सुधार संघ के संस्थापक सदस्य
- एम.आर. माधवन, कोर सदस्य, पी.आर.एस. विधायी अनुसंधान भारत
- जेरी राव, एमफेसिस के संस्थापक व सीईओ, अन्र्स्ट व यंग के वर्ष 2004 उद्यमी
- किरन सेठी, शैक्षणिक उद्यमी, संस्थापक, रिवरडेल हाईस्कूल
- प्रोफेसर फ्रैंक फ़िशर, फैलो, वैश्विक परिवर्तन एवं संचालन केन्द्र, रुट्ज़र्स युनिवर्सिटी, यूएसए

एस.आई.जी. ने कई इवैंट्स का आयोजन किया जिससे छात्रों को शिक्षा के साथ शिक्षाविदों से चर्चा के अवसर मिला। वरिष्ठ पत्रकार एवं अतिथि संकाय, श्री प्रंजय गुहा ठाकुर्ता ने कर्नाटक खान घोटाले को लेकर *भारतीय समाचार माध्यमों के साथ नैतिक मुद्दों पर* सत्र जारी किये। सीखने से परे योगदान करते हुए छात्रों की भूमिका को लेकर, एस.आई.जी. ने एक नीति प्रतिक्रिया सत्र का आयोजन किया, जिसमें प्रोफेसर रेखा जैन के मार्गदर्शन के तहत छात्रों ने नयी दूरसंचार नीति का गंभीर रूप से विश्लेषण किया और सार्वजनिक परामर्शन प्रक्रिया के एक भाग रूप से सरकार के समक्ष अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत की। यह एस.आई.जी. एक नीति समाचारपत्र भी चलाता है, जिसमें हमारे देश को नीति को लेकर जिन मुद्दों का सामना करना पड़ता है उस बारे में छात्र, संकाय और विशेषज्ञ अपने विचार साझा करते हैं।

स्पोर्ट्सकोम

स्पोर्ट्सकोम परिसर में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, पूल, और सुसज्जित जिम के लिए पहले कदम के तौर पर खेल मैदानों एवं अवसंरचना की मशीनों को बनाये रखता है और उनमें निरंतर सुधार करता रहता है। इस अवसंरचना में अद्यतन वृद्धि हुई हैं, वह है, एक इनडोर खेल संकुल जो कि बास्केटबॉल मैदान के पीछे है और नये कैम्पस में वर्गखंडों के पीछे एक नया क्रिकेट मैदान बनाया गया है। इस संकुल में आईआईएमए समुदाय को बिलकुल नये स्क्वाश खेल पर भी अपने हाथ आजमाने का मौका मिलेगा।

प्रत्येक वर्ष की शुरूआत में, स्पोर्ट्सकोम *यलगार के साथ में एक व्यस्त कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा करता है जिसमें फच्चा-टुच्चा स्पोर्ट्स बैठक, शौर्य- अंतर अनुभागीय टूर्नामेंट और आखिरी फ़िसबी* का आयोजन होता है। उत्साही छात्रों की भावना को अंतर अनुभागीय टूर्नामेंट प्रदर्शित करता है जिसकी तुलना केवल *टी-नाइट* से की जा सकती है। *संघर्ष* - अंतर आईआईएम स्पोर्ट्स टूर्नामेंट अपनी सारी ऊँचाइयों को छूते हुए चोटी पर रहता है जिसमें चार बड़े आईआईएम 14 खेलों में संघर्ष करते हैं।

इस वर्ष आईआईएमए समुदाय ने स्पोर्ट्सकोम के *शौर्य* (10/11 स्वर्ण) और *संघर्ष* (10/14 स्वर्ण) दोनों में ही बड़े अंतर से विजय हासिल करते हुए गौरव दिलाया है।

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करता है। इसकी वैबसाइट http://www.iimahd.ernet.in/library/ कई ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) ही प्रकार की सामग्रियों के संग्रह को एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों को, चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, रखरखाव करने, तथा इन तक पहुँच को, सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है जो सदस्यों की अभिरूचियों और आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इस वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 3271 पुस्तकें और 893 जर्नलों के जिल्दबंद भाग शामिल किए।

पुस्तकालय संग्रह

संसाधन	मदों की संख्या
पुस्तकें	1,75,729
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	43,125
कार्य पत्र	2,257
शोध प्रबंध	273 (31सॉफ्ट कॉपियाँ)
परियोजना प्रतिवेदन	1,713
शैक्षणिक वीडियो कैसेट्स	128
सीडीज (पुस्तकों, डेटाबेसों ट्रेनिंग आदि की)	1,961
मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान संख्या	1,157
समाचार पत्र	30
वापस ली गई पुस्तकें	2,000

ई-संसाधन

यह पुस्तकालय, अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाता है।

- **कंपनी/उद्योग/देश डेटाबेस संग्रह/ सदस्यता प्राप्त**

  डेटामोनिटर 360, कैपिटैलाइन, सीएमआइई-ऐल्फा, बिजिनेस बीकॉन, कैपैक्स, ईआईएस, फर्स्ट सोर्स, आईएएस, आईईसीओ, इंडिया हारवैस्ट, इंडिया ट्रेडर्स, एम एंड ए, प्रोवेस एंड एसएएस, क्रिसइनफैक, डेटास्ट्रीम (वर्ल्डस्कोप शामिल), डीएसआई डेटा सर्विस, ईआईयू कंट्री रिपोर्ट्स, (ब्राजील, रशिया, और चाइना), यूरोमॉनीटर (जीएमआईडी), एफटी डोट कोम, एफटी आर्काइव (1888-2006), गार्टनर,

इंडियास्टैट्स, इंडिकस डिस्ट्रिक्ट जीडीपी 2007, इनफ्रालाइन - कोयला क्षेत्र, तेल व गैस क्षेत्र, और विद्युत क्षेत्र, इन्वैस्ट इंडिया, इनसाईट, आईएसआई एमर्जिंग मार्केट्स - एशिया, नासकोम, प्राइम डेटाबेस, रॉयटर्स 3000 ऐक्स्ट्रा होस्टेड टर्मिनल एंड रॉयटर्स नॉलेज, वेन्चर इन्टेलिजन्स : निजी इक्विटी डील डेटाबेस, एम एंड ए डील डेटाबेस और आरई डील डेटाबेस।

- **ई-जर्नल डेटाबेस संग्रह/ सदस्यता प्राप्त**

  एबीआई/इन्फॉर्म कंप्लीट (2000 से अधिक शीर्षक), एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी (40 से अधिक शीर्षक), ईबीएससीओ ऐकेडेमिक सर्च प्रीमियर (4500 से अधिक शीर्षक), ईबीएससीओ बिजिनेस सोर्स कंप्लीट(1200 से अधिक शीर्षक), ईबीएससीओ - साइकार्टिकल्स (66 शीर्षक), ईबीएससीओ - इकॉनलिट (ऐबस्ट्रैक्ट्स), ऐल्सवियर - बिजिनेस मैनेजमैंट एंड एकाउंटिंग, डिसीजन साइंस इकॉनॉमिक्स, इकॉनॉमैट्रिक्स, वित्त एवं कंप्यूटर विज्ञान (400 से अधिक शीर्षक), एमराल्ड मैनेजमैंट ऐक्स्ट्रा (170 से अधिक शीर्षक), आइईईई इलैक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी (आइईएल), आइजीआई फुल-टैक्स्ट (50 से अधिक शीर्षक), इन्फॉर्म्स (12 शीर्षक), इंडियन जर्नल्स डाट कॉम - बिजिनेस/इकॉनॉमिक्स/ मैनेजमैंट पैकेज (30 शीर्षक)। जेएसटीओआर (1300 से अधिक शीर्षक), क्लूवेर-स्प्रिंजर लिंक (33 शीर्षक), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (86 शीर्षक), प्रोजैक्ट म्यूज (296 शीर्षक), सेज (400 से अधिक शीर्षक), टेलर एंड फ्रांसिस (41 शीर्षक), विले-ब्लैकवैल (500 से अधिक शीर्षक)।

- **सँभाली गई ई-जर्नलों की बैक-फाइलें**

  ऐल्सवियर (कृषि व जीव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, फर्माकोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी एंड फार्मासिटिक्स, बिजिनेस प्रबंध व लेखाकरण, निर्णय विज्ञान अर्थशास्त्र, अर्थमिति और वित्त), (550 से अधिक शीर्षक), एमराल्ड मैनेजमैंट ऐक्स्ट्रा (170 से अधिक शीर्षक)।

- **विधिक एवं अन्य डेटाबेस संग्रह / सदस्यता प्राप्त**

  एआईआर (ऑल इंडिया रिपोर्टर), उच्च न्यायालय (1965-2010), आपराधिक कानून (1960-2010), उच्चतम न्यायालय (1950-2010), प्रिवी काउंसिल (1930-1950), आईएसआई वैब ऑफ नॉलेज (साइटेशन), जे - गेट, पेपर्स - इनवाइटेड, वैस्टलॉ (इन्डलॉ सहित), वर्ल्ड बैंक ई-लाइब्रेरी, वर्ल्ड बैंक डेटा, वर्ल्ड डैवलपमैंट इंडिकेटर्स, ग्लोबल डैवलपमैंट वित्त, ग्लोबल इकॉनॉमिक मॉनीटर।

- **उपयोग में लिया जा रहा विशेषीकृत अनुसंधान सॉफ्टवेयर**

360 कोर ए-जेड़ और 360 फैडरेटेड सर्च - आंतरिक उपभोक्ताओं के लिए रिमोट लॉगइन की सुविधा के साथ ई-संसाधनों में उपयोग के लिए उपलब्ध है।

सेवाएँ

- वितरण
- पठन सुविधा
- मेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ व सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज वितरण
- अंतर्पुस्तकालय ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण एवं ग्रंथ सूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाईन सार्वजनिक पहुँच कैटैलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता

प्रकाशन

यह पुस्तकालय, वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन, प्रकाशित कर रहा है :

- *प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु : विपणन*
- *प्रबंध के वर्तमान सूचकांक : विपणन*

पुस्तकालय ने व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र) की सदस्यता शोधकर्ताओं को देना शुरू किया है। वर्तमान समय में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में विपणन में दस्तावेजीकरण शुरू कर दिया है।

कल्याण गतिविधियाँ

40 वर्ष से अधिक आयु वाले स्थायी कर्मचारियों (स्वयं एवं उनके जीवनसाथी) के लिए सामान्य स्वास्थ्य जाँच का कार्यक्रम, अप्रैल-मई 2011 के दौरान, कल्याण समिति द्वारा आयोजित किया गया। कुल 239 समुदाय-सदस्य, इस गतिविधि से लाभान्वित हुए।

2 नवम्बर, 2011 को कल्याण समिति द्वारा गुजराती नव वर्ष दिवस मेल-मिलाप समारोह का आयोजन, दीप जलाकर और पटाखे फोड़कर तथा समुदाय में मिठाई बाँटकर किया गया।

11 दिसम्बर, 2011 को संस्थान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा व खेल संबंधी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन व अच्छी समाज सेवा करने वाले 53 बच्चों और स्टाफ-सदस्यों को निदेशक द्वारा पुरस्कार दिये गये। मुद्रा स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्टस के कलाकारों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

कल्याण समिति कार्मिकों के बच्चों की उच्चतर शिक्षा के लिए ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करके परोक्ष रूप से जरूरत को पूरा करती है। जिस कर्मचारी के बच्चे ने उच्चतर माध्यमिक स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह इस ऋण के लिए आवेदन कर सकता है। इस वर्ष छह कार्मिक सदस्यों ने शिक्षा ऋण योजना का लाभ लिया। यह ऋण 10 समान मासिक किश्तों में वसूल किया जाता है।

सेवानिवृत्त कार्मिक सदस्यों के लिए प्रोफेसर बी.एच. जाजू-कल्याण समिति चिकित्सा योजना के तहत संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1,98,290 रु. की धनराशि वितरित की गई।

ताइक्वांडो एवं योगा की कोचिंग कक्षाएँ नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।

इस समिति द्वारा महिला कर्मचारियों के लिए एक अलग से खेल सुविधा की व्यवस्था भी की गई है।

कल्याण समिति ने गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, प्रतिभा संध्या कार्यक्रम, क्रिसमस समारोह, नवरात्रि महोत्सव इत्यादि अवसरों पर कर्मचारी मनोरंजन क्लब की गतिविधियों को समर्थन दिया।

WELCOME

परिशिष्ट

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क1

पीजीपी छात्र संख्या

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम से जुड़े	**372**	**371**
(-) अलग हुए	-	-
(-) जिन्हें अनुमति दी गई/2012 में पुनः जुड़ने को कहा गया	1	-
(अ) पुनरावृत्ति करने वाले	2	-
(अ) जिन्हें 2011 में पुनः जुड़ने के लिए अनुमति दी गई	2	
प्रथम / द्वितीय वर्ष में संख्या	**375**	**371**
(-) जिनसे हटने के लिए कहा गया	2	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	1	-
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री एवं जनरल)पूरी नहीं करने पर स्नातक नहीं हो सके	-	10
(-) शैक्षणिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	-
(अ) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	1
(अ) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	7
कुल प्रोन्नत/स्नातक	**372**	**369**

क2

नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- व्यवहारिक वित्त
- सह-निर्माण संगठनात्मक परिवर्तन
- ग्राहक विश्लेषिकी
- निर्णय निर्धारण के लिए डाटा दृश्यावलोकन
- रणनीति परामर्श के आधार
- नवाचार एवं बौद्धिक सम्पदा
- अंतर-सांस्कृतिक संचार क्षमता
- स्थायी कृषि के लिए प्रौद्योगिकी प्रबंधन
- ऊर्जा व्यापार के प्रबंध
- तंत्रिका विज्ञान एवं उपभोक्ता व्यवहार
- संगठन में सत्ता एवं राजनीति
- स्थानांतरण मूल्य निर्धारण के सिद्धान्त
- उच्च तकनीकी उद्योगों के लिए प्रौद्योगिकी रणनीति
- कृत्रिम मूल्य निर्धारण में विषय

क3 छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत भा. प्र. सं. अहमदाबाद से विदेशी संस्थाओं में गये छात्र

विनिमय संस्थान का नाम	भा. प्र. सं. अ. से गये छात्रों की संख्या
एशिया	
चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हॉंगकॉंग	1
ऑस्ट्रेलिया	
ऑस्ट्रेलियन ग्रेज्युएट स्कूल ऑफ़ मैनेजमेन्ट	3
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेड्रिक्सबर्ग	4
ईडीएचईसी	1
ईएसएडीई	1
ईएससीपी-ईएपी	12
ईएससी-तुलुज़	4
ईएसएसईसी	8
यूरोपीयन बिजनेस स्कूल (ईबीएस)	3
एचईसी प्रबंध स्कूल	4
इन्स्तित्यूतो दे एमप्रैसा, माद्रिद	2
जॉन्कोपिंग इंटरनैशनल बिजनेस स्कूल	1
एचएचएल -लीपजिग प्रबंध स्नातक स्कूल	2
नौर्वेजियन अर्थशास्त्र व बिजनेस प्रशासन स्कूल	1
फार्जेम अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय	4
सॉल्वे बिजनेस स्कूल	3
स्टॉकहोम अर्थशास्त्र स्कूल	1
बोकोनी विश्वविद्यालय	2
कोलोन विश्वविद्यालय	8
मॉसट्रिच विश्वविद्यालय	2
मैनहेम विश्वविद्यालय	3
सेंट गैलन विश्वविद्यालय	2
विएना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	4
मुनस्टर बिज़नेस व अर्थशास्त्र स्कूल	5
डब्ल्यूएचयू कोब्लेंज प्रबंध स्नातक स्कूल	1
यू एस ए	
यूसीएलए, एंडरसन स्कूल	1
फ़िशर बिजनेस महाविद्यालय, ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय	2
डारडेन स्कूल ऑफ बिज़नेस स्कूल, वर्जिनिया युनिवर्सिटी	1
कनाडा	
मैकगिल विश्वविद्यालय	1
सोदर बिज़नेस स्कूल	1
शूलिच बिजनेस स्कूल	2
कुल	**90**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
ईएसएसईसी	2
बोकोनी युनिवर्सिटी	5
एचईसी प्रबंध स्कूल	2
कुल	**9**

क4

छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी संस्थाओं से भा. प्र. सं. अहमदाबाद में आये छात्र

विनिमय संस्थान का नाम	आये हुए छात्रों की संख्या
एशिया	
एशियाई प्रबंधन संस्थान	2
नानयांग बिज़नेस स्कूल	1
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल	4
ईडीएचईसी	3
ईएसएडीई	3
ईएससीपी - ईएपी	10
ईएससी	4
ईएसएसईसी	7
यूरोपीय बिजनेस स्कूल	2
एचईसी प्रबंध स्कूल	4
आल्तो अर्थशास्त्र व बिज़नेस प्रशासन स्कूल	1
इन्स्तित्युतो दे एम्प्रेसा	1
जोनकोपिंग इंटरनेशनल बिज़नेस स्कूल	1
एचएचएल - लिपजिग प्रबंध स्नातक स्कूल	2
मानचेस्टर बिज़नेस स्कूल	1
नार्वेजियन अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन स्कूल	1
फार्जेम अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय	3
सोल्वे बिजनेस स्कूल	2
स्टॉकहॉम अर्थशास्त्र स्कूल	2
बोकोनी विश्वविद्यालय	3
कोलोन विश्वविद्यालय	8
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय	2
मैनहेम विश्वविद्यालय	3
सेंट गैलन विश्वविद्यालय	2
वियेना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	1
मुनस्टर व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र स्कूल	1
डब्ल्यूएचयू कोब्लेन्ज़ प्रबंध स्नातक स्कूल	1
यू एस ए	
स्टर्न बिजनेस स्कूल	1
शिकागो बिजनेस स्नातक स्कूल विश्वविद्यालय	1
कनाडा	
सोदर बिजिनेस स्कूल	2
कुल	**79**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
ईएसएसईसी	1
बोकोनी युनिवर्सिटी	2
एचईसी प्रबंध स्कूल	1
कुल	**4**

क5

छात्रवृत्तियाँ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2010-12	
नाम	छात्रवृत्ति
श्री कपिल सिंह ढाका	इनफोसिस
श्री आदित्य खंडेलिया	आईसीआईसीआई
श्री मनप्रीत सिंह	जैट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
श्री गौरव जगदीश सिंघल	एसबीआई म्युचुअल फंड
श्री नेहुल मल्होत्रा	एस.एम. शाह
श्री मनु कपूर	भा.प्र.सं.अ. रजत जयंती/ पीजीपी 87 बैच/संकाय स्मारक एवं एयूडीसीओ
श्री अनुराग भट्ट	भा.प्र.सं.अ.
श्री रवीश कुमार	भा.प्र.सं.अ.
श्री सुभाष नेहरू एस.	भा.प्र.सं.अ.
श्री संकेत काबरा	भा.प्र.सं.अ.
श्री अनुपम सुराना	भा.प्र.सं.अ.
श्री अभिषेक बंसल	भा.प्र.सं.अ.
श्री दिव्य मोर	भा.प्र.सं.अ.
श्री भास्कर रक्षित	भा.प्र.सं.अ.
श्री रोहित चौधरी	भा.प्र.सं.अ.
श्री स्नेह धनधनिया	भा.प्र.सं.अ.
श्री पीयूष गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.
श्री वनिंदर सिंह	भा.प्र.सं.अ.

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2010-12	
नाम	छात्रवृत्ति
श्री अभिनव गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.
श्री गौरव जगदीश सिंघल	एमफेसिस अवॉर्ड
श्री नेहुल मल्होत्रा	आईएफसीआई लिमिटेड
श्री आदित्य खंडेलिया	आईएफसीआई लिमिटेड
श्री मनप्रीत सिंह	जैट एज सिक्यूरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
सुश्री भारती अग्रवाल	एस. एम. शाह
श्री अंकित गुप्ता	मोनसेंटो
श्री प्रतीक कमलजीत गुप्ता	सुरेंद्र पॉल एवं भा.प्र.सं.अ.
श्री कपिल सिंह ढाका	डन व ब्राडस्ट्रीट इनफार्मेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं भा.प्र.सं.अ.
श्री हेमंत छाबरा	भा.प्र.सं.अ.
श्री शरत नम्बिशन के. पी.	भा.प्र.सं.अ.
श्री अमित कुमार	भा.प्र.सं.अ.
श्री अभिमन्यु तलवार	भा.प्र.सं.अ.
श्री चन्द्रचूड़ दत्ता	भा.प्र.सं.अ.
श्री अभिषेक बंसल	भा.प्र.सं.अ.
सुश्री उर्वशी गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

पीजीपी-1
श्री गोपाल बालाकृष्णन
श्री मनीष मेनन
श्री निखिल प्रताप गुलाटी
श्री वीरेन्द्र सिंह शेखावत

पीजीपी-2
श्री आदित्य खंडेलिया
श्री अश्विन कृष्णा
श्री अंकित गुप्ता

सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ
श्री हेमन्त छाबरा
सुश्री रिचा गुप्ता
श्री आदित्य गर्ग
श्री जोशी रोहन शिरीष
श्री निखिल व्यास

सैमसंग छात्रवृत्तियाँ
श्री कपिल सिंह ढाका
श्री आदित्य खंडेलिया
श्री नेहुल मल्होत्रा
श्री मनप्रीत सिंह
श्री मनु कपूर

टी. थॉमस छात्रवृत्ति
श्री नेहुल मल्होत्रा

ओ.पी. जिंदल इंजीनियरिंग एवं प्रबंध छात्रवृत्ति
श्री अनुपम सुराना

पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

क6

श्रेणी	2011-2013 बैच			2012-2014 बैच		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	103441	39010	142451	101334	39690	141024
एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग	16361	3528	19889	16454	3596	20050
अनुसूचित जाति	7503	2018	9521	7527	2287	9814
अनुसूचित जनजाति	1750	631	2381	1831	659	2490
विकलांग	475	71	546	448	60	508
कुल	**129530**	**45258**	**174788**	**127594**	**46292**	**173886**
प्रतिशत	**74.11**	**25.89**	**100**	**73.38**	**26.62**	**100**

पीजीपी प्रवेश (2012-2014 बैच)

क7

विवरण	लिंग	आरक्षित वर्ग						
		सामान्य वर्ग	नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	शारीरिक रूप से विकलांग	जीमैट	कुल
कैट परीक्षा में बैठने वालों की कुल संख्या	पुरुष	106447	17528	8044	2000	471	लागू नहीं	134490
	महिला	43097	4083	2566	778	68	लागू नहीं	50592
	कुल	**149544**	**21611**	**10610**	**2778**	**539**	**लागू नहीं**	**185082**
भा.प्र.सं.अ. को प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या	पुरुष	101270	16454	7527	1831	448	64	127594
	महिला	39672	3596	2287	659	60	18	46292
	कुल	**140942**	**20050**	**9814**	**2490**	**508**	**82**	**173886**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	493	266	139	68	36	8	1010
	महिला	59	48	38	19	2	1	167
	कुल	**552**	**314**	**177**	**87**	**38**	**9**	**1177**
साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहे उम्मीदवार	पुरुष	478	246	129	54	34	5	946
	महिला	58	44	36	14	2	1	155
	कुल	**536**	**290**	**165**	**68**	**36**	**6**	**1101**

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1

अनिवार्य पाठ्यक्रमों की सूची

1. कृषि एवं खाद्य नीति
2. कृषि अर्थव्यवस्था
3. कृषि आदानों का विपणन
4. रणनीतिक खाद्य विपणन

प्रथम वर्ष अनिवार्य पाठ्यक्रम, पीजीपी में सामान्य – 2011-2012

स्लॉट 1
1. वित्तीय प्रतिवेदन एवं विश्लेषण
2. सम्भावनाएँ एवं आँकड़े ।
3. प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग
4. सूक्ष्म अर्थव्यवस्थाएँ
5. वैयक्तिक गतिकी
6. लिखित विश्लेषण एवं सम्प्रेषण ।
7. आचारपूर्वक प्रबंधन
स्लॉट 2
1. वित्तीय प्रतिवेदन एवं विश्लेषण
2. व्यवसाय के लिए इंटरनेट प्रौद्योगिकियाँ
3. सम्भावनाएँ एवं सांख्यिकी-।।
4. सूक्ष्म अर्थव्यवस्थाएँ
5. अन्तर्वैयक्तिक व समूह प्रक्रियाएँ
6. प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग
7. वित्तीय बाजार
8. विपणन मॉडयूल -।
9. लिखित विश्लेषण एवं सम्प्रेषण -।
स्लॉट 3
1. लागत व नियंत्रण प्रणाली
2. संभावनाएँ एवं सांख्यिकी -।।।
3. बृहत अर्थशास्त्र एवं नीति
4. संगठनात्मक गतिशीलता
5. व्यापार के कानूनी पहलू
6. वित्तीय बाजार
7. विपणन मॉड्यूल -।।
8. परिचालन प्रबंध ।
9. मौखिक व्यापार संप्रेषण (उत्तीर्ण अनुत्तीर्ण प्रणाली)

स्लॉट 4
1. लागत व नियंत्रण प्रणाली
2. निर्णय निर्धारण-।
3. बृहत अर्थशास्त्र
4. व्यवसाय कराधान
5. व्यवसाय के कानूनी पहलू
6. परिचालन प्रबंध-।
7. व्यवसाय का सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण
स्लॉट 5
1. व्यापार के लिए सूचना प्रणाली
2. निर्णय निर्धारण-।।
3. आर्थिक परिवेश व नीति
4. व्यवसाय अनुसंधान विधियाँ
5. कॉर्पोरेट वित्त
6. विपणन मॉड्यूल-।।।
7. परिचालन प्रबंध-।।
8. रणनीतिक प्रबंध
9. कार्मिक क्षमता व सामर्थ्य निर्माण प्रणालियाँ
10. लिखित विश्लेषण व संप्रेषण-।।
स्लॉट 6
1. व्यापार के लिए सूचना प्रणाली
2. आर्थिक परिवेश व नीति
3. कॉर्पोरेट वित्त
4. विपणन मॉड्यूल- IV
5. परिचालन प्रबंध - II
6. संगठनात्मक निदान
7. व्यवसाय अनुसंधान प्रणालियाँ
8. रणनीतिक प्रबंध
9. कार्मिक क्षमता एवं सामर्थ्य निर्माण प्रणालियाँ
10. लिखित विश्लेषण एवं संप्रेषण - II

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष में चलाए गए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- क्षमताओं का विश्लेषण एवं निर्माण
- कृषि एवं कार्बन वित्त
- सूक्ष्म-वित्त का प्रबंध
- बौद्धिक संपदा संबंधी अधिकारों का रणनीतिगत प्रबंधन
- कृषि-खाद्यान्न परियोजना का प्रबंध व वित्त पोषण
- कृषि व्यवसाय में रसद, आपूर्ति श्रृंखला व अवसंरचना प्रबंधन
- कृषि-व्यवसाय के लिए प्रबंधकीय संप्रेषण
- कृषि के लिए बिक्री एवं वितरण प्रबंधन
- विकास के लिए सांख्यिकी समावेशन
- अभिनव रूपान्तरण के द्वारा वैश्वीकरण एवं पुनःसक्रिय भारत संबंधी संगोष्ठी - पाठ्यक्रम
- व्यावसायिक वार्ता के सिद्धांत एवं अनुप्रयोग
- ग्रामीण विपणन
- शोध यात्रा
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- ग्रामीण विज्ञापन
- कृषि वायदा एवं विकल्प बाजार
- कृषि-व्यवसाय के लिए बाजार की खोज
- सीआईएनई : सृजनात्मकता, नवाचार, ज्ञान, नेटवर्क एवं उद्यमिता को समझना
- कृषि - उद्यमिता
- ऊर्जा बाजार एवं कृषि - व्यवसाय
- अन्तर्राष्ट्रीय कृषि-व्यवसाय

पीजीपी - एबीएम में छात्रों की संख्या

ख2

	पीजीपी – एबीएम। (2011-12)	पीजीपी – एबीएम।। (2011-12)
कार्यक्रम में शामिल हुए	38	40
बीच में छोड़ दिया	-	-
2012 में अनुमति दी गई / पुनः शामिल होने के लिए कहा गया	2	-
रिपीटर	-	-
2011 में फिर से जुड़ने के लिए अनुमति दी गई	-	-
प्रथम / द्वितीय वर्ष की संख्या	36	40
अपना नाम वापस लेने के लिए कहा गया	-	-
दोहराने के लिए कहा गया	1	-
शैक्षिक पूरा नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हुए (डबल डिग्री एवं सामान्य)	-	-
शैक्षिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हुए	-	-
पिछले वर्ष से स्नातक	-	-
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	-
कुल पदोन्नत / स्नातक हुए	**35**	**40**

पुरस्कार/छात्रवृत्तियाँ

सुश्री आरुषी चोपड़ा को **श्री आर. सी. माथुर** (आईआईएम अहमदाबाद पीएमए 1972 बैच) सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर पीजीपी – एबीएम महिला छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुश्री किट्टी अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए **आईआईएमए पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

पीजीपी – एबीएम के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या

श्रेणी	बैच 2011-13			बैच 2012-2014		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	71572	25078	96650	106447	43097	149544
एनसी-अन्य पिछड़ा वर्ग	12139	2409	14548	17528	4083	21611
अनुसूचित जाति	5341	1320	6661	8044	2566	10610
अनुसूचित जनजाति	1167	370	1537	2000	778	2778
शारीरिक रूप से विकलांग	334	49	383	471	68	539
कुल	**90553**	**29226**	**119779**	**134490**	**50592**	**185082**
प्रतिशत	**75.60**	**24.40**	**100**	**72.67**	**27.33**	**100**

पीजपी – एबीएम प्रवेश : 2012-2014

क्रम सं.	विवरण	लिंग	सामान्य श्रेणी	आरक्षित श्रेणी					कुल
				एनसी-ओबीसी	अ.जा.	अ.ज.जा.	विकलांग	जीमैट	
1	कैट परीक्षार्थियों की संख्या	पुरुष	106447	17528	8044	2000	471	अनुपलब्ध	134490
		महिला	43097	4083	2566	778	68	अनुपलब्ध	50592
		कुल	**149544**	**21611**	**10610**	**2778**	**539**	**अनुपलब्ध**	**185082**
2	पीजीपी – एबीएम आवेदकों की संख्या	पुरुष	73213	12582	5583	1283	308	0	92969
		महिला	25969	2536	1518	427	43	0	30493
		कुल	**99182**	**15118**	**7101**	**1710**	**351**	**0**	**123462**
3	साक्षात्कार के लिए बुलाये गये उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	138	81	43	15	8	0	285
		महिला	33	9	14	9	1	0	66
		कुल	**171**	**90**	**57**	**24**	**9**	**0**	**351**
4	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	71	50	22	8	4	0	155
		महिला	15	5	6	5	1	0	32
		कुल	**86**	**55**	**28**	**13**	**5**	**0**	**187**

प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम

2012 में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र

नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध शीर्षक	शोध प्रबंध सलाहकार समिति के सदस्य
अरविन्द शतदल	ओ बी	समूहों में सूचना के आदान-प्रदान में पूर्वतैयारी का प्रभाव	प्रो. निहारिका वोहरा (अध्यक्ष) प्रो. दीप्ति भटनागर प्रो. प्रद्युमन खोकले
भास्कर भौमिक	बी पी	पर्यावरणीय संबंधी तत्वों, फर्म प्रतिक्रियाओं एवं गतिशील क्षमताओं का अलगाव : चयनित भारतीय विनिर्माण क्षेत्रों में अंतरसंबंध की प्रायोगिक जाँच	प्रो. एम. आर. दीक्षित (अध्यक्ष) प्रो. एन. वेंकिटेश्वरन प्रो. प्रद्युमन खोकले
धीरज कुमार पांडे	विपणन	ऑनलाइन परिवेश में सूचना की प्रस्तुति : उपभोक्ता जनित समीक्षाओं की भूमिका	प्रो. बिबेक बनर्जी (अध्यक्ष) प्रो. अरिन्दम बनर्जी प्रो. अंकुर सरीन
मधुकर दयाल	सीआईएसजी	बहु मोड एकाधिक संसाधन की विवश परियोजना में समस्या निर्धारण के नये सटीक तरीके	प्रो. संजय वर्मा (अध्यक्ष) प्रो. वी. वेंकट राव प्रो. दीप्तेश घोष
त्विषा आनंद	ओ बी	मदद की जरूरत' से 'मदद की माँग' तक : सॉफ्टवेयर उद्योग में सांस्कृतिक व्यवहार से अलग पारस्परिक सहायता की माँग का अन्वेषण	प्रो. दीप्ति भटनागर (अध्यक्ष) प्रो. निहारिका वोहरा प्रो. कीर्ति शारदा

स्नातकोत्तर व फ़ेलो कार्यक्रम : छात्र संख्या

	प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम	कुल
2001-02	353	60	45	458
2002-03	357	61	46	464
2003-04	424	55	49	528
2004-05	501	55	54	610
2005-06	493	56	69	618
2006-07	488	55	66	609
2007-08	518	54	75	647
2008-09	560	44	84	688
2009-10	602	54	79	735
2010-11	688	77	69	834
2011-12	**747**	**78**	**73**	**898**

नियुक्ति

बैच रुपरेखा

ङ1

शैक्षणिक पृष्ठभूमि कार्य	छात्रों का प्रतिशत
इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी	86
कला व विज्ञान	3
दोहरी डिग्री	5
अन्य	6

कार्य अनुभव अवधि	छात्रों का प्रतिशत
नए	40
1-12 महीने	13
13-24 महीने	20
25-36 महीने	16
36 महीने से अधिक	11

प्रस्ताव एवं स्वीकार

ङ2

समूह	प्रस्ताव	प्रस्तावों का प्रतिशत	स्वीकार	स्वीकार का प्रतिशत
समूह 1	99	22.35	93	25.55
समूह 2	169	38.15	144	39.56
समूह 3	121	27.31	86	23.63
समूह 4	54	12.19	41	11.26
कुल	**443**	**100.00**	**364***	**100.00**

*एक छात्र नियुक्ति छुट्टी से वापस आया और उसकी नियुक्ति की गई।

नए भर्तीकर्ता

ङ3

कम्पनी का नाम
अलकोर फंड
बीएमटी कन्सल्टेन्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
ब्रिटिश गैस
बाय द प्राइस
साइट्रस पेमेन्ट सोल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड
कोमविवा टेकनालॉजिज लिमिटेड
डी'डेकोर होम फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड
इमामी लिमिटेड
एफ़आईएनओ
गिफ्टिंग इंक
ग्लेन्कोर
गावस इंक
एचडीएफसी लिमिटेड

कम्पनी का नाम
एचएमईएल (हिन्दुस्तान मित्तल एनर्जी लिमिटेड)
आई डिस्कवरी
आईआईएमए फंड (विद्या वर्धिनी एज्युकेशन फाउंडेशन)
केनसई नेरोलैक पैंट्स
लाइफकेयर प्रोडक्ट्स
एमएक्यू सॉफ्टवेयर
माइकल पेज इंटरनेशनल
माइक्रो लैब्स लिमिटेड
पीबीओ पीडबल्यूएस कन्सल्टिंग सर्विसिज़ प्रा. लिमिटेड
पर्फेक्ट रिलेशन्स लिमिटेड
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
पीयूजी सिक्यूरिटिज (प्रा.) लिमिटेड
रेमंड

कम्पनी का नाम
रेडबस.इन
भारतीय रिज़र्व बैंक
रोलांड बर्गर
स्टर्लिंग एंड विल्सन
सुपरमैक्स
ट्रस्ट ग्रुप
वालकन कन्सल्टिंग
वेक्टर कन्सल्टिंग
विज़ुअल आईक्यू
वर्ल्ड क्वान्ट
रिगले इंडिया
येभी.कॉम
ज़िंगा गेइम नेटवर्क इंडिया प्रा. लिमिटेड

नियुक्ति

ङ4 स्थल अनुसार नियुक्ति

स्थान	2010		2011		2012	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
भारत	271	97.13	270	88.82	322	88.46
यूएसए	1	0.36	4	1.32	3	0.82
यूरोप/यूके (लंदन)	3	1.08	11	3.62	14	3.85
एशिया-पैसिफिक (हॉगकाँग, सिंगापुर, टोक्यो)	2	0.72	17	5.59	17	4.67
कुवैत, यूएई	2	0.72	2	0.66	8	2.20
कुल	**279**	**100.00**	**304**	**100.00**	**364**	**100.00**

ङ5 विदेशी और देशी प्रस्ताव एवं स्वीकार

स्थान	2010			2011			2012		
	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के स्वीकार का प्रतिशत	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के स्वीकार का प्रतिशत	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के स्वीकार का प्रतिशत
विदेशी	8	8	100	34	34	100	42	42	100
देशी	331	271	81.37	391	270	69.05	401	322	80.30
कुल	**339**	**279**	**82.30**	**425**	**304**	**71.53**	**443**	**364**	**82.17**

ङ6 क्षेत्रवार/कार्यवार नियोजन

क्षेत्र/कार्य	2010			2011			2012		
	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत
बिक्री/विपणन	1	43	15.77	1	56	18.42	8	84	25.27
निवेश बैंकिंग वाणिज्यिक बैंकिंग/वित्त	4	71	26.88	28	69	31.91	31	43	20.33
प्रणालियाँ/आईटी/ आई टी ई एस	1	47	17.20	0	17	5.59	0	26	7.14
परिचालन	0	0	0.00	0	11	3.62	1	1	0.55
परामर्शी	0	75	26.28	5	83	28.95	2	126	35.16
सामान्य प्रबंधन (रिटेल, प्राइवेट इक्विटी, आदि)	2	35	13.26	0	34	11.18	0	42	11.54
कुल	**8**	**271**	**100**	**34**	**270**	**100**	**42**	**322**	**100**

ङ7

क्षेत्रवार शीर्ष भर्तीकर्ता

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	कितने भर्ती किए गए	कुल स्वीकार का प्रतिशत
परामर्श	आईबीएम इंडिया प्रा.लि.	21	5.8
	बी सी जी	17	4.7
	एक्सेन्चर सर्विसेज	14	3.8
	मैकिन्से एंड कंपनी	9	2.5
बैंकिंग एवं वित्त सेवाएँ	रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड	11	3.0
	मॉर्गन स्टेनले	5	1.4
	यश बैंक	5	1.4
सामान्य प्रबंध	रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड	6	1.6
	टी ए एस	6	1.6
आई टी और प्रणालियाँ	ज़िंगा इंडिया गेम नेटवर्क प्रा. लिमिटेड	5	1.4
	माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड	4	1.1
विपणन	सुपरमैक्स	13	3.6
	पी एंड जी	7	1.9
	भारती एयरटेल लिमिटेड	7	1.9

ङ8

पूर्व-नियोजन प्रस्ताव एवं स्वीकार

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
ए टी केअर्नी लिमिटेड	2	1
एक्सेन्चर सर्विसिज़ प्रा.लि.	3	2
आदित्य बिरला समूह	1	1
एल्टिसौर्स	1	0
अमेरिकन एक्सप्रेस	2	0
आर्थर डी. लिटल	1	1
एक्सिस बैंक लिमिटेड	1	1
बेइन एंड कम्पनी	2	2
बार्कले कैपिटल	3	3
बूज एंड कंपनी	2	2
ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़	1	0
सिटीग्रुप एन.ए.	2	2
कॉग्निजैंट टेकनोलोजी सोल्युशन्स	3	0
क्रेडिट स्विस सिक्योरिटीज़ (इंडिया) प्रा.लि.	1	1

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
ड्यूश बैंक	2	2
डेवलपमेन्ट बैंक ऑफ़ सिंगापुर	1	1
अर्न्स्ट एंड यंग	3	1
फीडबैक वैंचर्स	1	1
जी.ई.	1	0
गोल्डमैन सेश	4	4
हेय ग्रुप	3	3
हिन्दुस्तान युनिलिवर लिमिटेड	2	2
आईएफ़एमआर ट्रस्ट	1	1
इन्फो एज - नौकरी डॉट कॉम	1	0
काले कन्सल्टेन्ट्स	1	0
केपीएमजी एड्वाइज़री सर्विसिज़ प्रा. लिं.	1	1
क्राफ़्ट कैडबरी	2	2
महिन्द्रा एंड महिन्द्रा	1	1
मैरिको इंडस्ट्रिज़	1	0

नियुक्ति

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
मैकिन्से एण्ड कंपनी	6	6
माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन (इंडिया) प्रा.लि.	1	1
मिबाच कन्सल्टिंग	2	1
मोर्गन स्टेनले	5	5
नोकिया इंडिया लिमिटेड	1	1
नोमुरा इंटरनेशनल	4	4
पी एंड जी हाइजिन एंड हैल्थ केयर लि.	4	3
प्राइसवॉटर हाउस कूपर्स	1	1
क्यू-इक्विप एसोसिएट्स	1	0
रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड	2	1
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	4	1
टाटा एड्मिनिस्ट्रेटिव सर्विसिज़	1	1
टाटा स्टील	1	0
द बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप	4	4
द रॉयल बैंक ऑफ़ स्कॉटलैंड	12	11
विप्रो कन्सल्टिंग	2	2
विप्रो इको एनर्जी	2	0
कुल	**102**	**77**

ङ9

पार्श्विक नियुक्ति

कंपनी का नाम	प्रस्ताव	स्वीकृत
एक्सेन्चर सर्विसिज़ प्रा. लि.	6	6
आदित्य बिड़ला ग्रुप	4	4
अमेजन डैवलपमैंट सेंटर लि.	4	4
कोग्निज़ैन्ट टैकनोलोजी सोल्युशन्स	9	4
कोमविवा टैकनोलोजीज़ लिमिटेड	2	1
डिलॉइट कंसल्टिंग	5	2
फ़्रैक्टल एनालिटिक्स	2	0
हिन्दुजा ग्रुप	1	1
आईएमएस कन्सल्टिंग	5	2
आइनोटिक्स एलएलसी.	4	1
इन्फ़ो एज – नौकरी	1	1
इनफ़ोसिस टैकनोलोजीज़ प्रा.लि.	3	2
इक्ससाइट टैकनोलोजीज़ लिमिटेड	2	0
एल एंड टी पॉवर	1	1
माइकल पेज	3	1
माइक्रोसोफ़्ट कॉर्पोरेशन (इन्डिया)प्रा.लि.	3	3
एम्फेसिस	3	3
प्राइसवॉटर हाउस कूपर्स	2	2
पूँज लोयड लिमिटेड	2	2
शापूरजी पाल्लोनजी ग्रुप	1	1
सीमैन्स	1	1
वैक्टर कन्सल्टिंग	1	1
येभी डॉट कॉम	1	1
कुल	**66**	**44**

ङ10

छात्रों द्वारा उद्यमिता का चयन

उद्यमिता के क्षेत्र	
पी जी पी	
अमन कुमार विज	शिक्षा के क्षेत्र में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग बनाना
भानु प्रताप सिंह राणा	ग्रामीण विकास
चंद्रेश मैथिल	वात्सलय घरों में सामाजिक व्यापार अवसरों का प्रस्ताव
मोहन गाँधी पोन्नगन्ति	एन्टरसॉफ़्ट सूचना प्रणाली
प्रतीक शाह	शिक्षा प्रौद्योगिकी में कम्पनी
शाह सिद्धार्थ भास्कर	ऑनलाइन हैल्थ मैनेजमेन्ट एंड फार्मेसी
पी जी पी - ए बी एम	
किट्टी अग्रवाल	एनआइएफ़ एवं फ्यूचर ग्रुप के बीच संयुक्त उद्यम का संचालन

ग्रीष्मकालीन नियुक्ति का क्षेत्रवार वितरण

ङ11

क्षेत्र	नियुक्तियों की संख्या	प्रतिशत
वित्त	109	28.91
विपणन / बिक्री	107	28.38
परामर्श	87	23.08
प्रणालियाँ / आई.टी.	27	7.16
अन्य	19	5.04
सामान्य प्रबंध	14	3.71
संचालन	11	2.92
मानव संसाधन (एच.आर.)	3	0.8
कुल	**377**	**100**

पीजीपी-एबीएम 2012 की क्षेत्रवार नियुक्ति

ङ12

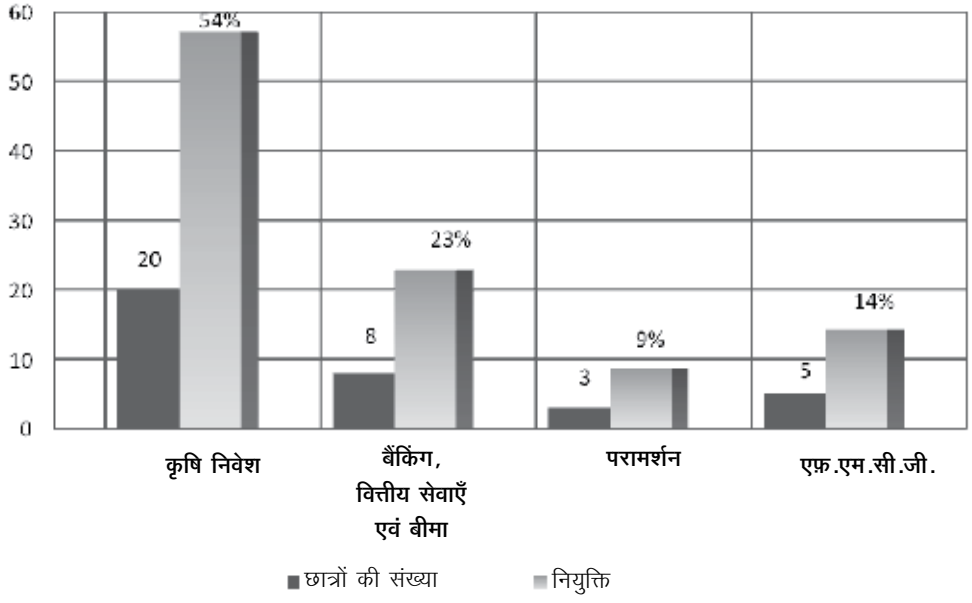

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

च1

जारी परियोजनाएँ

स्थिति / परियोजना का प्रकार	परियोजनाएँ				
	जारी परियोजनाएँ	प्रारंभ की गईं परियोजनाएं	कुल	पूरी हो चुकी परियोजनाएँ	वापस ली गई परियोजनाएँ
अनुसंधान परियोजना	3	14	17	11	-
मूल धन परियोजना	8	6	14	2	2
केस विकास परियोजना	12	7	19	2	1
ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजना			12		
आर एंड पी द्वारा संयोजित संगोष्ठी			20		
कार्य-पत्रक			35		

उपरोक्त परियोजनाओं के विवरण नीचे दिये गये हैं :

प्रारंभ की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- घरेलू उपकरणों का ऊर्जा वर्गीकरण एवं उपभोक्ता व्यवहार : ।।
  (प्रोफेसर राम मोहन तुरागा एवं प्रोफेसर जॉर्ज कंडाथिल)
- रेलवे यात्रा की उपयोगिता के विकास के लिए एक लघुगणकीय लक्ष्य प्रोग्रामिंग मॉडल
  (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- मूल्यों के अंतरराष्ट्रीयकरण का अनुपालन : कर्मचारियों के पूर्व समाजीकरण के अभ्यस्त व्यवहार और संगठन के अपेक्षित कार्मिक व्यवहार के बीच संबंध की आलोचनात्मक भूमिका : ।।
  (प्रोफेसर जॉर्ज कंडाथिल)
- संभावित माँग एवं सेवा स्तर की बाधाओं के केन्द्र व बातचीत के नेटवर्क की रचना
  (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- छंटनी के प्रक्रियात्मक आयाम : आईटी सेक्टर का अध्ययन
  (प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़)
- भारतीय आईपीओ बाजार के अवमूल्यन का अध्ययन
  (प्रो. शोभेश कुमार एवं प्रो. जोशी जेकब)
- ग्राहक संतुष्टी एवं सुविधा स्टोर उद्योग में संरक्षण इरादों पर सेवा की गुणवत्ता के प्रभाव की जाँच
  (प्रोफेसर धीरज शर्मा)
- लॉयल्टी योजनाओं के बीच ग्राहक वरीयता का मूल्यांकन : मुक्ति के बिन्दु अथवा पूरक पुरस्कार
  (प्रोफेसर संजय वर्मा एवं प्रो. अब्राहम कोशी)
- दूर संचार के प्रति कर्मचारियों के दृष्टिकोण का एक खोजपूर्ण अध्ययन : पैमाने का विकास और मान्यकरण
  (प्रो. धीरज शर्मा)
- व्यापार, मीडिया कानून एवं इंटरनेट (प्रो. अनुराग अग्रवाल)
- प्रसिद्ध हस्ती के समर्थन में संस्कृति की भूमिका : भारतीय संदर्भ में प्रसिद्ध हस्तियों द्वारा ब्रांड समर्थन की समीक्षा
  (प्रो. अरविन्द सहाय एवं प्रो. अभिषेक)
- भारतीय बाजार में विमान सेवा उद्योग के मूल्य आंदोलनों का एक अनुभवजन्य अध्ययन
  (प्रो. गौतम दत्ता)
- भारतीय कॉल सेन्टरों में भावनात्मक श्रम (प्रो. एर्नेस्तो नोरोन्हा)
- कम आय बाजार में स्थानीय कम्पनियों के साथ बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ कैसे मुकाबला करती हैं
  (प्रो. आनंद कुमार जायसवाल)

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

मूल धन परियोजनाएँ

- क्या भारत के लिए ब्याज दरों की एक अवधि संरचना है? (प्रो. विनीत विरमानी)
- भारत में हस्तशिल्पकारों के सशक्तीकरण के लिए हस्तक्षेप (प्रो. अंकुर सरीन)
- सड़क के बच्चों को शिक्षित करना (प्रो. राजीव शर्मा)
- कॉर्पोरेट सामाजिक लापरवाही के प्रकरण (प्रो. नवदीप माथुर एवं प्रो. अंकुर सरीन)
- आपूर्ति श्रृंखला में खेल सैद्धांतिक मॉडल (प्रो. सचिन जायसवाल)
- सामाजिक कल्याण के उपकरण (प्रो. अंकुर सरीन)

केस विकास परियोजनाएँ

- क्वेन्च पुस्तकालय समाधान (प्रोफेसर एम.एम. मोनीपल्ली)
- जनजातीय क्षेत्रों में कृषि के लिए पीपीपी : डीएसएजी गुजरात (प्रोफेसर वैभव भमोरिया)
- सभी वैश्विक मालवाहकों के लिए सी.आर.एम. रणनीति (प्रोफेसर संजय वर्मा)
- यूरोपा ग्रुप, चेन्नई (प्रोफेसर एस. मणिकुट्टी)
- तिहाड़ जेल कारखाना उत्पादों के लिए ब्रांड विकास (प्रोफेसर धीरज शर्मा)
- टाटा स्टील में टीक्यूएम का विकास : 'चलता है' से लेकर डेमिंग पुरस्कार तक (प्रो. गौतम दत्ता एवं प्रो. ए. के. लाहा)
- उत्पाद को अंतिम छोर तक पहुँचाने के आदर्श के माध्यम से उद्यमिता : विलग्रो का एक प्रकरण अध्ययन (प्रो. वैभव भमोरिया एवं प्रो. अभिषेक)

पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- संगठनात्मक गिरावट एवं स्थिति सुधार (प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी)
- हवाई यात्रा की उपयोगिता का विकास करने के लिए एक लघुगणकीय लक्ष्य प्रोग्रामिंग मॉडल (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- भारत में कार्यस्थल पर सताने वालों का सामाजिक-सांस्कृतिक पूर्व - इतिहास (प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़)
- वित्तीय संकट के बाद भारतीय बीपीओ में काम और रोजगार (प्रोफेसर एर्नेस्तो नोरोन्हा एवं प्रो. प्रेमिला डी'क्रूज़)
- लिंग और निचले स्तर तक प्रभाव : लिंग और सेक्टरों में निचले स्तर तक प्रभावी रणनीति का एक अध्ययन (प्रोफेसर आशा कौल)
- सूची स्तम्भ के निचले स्तर तक कम लागत वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का विकास करना (प्रोफेसर ए. के. जायसवाल)
- पेशेवर या गैर-पेशेवर पुनराविष्कार : भारत में कार्यतर वकीलों के कानूनी प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (एलपीओ) प्रकरण (प्रोफेसर एर्नेस्तो नोरोन्हा)
- भारतीय कॉल सेन्टरों में उच्च प्रतिबद्धता प्रबंधन प्रथाएँ (प्रो. प्रेमिला डी'क्रूज़)
- गैर-व्यक्तिगत सताने की गतिशीलता को समझना (प्रो. प्रेमिला डी'क्रूज़)
- रेलवे यात्रा की उपयोगिता के विकास के लिए एक लघुगणकीय लक्ष्य प्रोग्रामिंग मॉडल (प्रो. गौतम दत्ता)
- शिक्षण एवं अधिगम पद्धति आधारित परियोजना (प्रो. राजीव शर्मा एवं प्रो. एम. आर. दीक्षित)

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

मूल धन परियोजनाएँ

- अंतरराष्ट्रीय मूल्यों का अनुपालनः कर्मचारी के पूर्व समाजीकरण अभ्यस्त व्यवहार और संगठन के अपेक्षित कार्मिक व्यवहार के बीच संबंध की महत्वपूर्ण भूमिका।
  (प्रोफेसर जॉर्ज कंडाठील)
- घरेलू उपकरणों और उपभोक्ता व्यवहार का ऊर्जा अंकन
  (प्रोफेसर राम मोहन तुरागा)

केस-विकास परियोजनाएँ

- दस्तकार आंध्र
  (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- इनफोसिस टेकनोलॉजीज़ लिमिटेड, बैंगलूरु का इनस्टेप वैश्विक इन्टर्नशिप कार्यक्रम
  (प्रोफेसर मंजरी सिंह)

अंतर्मुखी अनुसंधान परियोजनाएँ

- सड़क के बच्चों को शिक्षित करना (मूल धन परियोजना)
  (प्रोफेसर राजीव शर्मा)
- बायेसियन डाटा माइनिंग (मूल धन परियोजना)
  (प्रोफेसर अर्नब कुमार लाहा, प्रो. प्रताप ओबुराय, एवं प्रो. शौनक चक्रवर्ती)
- रिजेन्सी हॉस्पिटल लिमिटेड (प्रकरण विकास परियोजना)
  (प्रो. परविंदर गुप्ता)

ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप परियोजनाएँ

- प्रतिस्पर्धात्मक एयरलाइन्स की मूल्य प्रवृत्ति में ऊर्जा एवं विद्युत के राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण के अनुप्रयोग हेतु विशिष्ट उडान आधार साहित्य की खोज का अध्ययन (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- संसाधन पर निर्भर कार्यबल टाइम्स के साथ यू-आकारकृत एसेम्बली लाइन्स के लिए एकीकृत संतुलन और कार्यभार समरेखण (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- अस्थायी फोन जाल नेटवर्क के लिए रूटिंग (अनुमार्गण) प्रोटोकोल (प्रोफेसर कविता रंगनाथन)
- प्राथमिक शिक्षा और साक्षरता में वित्त पोषण, सरकारी नीतियों, और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका के स्वरूप को समझना (प्रोफेसर राजीव शर्मा)
- कम आय वाले उपभोक्ताओं पर 'पिरामिड के अंत तक' विपणन के प्रभाव की एक खोजपूर्ण जाँच (प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल)
- यादृच्छिक मांग और सेवा स्तर बाधाओं के साथ एकल आबंटन केन्द्र स्थान की समस्या (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- शिक्षण एवं अधिगम के लिए सूचना प्रौद्योगिकी : एक अन्वेषण (प्रोफेसर राजीव शर्मा एवं प्रो. कविता रंगनाथन)
- विक्रेता स्थान समस्या (प्रो. सचिन जायसवाल)
- सड़क बनाने में मिट्टी की खुदाई के काम का संचालन (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- संभावित माँग एवं सेवा स्तर की बाधाओं के साथ केन्द्र व बातचीत का नेटवर्क डिजाइन (प्रो. सचिन जायसवाल)
- निर्णय निर्धारण के लिए सहभागी डाटा दृश्यावलोकन (प्रो. कविता रंगनाथन)
- प्रबंधकीय दृष्टिकोण से इंजीनियरिंग शैक्षणिक संस्थानों का अध्ययन (प्रोफेसर मुकुल वसावडा)

2011-12 के दौरान संस्थान में आयोजित संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
प्रोफेसर अरविन्द सहाय आईआईएम अहमदाबाद	उपभोक्ता के नेतृत्व में पूरक उत्पाद बंडलों के बारे में व्यक्तिगत मदों पर छूट की मूल्य धारणा : खुदरा विक्रेता के मूल्य निर्धारण के लिए सीज़न बिक्री एवं प्रभाव की समाप्ति पर प्रतिक्रिया	8 अप्रैल, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. सुरेन सिस्ता आईआईएम बैंगलूरु	पी-केआईबीएस और उसके ग्राहकों के बीच व्यापारिक रिश्तों में मजबूत संबंध और निरंतर सामर्थ्य पर अल्पभाषी ज्ञान का प्रभाव	8 अप्रैल, 2011	विपणन
श्री अभिषेक फ़ेलो, आईआईएम अहमदाबाद	विभिन्न क्रय स्थितियों में उत्पाद मूल्यांकन पर प्रौद्योगिकी स्पर्श की भूमिका	12 अप्रैल, 2011	विपणन
श्री संजीव त्रिपाठी फ़ेलो, आईआईएम अहमदाबाद	अगर आपको मुझ पर भरोसा है, तो क्या आप ज्यादा भुगतान करेंगे	13 अप्रैल, 2011	विपणन
डॉ. गुडा श्रीधर आईआईएम, कोझीकोड	ग्रामीणता एवं उत्पाद अनुकूलन के कार्यकारी सामाजिक प्रतिनिधित्व : भारत में ग्रामीण बाजार का एक प्रकरण	14 अप्रैल, 2011	विपणन
श्री कल्याण मित्रा पैटोनोमिक्स ए.बी. स्विडन	प्रौद्योगिकी के बारे में निवेश के निर्णय	7 मई, 2012	सीआईआईई
डॉ. सौम्यदीप्त आचार्य जॉन होपकिन्स विश्वविद्यालय, मेरीलैंड	जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग में नवाचार	21 मई, 2012	सीआईआईई
डॉ. मोनिका सेतिया ड्यूक-एनयूएस ग्रेज्युएट मेडिकल स्कूल, सिंगापुर	प्रत्यक्ष देखभाल कर्मचारियों के इस्तीफे से जुड़े कारक और छंटनी / निर्वहन : विश्लेषण दृष्टिकोण का एक प्रभावी इतिहास	21 जून, 2011	पी.एस.जी.
प्रोफेसर अनुराग के. अग्रवाल आईआईएम अहमदाबाद	चिकित्सकीय लापरवाही : कानून एवं व्याख्या	24 जून, 2011	अनुसंधान और प्रकाशन
डॉ. अजय के. जैन प्रबंध विकास संस्थान गुड़गाँव	व्यक्तिगत एवं संगठनात्मक प्रभावशीलता बढाने के साधन के रूप में सामाजिक शक्ति : संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार की मध्यस्थ भूमिका	27 जून, 2011	ओ.बी.
डॉ. पी.वी. विश्वनाथ वित्त एवं अर्थशास्त्र विभाग, ल्यूबिन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस, पेस युनिवर्सिटी, न्यू योर्क	भारत में निर्यात फर्मों की लाभांश नीतियाँ	29 जून, 2011	एफ़ एंड ए
डॉ. जोनाली बरुआ सधर्न मेथडिस्ट युनिवर्सिटी, डल्लास, टैक्सास	ग्रुप में ऊभरती रचनात्मकता : दायरे में रहकर सोचना और दायरे से बाहर जाकर सोचना	30 जून, 2011	ओ.बी.

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
डॉ. जी. श्रीनिवासन व्यवसाय प्रशासन के संकाय, युनिवर्सिटी ऑफ़ न्यू ब्राउनश्विक, कनाडा	कार्यकारी तथा पूंजीवाद की बदलती गतिशीलता	1 जुलाई, 2011	एफ़ एंड ए
प्रोफेसर सुशान्त कुमार मिश्र आईआईएम इन्दौर	भावनात्मक श्रम रणनीतियाँ और उनके परिणाम : शोध निष्कर्षों में असंगति की व्याख्या	4 जुलाई, 2011	ओ.बी.
डॉ. अप्रतिम गुहा बर्मिंगहम युनिवर्सिटी, यूके	आपसी सूचना और दो नमूनों का एक परीक्षण	5 जुलाई, 2011	पी.एंड क्यूएम
प्रोफेसर शैलेन्द्र मेहता आईआईएम अहमदाबाद	हार्वर्ड प्रथम क्रमांक पर क्यों है? अमेरिकी विश्वविद्यालयों का शासन एवं प्रभुत्व	6 जुलाई, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
सुश्री ऋतु मेहता औद्योगिक व प्रबंधन इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, कानपुर	उपभोक्ता स्टोर संरक्षण इरादों पर कथित भीड़ का प्रभाव : इष्टतम उत्तेजना स्तर और खरीदारी प्रेरणा की भूमिका	22 जुलाई, 2011	विपणन
प्रोफेसर रजनीश दास आईआईएम अहमदाबाद	मोबाइल वित्तीय सेवाओं को ग्रहण करने पर अधिविश्लेषण	27 जुलाई, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर गौतम दत्ता आईआईएम अहमदाबाद	प्रक्रिया उद्योगों में सामरिक योजना के लिए अनुकूलन पर आधारित एक समर्थन प्रणाली	4 अगस्त, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. शुचि सिन्हा	राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस), यूके में नेतृत्व विकास का भविष्य : एनएचएस दक्षिण पश्चिम चिकित्सा फ़ेलोशिप (2010) से अंतर्दृष्टि	16 अगस्त, 2011	ओ.बी.
प्रोफेसर पेगी हज़ार्ड ग्लोबल नोवेशनस एलएलसी, यूएसए	विविधता और समावेशन : वैश्विक नेताओं के लिए प्रभावी संचार रणनीतियाँ और कौशल	23 अगस्त, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री दीपक गुप्ता नई अक्षय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार	भारत में अक्षय ऊर्जा और उसके अवसर	23 अगस्त, 2012	सीआईआईई
श्री दीपक गुप्ता नई अक्षय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार	इनफ्यूज़- सतत ऊर्जा के लिए भारतीय फंड - भारत में अक्षय ऊर्जा और उसके अवसर	25 अगस्त, 2012	सीआईआईई
श्री जस्टिन एडम्स बी.पी. वेन्चर्स	इनफ्यूज़ - सतत ऊर्जा के लिए भारतीय फंड - अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य	23 अगस्त, 2012	सीआईआईई
श्री एच.के. मित्तल प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	इनफ्यूज़ - सतत ऊर्जा के लिए भारतीय फंड - भारत में उद्यमशीलता को सक्षम बनाना	25 अगस्त, 2012	सीआईआईई

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
डॉ. फारूक अब्दुल्ला नवीन एवं अक्षय ऊर्जा भारत सरकार	इनफ्यूज़ - सतत ऊर्जा के लिए भारतीय फंड	23 अगस्त, 2012	सीआईआईई
श्री नरेन्द्र मोदी मुख्य मंत्री, गुजरात सरकार	इनफ्यूज़ - सतत ऊर्जा के लिए भारतीय फंड	25 अगस्त, 2012	सीआईआईई
प्रोफेसर आयन वोइकु सुकाला टेकनिकल युनिवर्सिटी ऑफ क्लुज नापोका/ रोमेनिया	आलोचनात्मक प्रबंधन का अध्ययन क्यों?	1 सितम्बर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रुद्र सेंनसर्मा युनिवर्सिटी ऑफ़ हर्टफोर्डशायर बिज़नेस स्कूल, हर्टफोर्डशायर, यूके	अवधि संरचना एवं मुद्रा नीति : कई विधियों का एक प्रकरण	13 सितम्बर, 2011	एफ़ एंड ए
श्री अकिल आमिराली पोस्टडोक्टरल फेलो, इकोले पोलिटेक्निक, फ्रांस	भारतीय शहरों में पानी के मीटर की स्थापना के प्रभाव	21 सितम्बर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल, आईआईएम अहमदाबाद	हाइब्रिड बिजनेस मॉडलों का विरोधाभासी तनाव और अद्वितीय अवसर : एक रूपरेखा एवं व्याख्यात्मक प्रकरण अध्ययन	22 सितम्बर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. जयन्त आनंद विस्कोन्सिन युनिवर्सिटी	"सुपर बाजारीकरण पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंगः कौन जीतेगा, कौन हारेगा?"	22 सितम्बर, 2011	विपणन
प्रोफेसर फ्रैंक फिशर रटजर्स, न्यू जर्सी स्टेट युनिवर्सिटी, यूएसए	महत्वपूर्ण नीति विश्लेषण : एकाधिक वास्तविकताओं के विश्व में तकनीकी ज्ञान	30 सितम्बर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी आईआईएम अहमदाबाद	नेटवर्किंग एवं संगठनात्मक प्रदर्शनः भारत में एक फर्म की गिरावट और स्थिति सुधार	7 अक्टूबर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर उत्पल भट्टाचार्य आईआईएम, इंदौर	लक्ष्य प्रोग्रामिंग मॉडल बाधाओं का विज्ञापन योजना बनाने में उत्पन्न समस्याओं के लिए एक अवसर	13 अक्टूबर, 2011	पी एंड क्यूएम
प्रोफेसर संजय शर्मा राष्ट्रीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान, मुम्बई	उत्पाद- सूची प्रणाली प्रबंधन (प्रासंगिक लागत निर्माण और मानकों की भिन्नता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए)	13 अक्टूबर, 2011	पी एंड क्यूएम

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
प्रोफेसर प्रोबल चौधुरी भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता	टूटने के बाद वापसी करने पर	17 नवम्बर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रवीन्द्र गोखले आईआईएम इन्दौर	ऑटोमोबाइल गियर विनिर्माण में पृथक एवं बैच प्रोसेसर मशीन के साथ निर्धारित समस्याएँ	18 नवम्बर, 2011	पी एंड क्यूएम
डॉ. शरदिन्दु गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तरप्रदेश	नवीन आविष्कारों के लिए नेतृत्व अभिलक्षण की तलाश	21 नवम्बर, 2011	पी एंड आईआर
डॉ. मनीष अलघ आईआईएम अहमदाबाद	कृषि के साथ प्राथमिकी संबंध	8 दिसम्बर, 2011	सीएमए
डॉ. योसेफ यज़दी एवं डॉ. सौम्यदीप्त आचार्य जॉन्स हॉपकिन्स युनिवर्सिटी, मेरीलैंड	सस्ती चिकित्सा प्रौद्योगिकियों को पहचानना और बढ़ावा देना तथा प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों से निपटना	9 दिसम्बर, 2011	सीआईआईई
प्रोफेसर डी. सुदर्शन गेटन कालेज ऑफ बिजनेस एंड इकोनोमिक्स युनिवर्सिटी ऑफ केंटुकी, संयुक्त राज्य अमेरिका	अगली पीढ़ी को नये उत्पाद से परिचीत करने के प्रति इष्टतम प्रतिक्रिया : नकल या मेंढ़क कूद?	9 दिसम्बर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर राजेश कुमार त्यागी एचईसी मोन्ट्रेआल, कनाडा	कैनेडियन अस्पतालों के प्रदर्शन सर्वेक्षण पर सुधार कार्यक्रमों का प्रभाव	20 दिसम्बर, 2011	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. शमिता सरीन अर्थशास्त्र विभाग, न्यूयोर्क विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में उपयोगी वस्तु इकट्ठा करना : कनाडा में प्राथमिक व्यापारी मॉडल का विश्लेषण	4 जनवरी, 2012	एफ़ एंड ए
डॉ. धीमन भद्रा गणितीय विज्ञान विभाग, वर्सेस्टर पॉलीटेक्निक संस्थान, मैसेचुसेट्स, यूएसए	प्रकरण नियंत्रण अध्ययन में निष्कर्ष के लिए प्रदर्शन इतिहास पर देशांतरीय जानकारी शामिल करने के लिए एक बेयेसियन अर्ध प्राचलिक दृष्टिकोण	5 जनवरी, 2012	पी एंड क्यूएम

अनुसंधान, प्रकरण लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र/केंद्र/समूह
डॉ. अर्नब बिसी पर्ड्यू युनिवर्सिटी, वेस्ट लफ़येत्त, आईएन, यूएसए	सेंसरकृत समाचार विक्रेता समस्या : प्राचलिक एवं गैर प्राचलिक तरीके	6 जनवरी, 2012	पी एंड क्यूएम
प्रोफेसर सतीश देवधर आईआईएम अहमदाबाद	मध्याह्न भोजन योजना के मूल्यांकन के प्रति ओलिवरी मोड	10 जनवरी, 2012	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री दीप मुखर्जी कन्नेक्टिकट युनिवर्सिटी, यूएसए	डेयरी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन एवं प्रासंगिक अनुकूल निवेश के प्रभाव का मूल्यांकन : संयुक्त राज्य अमेरिका से एक प्रकरण अध्ययन	12 जनवरी, 2012	सीएमए
डॉ. रफीक दोस्सानी दक्षिण एशिया केन्द्र, स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी, यूएसए	कार्यबल गुणवत्ता : वैश्विक विकास का नेतृत्व करने के लिए भारत कितना तैयार है?	27 जनवरी, 2012	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री श्रीनिवास अड्डेपल्ली टाटा कम्युनिकेशन्स	प्रौद्योगिकी - भविष्य को सक्षम एवं सशक्त बनाना	28 जनवरी, 2012	सीआईआईई
डॉ. संदीप गुप्ता भारतीय व्यवसाय स्कूल, हैदराबाद	सीडीएस क्रेडिट - घटना की नीलामियाँ	1 फरवरी, 2012	एफ़ एंड ए
प्रोफेसर सबरिना ब्रेसियानी सैंट गैलेन युनिवर्सिटी, स्विट्ज़रलैंड	ज्ञान के दृश्यावलोकन के साथ संस्कृतियों भर में संगठनात्मक संचार सुधार	10 फरवरी, 2012	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. निर्झर निगम एसेक बिजनेस स्कूल	वसूली दरों की व्याख्या के लिए कानूनी अनुक्रमणिक बनाना : फ्रांसिसी एवं दिवालियापन संहिताओं का एक विश्लेषण	14 फरवरी, 2012	एफ़ एंड ए
डॉ. सायमन बेन्निंगा टेल अविव युनिवर्सिटी	गैर विक्रेयता और कर्मचारी स्टॉक विकल्प का मूल्य	22 फरवरी, 2012	एफ़ एंड ए
प्रोफेसर अरूप बोस भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता	चरम जाँच नीतियाँ	29 फरवरी, 2012	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर मासीमिलियानो तानी मैकक्वेरी युनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया	विदेश व्यापार यात्राओं के माध्यम से विदेशी ज्ञान प्राप्त करना	6 मार्च, 2012	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर अंकुर सरीन आईआईएम अहमदाबाद	भारत में प्रबंधन शिक्षा : सामाजिक गतिशीलता किसके लिए है?	20 मार्च, 2012	अनुसंधान एवं प्रकाशन

प्रकाशन

पुस्तकें

अलघ मुनीष, *एग्रिकल्चरल प्राइसिस इन ए चेन्जिंग इकोनोमीः एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ़ इंडियन एग्रिकल्चर,* नई दिल्ली : अकेडेमिक फाउंडेशन, 2011

बाजपाई निरुपम और धोलकिया रवीन्द्र एच., *इम्प्रोविंग द पर्फोर्मेन्स ऑफ़ दी एक्रीडिटेड सोशियल हैल्थ एक्टिविस्ट्स (आशा) इन इंडिया,* कोलम्बिया युनिवर्सिटी : यूनिसेफ और अर्थ इन्स्टिट्यूट, 2011

डी'क्रूज़ प्रेमिला, *वर्कप्लेस बुल्लिइंग इन इंडिया,* नई दिल्ली : रूटलेज, 2012

दत्ता समर के.; वर्की बीजू, सिंह सृजन पाल, एवं नानकर सुयोग, *देल्ही मैट्रोः एक्सेलैन्स इन मैनेजमेंट,* नई दिल्ली : यूएनडीपी, 2012

गाँधी वसन्त पी. एवं नमबुदिरी एन. वी., *इमप्रूविंग इरिगेशन मैनेजमेंट इन इंडियाः ए स्टडी ऑफ़ पार्टिसिपेटरी इरिगेशन मैनेजमेंट इन द स्टेट्स ऑफ आन्ध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र,* नई दिल्ली : एलाइड पब्लिशर्स, 2011.

हिट्ट एम., आयरलैंड, डी., होसकिसन आर.; और मणिकुट्टी एस., *स्ट्रेटेजिक मैनेजमेन्टः ए साउथ एशियन पर्स्पेक्टिव,* नई दिल्लीः सेनगेज लर्निंग, 2012.

कौल आशा एवं सिंह एम. (संपा.), *न्यू पैराडिग्मस फोर जैन्डर इनक्लुसिविटीः थियरी एंड बेस्ट प्रैक्टिसीस,* नई दिल्ली : प्रैन्टिस हॉल ऑफ इंडिया, 2012.

मणिकुट्टी एस., *बिजनेस एथिक्सः एथिक्स एज़ द फाउण्डेशन ऑफ बिजनेस*, नई दिल्लीः रैंडम हाउस, 2011.

माथुर अजीत एन., (संपा.), *डेर टू थिंक द अनथोट नोन,* टाम्परे : एयवोएरट, 2012

राम मोहन टी.टी., *ब्रिक बाय रेड ब्रिकः रवि मथई एंड द मेकिंग ऑफ आईआईएम अहमदाबाद,* रूपा पब्लिकेशन्स, 2011

रंगराजन सी.; धोलकिया रवीन्द्र एच.; और अन्य, *रिपोर्ट ऑफ द हाई लेवल कमिटी ऑन एफिसियन्ट मैनेजमेंट ऑफ पब्लिक एक्सपेन्डिचर,* नई दिल्ली : भारत सरकार, योजना आयोग, 2011

रोबिन्स एस.पी., जज टी.ए.; एवं वोहरा एन., *ओर्गेनाइजेशनल बिहेवियर,* नई दिल्ली : पर्सन एज्युकेशन, 2011

सिन्हा पीयूष कुमार, *मैनेजिंग रिटेलिंग, दूसरा संस्करण,* यूएसए : ओक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2012

मोनोग्राफ

बाजपाई, निरूपम एवं धोलकिया रवीन्द्र एच., *इम्प्रूविंग दी इंटिग्रेशन ऑफ हैल्थ एंड न्यूट्रिशन सेक्टर्स इन इंडिया, वर्किंग पेपर्स सिरीज़ नं.2*, दक्षिण एशिया : कोलम्बिया ग्लोबल सेन्टर्स, 2011, (http://globalcenters.columbia.edu/southasia/)

दत्ता समर के., एवं श्रीराम एम.एस., *टुवर्ड्स अ पर्स्पेक्टिव ऑन फ्लो ऑफ क्रेडिट टू स्मोल एंड मार्जिनल फार्मर्स इन इंडिया,* नई दिल्लीः एलाइड पब्लिशर्स, 2012

दत्ता समर के., निलकंठन राहुल; एवं पटेल राजेन्द्र, *डेवलपिंग इंडियाज़ स्ट्रेटेजिक रिस्पोन्स टू द ग्लोबल डीबेट ऑन फिशरीज़ सबसिडीज़,* नई दिल्लीः एलाइड पब्लिशर्स, 2012

धर्माधिकारी डी.एम.; धोलकिया रवीन्द्र एच., दयाल राजेश्वर, एवं नासिर सैयद अली, *रिपोर्ट ऑफ एक्सपर्ट कमिटी ऑन एचआर इस्यूज ऑफ द मर्ज्ड एयर इंडिया,* नई दिल्ली : नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकार, 2012

धोलकिया रवीन्द्र एच., एवं महापात्रा दीप्तिरंजन, *नैचुरल गैस प्राइसिंग, युटिलाइजेशन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर,* नई दिल्ली : भारतीय उद्योग महासंघ, 2011

गर्ग अमित एवं विश्वनाथन एस., *स्कोपिंग स्टडी फोर फाइनैन्सियल सोल्युशन्स फोर क्लाइमेट चेन्ज एडेप्टेशन इन रुरल एरियाज़,* जर्मनी : क्लाइमेट चेन्ज एडेप्टेशन फोर जीआईज़ेड, 2011

गर्ग अमित; नाग टी.; यादव पी.के.; एवं गुप्ता पी., *पॉलिसी पेपर ऑन कन्वर्टिंग एन्युअल रेवन्यू सबसिडी टू कैपिटल सबसिडी बाय महाराष्ट्र स्टेट इलैक्ट्रिसिटी डिस्ट्रिब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) बाय रिप्लेसिंग एक्सिस्टिंग इनएफिसियन्ट इरिगेशन पम्प-सैट्स विथ एनर्जी एफिसियन्ट वन्स रिज़ल्टिंग इन इलैक्ट्रिसिटी सर्विंग्स*, यूएसएआईडी एवं टेट्रा टेक के लिए कृषि माँग के पक्ष में प्रबंधन, 2011

विजय शेरी चंद; चौधरी गीता, जोशी समीर, एवं पटेल उमेश, *लर्निंग फ्रोम इनोवेटिव प्राइमरी स्कूल टीचर्स ऑफ गुजरात,* गाँधीनगरः गुजरात शैक्षणिक नवाचार आयोग, गुजरात सरकार, 2011

प्रकाशन

पत्रिकाओं में लेख

अध्या एस., बनर्जी तथागत, एवं चट्टोपाध्याय जी., *इनफियरन्स ऑन फाइनाइट पोप्युलेशन केटेगरिकल रिस्पोन्सः नोनपैरामिट्रिक रिग्रेशन बेस्ड प्रोडक्टिव एप्रोच, एड्वान्स इन स्टेटिस्टिकल एनेलिसिस,* 96, 1 (जनवरी 2012), 69-98

अध्या एस., बनर्जी तथागत, एवं चट्टोपाध्याय जी., *इनफियरन्स ऑन पोलिकोटोमस रिस्पोन्सीस इन फाइनाइट पोप्युलेशन, स्कैन्डिनेवियन जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिक्स,* 38, 4 (दिसम्बर 2011), 788-800

अग्रवाल एम., एवं वोहरा निहारीका, *मेज़रिंग इफेक्टिवनेस ऑफ स्कूल्स इन इंडियाः ए मल्टिपल स्टैकहोल्डर फ्रैमवर्क, ई-जर्नल ऑफ ओर्गेनाइजेशनल लर्निंग एंड लीडरशिप,* 8, 2 (2011), 1-13

आल्मलियच ए., आंग एस.; आर्नादोत्तीर जे.; आयकेन ज़ेड; बोयेन्के के.; बोस्की पी.; काबेसिन्हास आर.; चान डी.; छोकर जे.; डी'आमातो ए.; ड्युआन एल.; फेरर एम.; फिस्शर आर.; फिस्लमायर आई.सी.; फुलोप एम.; गेलफन्ड एम.जे.; ज्योर्गस जे.; कशिमा ई.एस.; कशिमा वाय.; किम के.; लेम्परर ए.; लेसली एल.एम.; लिम बी.सी.; लुन जे.; मार्केज़ पी.; निशी एल.; ओथमन आर.; ओवरलाएत बी.; पानाजियोतोपुलु पी.; पेल्ज़र के.; पेरेज़-फ्लोरिस्नो एल.आर.; पोनोमारेन्को एल.; रावेर जे.एल.; रेआलो ए.; स्चेई वी.; स्श्मित एम.; स्मिथ पी.बी.; सूमरो एन.; सजाबो ई.; तवीसिन एन.; तोयामा एम.; वान दे व्लिएर्त ई.; वोहरा निहारीका; वार्ड सी.; और यामागुची एस., *डिफ्रेन्सिज बिट्विन टाइट एंड लूज़ कल्चर्सः ए 33-नेशन स्टडी, विज्ञान,* 332, 6033 (2011), 1100-04.

आनंद टी., एवं मिश्रा एस., *लीडरशिप डेवलपमेंट एट आदित्य बिरला ग्रुप, लीडरशिप डेवलपमेंट इन ओर्गेनाइजेशन इन इंडिया : द व्हाय एंड हाउ ओफ़ इट (भाग 2), विकल्प : निर्णयकर्ताओं की पत्रिका,* 36, 4 (2011), 78-81.

आनंद टी., *डेवलपिंग ए ग्लोबल लीडर फ्रोम इंडिया : व्यूज़ ओफ़ ए कोच/कन्सल्टेंट इन डेवलपिंग लीडरशिप टेलेंट : एन इंटरव्यू विथ प्रसाद कइपा, लीडरशिप डेवलपमेंट इन ओर्गेनाइझेशन इन इंडिया : द व्हाय एंड हाउ ओफ़ इट (भाग 1), विकल्प : निर्णयकर्ताओं की पत्रिका,* 36, 3 (2011), 106-9.

एनी लिव एवं शर्मा धीरज, *हाउ टू एटेन डिज़ायर्ड आउटकम्स थ्रू चैनल कोनफ्लिक्ट नेगोशियेशन, जर्नल ऑफ मार्केटिंग चैनल्स,* 18, 2 (2011), 103-21.

अग्रवाल, अनुराग के., *व्हीथर पैटेन्ट लिटिगेशन इन इंडिया? कॉर्पोरेट लॉ केसीस, सीएलसी,* (मई, 2011), 133-44

अवस्थी धीरज, एवं बनर्जी अरिन्दम, *अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ प्रायर प्रोडक्ट नालेज टू इन्फोरमेशन सर्चः एन एप्लिकेशन ऑफ प्रोसेस थियरी टू दी इंडियन मार्केट, एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड लोजिस्टिक्स,* 24, 2 (2012), 257-287

बी. एफ़. अलबदाइवी, बेडर एफ़, घोष दीप्तेश, और गोल्डन्गोरिन बोरिस, *डाटा एग्रेगेशन फोर पी-मेडियन प्रोब्लेम्स, जर्नल ओफ़ कोम्बिनेटोरियल ओप्टिमाइजेशन,* 21, 3 (2011), 348-363.

बनर्जी अरिन्दम् एवं अवस्थी धीरज, *ए कस्टमर नोलेज बेस्ड एनालिटिक एप्रोच टू एनहान्स दी एफिसियन्सी ऑफ डेब्ट कलेक्शन्स, दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक्स एंड फाइनेंस,* 6, 1 (2011), 1-16

बसन्त राकेश, *इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी प्रोटेक्शन, रेगुलेशन एंड इनोवेशन एंड डेवलपिंग इकोनोमिक्सः द केस ऑफ दी इंडियन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्री, इनोवेशन एंड डेवलपमेंट,* 1, 1 (अप्रैल 2011), 115-33

भटनागर दीप्ति एवं त्जोस्वोल्ड डी., *लीडर वेल्यूज फोर कन्स्ट्रक्टिव कोन्ट्रोवर्सी एंड टीम इफ़ेक्टिवनेस इन इंडिया, दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्युमन रिसोर्स मैनेजमेंट,* 23 (2012), 109-25

बोना शाहीन एवं शर्मा धीरज, *कन्सिडरिंग प्रायवेसी एज़ ए पब्लिक गुड एंड इट्स पोलिसी रेमिफिकेशन्स फोर बिज़नेस ओर्गेनाइजेशन्स, बिज़नेस एंड सोसायटी रिव्यू* 116, 3 (ऑटम 2011), 331-353

बोना शाहीन एवं शर्मा धीरज, *हाउ मच ट्रस्ट शुड रिस्क मैनेजर्स प्लेस ऑन 'ब्राउनियन मोशन्स' ऑफ फाइनेन्सियल मार्केट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स,* 6, 1 (2011), 7-16

बोना शाहीन एवं शर्मा धीरज, *ट्रेन योर सेल्सपिपल टू बी स्किल्ड एक्टर्सः ए मंत्र फोर सक्सेस, मार्केटिंग मैनेजमेंट जर्नल*, 21, 1 (स्प्रिंग 2011), 160-168

बेश्सीयानी एस., एप्पलर एम.; कौल आशा; एवं इलिनेन आर., *दी इफैक्टिवनेस ऑफ नालेज विज़ुअलाइजेशन फोर ओर्गेनाइजेशनल कम्युनिकेशन इन यूरोप एंड इंडिया, डीओआई* 10 1109/4 2011, 29, 365-370.

प्रकाशन

डी'क्रूज़ प्रेमिला, एवं नोरोन्हा एर्नेस्टो, *क्लैरिफाइंग माय वर्ल्डः आइडेन्टिटी वर्क इन दी कोन्टेक्स्ट ऑफ वर्कप्लेस बुलिंग, दी क्वोलिटेटिव रिपोर्ट,* 12 (2012), 1-29

डी'क्रूज़ प्रेमिला, एवं नोरोन्हा एर्नेस्टो, *कन्सर्नड बाय कोनिंगः एजेन्ट्स एक्सिपरियन्सीस ऑफ क्लोज़र ऑफ ए कॉल सेन्टर इन इंडिया, दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्युमन रिसोर्स मैनेजमेंट,* 23, 5 (2012), 1019-1039

डी'क्रूज़ प्रेमिला, एवं नोरोन्हा एर्नेस्टो, *हाइ कमिटमेंट मैनेजमेंट प्रैक्टिसिस री-एग्जामिन्डः दी केस ऑफ इंडियन कॉल सेन्टर्स, इकोनोमिक एंड इंडस्ट्रियल डेमोक्रेसी,* 33, 2 (2011), 185-205

डी'क्रूज़ प्रेमिला, एवं नोरोन्हा एर्नेस्टो, दी *लिमिट्स टू वर्कप्लेस फ्रेन्डशिपः मैनेजरियलिस्ट एचआरएम एंड बायस्टैन्डर बिहेवियर इन दी कोन्टेक्स्ट ऑफ वर्कप्लेस बुलिंग, एम्प्लोयी रिलेशन्स,* 33, 3 (2011), 269-88

दत्ता समर के., एवं बिस्वास शुभो, *नीड फोर कन्वर्जेन्स ऑफ स्कीम्स अराउंड एनआरईजीएस - ए पोसिबल रोडमैप, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़,* 3, 2 (जुलाई - दिसम्बर 2011), 19-25.

देसाई भूपत एम.; डी'सूज़ा एर्रोल; मेलर जोह्न डबल्यू.; शर्मा विजय पॉल; एवं तम्बोली प्रभाकर, *एग्रिकल्चरल पोलिसी स्ट्रेटेजी, इन्स्ट्रुमेंट्स एंड इम्प्लिमेंटेशनः ए रिव्यू एंड रोड अहेड, इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली,* 46, 53 (दिसम्बर 13, 2011), 42-50.

धोलकिया रवीन्द्र एच., एवं सप्रे अमी, *एस्टिमेटिंग स्ट्रक्चरल ब्रेक्स एन्डोजेनसली इन इंडियाज़ पोस्ट-इंडिपेन्डंस ग्रोथ पाथः एन एम्पिरिकल क्रिटिक, जर्नल ऑफ क्वोन्टिटेटिव इकोनोमिक्स,* 9, 2 (जुलाई 2011), 73-87

धोलकिया, रवीन्द्र एच., एवं सप्रे अमी, *गुजरात'स ग्रोथ स्टोरी, इकोनोमिक एंड पोलिटिकलवीकली,* 46, 32 (अगस्त 6-12, 2011), 122-24

दत्ता गौतम एवं घोष प्रियांको, *डेवलपमेंट ऑफ ए युटिलिटी फंक्शन फोर एयरलाइन ट्रेवलः ए लोगेरिदमिक गोल प्रोग्रामिंग एप्रोच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेवन्यू मैनेजमेंट,* 5, 4 (2011), 277-89

गाँधी वसन्त पी., *आईसीटी बेस्ड नालेज एंड इन्फोरमेशन सिस्टम फोर ब्रांड-वेरायटी सिलैक्शन बाय फार्मर्सः स्टडी एंड डिजाइन यूजिंग को-कटिंग सर्वे सिस्टम इन कोटन, इंडियन जर्नल ऑफ ऐग्रिकल्चरल इकोनोमिक्स,* 66, 3 (जुलाई-सितम्बर 2011), 498-512

गणेश सेंथिल एस., एवं जोसफ जेरोम, *एक्सप्लोरिंग परसिव्ड ओर्गेनाइजेशनल फोर्मलाइजेशन एंड पर्फोरमैन्स रिव्यू सिस्टम कोम्पलेक्सिटी एज़ प्रिडिक्टर्स ऑफ एक्ज़िक्युटिव एलियनेशन इन पर्फोरमैन्स रिव्यू सिस्टम्स, आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू,* 23, 4 (दिसम्बर 2011), 197-207

गर्ग अमित एवं अवशिया विधी, *कार्बन कम्पिटिशन अप अबवः एस्टिमेटिंग ग्रीनहाउस गैस एमिशन्स ऑफ इंडियन डोमेस्टिक एयरलाइन्स, ग्रीन हाउस गैस मैनेजमेंट जर्नल,* 1, 2 (2011), 93-104.

गर्ग अमित, *प्रो-इक्विटी इफैक्ट्स ऑफ एन्सिलरी बेनिफिट्स ऑफ क्लाइमेट चेन्ज पोलिसिज़ः ए केस स्टडी ऑफ हैल्थ इम्पैक्ट ऑफ आउटडोर एयर पोल्युशन इन न्यू दिल्ली, वर्ल्ड डेवलपमेंट,* 39, 6 (2011), 1002-25.

गर्ग अमित; माहेश्वरी जे.; महापात्रा डी.; एवं कुमार एस., *इकोनोमिक एंड एनवायरनमेंटल इम्प्लिकेशन्स ऑफ डिमांड-साइड मैनेजमेंट ओप्शन्स, एनर्जी पोलिसी,* 39, 6 (2011), 3076-85.

गर्ग अमित; शुक्ल पी.आर.; एवं उपाध्याय जिगीशा, *एन$_2$ओ एमिशन्स ऑफ इंडियाः एन एसेसमेंट ऑफ टेम्पोरल, रीजनल एंड सेक्टर ट्रैंड्स, क्लाइमेट चेन्ज,* 110, 3-4 (2012), 755-782 (ओनलाइन संदर्भ : डीओआई 10.1007/एस10584-011-0094-9)

ग्रीन ए.; गेरेइन एन.; मिरज़ोव टी.; बर्ड पी.; पियर्सन एस.; आन्ह ले वी.; मार्टिनयू टी.; मुखोपाध्याय एम.; कियान एक्स.; रमणी के. वी.; एवं सूर्स डबल्यू., *हैल्थ पोलिसी प्रोसेसीस इन मैटरनल हैल्थः ए कम्पेरिज़न ऑफ वियेतनाम, इंडिया एंड चायना, हैल्थ पोलिसी,* 100, 2-3 (मई 2011), 167-73

गुप्ता अनिल के., *इनोवेशन्स फोर दी पुअर बाय दी पुअर, जॉहन्सबर्ग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेकनोलिजिकल लर्निंग, इनोवेशन एंड डेवलपमेंट,* 5, 1-2 (2012), 28-39.

हाल्सनेस के., एवं गर्ग अमित, *एसेसिंग दी रोल ऑफ एनर्जी इन डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट पोलिसिज़ - कोन्सेप्चुअल एप्रोच एंड दी की इंडिकेटर्स, वर्ल्ड डेवलपमेंट,* 39, 6 (2011), 987-1001

हाल्सनेस के.; मार्कंडय ए.; एवं शुक्ल पी.आर., *इंट्रोडक्शन सस्टेनेबल डेवलपमेंट, एनर्जी एंड क्लाइमेट चेन्ज, वर्ल्ड डेवलपमेंट,* 39, 6 (2011), 983-86

प्रकाशन

जोसफ जेरोम एवं जगन्नाथ, श्रीनाथ, *एम्प्लोयमेंट रिलेशन एंड मैनेजरियलिस्ट अंडरकरेन्ट्स - दी केस ऑफ दी पेमेंट ऑफ ग्रेचुइटी ऐक्ट 1972, इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशन्स,* 47, 2 (अक्टूबर 2011), 253-263

करमारकर संदीप, एवं दत्ता गौतम, *मल्टिपिरियड रेवन्यू-मैनेजमेंट मॉडल फोर इंटरनेट एड्वर्टाइज़िंग, जर्नल ऑफ रेवन्यू एंड प्राइसिंग मैनेजमेंट,* 11, 2 (2012), 225-239

करमारकर संदीप, एवं दत्ता गौतम, *ओप्टिमल टेबल-मिक्स एंड एसैप्टेन्स-रिजेक्शन प्रोब्लम्स इन रेस्टोरेंट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेवन्यू मैनेजमेंट,* 5, 1 (2011), 1-15

करमारकर संदीप; दत्ता गौतम; एवं बंद्योपाध्याय तथागत, *रेवन्यू इम्पैक्ट ऑफ डिमांड अनकन्स्ट्रेइनिंग एंड एकाउंटिंग फोर डिपेन्डंसी, जर्नल ऑफ रेवन्यू एंड प्राइसिंग मैनेजमेंट,* 10, 4 (2011), 367-381

क्रिस्ट स्विम्बर्ग; शर्मा धीरज; एवं फ्लरी लौरा, *डज़ ए कन्ज़्यूमर्स रिलिजियन रियली मेटर इन दी बायर्स-सेलर डायड्?* एन एम्पिरिकल स्टडी एक्जैमिनिंग दी रिलेशनशिप बिट्विन कन्ज़्यूमर रिलिजियस कमिटमेंट, क्रिश्चियन कन्ज़र्वेटिज़म एंड दी एथिकल जजमेंट ऑफ ए सेलर्स कोन्ट्रोवर्सियल बिज़नेस डिसिज़न, जर्नल ऑफ बिज़नेस एथिक्स,* 103, 3 (सितम्बर 2011), 453-467

कुमार बी., एवं पांडे अजय, *इंटरनेशनल लिंकेजीस ऑफ दी इंडियन कमोडिटी फ्यूचर्स मार्केट्स,* मोडर्न इकोनोमी, 2, 3 (जुलाई 2011)

कुमार बी., एवं पांडे अजय, *प्राइस डिस्कवरी इन इमर्जिंग कमोडिटी मार्केट्सः स्पोट एंड फ्यूचर रिलेशनशिप इन इंडियन कमोडिटी मार्केट,* बोगाजिकी जर्नल, 25, 1 (2011)

मणिकुट्टी एस., *व्हाय शुड आई बी एथिकल? सम आन्सर्स फ्रोम महाभारत,* जर्नल ऑफ ह्युमन वैल्यूज, 18, 1 (2012)

मासुई तोशिहिको, मात्सुमोतो, केनिची, हिजियोका, यासुकी, किनोशिता त्सुगुकी, नोजावा तोरु, इशिवातारी सावाको, कातो एत्सुशी, शुक्ला, पी. आर., यामागाता योशिकी, एवं कईनुमा मिकिको, *एन एमिशन पाथवे फोर स्टेबिलाइजेशन एट 6 डबल्यूएम$^{-2}$ रेडियेटिव फोर्सिंग,* क्लाइमेट चेइन्ज, 109, 1-2, 2011, 59-76.

माथुर अजीत एन., *सर्च फोर इनक्लुसिव ग्रोथ एमिड्स्ट एक्स्कलुज़िव एप्रोप्रिएशन इन मणिपुर,* इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 47, 9 (मार्च 3, 2012), 61-66

मेहता राजेश; मावलंकर दिलीप वी.; रमणी के. वी.; शर्मा शीतल; एवं हुसेन जुलिया, *इन्फेक्शन कंट्रोल इन डिलवरी केयर युनिट्स, गुजरात स्टेट, इंडियाः ए नीड्स एसेसमेंट बीएमसी प्रैग्नेंसी एंड चाइल्डबर्थ,* 11, 37 (2011)

मिश्रा एस.के., भटनागर दीप्ति; डी'क्रूज़ प्रेमिला, एवं नोरोन्हा एर्नेस्तो, *लिंकेज बिट्विन परसिव्ड प्रेस्टिज एंड इमोशनल लेबरः मिडियेशन इफैक्ट ऑफ ओर्गेनाइजेशनल आइडेन्टिफिकेशन अमोंग फार्मास्यूटिकल रिप्रेज़न्टेटिव्स इन इंडिया, जर्नल ऑफ वर्ल्ड बिज़नेस,* 47 (2012), 204-212

नायर एन. एवं वोहरा निहारीका, *दी कोन्सेप्ट ऑफ एलियनेशनः टुवर्ड्स कोन्सेप्चुअल क्लैरिटी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओर्गेनाइजेशनल एनालिसिस,* 20, 1 (2012), 25-50.

नासवा पी., एवं गर्ग अमित, *मैनेजिंग क्लाइमेट-इन्ड्युस्ड रिस्क्स ओन इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर एसेट्स, करेंट सायन्स,* 101, 3 (2011), 95-104

राम मोहन टी.टी., *एनेटोमी ऑफ ए बैंक फेल्यर, इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली,* 47, 8 (फरवरी 25, 2012), 10-12

राम मोहन टी.टी., *फोरेन बैंक्सः आरबीआई गेट्स दी बेलेन्स राइट, इकोनोमिक एडं पोलिटिकल वीकली,* 46, 15 (अप्रैल 9, 2011), 10-12

राम मोहन टी.टी., *न्यू बैंक्सः डोन्ट से यस इफ यू वान्ट टू से नो, इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली,* 46, 37 (सितम्बर 10, 2011), 10-12

रंगनाथन कविता एवं सरीन अंकुर, *ए वोइस फोर द वोइसलेसः पीयर-टु-पीयर मोबाइल फोन नेटवर्क्स फोर ए कम्युनिटी रेडियो सर्विस, इनफोरमेशन डेवलपमेंट,* 28, 1 (2012), 68-79

रंगनाथन कविता, *लीपफ्रोगिंग दी डिजिटल डिवाइड-मिथ ओर रियलिटी फोर इमर्जिंग रीजन्स? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फोरमेशन कम्युनिकेशन टेकनोलोजिज़ एंड ह्युमन डेवलपमेंट,* 3, 4 (2011), 17-30

रॉय के., एवं खोकले प्रद्युमन, *इन्टिग्रेटिंग रिसोर्स-बेस्ड एंड रेशनल कंटिंजन्सी व्यूज़ :अंडरस्टैंडिंग द डिजाइन ओफ़ डायनेमिक कैपेबिलिटी ओफ़ ओर्गेनाइजेशन्स, विकल्प :निर्णयकर्ताओं की पत्रिका,* 36, 4 (2011), 67-75.

प्रकाशन

सहाय अरविंद; शर्मा निवेदिता; एवं मेहता कृष्णेश, *एफेक्ट एंड कोग्निशन इन कन्ज्यूमर ब्रांड रिलेशनशिप्सः एक्स्प्लोरिंग जैन्डर डिफरैंसिज, जर्नल ऑफ इंडियन बिज़नेस रिसर्च,* 4, 1 (2012), 36-60

सरकार ए. एवं सिंह मंजरी, *नोन-वर्क डोमेन कंट्रोल एज़ एन एडिशनल डाइमेंशन्स ऑफ सायकोलोजिकल एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन टीचर्स, सायकोलोजिकल स्टडीज़,* 57, 1 (2012), 86-94.

सरकार देबाशिष एवं दत्ता गौतम, *ए फ्रैमवर्क फोर प्रोजेक्ट रिस्क मैनेजमेंट फोर दी अन्डरग्राउंड कोरिडोर कन्स्ट्रक्शन फोर मैट्रो रेल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कन्स्ट्रक्शन एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट (2012).*

शर्मा मीनाक्षी, *लैंग्वेज एंड दी नेगोशियेशन ऑफ आइडेन्टिटी एंड सेन्स ऑफ बिलोंगिंगः ए स्टडी ऑफ लिटररी रिप्रेज़न्टेशन्स ऑफ इंडियन्स इन इंग्लैंड, लैंग्वेज एंड इंटरकल्चरल कम्युनिकेशन,* 11, 4 (2011), 351-363

शर्मा मेघा, घोष दीप्तेश, *एन एम्पिरिकल इन्वेस्टिगेशन इनटु रैंडमली जनरेटेड यूक्लिडियन सिमेट्रिक ट्रावेलिंग सैल्समेन प्रोब्लेम्स, इन्दौर मैनेजमेंट जर्नल,* 3, 2 (2012), 59-71

शर्मा राजीव एवं दीक्षित एम.आर., *ट्रान्स्फोर्मिंग स्कूलः स्कूल लीडरशिप अंडर चैलेंजिंग कंडिशन, दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लर्निंग, 17, 2 (2011), 99-107*

शर्मा विजय पॉल एवं ठक्कर ह्रीमा, *डिमांड फोर फर्टिलाइजर्स इन इंडियाः डिटरमिनंन्ट्स एंड आउटलुक फोर 2020, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल इकोनोमिक्स,* 66, 4 (अक्टूबर-दिसम्बर, 2011), 638-61

शुक्ल पी.आर. एवं धर सुभाष, *क्लाइमेट एग्रिमेंट्स एंड इंडियाः एलाइनिंग ओप्शन एंड ओपर्च्युनिटिज़ ऑन ए न्यू ट्रैक, इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल एग्रिमेंट्सः पोलिटिक्स, लॉ एंड इकोनोमिक्स,* 11, 3 (2011), 229-43

शुक्ल पी.आर.; एवं महापात्रा डी.; *डायनेमिक लाइफ-सायकल एनालिसिस ऑफ इंडियाज़ इलैक्ट्रिसिटी सिस्टम, इंटरनेशनल एनर्जी जर्नल,* 12, 1 (2011), 1-14

सिंह सुखपाल एवं सिंगला नरेश, *फ्रेश फ्रूट सुपरमार्केट्स इन इंडियाः एन एनेलिसीस ऑफ देयर इनकलुसिवनेस एडं इम्पैक्ट ऑन प्रायमरी प्रोड्युसर्स, मिलेनियल एशिया - एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशियन स्टडिज़,* 2, 1 (2011), 65-91

सिंह सुखपाल, एवं सिंगला नरेश, *इनक्लुसिव फ्रेश फूड रिटेल चेन्स इन इंडियाः केस स्टडिज़ ऑफ एचओपीसीओएम एंड सफल, इंडियन जर्नल ऑफ ऐग्रिकल्चरल मार्केटिंग,* 24, 1 (2011)

सिंह सुखपाल, *कंट्रोलिंग फूड़ इनफ्लेशनः डू सुपरमार्केट्स हेव ए रोल?, इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली,* 48, 18 (अप्रैल 30 - मई 4, 2011) 19-22

सिंह सुखपाल, *एफ़डीआई इन रिटेलः मिसप्लेस्ड ऐक्सपेक्टेशन्स एडं हाफ ट्रुथ्स, इकोनोमिक एडं पोलिटिकल वीकली,* 46, 51 (दिसम्बर 17, 2011), 13-16

सिंह सुखपाल, *इन्स्टिटयुशनल एंड पोलिसी आस्पेक्ट्स ऑफ पंजाब ऐग्रिकल्चरः स्मोलहोल्डर पर्स्पैक्टिव, इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली,* 47, 4 (जनवरी 28, 2012), 51-57

सिंह सुखपाल, *पोलिसीः दी वूज़ ऑफ रुरल वेज लेबर, कैपेसिटी डॉट ओर्ग,* 44 (अप्रैल 2012), 8-9

सिंह सुखपाल, सिंगला नरेश, एवं ढींडसा पी.के., *इमर्जिंग ऐग्रिकल्चरल मार्केटिंग प्रैक्टिसिस इन इंडियाः ए केस स्टडी ऑफ ए फ्रेश फूड रिटेल चेन इन पंजाब, ऐग्रिकल्चरल इकोनोमिक्स रिसर्च रिव्यू,* 24, 1 (2011)

सिन्हा सिद्धार्थ, *पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर बैंक्स : कन्वर्जन्स इन परफोर्मैन्स, इकोनोमिक एंड पोलिटिकल विकली,* 47, 20 (2012), 25-30

टेयलर फिल; डी'क्रूज़ प्रेमिला, नोरोन्हा एर्नेस्टो; एवं स्कोलारियस डोरा, *दी एक्सिपरियन्स ऑफ वर्क इन इंडियाज़ डोमेस्टिक कॉल सेन्टर इंडस्ट्री, दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्युमन रिसोर्स मैनेजमेंट,* 23, 1(2011), 1-17

तुरागा, राम मोहन; नूनन डी.; एवं बोस्त्रोम ए., *होट स्पोट्स रेगुलेशन एंड एनवायरमेंटल जस्टिस, इकोलोजिकल इकोनोमिक्स,* 70, 7 (2011), 1395-1405

वर्मा जयंथ, *फाइनैंस टीचिंग एंड रिसर्च आफ्टर दी ग्लोबल फाइनैंसियल क्राइसिस, विकल्प : निर्णयकर्ताओं की पत्रिका,* 36, 4 (अक्टूबर-दिसम्बर, 2011), 1-15

वेंकटेशन प्रह्लाद; माथुर कमलेश, *एन एफिसियन्ट कोलम-जनरेशन-बेज़्ड एल्गोरिदम फोर सोल्विंग ए पिकअप एंड डिलिवरी प्रोब्लम, कम्प्यूटर्स एंड ओपरेशन्स रिसर्च,* 38, 12 (2011), 1647-55

प्रकाशन

विरमाणी विनीत, *ऑन एस्टिमेबिलिटी ऑफ परसिमोनियस टर्म स्ट्रक्चर मॉडल्सः एन एक्सपरिमेंट विथ दी नेल्सन-सिगल स्पेसिफिकेशन, एप्लाइड इकोनोमिक लेटर्स,* 19, 17 (2012), 1703-06

वोहरा निहारीका, एवं भटनागर दीप्ति, *इंट्रोडक्शन इन कोलोक्वियम ओन लीडरशिप डेवलपमेंट इन ओर्गेनाइजेशन इन इंडियाः दी वे एंड हाउ ऑफ इट (भाग 2), विकल्पः दी जर्नल ऑफ डिसिज़न मेकर्स,* 36, 3 (2011), 61-65

वोहरा निहारीका, एवं भटनागर दीप्ति, लीडरशिप *डेवलपमेंट इन ओर्गेनाइजेशन्स इन इंडिया : दी व्हाय एंड हाउ ऑफ इट (भाग 1) कोलोक्वियम इंट्रोडक्शन, विकल्प : निर्णयकर्ताओं की पत्रिका,* 36, 3 (2011), 61-64

वोहरा निहारीका, एवं भटनागर दीप्ति, लीडरशिप *डेवलपमेंटः इनसाइट्स एंड वे फारवर्ड (भाग 2) कोलोक्वियम इंट्रोडक्शन, विकल्प : निर्णयकर्ताओं की पत्रिका,* 36, 4 (2011), 77-78

वोहरा निहारीका, शतदल ए.; एवं भटनागर दीप्ति, *लीडरशिप डेवलपमेंटः इनसाइट्स एंड वे फारवर्ड (भाग 2) कोलोक्वियम इंट्रोडक्शन, विकल्प : निर्णयकर्ताओं की पत्रिका, 36*, 4 (2011), 122-129

वोहरा निहारीका, शतदल ए.; एवं भटनागर दीप्ति, *लीडरशिप डेवलपमेंटः इनसाइट वे फारवर्ड इन लीडरशिप डेवलपमेंट इन ओर्गेनाइजेशन इन इंडियाः दी व्हाय एंड हाउ ऑफ इट (भाग 1), विकल्पः दी जर्नल ऑफ डिसिज़न मेकर्स,* 36, 4 (2011), 122-28

पुस्तकों में अध्याय

अग्रवाल अनुराग के., *क्वेश्चन्स अराइज़िंग फ्रोम ओएनजीसी वर्सस सुमितोमो इन सुब्रत साहु (कोन्फ्रैन्स चेयर) एनर्जी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंटः ओपोर्च्युनिटिज़, चैलेंजिस एंड स्ट्रेटेजिज फोर सस्टेनेबल ग्रोथ, नई दिल्लीः एक्सल इंडिया,* 2012, 337-40

बसन्त राकेश, *दी सेंटर फोर इनोवेशन, इनक्युबेशन एंड एटंरप्रिन्यरशिपः एन ऑनगोइंग एक्सपरिमेंट एट आईआईएमए, इन विजय शेरी चंदी एंड टी.वी. राव (संपा.) नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सैलन्स : इंडियन इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद, मैकमिलान पब्लिशर्स इंडिया,* 2011, 390-405

भमोरिया वैभव, गाँधी वसन्त पी. *वाटर मैनेजमेंट इन्स्टिट्युशन्स फोर एनहैन्सिंग वाटर एंड फूड सिक्योरिटी : डिजाइनिंग फोर बेटर एडेप्टिवनेस, इन इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट 2011,* नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2011, 134-150

ब्लोक कोरनेलिस; काइनुमा मिकिको; एवं शुक्ल पी.आर., *हाउ टू ब्रिज दी गैप - व्हॉट दी सिनेरियोस एंड स्टडिज़ से, ब्रिजिंग दी एमिशन्स गैप, युनाइटेड नेशन्स एनवायरनमेंट प्रोग्राम (यूएनईपी),* 2011, 28-39

दत्ता समर के., *एक्सप्लोरिंग इन्स्टिट्युशनल आल्टरनेटिव्स टू टैप फिशिंग पोटेंशियल ऑफ सरदार सरोवर रिज़र्वोयर, इन आर. पार्थसारथी एंड रवीन्द्र एच. धोलकिया (संपा.), सरदार सरोवर प्रोजेक्ट ऑन दी रिवर नर्मदा - इम्पैक्ट्स सो फार एंड वेज फारवर्ड, वोल्युम 3,* अहमदाबाद : सैप्ट युनिवर्सिटी प्रेस, 2011,819-68

दत्ता समर के.; निलकंठन राहुल एवं दत्ता सौरभ सी., *एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ दी कोन्ट्रेक्चुअल मिक्स बिट्विन कैश एंड काइंड वेजिस, इन आर.एस. देशपांडे एंड अदर्स (संपा.), डेवलपमेंट विन्डोज़ - एसेज इन ओनर ऑफ प्रोफेसर वी.एम. राव,* नई दिल्लीः प्रेन्टिस हॉल ऑफ़ इंडिया, 2011, 419-48

देवधर सतीश, *कोन्सेप्शन ऑफ दी कम्प्यूटराइज़्ड कोमन एड़िमशन टेस्ट, इन विजय शेरी चंद एंड टी.वी. राव (संपा.), नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सैलन्स : इंडियन इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद,* दिल्ली : मैकमिलान पब्लिशर्स इंडिया, 2011, 427-34

धोलकिया रवीन्द्र एच.,*फ़ोरवर्ड, इन समीर जोशी, वाहिद हजारी एडं निवेदिता भादरका (संपा.), चेन्जिंग इकोनोमिक एनवायरनमेंट एंड पर्फोरमैंस ऑफ दी नेशन्स - इंडिया एंड कनाडा,* नई दिल्ली : एक्सेल इंडिया पब्लिशर्स, 2012

धोलकिया रवीन्द्र एच., *रीजनल सोर्सिस ऑफ ग्रोथ एक्सेलरेशन इन इंडिया, इन पी. बालाकृष्णन (संपा.), इकोनोमिक रिफोर्म्स एंड ग्रोथ इन इंडिया, हैदराबाद : ओरिएंट ब्लेकस्वान,* 2011

धोलकिया रवीन्द्र एच., *अंडरस्टैंडिंग इंडियन इकोनोमिक ग्रोथ : सम ओब्ज़र्वेशन्स, इकोनोमिक रिफोर्म्स एडं ग्रोथ इन इंडिया, हैदराबादः ओरिएंट ब्लेकस्वान,* 2011

एर्नेस्तो नोरोन्हा एवं बियल डेविड, *इंडिया, नियोलिबरलिज़म एडं ट्रेड युनियन रिस्पोन्सिस - अनफिनिश्ड बिज़नेस एंड प्रोट्रेक्टेड स्ट्रगल्स, इन जी. गाल, आर. हर्ड एंड ए. विल्किन्सन (संपा.), इंटरनेशनल हैंडबुक ओन लेबर यूनियन्स : रिस्पोन्सिस टू नियो-लिबरलिज़म, चेल्टेन्हम : एड्वर्ड एलगर,* 2011, 167-86

प्रकाशन

फु वेन-जी; गाँधी वसन्त पी.; वांग जी-मिन; झेन जिन-ताओ, एवं झू झांग-यू, *राइज़िंग डिमांड फोर एनिमल प्रोडक्ट्स इन इंडिया एंड चायना : ए कम्पेरेटिव पर्स्पैक्टिव, इन के.बी. ओह, जे एक्स.क्यू. एंड झू एल.एल. (संपा.), चायना : इकोनोमिक प्रोस्परिटी एंड बिज़नेस ओपोर्च्युनिटिज़ इन दी न्यू डिकेड, प्रोसिडिंग्स ऑफ द ट्वेन्टीसेकन्ड एन्युअल कोन्फ्रैन्स ऑफ दी एसोसिएशन फोर चायनीज़ इकोनोमिक स्टडिज़ ऑफ ओस्ट्रेलिया, (ला थ्रोब युनिवर्सिटी, मेलबोर्न, ओस्ट्रेलिया) बीजिंग इन्फोरमेशन सायन्स एंड टैकनोलोजी युनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित, बीजिंग,* 2011,62-104

गाँधी वसन्त पी. एवं भमोरिया वैभव, *ग्राउंडवाटर इरिगेशन इन इंडिया : ग्रोथ, चेलेन्जिस एंड रिस्क्सइनइंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट 2011, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड फाइनैन्स कोर्पोरेशन (आईडीएफसी),* नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2011, 90-117

गाँधी वसन्त पी. एवं भमोरिया वैभव, *रेइनवाटर हार्वेस्टिंग फोर इरिगेशन इन इंडिया : पोटेन्शियल, एक्शन एंड पर्फोमेंस इन इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट 2011,* नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2011, 118-133

गाँधी वसन्त पी. एवं जैन दिनेश, *इन्स्टिट्युशनल इनोवेशन्स एंड मॉडल्स इन दी डेवलपमेंट ऑफ एग्रो-इंडस्ट्रिज़ इन इंडिया : स्ट्रेंथ, वीकनेस एंड लेशन्स, इन सी. ए. दा सिल्वा एंड मलंगा एन. (संपा.), इनोवेटिव पोलिटिक्स एंड इन्स्टिट्युशन्स इन सपोर्ट ऑफ एग्रो-इंडस्ट्रिज़ डेवलपमेंट, रोम : फ़ूड एंड एग्रिकल्चरल ओर्गेनाइजेशन ऑफ दी युनाइटेड नेशन्स (एफ़एओ),* 2012, 203-57

गाँधी वसन्त पी., *रिफोर्मिंग इन्स्टिट्युशन्स इन नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, इन सुरेश पाल (संपा.), एग्रिकल्चरल फोर इनक्लुसिव ग्रोथ,* नई दिल्ली : इंडियन एग्रिकल्चरल रिसर्च इन्स्टिट्युट, 2011,70-102

गर्ग अमित एंड नाग टी., *कन्वर्टिंग रेवन्यू सबसिडी इन टू कैपिटल सबसिडी, गाइडबुक टू इम्प्लिमेंट एग्रिकल्चर डिमांड साइड मैनेजमेंट, गुड़गाँव : यूएसएआईडी, इंडिया कोर पब्लिशिंग,* 2011, 118-39

गर्ग अमित; पाठक एस.; झाला एन.; एवं कंकल बी., *इम्पैक्ट्स ऑफ नर्मदा वाटर ओन एग्रिकल्चर इन गुजरात, इन रवीन्द्र एच. धोलकिया एंड पार्थसारथी (संपा.), एसएसपी ओन दी रिवर नर्मदा : इम्पैक्ट्स सो फार एंड वेयस फारवर्ड, अहमदाबाद : सैप्ट युनिवर्सिटी प्रेस,* 2011, 651-64

कौल आशा, *अर्धनारेश्वर - युनिसन ऑफ अल्टिमेट रियेलिटी इन आशा कौल एंड मंजरी सिंह (संपा.), न्यू पैराडिग्मस फोर जैंडर इन्कलुसिविटी : थियरी एंड बेस्ट प्रैक्टिसिस,* नई दिल्ली : प्रेन्टिस हॉल ऑफ इंडिया, 2012,14-33

खोकले प्रद्युम्न डबल्यू., *इमर्जन्स ऑफ इवेल्युएशन-बेस्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स, इन विजय शेरी चंद एंड टी.वी. राव (संपा.), नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सैलेंस : इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद,* नई दिल्ली : मैकमिलान, 2011

माथुर अजीत एन. एवं मट्टिला सारी, *कोर्पोरेट गवर्नेंसः ए चेयर विथ टू फ्यू लेग्स? इन शीतल झुनझुनुवाला (संपा.), कोर्पोरेट गवर्नेंस, भाग 2, नई दिल्लीः मैकमिलन,* 2011, 238-51

माथुर अजीत एन., *डेर टू थिंक दी अनथोट नोन? इन अजीत एन. माथुर (संपा.), डेर टू थिंक दी अनथोट नोन, टेम्पियरः आइवोइरुत,* 2011, 1-32

माथुर अजीत एन., *पैराडोक्सिस ऑफ ग्लोबलाइजेशन इन अजीत एन. माथुर (संपा.), डेर टू थिंक दी अनथोट नोन, टेम्पियरः आईवोइरुत,* 2011, 205-37

राम मोहन, टी.टी., *इंडियाज़ ओउन हार्वर्ड, इन इंडियन एक्स्प्रेस (संपा.), रिफोर्म्स 2020,* रुपा पब्लिकेशन्स, 2012

रामा राव टी.पी., *जर्नी एट आईआईएमए : एन इन्स्टिट्युशन बिल्डिंग पर्स्पैक्टिव, इन विजय शेरी चंद एंड टी.वी. राव (संपा.), नरचरिंग इन्स्टिट्युशनल एक्सैलेंस : इन्स्टिट्युट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद,* नई दिल्ली : मैकमिलान, 2011, 156-68

शर्मा मीनाक्षी, *दी एम्पायर ऑफ इंगलिश एंड इट्स लिगसी : ए सिटिज़नशिप ऑफ दी माइंड, इन सी. मैकग्लिन, ए. मिकोक एंड जे.डबल्यू. मैकओली (संपा.), ब्रिटिशनेस, आइडेन्टिटी एंड सिटिज़नशिप : दी व्यू फ्रोम एब्रोड, ऑक्सफोर्ड : पीटर लैंग,* 2011

सिंह मंजरी, *जैंडर इनक्लुसिविटी इन कोर्पोरेट इंडिया : ए बिज़नेस इम्पेरेटिव्स बेस्ड फ्रैमवर्क, इन आशा कौल एंड मंजरी सिंह (संपा.), न्यू पैरेडिग्मस फोर जैंडर इनक्लुसिविटी : थियरी एंड बेस्ट प्रैक्टिसिस,* नई दिल्ली : पीएचआई लर्निंग, 2012, 120-136

सिंह मंजरी, *रिविज़िटिंग कैपेबिलिटी एप्रोच टू रिव्यू जैंडर मेइनस्ट्रिमिंग इन वर्कलाइफ कोन्टेक्स्ट इन इंडिया, इन आशा कौल एंड मंजरी सिंह (संपा.), न्यू पैरेडिग्मस फोर जैंडर इनक्लुसिविटी : थियरी एंड बेस्ट प्रैक्टिसिस,* नई दिल्ली :प्रेन्टिस हॉल ऑफ़ इंडिया, 2012, 215-42

झू झांग-यू; होंग-बो लिव; एवं गाँधी वसन्त पी., *चेन्जिंग पैटर्न्स ऑफ फूड कन्जम्पशन इन इंडिया एंड चायना, इन पियरे जैक, राजेन्द्र के पचौरी एंड लोरेन्स तुबियाना (संपा.), ए प्लानेट फोर लाइफ 2012 : डेवलपमेंट, दी एनवायरनमेंट एंड फूड : टुवर्ड्स एग्रिकल्चरल चेंज? चैप्टर 5, एएफ़डी (फ्रैन्च डेवलपमेंट एजेन्सी), आर्मंड कॉलिन : पेरिस, 2012, 102-105*

प्रकाशन

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अभिषेक एवं सिन्हा पीयूष कुमार, *अफैक्ट ऑफ मूड ऑन दी रोल ऑफ हेप्टिक टच इन प्रोडक्ट इवेल्युएशन ड्युरिंग शोपिंग, यूरोपियन इन्स्टिट्युट ऑफ रिटेलिंग एंड सर्विस स्टडिज़, सान डियेगो,* जुलाई 15-18, 2011

अग्रवाल अनुराग के., *बिज़नेस डिस्प्यूट रिसोल्युशन थ्रू आर्बिट्रेशन : डीप रूट इन एन्शियन्ट इंडियन कल्चर, नेशनल सेमिनार ऑन इंडियन बिज़नेस थ्रू एजिस, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडिज़, युनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली,* नई दिल्ली, दिसम्बर, 12-13, 2012

अग्रवाल अनुराग के., *क्वेश्चन्स अराइज़िंग फ्रोम ओएनजीसी वर्सस सुमितोमो, इंटरनेशनल कोन्फ्रैन्स ऑन एनर्जी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्कूल ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम युनिवर्सिटी,* गाँधीनगर, जनवरी 3-4, 2012

आनंद टी., *एक्स्प्लोरिंग हेल्प सीकिंग एट वर्कप्लेस : ए क्रोस कल्चरल स्टडी, आईआईएमए डॉक्टरेट कोलोक्वियम,* अहमदाबाद, 2012

आनंद टी., *अंडरस्टैंडिंग इंटरपर्सनल हेल्प सीकिंग इन ओर्गेनाइजेशन्स : ए स्टडी इन द सॉफ्टवेयर कोन्टेक्ष्ट*, भारतीय प्रबंधन अकादमी सम्मेलन, बैंगलुरू, 2011

आनंद टी., भटनागर दीप्ति, शारदा कीर्ति, एवं वोहरा निहारिका, *इंटरपर्सनल हेल्प सिकिंग इन सोफ्टवेयर इंडस्ट्री : ए क्रोस-कल्चरल स्टडी,* अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन एवं व्यवसाय अकादमी का सम्मेलन, सान फ्रैन्सिस्को, यूएसए, नवम्बर 7-9, 2011

बसन्त राकेश, *एक्सेस टू हायर एज्युकेशन इन इंडिया : एन एक्स्प्लोरेशन ऑफ इट्स एंटिसिडंट्स, ट्वेन्टीफर्स्ट एन्युअल कोन्फ्रेन्स ऑन कन्टेम्परारी इस्यूज़ इन डेवलपमेंट इकोनोमिक्स,* जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, दिसम्बर 20-21, 2011

बसन्त राकेश, *इंडिया : सम इस्युस इन हायर एज्युकेशन, बीआरआईसीएस पार्टनरशिप फोर स्टेबिलिटी, सिक्योरिटी एंड ग्रोथ, ओब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन,* नई दिल्ली, मार्च 5-6, 2012

बसन्त राकेश, *इनोवेशन पोलिसी इन इंडिया : ओनगोइंग एक्सपरिमेंट्स एंड इमर्जिंग चेलेन्जिज, इंटरेस्ट्स, इन्स्टिट्युशन एंड पोलिसिज़ इन मोशन : अंडरस्टैंडिंग इंडियाज़ ग्रोथ स्टोरी,* एपीएसए बैठक 2011, सियेटल, यूएसए, सितम्बर 1-4, 2011

बसन्त राकेश, *पैरेन्टल एज्युकेशन एज़ ए क्राइटेरियन फोर एफ़रमेटिव एक्शन ऑन हायर एज्युकेशन, सेमिनार ऑन हायर एज्युकेशन : न्यू ट्रेंड्स एंड चेलेन्जिस* नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली, जुलाई 28-29, 2011

डी'क्रूज़, प्रेमिला एवं रैनर, चारलोत्त, *सोसियो-कल्चरल इनफ्लुएन्सिस ऑन वर्कप्लेस बुलिइंग : ए क्वोन्टिटेटिव स्टडी फ्रोम इन्डिया*, ईए डबल्यूओपी सम्मेलन, मास्ट्रीच नीदीरलैंड्स, मई 25-28, 2011

डी'क्रूज़ प्रेमिला, *क्रियेटिविटी एंड इनोवेशन इन मैनेजमेंट एज्युकेशन : जनरल एंड स्पेसिफिक फोकी,*आईआईएमए पूर्वछात्र स्वर्ण जयंती सम्मेलन, चेन्नई, अक्टूबर 29, 2011

डी'सूज़ा एर्रोल, *रिसर्च इन दी सोसियल सायन्सिस : व्हेर आर वी?, नेशनल कोन्फ्रैन्स ऑफ रिसर्च सुपरवाइज़र्स ऑन एन्हेन्समेंट ऑफ क्वालिटी रिसर्च इन सोसियल सायन्स,* ज्ञान प्रसारक मंडल कॉलेज, गोवा, अक्टूबर 3-4, 2011

डी'सूज़ा एर्रोल, *दी लेबर मार्केट एंड स्किल्स, कीनोट स्पीकर फोर दी ओर्गेनाइजेशन, वर्क एंड इनोवेशन सेशन्स ऑफ दी प्लेटिनम जुबिली कोन्फ्रैन्स ऑन ग्लोबलाइजेशन एंड सोसियल ट्रान्सफोर्मेशन : दी इंडियन एक्सिपरियन्स,* टाटा समाजविज्ञान संस्थान, मुम्बई, फरवरी 17, 2012

दास रजनीश एवं जैन रेखा, *एन एनेलिसिस ऑन दी फैक्टर्स कोज़िंग टेलिकोम चर्न : फर्स्ट फाइंडिंग्स,* एएमसीआईएस की कार्यविधि, डेट्रोइट, 2011

दास रजनीश, एवं पाल एस., *एक्स्प्लोरिंग दी फेक्टर्स एफेक्टिंग दी एडोप्शन ऑफ मोबाइल फाइनैंसियल सर्विसिज़ अमोंग दी रुरल अंडर-बैंक्ड,* ईसीआईएस की कार्यविधि, हेलसिंकी, 2011

दास रजनीश, *चेलेन्जिज एंड ओपोर्चुनिटिज़ इन प्लानिंग एंड इम्प्लिमेंटेशन ऑफ आईसीटी फोर दी बोटम ऑफ दी पिरामिड : एन एक्सिपरियन्स शेरिंग फ्रोम इंडिया,* सिस्टम सेवाओं संबंधी 45वाँ आईईईई हवाई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, बिग आइलैंड, हवाई, जनवरी 4-8, 2012

दास रजनीश; पाल एस.; एवं राजरंजनएम., *सिक्योरिटी फ्रैमवर्क फोर एड्रेसिंग दी इस्यूज ऑफ ट्रस्ट ऑन मोबाइल फाइनैंसियल सर्विसिज़,* अगली पीढ़ी के लिए वेब सेवा आचरण संबंधी 7वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, (एनडबल्यूईएसपी 2011), सालामांका, स्पेन, अक्टूबर 19-21, 2011

दत्ता समर के. एवं चक्रवर्ती मिलिन्दो, *डिस्टिंक्टिव फीचर्स ऑफ एमएफआई बोरोअर्स फ्रोम वेस्ट बंगाल - एक्सिपरियन्स ऑफ बँधन,* पश्चिमी अर्थशास्त्र एसोसियेशन का 86वाँ अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, सान डियेगो, जून 29-जुलाई 3, 2011

प्रकाशन

दत्ता समर के. एवं पाल देबदत्ता, *इंटरलिंक्ड क्रैडिट ट्रान्ज़ेक्शन : एम्पिरिकल एनेलिसिस फ्रोम रुरल इंडिया,* पश्चिमी अर्थशास्त्र एसोसियेशन का 86वाँ अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, सान डियेगो, जून 29-जुलाई 3, 2011.

दत्ता, समर के.; चक्रवर्ती मिलिन्दो; निलकंठन राहुल; एवं दत्ता सौरभ, *हाउ डज़ दी ट्रांज़ेक्शन सेक्टर मूव इन रिलेशन टू दी ट्रान्स्फोरमेशन सेक्टर ड्युरिंग ए डेवलपमेंट प्रोसेस? इनसाइट्स फ्रोम इंडियास पोस्ट-इंडिपेंडन्स एक्सिपरियन्स,* प्रोफेसर जेफरी बी. न्युजन्त के सम्मान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दक्षिणी कैलिफोर्निया युनिवर्सिटी, लोस एंजलेस, अप्रैल 13, 2011

दत्ता समर के.; निलकंठन राहुल; एवं दत्ता सौरभ, *डज़ माइक्रोफाइनेंस एम्पोवर वूमेन बोरोअर? एविडेंस फ्रोम ईस्टर्न इंडिया,* पश्चिमी अर्थशास्त्र एसोसियेशन का 86वाँ अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, सान डियेगो, जून 29-जुलाई 3, 2011

धोलकिया अर्चना एवं धोलकिया रवीन्द्र एच., *पोलिसी रिफोर्म्स एंड इकोनोमिक डेवलपमेंट इन गुजरात, रोल ऑफ गवर्नमेंट पोलिसिज़ एंड ग्रोथ एंड डेवलपमेंट,* राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली, अक्टूबर 1, 2011

धोलकिया रवीन्द्र एच., एवं चौधरी नंदा के., *यूज़ ऑफ जनरलाइज़्ड इनवर्स टू रीजनलाइज़ दी नेशनल आई-ओ टेबल - ए सजेस्टेड नोन-सर्वे मेथड,* 16वाँ अंतरराष्ट्रीय आईओआरए- भारत सम्मेलन, गोखले नीति एवं अर्थशास्त्र संस्थान, पूणे, मार्च 6-8, 2012

दत्ता गौतम एवं घोष प्रियंको, *एन एक्स्प्लोरेटरी स्टडी ऑफ रेवन्यू मैनेजमेंट सिस्टम (आरएमएस) फोर ए रेलवे इन साउथ इस्ट एशिया,* आईएनएफओआरएमएस 2011, चार्लोत्त, नवम्बर 14, 2011

दत्ता गौतम एवं घोष प्रियंको, *पैसेंजर रेवन्यू मैनेजमेंट सिस्टम फोर नेशनल रेलवेज फोर एन इमर्जिंग एशियन इकोनोमी,* ओआरएसएन (ऑपरेशनल रिसर्च सोसायटी ऑफ नेपाल- नेपाली संचालकीय अनुसंधान मंडली), काठमंडु, फरवरी 1, 2012

गाँधी शैलेष; एवं बुलसारा हेमन्तकुमार पी; एवं ढींगरा वैशाली, *कैपिटल फ्लोस एंड रिफोर्म्स विथ स्पेशियल रेफ्रन्स टू इंडिया,* वैश्विक परिदृश्य में वित्तीय रणनीतियों के बारे में राष्ट्रीय सम्मेलन,सिबाका डायमेन्शन्स 2012, मार्च 2012

गाँधी शैलेष; एवं बुलसारा हेमन्तकुमार पी.; एवं पटेल पूजा, *इंडियन फायनेन्सियल मार्केट्स एंड इट्स ग्लोबल पर्स्पेक्टिव्स,* वैश्विक परिदृश्य में वित्तीय रणनीतियों के बारे में राष्ट्रीय सम्मेलन, सिबाका डायमेन्शन्स 2012, मार्च 2012

गाँधी, वसंत पी. एवं क्रेस, लिन*डिटरमिनंट्स ऑफ इन्स्टिट्युशनल पर्फोरमेंस इन मैनेजमेंट : ए स्टडी ऑफ दी नेचर एंड पर्फोरमेंस ऑफ वॉटरशेड डेवलपमेंट इन्स्टिट्युशन इन आन्ध्र प्रदेश, इंडिया,* ऑस्ट्रेलियाई कृषि एवं संसाधन आर्थिक सोसायटी (एएआरईएस) का 56वाँ वार्षिक सम्मेलन, फ्रेमेन्टल (पर्थ),फरवरी 7-10, 2012

गाँधी, वसंत पी., *आईसीटी बेस्ड नालेज एंड इनफोरमेशन सिस्टम फोर ब्रान्ड-वेरायटी सलेक्शन बाय फार्मर्स : स्टडी एंड डिजाइन यूज़िंग को-कटिंग सर्वे सिस्टम इन कोटन,* भारतीय कृषि अर्थशास्त्र सोसायटी (आईएसएई) का 71वाँ वार्षिक सम्मेलन, धारवाड़, कर्नाटक, नवम्बर 3-5, 2011

गाँधी, वसंत पी., *इम्प्रूविंग इन्स्टिट्युशन्स इन नैचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट : ए स्टडी ऑफ वॉटर एंड वॉटरशेड मैनेजमेंट इन्स्टिट्युशन्स इन इंडिया,* 86वाँ पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संघ (डबल्यूईएआई), सान डियेगो, यूएसए, जून 29-जुलाई 3, 2011

घोष दीप्तेश, *डायवर्सिफ़ाइड़ लोकल सर्च,* ओआर-2011, ईटीएच झुरिक, स्विट्ज़रलैंड, 1 सितम्बर, 2011

घोष दीप्तेश, *ओन द ब्लोआउट प्रिवेन्शन प्रोब्लेम,* संचालन प्रबंधन सोसायटी का एसओएम 50वाँ वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम कोलकाता, भारत, 16 दिसम्बर, 2011

गुप्ता अनिल के., *एम्पेथेटिक इनोवेशन्स फोर सस्टेनेबल कम्युनिटीज़ : ह्यिरिस्टिक्स फोर एक्स्ट्रिमली एफोर्डेबल इनोवेशन्स, वेस्ट मीट्स इस्ट-व्होट वी केन लर्न एबाउट इनोवेटिंग इन ट्वेन्टीफर्स्ट सेन्चुरी,एकेडमी ऑफ मेनेजमेंट मीटिंग*, सान एंटोनियो, यूएसए, अगस्त 14-16, 2011

गुप्ता अनिल के., *इनक्लुसिव इनोवेशन्स फोर हार्नेसिंग डेवलपमेंट पोटेंशियल एट ग्रासरूट्स,* ज्ञान अर्थव्यवस्था पर ओईसीडी वैश्विक फोरम, पेरिस, सितम्बर 12-13, 2011

गुप्ता अनिल के., *इनक्लुसिव इनोवेशन्स फोर पोवर्टी एलिवियेशन : क्रियेटिव आइडियाज़ ऑफ दी पुअर, फोर दी पुअर,* नवाचार एवं विकास के बारे में वार्षिक एसडीसी कोन्फ्रेन्स, बर्न, स्विट्ज़र्लैंड, अगस्त 19, 2011

गुप्ता अनिल के., *इंडिकेटर्स फोर दी एसेसमेंट ऑफ दी लोकल एंड इंडिजिनस इनोवेशन्स, राउंडटेबल मिटिंग ऑन सायन्स टेकनोलोजी एंड इनोवेशन ग्लोबल एसेसमेंट प्रोग्राम,*पेरिस, फ्रान्स, जुलाई 4-5, 2011

गुप्ता परविन्दर, *दी शेड्स ऑफ सक्सेस,* अंतरराष्ट्रीय प्रबंध एवं व्यवसाय अकादमी (आईएएमबी) सम्मेलन, सान फ्रैन्सिस्को, यूएसए, नवम्बर 7-9, 2011

प्रकाशन

जैन दिनेश एवं गाँधी, वसंत पी, *इन्स्टिट्यूशनल परफोर्मेन्स इन नेचरल रिसोर्स मैनेजमेंट : ए स्टडी ऑफ इन्स्टिट्यूशनल इंटरेक्शन इन दी इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ वॉटरशेड डेवलपमेंट इन आन्ध्र प्रदेश, इंडिया,* ऑस्ट्रेलियाई कृषि एवं संसाधन आर्थिक सोसायटी (एएआरईएस) का 56वाँ वार्षिक सम्मेलन, फ्रेमेन्टल (पर्थ), पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, फरवरी 7-10, 2012

जैन दिनेश, *इन्स्टिट्यूशनल पर्फोर्मैन्स इन नेचुरल रिसोर्सिस मेनेजमेंट : ए स्टडी ओफ़ इन्स्टिट्यूशनल इंटरएक्शन इन दी इम्प्लिमेन्टेशन ओफ़ वॉटरशेड डेवलपमेंट इन आन्ध्र प्रदेश, इंडिया,* ओस्ट्रेलियाई कृषि व संसाधन अर्थशास्त्र सोसायटी का छप्पनवाँ वार्षिक सम्मेलन, फ्रेमेन्टल, 7-10 फरवरी, 2012

जैन रेखा एवं दास रजनीश, *रिसर्च एंड पोलिसी एजेंडा फोर टेकनोलोजी इन ब्रोडबैंड,* एशिया-पैसिफिक प्रादेशिक सम्मेलन, ताइपेई, ताइवान, मई 29-जून 1, 2011

जैन रेखा एवं रघुराम जी., *लेशन्स ऑफ टेलिकोम सेक्टर रिफोर्म्स फोर अदर इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स,* प्रादेशिक अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सोसायटी, भारत सम्मेलन 2012, नई दिल्ली, फरवरी 22-24, 2012

जैन रेखा, *बिजनेस मॉडल इनोवेशन्स एंड आईटीसी बेस्ड नेशनल फाइनेंसियल इनक्लुशन्स प्रोग्राम्स : एन इंडियन केस स्टडी,* 22वाँ यूरोपीय प्रादेशिक आईटीएस सम्मेलन, बुडापेस्ट, सितम्बर 18-21, 2011

जैन रेखा, *कम्पेरिज़न ऑफ प्राइवेटाइज़ेशन प्रोसेस ऑफ टेलिकोम सर्विसिज़ इन इंडिया एंड ब्रजील,* प्रादेशिक अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सोसायटी, भारत सम्मेलन 2012, नई दिल्ली, फरवरी 22-24, 2012

जोसफ जेरोम एवं जगन्नाथ श्रीनाथ, *टुवर्ड्स इंडस्ट्रियल रिलेशन्स एज़ नेगोशियेटेड कनेक्टेडनेसः आर्टिक्युलेटिंग इनसिक्योरिटी एज़ ए सेंट्रल थिसीस ऑफ दी कोन्टेम्पररी कंडिशन ऑफ वर्कर्स,*मानव संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रबंधन विकास अनुसंधान फाउंडेशन, भारतीय सामाजिक संस्थान, नई दिल्ली, अप्रैल 3, 2011

कंडाठिल ज्योर्ज और न्यूअल एस., *ट्रान्सलेटिंग ईएस-एम्बेडेड इन्स्टिट्यूशनल लोजिक्स थ्रु टैकनोलोजिकल फ्रेमिंग : एन इंडियन बेज़्ड एक्ज़ाम्पल,* ईसीआईएस कार्यविधि, दिसम्बर, 2011

कंडाथिल जॉर्ज, न्यूअल एस. एवं वैगनर ई., *को-मिंगलिंग कोन्ट्रेस्टिंग इन्स्टिट्यूशनल लोजिक्स : एक्स्प्लोरिंग दी डायलेक्टिक्स ऑफ इन्स्टिट्यूशनल चेन्ज थ्रु एन इंडियन-बेस्ड ईआरपी इम्प्लिमेंटेशन,* मैनेजमेंट एकेडमी की 71वीं वार्षिक बैठक, सान एंटोनियो, टेक्सास, यूएसए, अगस्त 12-16, 2011

कंडाथिल जॉर्ज, न्युअल एस., एवं वैगनर ई., *को-मिंगलिंग कोन्ट्रेस्टिंग इन्स्टिट्यूशनल लोजिक्स : एक्स्प्लोरिंग दी मैक्रो-माइक्रो इंटरप्ले ड्युरिंग एन इंडियन-बेस्ड ईएस इम्प्लिमेंटेशन,* युरोपीय संगठन अध्ययन समूह (ईजीओएस) का 27वाँ वार्तालाप, गोथनबर्ग, स्वीडन, जुलाई 6-9, 2011

कंडाथिल जॉर्ज, न्युअल एस. एवं वैगनर ई.,*ट्रान्सलेटिंग ईएस-एनेबल्ड इन्स्टिट्यूशनल लोजिक्स थ्रु टेकनोलोजिकल फ्रैमिंग : एन इंडियन बेस्ड केस एक्जाम्पल,* सूचना प्रणाली के बारे में 19वाँ यूरोपीय सम्मेलन, हेलसिंकी, फिनलैंड, जून 9, 2011

कौल आशा एवं देसाई ए., *कम्युनिकेटिंग रेपुटेशन : ए रिफ्लेक्शन ऑफ टेन्जिबल एंड इनटेंजिबल फैक्टर्स,* व्यवसाय संचार संघ का 11वाँ एशिया पैसिफिक सम्मेलन, कोरिया, मार्च 30, 2012

खांडेकर वर्षा एवं गाँधी वसन्त पी., *इंट्रोडक्शन ऑफ न्यू टेकनोलोजीज़ इन ऐग्रिकल्चर : ए स्टडी ऑफ द चेलेन्जिस इन दी एडोप्शन ऑफ हाइब्रिड राइस इन इंडिया,* ऑस्ट्रेलियाई कृषि एवं संसाधन आर्थिक सोसायटी (एएआरईएस) का 56वाँ वार्षिक सम्मेलन, फ्रेमेन्टल (पर्थ), पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, फरवरी 7-10, 2012

कोठारी ब्रिज एवं बनर्जी तथागत, *सेम लेंग्वेज सबटाइटलिंग : इट्स इम्पैक्ट ऑन लिटरेसी, नेशनल सेमिनार ऑन इकोनोमिक्स एंड डेवलपमेंट स्टेटिटिक्स,* सांख्यिकी विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, फरवरी 9-10, 2012

लाहा ए.के., *क्वान्टिटेटिव एक्स्प्लोरेशन्स ऑफ दी इंडियन स्टॉक मार्केट,* भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसियेशन का 99वाँ सम्मेलन, भुवनेश्वर, जनवरी 4, 2012

मार्कस जे. स्कॉट एवं जैन रेखा,*फ़ास्ट ब्राडबैंड डेवलपमेंट इन इंडिया : व्हाट रोल फोर केबल टेलिविज़न?* प्रादेशिक अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सोसायटी, भारत सम्मेलन 2012, नई दिल्ली, फरवरी 22-24, 2012

माथुर अजीत एन. एवं मट्टिला सारी, *मिसिंग वेल्यू एसम्पशन इन मिसिंग मार्केट्स, ईबीईएन-2011, युनिवर्सिटी ऑफ एंटवर्प, बेल्जियम,* सितम्बर 14-17, 2011

माथुर अजीत एन. एवं मट्टिला सारी, *नेचर ऑफ नरचर : हाउ अंडरस्टेंडिंग प्रोसेसिस अफैक्ट्स बिज़नेस एथिक्स, ईबीईएन-2011, युनिवर्सिटी ऑफ एंटवर्प, बेल्जियम,* सितम्बर 14-17, 2011

प्रकाशन

माथुर अजीत एन., एवं मट्टिला सारी, *दी एमेज़िंग, बिजार एंड कोनवोल्युटेड, डायलोगस डेस सुर्दी इन फिनलैंड-इंडिया कन्वर्सेशन्स, फिनलैंड-इंडिया वर्कयुप एट दी एन्थ्रोपोलोजी कोन्फ्रैन्स, युनिवर्सिटी ऑफ हेलसिंकी,* अक्टूबर 7, 2011

माथुर अजीत एन., *क्रोसिंग स्वोर्ड्स ओर शेकिंग हैंड्स : दी डायलेमा ऑफ दी इंटरनेशनल कोलेबरेटर, एन्थ्रोपोलोजी कोन्फ्रैन्स, युनिवर्सिटी ऑफ हेलसिंकी,* अक्टूबर 6, 2011

माथुर अजीत एन., *दी शेडो ऑफ दी इनकन्सिस्टंट क्वार्टेट ऑफ प्रायवेसी, सिक्रेसी, सिक्योरिटी एंड हारमनी फोर कन्वर्जेन्स इन ग्लोबल माइंड-सेट्स इन डिजाइनिंग क्रोस-बोर्डर कोन्स्टेलेशन्स, एन्थ्रोपोलोजी कोन्फ्रैन्स, युनिवर्सिटी ऑफ हेलसिंकी,* अक्टूबर 6, 2011

माथुर नवदीप, *बियोंड दी एक्टिविस्ट-एनालिस्ट डिकोटोमी : पोलिसी फैसिलिटेटर्स इन अर्बन रिन्युअल इन अहमदाबाद, इंडिया,* कार्डिफ़ युनिवर्सिटी में व्याख्यात्मक नीति विश्लेषण के बारे में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, यू.के., जून 23-25, 2011

माथुर नवदीप, *सिटिज़न्स एज़ स्कोलर्स, पोलिटिशियन्स एंड पब्लिक मैनेजर्स : रिथिंकिंग दी डिजाइन ऑफ स्कोलरशिप-प्रैक्टिस स्पेसेज इन ए डायनेमिक पोलिसी-मेकिंग एनवायरनमेंट,* ईएसआरसी प्रायोजित तीसरी पार्टी के प्रशासन संबंधी दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ईएसआरसी-दी मोंतफोर्द युनिवर्सिटी, मार्च 12-13, 2012

माथुर नवदीप, *सिटिज़न्स कोन्टेस्टिंग एक्स्क्लुज़न इन अर्बन गवर्नेंस इन अहमदाबाद, इंडिया,* ईएसआरसी प्रायोजित तीसरी पार्टी का प्रशासन संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ईएसआरसी-बर्मिंघम युनिवर्सिटी, जून 9-10, 2011

मिश्रा स्मिता; मोनिपल्ली एम.एम.; एवंजयकर कृष्ण, *सेल्फ प्रेज़न्टेशन इन ऑनलाइन एनवायरनमेंट्स : ए स्टडी ऑफ इंडियन मुस्लिम मैट्रिमोनियल प्रोफाइल्स,* पत्रकारिता एवं जन संचार में शिक्षा के लिए संघ का वार्षिक सम्मेलन,सेन्ट लुई, अगस्त 10-13, 2011

नासवा पी., *इंडियन ओशियन ट्रोपिकल सायक्लोन्स एंड क्लाइमेट चेन्ज,* दूसरा डबल्यूएमओ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली, 14-17 फरवरी, 2012.

नियोगी प्रबीर एवं जैन रेखा, *नेशनल ब्राडबैंड स्ट्रेटेजिस : ए कम्पिटिटीव रिव्यू एंड पोसिबल लेशन्स फोर डेवलपिंग कंट्रीज़,* प्रादेशिक अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सोसायटी, भारत सम्मेलन 2012, नई दिल्ली, फरवरी 22-24, 2012

नोरोन्हा एर्नेस्टो, एवं डी'क्रूज़ प्रेमिला, *रहेटोरिक इन इंडियन कॉल सेंटर्स : दी रोल ऑफ हाई कमिटमेंट मैनेजमेंट प्रैक्टिसिज,* 26वाँ एआईआरएएनज़ेड सम्मेलन, गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया, फरवरी 8-10, 2011

नोरोन्हा एर्नेस्तो, एवं डी'क्रूज़, प्रेमिला *दी डायलेक्टिक्स ऑफ प्रोफेशनलिज़म : लॉयर्स इन इंडियाज़ लिगल प्रोसेस आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री, उनतीसवीं आईएलपीसी कोन्फ्रेन्स, लीड्स,* अप्रैल 5-7, 2011

पंड्या मनीष एवं धोलकिया रवीन्द्र एच., *एस्टिमेटिंग अर्बन एंड रुरल इनकम्स इन इंडिया इन 2010-11,* आईएआरएनआईडबल्यू वार्षिक सम्मेलन, अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, पुडुचेरी, मार्च 15-16, 2012

पंगोत्रा प्रेम, *इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लो कार्बन ट्रान्सपोर्ट : केस स्टडी ऑफ देल्ही-मुम्बई फ्राइट कोरिडोर,* भारत में कम कार्बनयुक्त परिवहन को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय रणनीति पर कार्यशाला, नई दिल्ली, अक्टूबर 18, 2011

पंगोत्रा प्रेम, *मैक्रो कन्सिडरेशन फोर अर्बन लो-कार्बन मोबिलिटी प्लान्स,* भारतीय शहरों में विकासशील कम कार्बन वाहन योजना के बारे में कार्यशाला, नई दिल्ली, अक्टूबर 19-20, 2011

पारिख, मार्गी एवं रघुराम जी., *सिमल्टेनियस पर्स्यूट ऑफ एफिसियन्सी एंड इनोवेशन : एक्प्लोरिंग एम्बिडिक्सटेरिटी इन ओर्गेनाइजेशन डिजाइन इन दी पब्लिक अर्बन ट्रान्सपोर्ट,* यूएमआई अनुसंधान विचार - गोष्ठी, आईआईटी दिल्ली, दिसम्बर 3, 2011

रघुराम जी., एवं गंगवार रचना, *लेशन्स फ्रोम पीपीपी'ज ऑफ इंडियन रेलवे एंड वे फारवर्ड,* भारतीय परिवहन अनुसंधान समूह (सीटीआरजी) के बारे में सम्मेलन, बैंगलुरू, दिसम्बर 9, 2011

रामकृष्णन टी.एस. एवं रघुराम जी., *इवोल्युशन ऑफ मॉडल कन्सेशन एग्रिमेंट फोर नेशनल हाइवे इन इंडिया,* भारतीय परिवहन अनुसंधान समूह (सीटीआरजी) के बारे में सम्मेलन, बैंगलुरू, दिसम्बर 9, 2011

रॉय चौधरी, शौनक एवं मणिकुट्टी एस., *लेशन्स फोर बोटम ऑफ दी पिरामिड वेन्चरिंग, एन्युअल मीटिंग ऑफ दी स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसायटी, सान डियेगो,* जून 10-12, 2011

रॉय के., *डेवलपमेंट ओफ़ डायनेमिक कैपेबिलिटीज़ फोर इंटरनेशनल जोइंट वेन्चर्स : एन इन्वेस्टिगेशन विधिन द कोन्टेक्ष्ट ओफ़ एन इमर्जिंग इकोनोमी,* 27वीं ईजीओएस वार्ता, गोठेनबर्ग, 2011

प्रकाशन

रॉय के., *डायनेमिक कैपेबिलिटी एज़ एपिस्टेमोलोजी ओफ़ एन ओर्गेनाइझेशन, प्री-कोलोक्वियम पेपर डेवलपमेंट वर्कशोप, (स्ट्रेटेजी एज़ प्रैक्टिस),* 27वीं ईजीओएस वार्ता, गोठेनबर्ग, 2011

रॉय के., *थियोराइज़िंग स्ट्रेटेजी : सम कन्स्ट्रक्टिविस्ट कन्टेम्प्लेशन्स ओन केस मेथड बेस्ड स्ट्रेटेजी रिसर्च,* प्रबंधन अकादमी की वार्षिक बैठक, सान एन्टोनियो, टैक्सास, 2011

सहाय अरविंद एवं शर्मा निवेदिता, *बिल्डिंग कोर्पोरेट रेपुटेशन : दी केस ऑफ एडलवाइस,* वैश्विक विपणन गतिशीलता सम्मेलन, जयपुर, जुलाई 25-26, 2011

सेल्वराज पी., एवं जोसफ जेरोम, *ए स्टडी ऑफ एक्ज़िक्युटिव पर्सेप्शन्स ऑफ कोम्पनसेशन गवर्नेंस, एक्जिक्युटिव कोम्पनसेशन : गवर्नेंस, डिस्पर्शन एंड फर्म पर्फोरमेंस,* मैनेजमेंट एकेडमी, ग्रांड हयात, सान एंटोनियो, टेक्सास, यूएसए, अगस्त 15, 2011

सेठिया दीपक एवं धोलकिया रवीन्द्र एच., *इस्यूज़ इन प्रिपेरिंग बेक सिरीज ऑफ स्टेट इनकम विथ बेस इयर 2004-05 : चेलेन्जिज फोर स्टेट ब्यूरोज़,* आईएआरएनआईडबल्यू वार्षिक सम्मेलन, अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, पुडुचेरी, मार्च 15-16, 2012

शर्मा धीरज, *इफैक्ट्स ऑफ नेशनल कल्चर ऑन दी डील प्रोनेस, क्रोस कल्चरल रिसर्च सिम्पोज़ियम, बिज़नेस एज़ यूज़ुअल?* विदेशों में व्यवसाय के आयोजन के बारे में एक बहु - सांस्कृतिक दृष्टिकोण, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, नवम्बर 10-12, 2011

शर्मा गरिमा, जायसवाल आनंद कुमार, एवं सिंह जगदीप, *पैरेडोक्सिकल टेन्शन्स एंड युनिक ओपोर्च्युनिटिज़ ऑफ हाइब्रिड बिज़नेस मॉडल्स : ए फ्रैमवर्क एंड एन इलस्ट्रेटिव केस स्टडी,* मैनेजमेंट एकेडमी, सान एंटोनियो, अगस्त 12-16, 2011

शर्मा राजीव एवं दीक्षित एम.आर., *डज़ इट कट बोथ वेज? इन्वेस्टिगेटिंग दी रिलेशनशिप ऑफ 'प्रोजेक्ट बेस्ड' टीचिंग एंड लर्निंग टू क्रियेटिविटी ऑफ चिल्ड्रन एंड टीचर्स, क्रियेटिव एंगेजमेंट्स, थिंकिंग विथ चिल्ड्रन,* ऑक्सफोर्ड, जुलाई 3-6, 2011

शर्मा राजीव, *रीचिंग दी अनरीच्ड : रिडिफाइनिंग बाउंड्रीज ऑफ स्कूल,* सामाजिक न्याय एवं मानव विकास, इलाहाबाद, दिसम्बर 18-20, 2011

शर्मा विजय पॉल, *कोमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट्स एंड इंडियन एग्रिकल्चर,* कोमोडिटी मार्केट्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, एससीएमएचआरडी, एमसीएक्स और वायदा बाजार आयोग, मुम्बई,फरवरी 18, 2012

शर्मा विजय पॉल, *इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इंडियन एग्रिबिजनेस सेक्टर, नेशनल कोन्फ्रेन्स ओन एग्रिबिजनेस एंड फूड इंडस्ट्री : ओपोर्च्युनिटिस एंड चेलेंजिस,* एमआईटी, पूणे, नवम्बर 10, 2011

शर्मा विजय पॉल, *फर्टिलाइज़र प्राइसिंग एंड सबसिडी पोलिसी इन इंडिया : पर्सपैक्टिव्स एंड इस्यूज,* 2011 एफएमबी उर्वरक सम्मेलन एवं प्रदर्शिनी, कान, फ्रान्स, अक्टूबर 19-21, 2011

शर्मा विजय पॉल, *इंडिया डेयरी सेक्टर इन रिलेशन टू इमर्जिंग इंटरनेशनल ट्रेड, 40वीं डेयरी इंडस्ट्री कोन्फ्रेन्स,* भारतीय डेयरी एसोसियेशन, नई दिल्ली, फरवरी 2-5, 2012

शर्मा विजय पॉल, *इंडियाज़ एग्रिकल्चरल डेवलपमेंट अंडर दी न्यू इकोनोमिक रेजिम : पेलिसी पर्स्पैक्टिव एंड स्ट्रेटेजी फोर दी ट्वेल्थ फाइव इयर प्लान, कीनोट एड्रेस एट दी सेवेन्टीफर्स्ट एन्युअल कोन्फ्रेन्स ऑफ दी इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रिकल्चरल इकोनोमिक्स,* कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, नवम्बर 3-5, 2011.

शर्मा विजय पॉल, *इंडिया-ई.यू. फ्री ट्रेड एग्रिमेंट : लाइकली इम्प्लिकेशन्स फोर दी इंडियन डेयरी सेक्टर, इनवाइटेड पेपर एट दी एक्स्पर्ट कन्सल्टेशन ऑन ह्युमन राइट्स इम्पैक्ट एसेसमेंट (एचआईआरए) ऑन दी ईयू-इंडिया एफ़टीए विद फोकस ऑन दी राइट टू फूड,* आन्थ, हेनरिक बोल फाउंडेशन, एमआईएसईआरईओआर, और तृतीय विश्व नेटवर्क द्वारा आयोजित, नई दिल्ली, अप्रैल 11-12, 2011

शर्मा विजय पॉल, *रिथिंकिंग एग्रिकल्चरल इनपुट सबसिडी प्रोग्राम्स इन इंडिया : चेलेंजिज एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स, इंटरनेशनल कोन्फ्रेन्स ऑन ट्रान्स्फोर्मेशनल चेन्जेज इन इंडियन एग्रिकल्चर : दी नेक्स्ट डिकेड,* एनएसएफआई, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित, नई दिल्ली, अक्टूबर 14-16, 2011

सिंह मंजरी, *रिसोर्स-बेस्ड, व्यू ऑफ जैंडर इन्कलुसिविटी इन कोरपोरेट इंडिया,10वीं इंटरनेशनल एकेडेमी ऑफ मैनेजमेंट एंड बिज़नेस कोन्फ्रेन्स,* इस्तंबुल, तुर्की, जून 20-22, 2011

सिंह सुखपाल, *कोन्ट्रैक्ट फार्मिंग एंड फूड रिटेल चेन्स फोर एग्रिकल्चरल डेवलपमेंट इन इंडिया : ए स्मोलहोल्डर पर्स्पैक्टिव,*चौराहे पर भारतीय कृषि के बारे में राष्ट्रीय संगोष्ठी, विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर, सितम्बर 28-29, 2011

प्रकाशन

सिंह सुखपाल, *डज़ कोन्ट्रैक्ट फार्मिंग हेल्प इन इन्क्रिज़िंग प्रोडक्टिविटी एंड इनकम टू ग्रोअर्स?* कृषि में उत्पादकता के बारे में राष्ट्रीय संगोष्ठी, कृषि बैंकिंग कॉलेज, पूणे, सितम्बर 2-3, 2011

सिंह सुखपाल, *लेबर इन ग्लोबल फूड वेल्यू चेन्स इन इंडिया : दी जैंडर डायमेंशन्स,* भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, उदयपुर, दिसम्बर 17-19, 2011

सिंह सुखपाल, *ओर्गेनिक प्रोड्युसर सप्लाय चेन्स इन इंडिया : लर्निंग फोर बिहार,* 'ऑर्गेनिक बिहार' के बारे में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पटना, जून 22-24, 2011

सिंह सुखपाल, *पोस्ट- ग्रीन रिवोल्युशन एग्रो-इंडस्ट्रियल एंटरप्रिन्यरशिप अमोंग कैपिटलिस्ट फार्मर्स इन इंडिया : केसीस ऑफ पंजाब एंड आन्ध्र प्रदेश*, *रिथिंकिंग इकोनोमिक हिस्टरी : सर्कुलेशन, एक्स्चैंज एंड एंटरप्राइज़ इन इंडिया* के बारे में कार्यशाला, नेहरु मेमोरियल म्युज़ियम एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली, मार्च 14-15, 2012

सिंह सुखपाल, रीजन*ल फूड प्रोडक्शन एंड ट्रेड नेटवर्क्स इन एशिया : ओर्गेनाइजेशन एंड डायनेमिक्स विद स्पेशियल रेफरेंस टू इंडिया, एडीबी वर्कशोप ऑन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोर पोलिसी डेवलपमेंट एंड एक्शन टू फोस्टर रीजनल कोओपरेशन इन साउथ एशिया,* आईपीएस, कोलम्बो एवं आरएसआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, कोलम्बो, जुलाई 11, 2011

सिंह सुखपाल, *साउथ एशियन एग्रिफूड ट्रेड इन नेटवर्क्स इन इंडिया : स्टान्डर्ड्स एंड 'रेस टू नोव्हेर', टू डिकेड्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन इन इंडिया : हाउ हेव फर्म्स एंड कन्ज़्यूमर्स रिस्पोंडेड,* गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित, अहमदाबाद, गुजरात अंतरराष्ट्रीय सेंटर, नई दिल्ली, अप्रैल 22-23, 2011

सिन्हा पीयूष कुमार,*फाइंडिंग एंड कन्वर्टिंग ओपोर्च्युनिटिज,* भारतीय खुदरा फोरम, सितम्बर 21-22, 2011

टेयलर, फिल, डी'क्रूज़, प्रेमिला; नोरोन्हा, एर्नेस्टो; एवं स्कोलारियोस, डोरा, *फ़्रोम बूम टू व्हेर : दी एक्सिपरियन्स ऑफ पोस्ट-क्राइसिस वर्क एंड एम्प्लोयमेंट इन ऑफशोर्ड बीपीओ*, 29वाँ आईएलपीसी सम्मेलन, लीड्स, अप्रैल 5-7, 2011

तुरागा राम मोहन, रिचार्ड हावर्थ, और मार्क बोर्सुक, *इंडिविज्यूअल रिस्पोन्सिबिलिटी एंड इट्स इन्फ्लुएन्स ऑन सस्टेनेबल बिहेवियर्स : एन एक्सपरिमेंटल स्टडी इन दी कोनटेक्स्ट ऑफ मरक्युरी-रिड्युसिंग एक्शन्स,* अमेरिकी पारिस्थितिकी अर्थशास्त्र सोसायटी का छठा द्विवार्षिक सम्मेलन, ईस्ट लान्सिंग, मिशिगन, जून 26-29, 2011

वोहरा निहारीका; राठी एन.; एवं भटनागर दीप्ति, *डेवलपिंग लीडरशिप स्किल्स अमोंग एम्प्ल्योयीज़ थ्रू आउटडोर एक्सपरिमेंटल ट्रेनिंग,* भारतीय प्रबंध अकादमी का द्वितीय सम्मेलन, आईआईएम बैंगलुरू, दिसम्बर 19-21, 2011

केस, अनुसंधान व परामर्शन

वर्ष	पूर्ण केस (संचयी)	पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण परामर्शी परियोजनाएँ (संचयी)
2001-02	2868	621	1788
2002-03	2889	636	1854
2003-04	2920	649	1957
2004-05	2933	655	2044
2005-06	2945	675	2118
2006-07	2977	709	2137
2007-08	2988	729	2186
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	**3068**	**793**	**2634**

प्रबंध विकास कार्यक्रम

प्रतिभागियों का वितरण

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या				
	कार्यक्रमों की संख्या	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	कुल
सामान्य प्रबंध	4	28	211	11	250
नए कार्यक्रम	11	57	191	51	299
नियमित/पुनरावृत्ति वाले कार्यक्रम	43	243	971	49	1263
कुल	**58**	**328**	**1373**	**111**	**1812**

सामान्य प्रबंध कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
3-टीपी मध्यम प्रबंध कार्यक्रम 19 जून से 16 जुलाई, 2011	7	68	4	79
3-टीपी वरिष्ठ प्रबंध कार्यक्रम 31 जुलाई - 20 अगस्त, 2011	9	50	7	66
लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यक्रम 9 - 22 अक्टूबर, 2011	3	24	0	27
3-टीपी मध्य प्रबंध कार्यक्रम 15 जनवरी से 11 फ़रवरी, 2012	9	69	0	78
कुल	**28**	**211**	**11**	**250**

नए कार्यक्रम

कार्यक्रम क्षेत्र/समूह/केन्द्र	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
सामान्य प्रबंध कार्यक्रम				
भूटान में सामान्य प्रबंध कार्यक्रम 18-30 जुलाई, 2011	13	12	31	56
भूटान में सामान्य प्रबंध कार्यक्रम 15-28 जनवरी, 2012	1	10	17	28
व्यवसाय नीति				
व्यवसाय नेतृत्व एवं कानून 23 - 25 फरवरी, 2012	9	5	0	14
लिंग समदृष्टि, विविधता और समावेशिता केन्द्र				
आप और मैं की भूमिकाओं और प्रणालियों के प्रबंध (मयूमर्स) में कार्य सम्मेलन 14 - 20 मार्च, 2012	5	11	2	18
संचार				
लोगों को साथ में लेकर चलते हुए : प्रोत्साहन द्वारा प्रबंध 8 - 13 अगस्त, 2011	1	36	0	37
विपणन				
अंतरराष्ट्रीय व्यापार 21 - 26 नवम्बर, 2011	1	17	0	18

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम क्षेत्र/समूह/केन्द्र	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
बी टू बी विपणन (व्यापार से व्यापार तक) 12 - 17 मार्च, 2012	1	33	1	35
कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र				
रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंध 1 - 6 अगस्त, 2011	1	26	0	27
प्रेरणा के द्वारा प्रबंध 17 - 19 अगस्त, 2011	2	23	0	25
मानव संसाधन सम्पन्नता प्रबंध 5 - 7 सितम्बर, 2011	11	13	0	24
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
शहरी परिवहन 5 - 11 फरवरी, 2012	12	5	0	17
कुल	**57**	**191**	**51**	**299**

नियमित/पुनरावृत्ति कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	कुल
वैश्विक कार्यक्रम				
विलासिता पर वैश्विक प्रबंधन कार्यक्रम 22 - 27 अगस्त, 2011	0	3	3	6
व्यापार नीति				
अनुबंध प्रबंधन 5 - 9 सितम्बर, 2011	13	32	4	49
विकास के लिए रणनीतियाँ 17 - 22 अक्टूबर, 2011	0	24	0	24
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 21 - 24नवम्बर, 2011	16	20	2	38
नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन 28 नवम्बर - 3 दिसम्बर, 2011	2	17	0	19
ज्ञान प्रबंधन 19 - 24दिसम्बर, 2011	2	8	1	11
कृषि में प्रबंधन के लिए केन्द्र				
कृषि निवेश विपणन 16 - 22 जनवरी, 2012	4	28	1	33
सामरिक प्रतिस्पर्धा एवं सहयोगात्मक लाभ के लिए बौद्धिक संपदा का दोहन 9 - 11 फरवरी, 2012	8	5	0	13

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	कुल
संचार क्षेत्र				
असरकारक संचार रणनीतियाँ – पुरुष एवं महिलाएँ काम पर हैं 25 - 29 अप्रैल, 2011	5	12	0	17
विजयी बढ़त : नेताओं के लिए संचार रणनीतियाँ 19 - 24 सितम्बर, 2011	1	36	0	37
कम्प्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह				
सूचना प्रणालियों की रणनीतिक योजना 21 - 26 नवम्बर, 2011	4	11	3	18
ईआरपी प्रणाली : प्रौद्योगिकी योजना और अमलीकरण 19 - 21 दिसम्बर, 2011	14	13	0	27
सीआईओ के लिए रणनीतिक आईटी प्रबंधन 23 - 27 जनवरी, 2012	5	19	0	24
शैक्षिक				
बदलते वातावरण में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व 10 - 15 अक्टूबर, 2011	0	34	0	34
उत्कृष्टता के लिए नवपरिवर्तन : प्रबंध शिक्षा में नायकों के लिए कार्यक्रम 12 - 17 दिसम्बर, 2011	1	30	2	33
वित्त				
उन्नत कॉर्पोरेट वित्त 31 अक्टूबर - 5 नवम्बर, 2011	7	39	2	48
रणनीतिक लागत प्रबंध 6 - 9 फरवरी, 2012	4	16	1	21
विपणन				
ग्राहक आधारित व्यापारिक रणनीतियाँ 5 - 7 मई, 2011	0	49	0	49
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 24 - 27 अगस्त, 2011	2	47	1	50
विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण 29 अगस्त - 3 सितम्बर, 2011	1	34	0	35
खुदरा व्यापार प्रबंधन 2 - 7 जनवरी, 2012	0	20	2	22
बिक्री बल प्रदर्शन को बढ़ाना 13 - 16 फरवरी, 2012	0	43	2	45

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	कुल
संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र				
नेतृत्व एवं बदलाव में प्रबंधन 19 - 23 सितम्बर, 2011	15	36	1	52
व्यावसायिक महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता एवं संभावना बढ़ाना 7 - 10 नवम्बर, 2011	9	20	0	29
पारस्परिक प्रभाव एवं टीम निर्माण 2 - 5 जनवरी, 2012	8	43	0	51
रचनात्मकता एवं नवाचार के रूप में मुख्य सक्षमता : व्यक्तिगत एवं संगठनात्मक क्षमता का विकास 27 - 30 मार्च, 2012	2	21	0	23
कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र				
समझौता वार्ता कौशल क्लिनिक 25 - 27 जुलाई, 2011	7	39	8	54
कार्य निष्पादन प्रबंध एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभ 28 नवम्बर - 1 दिसम्बर, 2011	3	13	0	16
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 4 - 9 दिसम्बर, 2011	6	32	0	38
उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके				
उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन 4 - 8 जुलाई, 2011	3	27	0	30
परियोजना प्रबंधन 29 अगस्त - 3 सितम्बर, 2011	23	29	1	53
रसद समाधान वितरण 4 - 10 सितम्बर, 2011	3	16	1	20
जोखिम : मॉडलिंग एवं प्रबंधन 5 - 9 सितम्बर, 2011	15	10	1	26
राजस्व प्रबंधन एवं गतिशील मूल्य निर्धारण 26 - 29सितम्बर, 2011	2	23	5	30
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 28 नवम्बर - 3 दिसम्बर, 2011	5	22	1	28
प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी 5 - 9 दिसम्बर, 2011	1	20	0	21

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	कुल
खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 12 - 18 फरवरी, 2012	10	8	0	18
परियोजना जोखिम प्रबंधन पर कार्यशाला 20 - 22 फरवरी, 2012	5	8	1	14
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
उड्डयन प्रबंधन 28 अगस्त - 3 सितम्बर, 2011	4	10	1	15
वरिष्ठ प्रबंधन के लिए सामरिक बन्दरगाह प्रबंधन 16 - 22 अक्टूबर, 2011	5	2	4	11
बुनियादी ढाँचे में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) 17 - 22 अक्टूबर, 2011	24	13	0	37
बुनियादी ढाँचे में कानूनी और विनियामक मुद्दे 21 - 26 नवम्बर, 2011	1	15	0	16
स्वास्थ्य सुविधा प्रबंध केन्द्र				
अस्पताल प्रबंधन 18 - 22 दिसम्बर, 2011	3	24	1	28
कुल	**243**	**971**	**49**	**1263**

कृषि क्षेत्र में प्रबंध के लिए केंद्र

• व्यापार प्रतिस्पर्धा और भारतीय कृषि मूल्य प्राप्ति के लिए क्षमता निर्माण (संशोधित)

भारतीय कृषि में वैश्विकरण और उदारीकरण के प्रभाव पर किये गये अध्ययनों से यह निष्कर्ष निकला है कि कृषि क्षेत्र में सुधारों के प्रारंभिक वर्षों के दौरान व्यापार में तीव्र सुधार देखा गया। विश्व व्यापार संगठन हादसे के बाद की समयावधि में, हालाँकि सुधारों के पहले की अवधि की तुलना में व्यापार के मामले अनुकूल बने रहे, फिर भी गिरावट आयी है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर में पूर्व सुधार दशक के दौरान और बाद की अवधि में कोई परिवर्तन नहीं दिखाई दिया है। फलों और सब्ज़ियों तथा बासमती चावल जैसी श्रम प्रधान फसलों के उत्पादन से भारत को जो लाभ मिला, उससे अन्य वस्तुओं के संभावित आयात और कीमतों में बड़े चढ़ाव - उतार की संभावनाओं को देखते हुए क्षतिपूर्ति संभव नहीं है।

देश में बढ़ती हुई जनसंख्या एवं आय में वृद्धि के कारण देश की घरेलू खपत की बढ़ती आंतरिक माँग को पूरा करने के लिए कठिन प्रयास करने होंगे। भारत में केवल जीरा और मूंगफली के व्यापार में ही प्रतिस्पर्धा है। अध्ययन में शामिल सभी आठों वस्तुओं की घरेलू माँग विशाल मात्रा में है। मूल्य संचरण विश्लेषण से यह पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर प्रमुख थोक बाजार का प्रभाव बहुत कम है। कृषि विपणन के आधुनिकीकरण से मूल्य संचरण प्रक्रिया में वृद्धि होगी। मुद्रा विनिमयों में भारी उतार - चढ़ाव एवं भावी व्यापार का प्रभाव ऐसे अन्य कारक हैं जो निर्यात को प्रभावित कर रहे हैं। पर्याप्त भंडारण सुविधाओं की कमी, विशिष्ट फसल उत्पादनों एवं प्रसंस्करण में किसानों की निर्माण क्षमता में सुधार, और अच्छी तरह से एकीकृत विपणन प्रणाली कृषि निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

इस प्रतिवेदन में फलों, सब्ज़ियों और अन्य जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं के फसलोत्तर नुकसान पर एक अतिरिक्त अध्याय शामिल किया गया है।

विश्व रैंकिग

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : प्रबंध में स्नातकोत्तर फाइनेंशियल टाइम्स रैंकिंग 2011

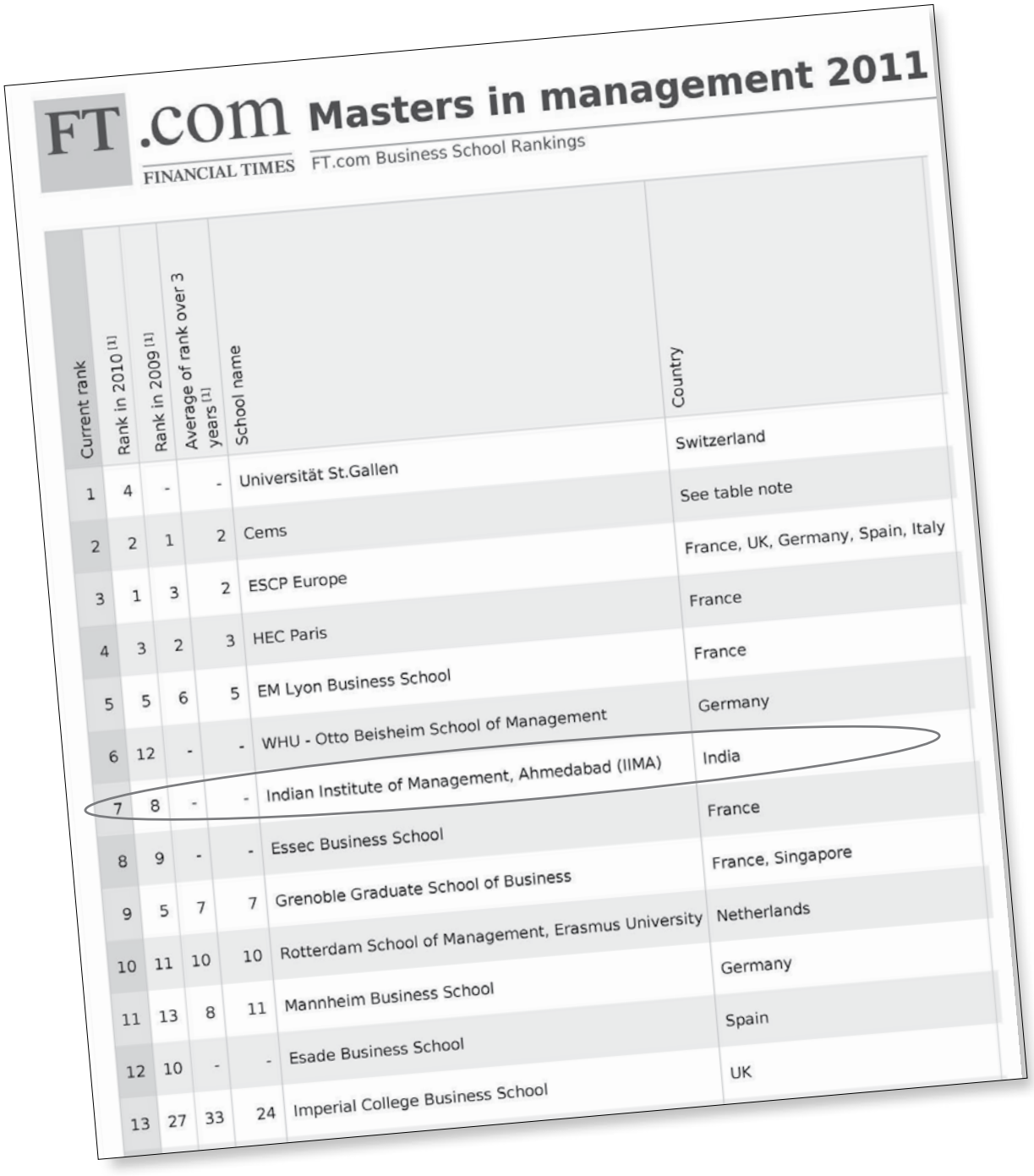

FT.com Masters in management 2011

FINANCIAL TIMES FT.com Business School Rankings

Current rank	Rank in 2010 [1]	Rank in 2009 [1]	Average of rank over 3 years [1]	School name	Country
1	4	-	-	Universität St.Gallen	Switzerland
2	2	1	2	Cems	See table note
3	1	3	2	ESCP Europe	France, UK, Germany, Spain, Italy
4	3	2	3	HEC Paris	France
5	5	6	5	EM Lyon Business School	France
6	12	-	-	WHU - Otto Beisheim School of Management	Germany
7	8	-	-	Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA)	India
8	9	-	-	Essec Business School	France
9	5	7	7	Grenoble Graduate School of Business	France, Singapore
10	11	10	10	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
11	13	8	11	Mannheim Business School	Germany
12	10	-	-	Esade Business School	Spain
13	27	33	24	Imperial College Business School	UK

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : वैश्विक फाइनेंशियल टाइम्स एमबीए रैंकिंग 2012

FT.com FINANCIAL TIMES

Global MBA Rankings 2012

FT.com Business School Rankings

Rank in 2012	Rank in 2011	Rank in 2010	3 year average rank	School name	Country	Audit year [1]	Salary today (US$)
1	4	4	3	Stanford Graduate School of Business	US	2010	191,657
2	3	3	3	Harvard Business School	US	2008	177,876
3	1	2	2	University of Pennsylvania: Wharton	US	2008	176,299
4	1	1	2	London Business School	UK	2010	154,783
5	7	6	6	Columbia Business School	US	2009	171,647
6	4	5	5	Insead	France / Singapore	2009	144,422
7	9	8	8	MIT: Sloan	US	2009	158,083
8	8	6	7	IE Business School	Spain	2009	152,127
9	9	11	10	Iese Business School	Spain	2009	135,302
10	6	9	8	Hong Kong UST Business School	China	2011	127,600
11	11	-	-	Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA)	India	2011	175,076
12	12	9	11	University of Chicago: Booth	US	2012	154,449
13	14	15	14	IMD	Switzerland	2009	139,644
14	25	28	22	University of California at Berkeley: Haas	US	2012	143,935

विश्व रैंकिग

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : दी इकोनोमिस्ट - पूर्णकालिक एमबीए रैंकिंग 2011

The Economist

2011 Full time MBA ranking

Rank	Business School	Country
1	Dartmouth College - Tuck School of Business	United States
2	Chicago, University of - Booth School of Business	United States
3	IMD - International Institute for Management Development	Switzerland
4	Virginia, University of - Darden Graduate School of Business Administration	United States
5	Harvard Business School	United States
6	California at Berkely, University of - Haas School of Business	United States
7	Columbia Business School	United States
8	Stanford Graduate School of Business	United States
9	York University - Schulich School of Business	Canada
10	IESE Business School - University of Navarra	Spain
11	Massachusetts Institute of Technology - MIT Sloan School of Management	United States
12	New York University - Leonard N Stern School of Business	United States
13	London Business School	United Kingdom
14	HEC School of Management, Paris	France
15	Pennsylvania, University of - Wharton School	United States
16	Carnegie Mellon University - The Tepper School of Business	United States
17	ESADE Business School	Spain
18	Northwestern University - Kellogg School of Management	United States
19	INSEAD	France
20	Duke University - Fuqua School of Business	United States
76	Yonsei University School of Business	Republic of Korea
77	Aston Business School	United Kingdom
78	Indian Institute of Management - Ahmedabad	India
79	Southern Methodist University - Cox School of Business	United States
80	Concordia University - John Molson School of Business	Canada
81	Calgary, University of - Haskayne School of Business	Canada

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : कृषि व्यवसाय/ खाद्य उद्योग प्रबंधन में एड्यूनिवर्सल सर्वोत्तम स्नातकोत्तर रैंकिंग 2011

कार्मिक

ठ1 नई नियुक्तियाँ

- **चित्रा सिंगला,**सहायक प्रोफेसर, व्यापार नीति क्षेत्र
- **धीरज शर्मा,**सह प्रोफेसर, विपणन क्षेत्र
- **अभिषेक,** सहायक प्रोफेसर, विपणन क्षेत्र
- **विधि चौधरी,** सहायक प्रोफेसर, संचार क्षेत्र
- **महेन्द्र गुजराती,** आगंतुक प्रोफेसर, वित्त एवं लेखा क्षेत्र
- **जॉर्ज कंडाथिल,** सहायक प्रोफेसर, संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र (पहले आगंतुक सहायक प्रोफेसर थे)
- **कविता रंगनाथन,** सहायक प्रोफेसर, संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र (पहले आगंतुक सहायक प्रोफेसर थी)
- **कीर्ति शारदा,** सहायक प्रोफेसर, संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र (पहले आगंतुक सहायक प्रोफेसर थी)
- **कमांडर मनोज भट्ट (सेवा निवृत्त),** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
- **देबजीत रॉय,** सहायक प्रोफेसर, उत्पादन एवं मात्रात्मक प्रणाली क्षेत्र
- **एन. बालासुब्रमणियन, श्रीकांत गोखले और सुनील उन्नी गुप्तन** को इस वर्ष के दौरान सहायक संकाय के तौर पर नियुक्त किया गया है।
- विक्टर परेरा*
- प्रतीक एम. शेठ*
- उन्नति आर. अग्रवाल*
- सुनील एम. पटेल*
- रमिया डी. नायर*
- चेरियन मैथ्यू*
- दिपाली एन. सोलंकी*
- प्रभु चौहान*
- किशोर तपोधन*

* इस वित्तीय वर्ष के दौरान औपचारिक नियुक्ति की गई।

ठ2 त्यागपत्र

- प्रोफेसर विनोद आहूजा
- प्रोफेसर अंशुमन त्रिपाठी
- प्रोफेसर बिबेक बनर्जी
- प्रोफेसर नागेश राव
- प्रोफेसर टी. माधवन (कार्यकाल पूरा होने पर)
- एन. वी. पिल्लै (कार्यकाल पूरा होने पर)
- डॉ. आलोक जैन
- जॉन वर्गीस
- उन्नति अग्रवाल
- प्रगनेश पारेख
- विरल वाय. शाह

यह संस्थान, उपर्युक्त सभी को उनकी नयी नौकरी के लिए शुभकामनाएँ देता है ।

सेवा-निवृत्ति ठ3

- मिस्त्री ए. एम.
- वाघेला अम्बालाल
- डोडिया वी. सी.
- वाघेला हीराभाई
- ठाकोर जुहाजी पी.
- टी. एम. चन्द्रगोपी
- दलवी वी. बी.
- देसाई प्रतिमा
- हिवाले सुधाकर
- गोविंदराजन एस.
- पंड्या आर. ए.
- साधु हसमुख पी.
- मोहन गंगाधरन
- नायर मंजुला
- विजयन वी.
- आचार्य के. एन.

यह संस्थान, इन सभी को इनकी लंबी, समर्पित, और विशिष्ट सेवाओं के लिए धन्यवाद देता है ।

स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति

- प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी

संस्थान इनकी समर्पित एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए इनको धन्यवाद देता है।

अनुपस्थिति की स्वीकृति ठ4

- प्रोफेसर अब्राहम कोशी को 1 अगस्त, 2011 से एक वर्ष के लिए अवैतनिक छुट्टियों की स्वीकृति दी गई है।
- प्रोफेसर एन. वेंकिटेश्वरन को 14 जुलाई, 2011 से दूसरे एक वर्ष के लिए त्यागराजार प्रबंध स्कूल के साथ कार्य जारी रखने हेतु अवैतनिक छुट्टियों की स्वीकृति दी गई है।
- डॉ. प्रीता व्यास को 10 जनवरी, 2012 से एक वर्ष के लिए ओर बढ़ाते हुए अवैतनिक छुट्टियों की स्वीकृति दी गई है।

पुनः जुड़े ठ5

- प्रोफेसर प्रताप ओबुराई 31 अगस्त, 2009 से 31 मार्च, 2011 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 1 अप्रैल, 2011 को संस्थान की सेवा से पुन : जुड़े।
- प्रोफेसर राकेश बसन्त 15 जनवरी, 2011 से 30 मई, 2011 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 31 मई, 2011 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।
- प्रोफेसर बिबेक बनर्जी 1 दिसम्बर, 2010 से 30 नवम्बर, 2011 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 1 दिसम्बर, 2011 को संस्थान की सेवा से पुन : जुड़े।
- प्रोफेसर अरिन्दम बेनर्जी 1 फरवरी, 2011 से 31 जनवरी, 2012 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 1फरवरी, 2012 को संस्थान की सेवा से पुन : जुड़े।
- प्रोफेसर सुखपाल सिंह 28 मार्च, 2011 से 20 मार्च, 2012 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 21 मार्च, 2012 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।
- प्रणय श्रीवास्तव, परियोजना प्रबंधक, 1 फरवरी, 2011 से 30 जनवरी, 2012 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 31 जनवरी, 2012 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।

ठ6 पदोन्नतियाँ

- प्रोफेसर अमित गर्ग को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया ।
- प्रोफेसर आशा कौल को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया ।
- प्रोफेसर दीप्तेश घोष को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

ठ7 मानवशक्ति

वर्ष	संकाय	अनुसंधान स्टाफ	प्रशासनिक स्टाफ	कुल
2001-2	84	61	430	575
2002-3	80	58	367	505
2003-4	76	69	359	504
2004-5	79	58	329	466
2005-6	81	69	314	464
2006-7	83	63	316	462
2007-8	86	69	311	466
2008-9	94	79	319	492
2009-10	92	68	329	489
2010-11	88	71	327	486
2011-12	**88**	**66**	**316**	**470**

शासक मंडल

अध्यक्ष

ए. एम. नायक
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
मुम्बई

सदस्य

विभा पुरी दास
सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

ए. एन. झा
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

डॉ. पुष्पितो के. घोष
निदेशक
केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन
अनुसंधान संस्थान
भावनगर

ए. के. जोति
मुख्य सचिव
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

हसमुख अढ़िया, आई. ए. एस.
प्रधान सचिव
शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

एस. एस. मन्था
अध्यक्ष
अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी शिक्षा
परिषद्
नई दिल्ली

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

चिंतन एन. परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

डॉ. हसित जोशीपुरा
वाइस प्रैसिडेंट, दक्षिण एशिया एवं
प्रबंध निदेशक,
भारत ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन
फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
मुम्बई

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

सुनील बी. मित्तल
अध्यक्ष एवं समूह सीईओ
भारती एन्टरप्राइज़िस लिमिटेड
नई दिल्ली

डॉ. अमृता पटेल
अध्यक्ष
राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड
आणंद

रमा बीजापुरकर
प्रबंध सलाहकार
मुम्बई

नॉएल एन. टाटा
प्रबंध निदेशक
ट्रैंट लिमिटेड
मुम्बई

केवल हांडा
प्रबंध निदेशक
फ़ाइज़र लिमिटेड
मुम्बई

एन. सी. वासुदेवन
महानिदेशक
राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्
नई दिल्ली

राकेश बसंत
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

प्रेम पंगोत्रा
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

एम. एस. बंगा
सीडी एंड आर एलएलपी
लंदन
यूनाइटेड किंगडम

समीर के. बरुआ
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

सचिव

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

1. डॉ. विजयपत सिंघानिया, सम्मानपूर्वक अवकाश प्राप्त अध्यक्ष, रेमंड लिमिटेड ने 28 मार्च, 2012 को शाषी मंडल के अध्यक्ष पद पर अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया।
2. श्री ए. एन. झा, जेएस एंड एफ़ए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की नियुक्ति होने पर, श्री एस. के. रे, वित्तीय सलाहकार (मानव संसाधन विभाग), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, को सदस्यता से हटाया गया।
3. 01 नवम्बर, 2012 से कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त) की नियुक्ति मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के रूप में होने पर, श्री एन. वी. पिल्लै, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, को सचिव पद से हटाया गया।

भा. प्र. सं. अहमदाबाद के सदस्य

हिरेन एस. महादेविया
निदेशक (वित्त एवं कॉर्पोरेट मामले)
एवं कंपनी सेक्रेटरी
अहमदाबाद न्यू कोटन मिल्स कं. लि.
(आशिमा लिमिटेड की यूनिट)
अहमदाबाद

वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)
एलेम्बिक लिमिटेड
वड़ोदरा

कार्तिकेय वी. साराभाई
अध्यक्ष
अंबालाल साराभाई एंटरप्राइजेज लिमिटेड
अहमदाबाद

अमोल शेठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

नितीन जे. नाणावटी
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कंटेनर्श प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रफुल्ल अनुभाई
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
आरोही कन्सल्टैन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

अनंग ए. लालभाई
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रोडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

गोकुल एम. जयकृष्ण
असाही सोंगवोन कलर्स
अहमदाबाद

चिंतन एन. परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

जलज दानी
प्रैसिडेंट - इंटरनेशनल
एशियन पेन्ट्स लिमिटेड
मुम्बई

प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बेंगलूरु

दी एसोसिएटेड सीमेन्ट कंपनीज़ लिमिटेड
मुम्बई

सुनील एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल लिमिटेड
अतुल, गुजरात

एन. वी. वेंकटसुब्रामणियन
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
ऑडको इंडिया लिमिटेड
चेन्नई

अमृत रथ
वाइस प्रैसिडेंट (मा.सं.)
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

उल्हास सांगेकर
महाप्रबंधक (मा.सं. एवं विपणन)
बैंक ऑफ बड़ौदा
मुम्बई

कमलेश पटेल
प्रभारी प्रधानाचार्य
बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टाफ़ कालेज
अहमदाबाद

डी. बी. मोहापात्रा
आंचलिक प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

वी. आर. एस. नटराजन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
बी ई एम एल लिमिटेड
बैंगलूरु

अशोक के. पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

सी. एल. राठी
उप प्रबंध निदेशक
बिड़ला वीएक्सएल लिमिटेड
नई दिल्ली

एच. सी. बिजावत
दी बोम्बे डाइंग एंड मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
केडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

एम. एम. मुरुगप्पन
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

नवीन क्षत्रिय
मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ प्रबंध निदेशक
कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड
मुम्बई

महाप्रबंधक (संचालन)
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
मुम्बई

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सिटिबैंक, एन. ए.
मुम्बई

अनंग के. शाह
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

डीसीएम लिमिटेड
नई दिल्ली

सुनील के. अग्रवाल
निदेशक
देवीदयाल रोलिंग एंड रिफाइनरीज़ प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

भरतभाई यू. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वड़ोदरा

भा. प्र. सं. अहमदाबाद के सदस्य

ए. के. पुरवाहा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

संयुक्त प्रबंध निदेशक
दी एस्कोर्टस समूह
फरीदाबाद

एन. शंकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एक्सपोर्ट क्रेडिट एंड गारंटी
कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
मुम्बई

जनरल इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
मुम्बई

डॉ. हसित जोशीपुरा
वाइस प्रैसिडेंट, दक्षिण एशिया एवं
प्रबंध निदेशक,
भारत ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन
फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
मुम्बई

समीर एस. सोमैया
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफ़ाइनरीज़ लिमिटेड
मुम्बई

अतनु चक्रवर्ती, आईएएस
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन
लिमिटेड
वड़ोदरा

अरविंद अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य वित्त निगम
गाँधीनगर

पीयूष ओ. देसाई
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसेसर्स एंड पैकर्स
लिमिटेड
अहमदाबाद

लीना नायर
वाइस प्रैसिडेंट - मानव संसाधन
हिंदुस्तान लीवर लिमिटेड
मुम्बई

अखिलेश जोशी
मुख्य संचालन अधिकारी एवं
पूर्णकालीन निदेशक
हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड
उदयपुर

अध्यक्ष
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुम्बई

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (कार्मिक)
इंडियन ऑक्सीजन लिमिटेड
कोलकाता

मुकेश डी. अम्बानी
अध्यक्ष
इंडियन पैट्रोकेमीकल्स कॉर्पोरेशन
लिमिटेड
वड़ोदरा

राहुल एन. अमीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वड़ोदरा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
मुम्बई

के. वी. रंगास्वामी
बोर्ड सदस्य एवं अध्यक्ष - निर्माण
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
ईसी एंड सी प्रभाग
चेन्नई

अध्यक्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुम्बई

हृषिकेश ए. मफतलाल
अध्यक्ष
मफतलाल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
मुम्बई

राजीव रंजन
अध्यक्ष (टेक्सटाइल्स)
मफतलाल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

राजीव दुबे
अध्यक्ष (मा.सं. समूह, कॉर्पोरेट
सेवाएँ तथा अनुसरण बाजार)
एवं समूह कार्यकारी बोर्ड के सदस्य
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
मुम्बई

जनमेजय भगुभाई
प्रबंध निदेशक
मनीष ओर्गेनिक्स इंडिया लिमिटेड
अहमदाबाद

वरुण आर्य
अध्यक्ष
मारवाड़ शिक्षा प्रतिष्ठान
जोधपुर

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

के. के. मेहरोत्रा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एमईसीओएन लिमिटेड
झारखंड

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एम. एम. टी. सी. लिमिटेड
नई दिल्ली

नीरज बजाज
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मुकंद लिमिटेड
मुम्बई

पूर्णकालिक निदेशक
नेशनल पैरॉक्साइड लिमिटेड
मुम्बई

ए. आर. शेखर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(कार्यवाहक)
दी न्यू इंडिया एश्योरेन्स कंपनी
लिमिटेड
मुम्बई

भा. प्र. सं. अहमदाबाद के सदस्य

प्रबंध निदेशक
एन. आर. सी. लिमिटेड
मुम्बई

हिमांशु जोशी
क्षेत्र प्रमुख
पंजाब नेशनल बैंक
अहमदाबाद

राजेश आर. मेहता
उपाध्यक्ष
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

अनुज आर. मेहता
निदेशक
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

सौरभ एन. शोधन
साकरलाल बालाभाई एंड कंपनी लिमिटेड
अहमदाबाद

सुह्रद एस. साराभाई
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

आर. के. कारपेंटर
अध्यक्ष
साराभाई मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

तपन हरेश चोकशी
भागीदार
सौरभ कॉर्पोरेशन
अहमदाबाद

ए. एस. कसुवाल
श्रीराम मिल्स चैरिटेबल ट्रस्ट
मुम्बई

बी. वी. मेहता
प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

पी. आर. मफतलाल
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

सुनील कनौजिया
समूह अध्यक्ष
सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कलोल

रवि मल्होत्रा
प्रबंध निदेशक
सरहिन्द स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

एस. ए. रमेश रंगन
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

जे. एस. साहनी
प्रबंध निदेशक
एसआईसीओएम लिमिटेड
मुम्बई

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

एम. रवीन्द्रनाथ
वाइस प्रैसिडेंट - निर्माण
टाटा कैमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

एच. एम. नेरुरकर
प्रबंध निदेशक
टाटा स्टील लिमिटेड
जमशेदपुर

डॉ. संग्राम ताम्बे
वाइस प्रैसिडेंट - मा.सं. एवं प्रशासन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुम्बई

डॉ. गोबिन्द बाघासिंह
कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं सीएचआरओ
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

टी. पी. विजयसारथी
निदेशक
टॉरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

एन. कन्नन
संयुक्त महाप्रबंधक
ट्रैक्टर इंजीनियर्स लिमिटेड
मुम्बई

टी. वेंकटेश्वर राव
अध्यक्ष
टी वी आर एल एस
अहमदाबाद

आर. हरेश
सचिव एवं कोषाध्यक्ष
टी. वी. एस. चैरिटीज
मदुरै

आर. हरेश
प्रबंध निदेशक
टी. वी. सुन्दरम अयंगर एंड सन्स लिमिटेड
मदुरै

उप महाप्रबंधक – कॉर्पोरेट मानव संसाधन
वोल्टास लिमिटेड
मुम्बई

सुभाष चन्द्र भटनागर
अहमदाबाद

एस. चौधरी
जिला हरिद्वार

महिपाल दलाल
अहमदाबाद

डॉ. बिहारीलाल कन्हैयालाल
अहमदाबाद

राजीव सी. लालभाई
अहमदाबाद

ज्योतिंद्र एन. मेहता
अहमदाबाद

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

समीर के. बरुआ
एम. टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

डीन

बी. एच. जाजू
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

डीन (संकाय)

अजय पांडे
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

डीन (पूर्वछात्र एवं विदेश संबंध)

अतनु घोष
एम. टेक. (आईआईटी – दिल्ली), पीजीडीबीएम (भा. प्र. सं. अ.)
पीएच. डी. (आईआईटी - मुम्बई)
फ़ेलो ऑफ इन्स्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे विश्वविद्यालय), वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुम्बई विश्वविद्यालय),
व्यवसाय प्रशासन कार्यक्रम (भा. प्र. सं. अ.),
व्यावसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी), संकाय सदस्य

संकाय

व्यवसाय नीति

अनुराग के. अग्रवाल
एल.एल. एम. (हार्वर्ड), एल.एल. डी. (लखनऊ)

एम. आर. दीक्षित
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

अतनु घोष
एम. टेक. (आईआईटी- दिल्ली), पीजीडीबीएम (आईआईएमए)
पीएच. डी. (आईआईटी - मुम्बई)
फ़ेलो ऑफ इन्स्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स

डी. कार्तिक
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

एस. मणिकुट्टी
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

अजीत नारायण माथुर
पीएच. डी. (आईआईएस, बैंगलूरु)

शैलेन्द्र मेहता
एम.फिल. (ऑक्सफोर्ड), पीएच. डी. (हार्वर्ड)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच. डी. (एडिनबर्ग)

सुनील शर्मा
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

चित्रा सिंगला
फ़ेलो (आईआईएमबी)

एन. वेंकिटेश्वरन*
ए.सी.ए.

कृषि प्रबंध केन्द्र

वैभव भमोरिया
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

समर के. दत्ता
पीएच. डी. (रोचैस्टर)

वसंत पी. गाँधी
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

अनिल के. गुप्ता
पीएच. डी. (कुरुक्षेत्र)
फ़ेलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फ़ेलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद्

सुखपाल सिंह
पीएच. डी. (बैंगलूरु)

विजय पॉल शर्मा
पीएच. डी. (एनडीआरआई, करनाल)

* छुट्टी पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

संचार

विधि चौधरी
पीएच. डी. (पड्र्यू)

आशा कौल
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

एम. एम. मोनीपल्ली
पीएच. डी. (मेनचेस्टर)

मीनाक्षी शर्मा
एम.ए., पीएच. डी. (क्वीन्सलैन्ड)

कम्प्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह

रजनीश दास
फ़ेलो (आईआईएमसी)

रेखा जैन
पीएच. डी. (आईआईटी, दिल्ली)

बी. एच. जाजू
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

कविता रंगनाथन
एम.एससी., एम.एस., पीएच.डी. (शिकागो)

टी. पी. रामा राव
एम.टेक. (आईआईटी, कानपुर)

वेंकट राव वी.
पीएच. डी. (ज्योर्जिया इन्स्टिट्यूट ऑफ टैकनोलोजी)

संजय वर्मा
फ़ेलो (आईआईएमसी)

अर्थशास्त्र

राकेश बसंत
पीएच. डी. (गुजरात)

सतीश देवधर
पीएच. डी. (ओहियो स्टेट)

रवीन्द्र एच. धोलकिया
पीएच. डी. (एमएसयू)

एर्रोल डिसूज़ा
पीएच. डी. (जेएनयू)

सेबास्टियन मोरिस
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)
फ़ेलो (आईआईएमसी)

वित्त एवं लेखा

सोभेश कुमार अग्रवाला
सीएस, सीए, आईसीडबल्यूए, फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

शैलेष गाँधी
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

महेन्द्र गुजराती
पीएच. डी. (बेंटले)

जोशी जेकब
फ़ेलो (आईआईएमएल)

टी. टी. राम मोहन
बी.टेक. (आईआईटी, मुम्बई), पीजीडीएम (आईआईएमसी) पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, न्यूयोर्क युनिवर्सिटी)

अजय पांडे
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

प्रेमचंद्र
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

राजेंद्र पटेल
एआईसीडबल्यूए, एसीए, पीजीडीएम (भा. प्र. सं. अ.)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीजीडीएम (भा. प्र. सं. अ.)
पीएच. डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले)

जयन्त आर. वर्मा
पीजीडीएम (भा. प्र. सं. अ.)
ए.आई.सी.डबल्यू.ए.
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

विनीत विरमानी
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

विपणन

अभिषेक
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

अरिंदम बनर्जी
पीजीडीएम (आईआईएमएल)
पीएच. डी. (स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

आनंद कुमार जायसवाल
फ़ेलो (एक्सएलआरआई)

अब्राहम कोशी*
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

प्रताप ओबुराई
पीएच. डी. स्ट्रेथक्लाइड

अरविंद सहाय
पीएच. डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

धीरज शर्मा
पीएच. डी. (लुइसियाना टेक. युनि.)

पीयूष कुमार सिन्हा
पीएच. डी. (एस पी युनिवर्सिटी)

* छुट्टी पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

संगठनात्मक व्यवहार

दीप्ति भटनागर
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच. डी. (कॉर्नेल)

प्रेमिला डी 'क्रूज
पीएच. डी. (टीआईएसएस, मुम्बई)

परविन्दर गुप्ता
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

प्रद्युम्न खोकले
बी.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच. डी. (टीआईएसएस, मुम्बई)

कीर्ति शारदा
फ़ेलो (आईआईएमसी)

निहारीका वोहरा
पीएच. डी. (मनिटोबा)

कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

जेरोम जोसेफ
पीएच. डी. (मद्रास)

मंजरी सिंह
फ़ेलो (आईआईएमसी)

बीजू वर्की
फ़ेलो (एनआईबीएम, पुणे)

उत्पादन एवं परिमाणात्मक विधियाँ

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच. डी. (कोलकाता)

समीर के. बरुआ
एम.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

पंकज चंद्रा*
पीएच. डी. (पेनसिल्वेनिया)

गौतम दत्ता
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

सचिन जायसवाल
पीएच. डी. (युनि. ऑफ वॉटरलू)

दीप्तेश घोष
फ़ेलो (आईआईएमसी)

ए. के. लाहा
पीएच. डी. (आईएसआई, कोलकाता)

सरल मुखर्जी
फ़ेलो (आईआईएमसी)

एन. रविचंद्रन*
पीएच. डी. (आईआईटी, मद्रास)

देबजीत रॉय
पीएच. डी. (विसकॉन्सिन - मेडिसन)

चेतन सोमण
एम.टेक. (आईआईटी, मुम्बई)
पीएच. डी. (ग्रोनिंनजेन)

प्रह्लाद वेंकटेशन
पीएच. डी. (केस वेस्टर्न रिज़र्व)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
एम.टेक. (आईआईटी, रूड़की)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

नवदीप माथुर
एम.ए. (हल)
पीएच. डी. (रट्गेर्स)

दिलीप वी. मावलंकर*
एम.डी. (गुजरात)
डॉ.ऑफ पब्लिक हैल्थ (जॉन्स हॉपकिन्स)

प्रेम पंगोत्रा
पीएच. डी. (विस्कोन्सिन)

जी. रघुराम
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

के. वी. रमणी
पीएच. डी. (कॉर्नेल)

अंकुर सरीन
पीएच. डी. (शिकागो)

पी. आर. शुक्ला
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

राम मोहन तुरागा
पीएच. डी. (जॉर्जिया प्रोद्योगिकी संस्थान, अटलांटा)

रवि मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र

राजीव शर्मा
पीएच. डी. (इलाहाबाद)

पी. जी. विजया शेरी चन्द
पीएच. डी. (गुजरात)

सहायक संकाय

एस. सी. भटनागर

ए. के. जैन

बृज कोठारी

टी. वी. राव

एम. एस. श्रीराम

मुकुल वसावडा

एन. बालासुब्रमणियन

श्रीकान्त गोखले

सुनील उन्नी गुप्तन

* छुट्टी पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

अधिकारी

नीना बदलानी
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडबल्यूए (इन्टर)
समूह प्रधान (वित्त एवं बजट)

कौशिक भट्ट डी.
एम. कॉम., एल.एल.बी.
लेखा अधिकारी

भट्ट पंकजकुमार के.
एम.कॉम.
लेखा अधिकारी

एस. भट्टाचार्य
बी.एससी. (कोलकाता)
कार्यक्रम अधिकारी (एमडीसी)

गाँधी कमलेश
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
साइट इंजीनियर (वरिष्ठ)

गोहिल लक्ष्मणदेव बी.
बी.कॉम., एसीएस
प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)

गुरुमूर्ती आर.
बी.कॉम. (मदुरै कामराज)
कार्यक्रम अधिकारी (पीजीपी-एबीएम)

आर. महादेव अय्यर
बी.कॉम. (गुजरात),
मानव संसाधन में डिप्लोमा
प्रबंधक, प्रवेश

जंसारी कंचनबेन के.
बी.ए.
सामग्री पुनरुत्पादन अधिकारी

जयशंकर एस.
एम.ए. (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)
अधिकारी, प्रकाशन

जोशी के. एस.
बी.कॉम. (गुजरात)
औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
स्थापना अधिकारी

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात)
बी.ई. (इलैक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय)
इलैक्ट्रिकल इंजीनियर

सोलंकी एन. आर.
बी.कॉम.
गृह व्यवस्थापन अधिकारी

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बरोड़ा)
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी

कमल यू. पंड्या
एम.कॉम. (गुजरात)
प्रबंधक, भंडार एवं क्रय

रवीन्द्रनाथ एन. पंड्या
बी.एससी. (भौतिकी), ईडीपी एवं कम्प्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
सुविधा अधिकारी

विक्टर परेरा
एम.ए.
कार्यक्रम अधिकारी
छात्र गतिविधियाँ

रामचन्द्रन के. वी.
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
मानव संसाधन प्रबंधन एवं कार्मिक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एआईआईएमएस, चेन्नई)
कार्यक्रम अधिकारी, एफपीएम

इशिता निलेश सोलंकी
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामिण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए-इरमा)
मानव संसाधन प्रबंध में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
प्रबंधक, वैश्विक सहभागिता एवं कॉर्पोरेट मामले

रेवती श्रीनिवासन (सुश्री)
एम.ए. (मैसूर)
प्रबंधक, एम.डी.पी.

प्रणय श्रीवास्तव
बी.टैक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
परियोजना प्रबंधक

हरेंद्र जे. वाढेर
बी.ई. (सिविल) (एस.पी. विश्वविद्यालय)
एमबीए (गुजरात)
समूह प्रधान (इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा)

पुस्तकालय

अनिल कुमार एच.
पीएच. डी. (एम.एस. विश्वविद्यालय)
पुस्तकालयाध्यक्ष
संकाय सदस्य

श्रेयसी के. परीख
एम.ए., एम.एल.आई.एससी. (गुजरात)
पीजीडीसीए (ज़ेवियर), सीआईसी (इग्नू)
पीएच. डी. (गुजरात)
उप-पुस्तकालयाध्यक्ष

पंड्या यू. पी.
बी.एससी. (सौराष्ट्र)
एल.एल.बी. (गुजरात)
श्रम व्यवहार में डिप्लोमा (गुजरात)
एम.लिब.एससी. (इग्नू)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

हिमा बी. सोनी
बी.ए., एम.लिब.एससी. (सागर)
उप-पुस्तकालयाध्यक्ष

अनुसंधान स्टाफ

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस. पी. विश्वविद्यालय)

केतन भट्ट
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)

श्रुति दवे
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

सुनिल कुमार गर्ग
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)

सोनल कुरेशी
एमबीए, एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

जे. जी. मकवाना
एम.एससी. (गुजरात)
ए.आई.सी.डबल्यू.ए.

मोहन पालीवाल
एम.कॉम. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)

श्वेता परीख
एमबीए, पीएच. डी. (गुजरात)

सी. एस. प्रसाद
एम.एससी. (आन्ध्र)

मिताली सरकार
एम.ए. (पटना)

प्रीता व्यास*
एमबीए, पीएच.डी. (गुजरात)

* छुट्टी पर

सत्यमेव जयते
भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

पीडीए(सी)/ओएडी(सी)/एसएआर/आईआईएम/अहमदाबाद/2011-12/ओ.डब्ल्यू.219
दिनांक : 06.11.12

विषय : वर्ष 2011-12 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के लेखाओं पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2011-12 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 18-07-2012 से 25-07-2012 के दौरान लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सेवा के कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

वर्ष 2011-12 के लिए लेखा परीक्षा प्रमाणपत्र के साथ लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2011-12 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह रिपोर्ट संसद के समक्ष प्रस्तुत की जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किये जाने से पहले तक 'गोपनीय' समझा जाए।

संलग्नक : यथोपरि

भवदीय,

हस्ताक्षरित/-
उप निदेशक/सीए (ई) व आईटीआरए

प्रतिलिपि प्रेषित : निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद

वार्षिक खातों एवं लेखा परीक्षा रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए। जिस दिन, लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ, यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखा परीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित रिपोर्ट में प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/-
उप निदेशक/सीए (ई) एवं आईटीआरए

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फेक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की अलग से लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद की नियमावली के नियम 18 के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखा परीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2) वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रगटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, केवल लेखाकरण-समाधान पर महा लेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन संबंधी पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण रिपोर्टों / लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3) हमने यह लेखा परीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और लेखा परीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखा परीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन, शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखा परीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4) लेखा परीक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :

(i) हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते वित्त मंत्रालय द्वारा, केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए जारी एक समान प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किये गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

(iv) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।

(v) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय वक्तव्य लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के विषयों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के परिशिष्ट 1 में दर्शाये गये अन्य मामले, भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(क) जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2012 के तुलन पत्र से संबंधित है।

(ख) जहाँ तक यह उक्त तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय लेखे के अधिशेष से संबंधित है।

भारत के लेखानियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

हस्ताक्षरित/-
प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

स्थल : अहमदाबाद
दिनांक : 02/11/2012

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2012 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	31.03.2012 को	31.02.2011 को
निधि और देयताएँ			
कॉर्पस निधि	1	6,363.52	5,549.02
रिज़र्व एवं अधिशेष	2	70.09	64.26
पूंजी / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	3	29,315.93	25,006.50
वर्तमान देयताएँ और प्रावधान	4	11,985.71	8,188.51
कुल		47,735.25	38,808.29
संपत्तियाँ			
अचल संपत्तियाँ	5		
कुल सम्पत्तियाँ		17,945.59	14,890.84
कम :मूल्यह्रास निधि		9,976.51	8,639.87
		7,969.08	6,250.97
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		552.23	923.06
		8,521.31	7,174.03
निधियों का निवेश	6	35,168.17	29,401.12
वर्तमान संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, इत्यादि	7	4,045.77	2,233.14
कुल		47,735.25	38,808.29
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	18		
लेखा के भाग के रूप में नोट	19		

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित **लक्ष्मणदेव बी. गोहिल** प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)	हस्ताक्षरित **नीना बदलानी** समूह अध्यक्ष (वित्त एवं बजट)	हस्ताक्षरित **मनोज भट्ट** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	हस्ताक्षरित **एस. के. बरुआ** निदेशक	हस्ताक्षरित **सी. विजयकुमारन, आई.ए.ए.एस** उप निदेशक/ आई टी आर ए कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380 009

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2012 के दिन समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	2011-2012	2010-2011
आय			
शुल्क और दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से अन्य आय	8	7,734.85	6,159.11
एमडीपी(प्र.वि.का.), कार्यक्रमों और परियोजनाओं से आय	9	5,237.28	5,122.46
अनुदान	10	0.00	0.00
ब्याज से आय	11	475.57	432.99
अन्य आय	12	1,017.91	1,117.47
निधियों से स्थानांतरण	13	649.18	434.34
कुल (क)		15,114.79	13,266.37
व्यय			
स्थापना व्यय	14	6,089.45	4,706.42
प्रशासनिक व्यय	15	1,083.25	1,061.26
एमडीपी, कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर व्यय	16	3,420.34	3,340.19
दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय	17	2,369.81	1,878.88
मूल्यह्रास	5	1,336.99	1,157.44
कुल (ख)		14,299.84	12,144.19
वर्ष (क-ख) के लिए व्यय से अधिक होने पर आय की अधिकता		814.95	1,122.18
घटा कर :कॉर्पस निधि में स्थानांतरण		814.50	438.50
शुद्ध अधिशेष		0.45	683.68
तुलनपत्र में आय और व्यय के खाते में लाया गया		0.45	683.68
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	18		
लेखा के भाग के रूप में नोट	19		

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 1 – कॉर्पस फंड

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	01.04.2011 तक	वृद्धि		कटौती	31.03.2012तक के अनुसार
1. सामान्य निधि (कॉर्पस)	69.80				69.80
2. बंदोबस्ती निधि (कॉर्पस)					
(i) राजस्व अधिशेष	5,438.50	814.50	(क)		6,253.00
(ii) दान, अनुभाग 80जी (2) (ए) (iii एफ़) के तहत	9.72				9.72
3.आईआईएम सोसायटी सदस्यता शुल्क निधि	31.00				31.00
कुल	**5,549.02**	**814.50**		-	**6,363.52**
पिछले वर्ष का योग	5110.52	438.50		-	5549.02

(क) आय और व्यय के खाते से स्थानांतरित

अनुसूची 2 - रिज़र्व और अधिशेष

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	01.04.2011 तक जमा	01.04.2011 तक नामे	वृद्धि		कटौती	31.03.2012 तक
1. सामान्य निधि	63.90		5.38	(क)		69.28
2. आय और व्यय खाता	0.36		0.45	(ख)		0.81
कुल	**64.26**	-	**5.83**		-	**70.09**
पिछले वर्ष का कुल	59.62	683.32	687.97		0.00	64.26

(क) इस वर्ष के दौरान हुआ जमा ब्याज

(ख) इस वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में से स्थानांतरित हुआ अधिशेष

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 3 - पूँजी / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

(रु. लाखों में)

	निधि लेखा	01.04.2011 के अनुसार	जोड़						घटाव					31.03.2012 के अनुसार
			ब्याज	अनुदान	दान	शुल्क एवं अन्य आय	अन्य		पूँजीगत व्यय	राजस्व व्यय	आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित	अन्य		
(i)	पूँजीगत व्यय के लिए निधियाँ													
1	गुजरात सरकार द्वारा दी गई जमीन का मूल्य	90.90												90.90
2	भवन के लिए पूँजीगत निधियाँ	1,836.94					3,162.39	क			187.22			4,812.11
3	अन्य पिछड़े वर्ग की वृद्धि के लिए भारत सरकार - मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से अनुदान	1,540.20		1,827.88					3,368.08					-
4	फर्नीचर, फिक्सचर, उपकरणों, कम्प्यूटर आदि के लिए पूँजी निधि	898.49					339.59	क			158.49	0.23	ख	1,079.36
5	परिसर अवसंरचना एवं विकास निधि	11,561.68	1,576.48											13,138.16
(ii)	सी आई आई के लिए निधियाँ													
1	सी आई आई निधि	139.83	6.90	42.00		2.00				6.81				183.92
(iii)	शैक्षणिक गतिविधियाँ													
1	सी एम ए कार्यक्रम निधि	246.90	20.76			29.34	14.52	ग	1.04		9.36			301.12
2	सीएमए के लिए भारत सरकार – कृषि मंत्रालय की तरफ से निधि			150.00					2.97		119.42	14.52	घ	13.09
3	अनुसंधान, प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि	375.36	31.18			35.83	144.58	ङ		70.87				516.08
4	अनुभाग 80 जी (2)(ए)(iii एफ़)के तहत दान	921.68	62.34		288.40					33.40				1,239.02
5	सीएमए अनुसंधान निधि – (आयुष I एवं II) ए.के.जी.					14.76				0.27				14.49
6	क्षेत्रीय प्रबंध अध्ययन केन्द्र के लिए दान	61.99	5.22							0.12				67.09
7	अवसंरचना नीति एवं विनियमन केन्द्र	7.09												7.09

	निधि लेखा	01.04.2011 के अनुसार	जोड़					घटाव					31.03.2012 के अनुसार
			ब्याज	अनुदान	दान	शुल्क एवं अन्य आय	अन्य	पूँजीगत व्यय	राजस्व व्यय	आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित	अन्य		
8	शिक्षा नवाचार केन्द्र (ब्याज सहित दान)	24.93	2.09						27.02				-
9	पूर्वछात्र गतिविधियों के लिए निधि	175.32	14.54			57.63			51.13				196.36
10	फ़ोर्ड प्रतिष्ठान से विकल्प के लिए निधि	8.20											8.20
11	कम्प्यूटर पर व्यय के लिए निधि	389.48	32.75			324.25		111.96		102.57			531.95
(iv)	अध्यक्ष												
1	अध्यक्ष निधियाँ	868.43	61.17			15.36				18.65	144.58	च	781.73
(v)	छात्र सहायता												
1	छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए बंदोबस्ती निधि (निधियों में निवेश पर ब्याज सहित)	312.83	38.29						7.80				343.32
2	छात्रों के कल्याण हेतु निधि	120.57				56.06			38.50				138.13
(vi)	अन्य निधियाँ												
1	भवन निर्माण अग्रिम निधि (निवेश पर ब्याज सहित)	362.61	30.64			4.56							397.81
2	संकाय एवं कर्मचारियों के वाहन अग्रिम के लिए निधि	43.69	3.70			0.52							47.91
3	पेंशन निधि	635.77	53.47							53.47			635.77
4	सेवानिवृत्ति लाभ निधि	4,198.69	353.11										4,551.80
5	संकाय, अधिकारी और स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि	184.92	16.13			62.30			42.83				220.52
	कुल	**25,006.50**	**2,308.77**	**2,019.88**	**288.40**	**602.61**	**3,661.08**	**3,484.05**	**278.75**	**649.18**	**159.33**		**29,315.93**
	गत वर्ष का योग	21,745.20	1,770.23	1,462.91	227.91	515.04	73.46	28.74	292.42	434.34	32.75		25,006.50

क अचल परिसम्पत्तियों की खरीद के लिए विनियोजित
ख अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के कारण समायोजित
ग सीएमए के लिए भारत सरकार की निधि से स्थानांतरित
घ सीएमए निधि में स्थानांतरित
ङ अध्यक्ष निधि से स्थानांतरित
च अनुसंधान, प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि में स्थानांतरित

ब्याज की आय का विवरण	**2011-12**	**2010-11**
आवंटित ब्याज	2,306.84	1,761.14
अर्जित ब्याज	1.93	9.09
कुल	**2,308.77**	**1,770.23**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
प्रबंधक
(लेखा एवं अनुपालन)

हस्ताक्षरित
नीना बदलानी
समूह अध्यक्ष
(वित्त एवं बजट)

हस्ताक्षरित
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित
एस. के. बरुआ
निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 4 - वर्तमान देयताएँ और प्रावधान

(रु.लाखों में)

विवरण	31.03.2012 को शेष		31.03.2011 को शेष	
क. वर्तमान देयताएँ				
1.सांविधिक देयताएँ :				
क) व्यावसायिक कर	**0.02**		0.13	
ख) स्रोत पर काटा गया कर	**71.94**	**71.96**	41.65	41.78
2.अन्य वर्तमान देयताएँ :				
क) परियोजना / कार्यक्रम	**2,717.61**		2,215.22	
ख) छात्र	**97.67**		67.65	
ग) व्ययों और अन्यों के लिए बकाया देयताएँ	**2,155.20**		1,712.88	
घ) स्वीकृत जमा	**415.11**		324.92	
ङ) छात्रों के लिए जमा की जाने वाली छात्रवृत्तियाँ	**5.56**	**5,391.15**	5.12	4,325.79
ख. प्रावधान				
क) सेवानिवृत्ति लाभ	**6,483.49**		3,780.96	
ख) अन्य	**39.11**	**6,522.60**	39.98	3,820.94
कुल		**11,985.71**		**8,188.51**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 5 - अचल सम्पत्तियाँ

(रु. लाखों में)

अचल और चल सम्पत्तियाँ	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास निधि				शुद्ध ब्लॉक	
	01.04.2011 को शेष	वृद्धि	बिक्री/ समायोजन	31.03.2012 को शेष	01.04.2011 को शेष	वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2012 को शेष	31.03.2012 को शेष	31.03.2011 को शेष
1.भूमि (गुजरात सरकार से दान में प्राप्त भूमि सहित)	107.00			107.00					107.00	107.00
2.भवन	9,446.96	2,712.36		12,159.32	4,713.26	974.01		5,687.27	6,472.05	4,733.70
3.फर्नीचर और फिक्चर्स	1,455.42	50.32		1,505.74	691.83	94.38		786.21	719.53	763.59
4.संयंत्र एंव मशीनरी	1,371.19	160.72	0.43	1,531.48	768.65	155.48	0.23	923.90	607.58	602.54
5.कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	1,398.28	70.83	0.12	1,468.99	1,358.65	51.38	0.12	1,409.91	59.08	39.63
6.गाड़ियाँ	12.52			12.52	8.01	0.67		8.68	3.84	4.51
7.पुस्तकालय के लिए पुस्तकें	1,099.47	61.07		1,160.54	1,099.47	61.07		1,160.54	-	-
	14,890.84	**3,055.30**	**0.55**	**17,945.59**	**8,639.87**	**1,336.99**	**0.35**	**9,976.51**	**7,969.08**	**6,250.97**
गत वर्ष का योग	14,381.58	512.80	3.54	14,890.84	7,485.74	1,157.44	3.31	8,639.87	6,250.97	6,895.84
रनिंग बिलों के निमित्त भुगतान सहित पूंजीगत कार्य प्रगति पर है।									552.23	923.06
कुल									**8,521.31**	**7,174.03**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
अनुसूची 6 - निधियों का निवेश

(रु. लाखों में)

विवरण	31.3.2012 को शेष	31.3.2011को शेष
1 सरकारी प्रतिभूतियों में	**16,299.77**	20,399.77
2 अनुसूचित बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ नियत जमाओं में	**18,869.05**	9,002.05
कुल	**35,168.82**	**29,401.82**
घटाएँ : निवेश के प्रतिदान पर प्रीमियम / छूट के लिए प्रावधान	**0.65**	0.70
कुल	**35,168.17**	**29,401.12**

टिप्पणीः		**(रु. लाखों में)**
उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**74.77**	74.77
उद्धृत निवेशों का बाजार मूल्य	**73.35**	75.04
गैर उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**35,094.05**	29327.05

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

अनुसूची 7 - वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम इत्यादि

(रु. लाखों में)

		31.03.2012 को शेष		31.03.2011 को शेष	
क.	**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**	–	–	–	–
	1. वस्तु सूचियाँ :	–		–	–
	क) लेखन सामग्री एवं भंडार स्टॉक		**19.18**		7.97
	2. उपलब्ध नकदी (अग्रदाय सहित)	–	**0.48**	–	0.25
	3. शेष डाक टिकट (फ्रैंकिंग मशीनके अग्रिम सहित)		**1.47**		1.89
	4. बैंक में शेष :				
	क) चालू खातों में				
	- रुपये खाते में	**575.74**		457.31	
	- विदेशी अंशदान खाते में	**36.54**		61.89	
		612.28		519.20	
	ख) बचत खातों में				
	- रुपये खाते में	**85.18**	**697.46**	327.11	846.31
	कुल (क)		**718.59**		**856.42**
ख.	**ऋण, अग्रिम और अन्य सम्पत्तियाँ**	–		–	–
	1. **ऋण और अग्रिम** :	–		–	–
	क) कर्मचारियों को	**30.40**		36.18	
	ख) छात्रों को	**7.67**		8.85	
	ग) अन्यों को	**519.48**	**557.55**	321.26	366.29
	2. प्रतिभूति जमा		**59.79**		53.05
	3. सेन्वैट जमा प्राप्य	–	**178.87**	–	172.45
	4. टी.डी.एस. प्राप्य	–	**127.86**	–	19.76
	5. अन्य पिछड़ा वर्ग अनुदान प्राप्य	–	**1,327.88**	–	-
	6. अर्जित आय :	–		–	–
	क) अर्जित ब्याज	**851.42**		585.91	
	ख) बकाया आय	**223.81**	**1,075.23**	179.26	765.17
	कुल (ख)		**3,327.18**		**1,376.72**
	कुल (क + ख)		**4,045.77**		**2,233.14**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 8 - शुल्क और दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से प्राप्त अन्य आय

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
क)	शुल्क और अन्य आय		
	I द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
	1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**4,955.78**	4,275.19
	घटाएँ :पारिवारिक आय से संबद्ध शुल्क छूट	**440.50**	829.06
		4,515.28	3,446.13
	2) पीजीपी – कृषि व्यवसाय प्रबंधन	**511.49**	467.39
	घटाएँ :पारिवारिक आय से संबद्ध शुल्क छूट	**74.86**	152.75
		436.63	314.64
	II एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
	1) पीजीपी – कार्यकारी	**2,065.67**	1,736.92
ख)	प्रबंध में फैलो कार्यक्रम	**187.83**	166.38
ग)	सामान्य प्रवेश परीक्षा से प्राप्त आय (शुद्ध)	**209.05**	283.25
घ)	नियुक्ति से प्राप्त आय		
	1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**312.89**	190.39
	2) पीजीपी – कार्यकारी	**7.50**	21.40
	कुल	**7,734.85**	**6,159.11**

अनुसूची 9 – प्र.वि.का., कार्यक्रमों और परियोजनाओं से प्राप्त आय

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
क)	प्रबंध विकास कार्यक्रमों से आय (एमडीपी)*	**1,990.78**	2,055.30
ख)	परामर्श परियोजना से आय	**3,035.66**	2,663.77
ग)	अनुसंधान परियोजना से आय	**210.84**	403.39
	कुल	**5,237.28**	5,122.46

*फैकल्टी विकास कार्यक्रम (एफ़.डी.पी.) से प्राप्त आय सम्मिलित है।

अनुसूची 10 - अनुदान

(प्राप्त अपरिवर्तनीय अनुदान)

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
	केन्द्र सरकार से		
क)	मानव संसाधन विकास मंत्रालय से	**0.00**	0.00
	कुल	**0.00**	0.00

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 11 - ब्याज की आय

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
क)	**निवेश पर ब्याज**	–	–
	1) सरकारी प्रतिभूतियाँ	**1,497.96**	1,698.74
	2) बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों के पास नियत जमा पर	**1,303.84**	508.36
ख)	**बचत बैंक खातों पर ब्याज**	**11.18**	9.28
	(क)	**2,812.98**	2,216.38
	घटाएँ :		
	1) निवेश के निष्पादन हेतु प्रीमियम के लिए प्रावधान	**(0.05)**	(0.05)
	2) निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधियों में स्थानांतरित	**2,312.22**	1,765.44
	3) परियोजना खातों में स्थानांतरित	**25.24**	18.00
	(ख)	**2,337.41**	1,783.39
	कुल (क-ख)	**475.57**	**432.99**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 12 - अन्य आय

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
क)	पुरानी परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर अधिशेष		
	(अनुदानों से अर्जित)	-	0.28
ख)	अन्य स्त्रोतों से आय	–	–
	1) परिसर की सुविधाओं से आय (शुद्ध)*	**692.94**	797.62
	2) किराया	**99.71**	66.19
	3) उद्योगों से छात्रवृत्ति	**60.67**	68.15
	4) रॉयल्टी आय	**37.04**	32.17
	5) विविध आय	**127.55**	153.06
	कुल	**1,017.91**	**1,117.47**

***आईएमडीसी/केएलएमडीसी/एमएसएच/नये परिसर की आय शामिल हैं।**

अनुसूची 13 – निधियों से अन्तरण

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
	(उठाये गये व्यय की सीमा तक)		
1)	कृषि मंत्रालय से निधि और कृषि प्रबंध केन्द्र से अंशदान	128.78	148.74
2)	अध्यक्ष	18.65	29.61
3)	विभिन्न पूँजीगत अनुदान (मूल्यह्रास की सीमा तक)	345.71	76.86
4)	मूल्यह्रास निधि (परिसम्पत्तियों की बिक्री के कारण पुरांकित)	0.00	3.31
5)	पेंशन निधि (केवल ब्याज)	53.47	45.78
6)	कम्प्यूटर निधि	102.57	127.60
7)	नवाचार और ऊष्मायन केन्द्र	-	2.44
	कुल	**649.18**	**434.34**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 14 - स्थापना व्यय

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
क)	वेतन और मजदूरी	2,299.57	2,135.73
ख)	भत्ते और बोनस	26.59	28.33
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	57.55	57.55
घ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	53.81	63.90
ङ)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभों पर व्यय #	3,405.62	2,127.38
	कुल	**5,843.14**	**4,412.89**
च)	अन्य स्थापना व्यय		
	1) कृषि प्रबंध केन्द्र (सीएमए)	113.70	133.01
	2) परामर्श और अनुसंधान परियोजनाएँ *	109.45	113.41
	3) अध्यक्ष (संकाय एवं स्टाफ)	15.38	28.72
	4) केन्द्र गतिविधियाँ	7.78	18.39
	कुल	**246.31**	**293.53**
	कुल	**6,089.45**	**4,706.42**

पेन्शन निधि पर ब्याज से प्राप्त 53.47 लाख रु. सहित (पूर्व वर्ष राशि 45.78 लाख रु.)

***** इन परियोजनाओं के लिए अस्थायी अनुसंधान/ परियोजना स्टाफ की नियुक्ति के लिए वेतन और संबंधित व्यय

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 15 – प्रशासनिक व्यय

(रु. लाखों में)

	2011-2012	2010-2011
क) विद्युत प्रभार (शुद्ध)	169.66	163.22
ख) कैम्पस मरम्मत और रखरखाव	319.59	247.87
ग) फर्नीचर/ उपकरण मरम्मत एवं रखरखाव	50.86	46.65
घ) यात्रा और वाहन व्यय	58.47	49.10
ङ) कम्प्यूटर व्यय	102.57	127.60
च) सुरक्षा व्यय	102.62	90.35
छ) डाक व्यय, टेलिफोन और संचार शुल्क (शुद्ध)	38.76	35.96
ज) कानूनी और व्यावसायिक शुल्क	29.84	18.32
झ) बीमा	11.26	5.30
ञ) विज्ञापन	6.97	6.69
ट) स्थानीय एवं अन्य कर	37.18	38.32
ठ) स्टाफ भोजनालय व्यय	14.97	15.49
ड) वाहन संचालन एवं रखरखाव	1.01	1.97
ढ) मुद्रण और लेखन सामग्री (शुद्ध)	12.86	19.05
ण) लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	2.10	2.10
त) विविध व्यय	96.79	81.68
थ) स्वर्ण जयंती समारोह	27.74	111.59
कुल	**1,083.25**	**1,061.26**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 16 – प्रबंध विकास कार्यक्रमों, कार्यक्रमों/ परियोजनाओं पर व्यय*

(रु. लाखों में)

		2011-2012	2010-2011
1)	परामर्श और अनुसंधान परियोजनाएँ	2,413.77	2,264.20
2)	प्रबंध विकास कार्यक्रम (एम.डी.पी.)	941.31	1,017.60
3)	कृषि प्रबंध केन्द्र के अन्य व्यय	15.08	15.73
4)	केन्द्र गतिविधियाँ	3.53	8.39
5)	अध्यक्ष	3.27	0.89
6)	आई.टी. आधुनिकीकरण	1.93	1.63
7)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	41.45	31.75
	कुल	**3,420.34**	**3,340.19**

*वेतन और भत्तों पर किया गया व्यय शामिल नहीं है जिसे स्थापना व्यय में शामिल किया गया है। (अनुसूची-14)

अनुसूची 17 – दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय *

(रु. लाखों में)

			2011-2012		2010-2011
क)	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)**				
	I	द्विवर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम			
	1)	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	579.46	588.26	
	2)	पीजीपी – कृषि व्यवसाय प्रबंध	56.93	636.39	35.51	623.77
	II	एक वर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम			
	1)	पीजीपी – कार्यकारी		631.24		510.33
ख)	**प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़.पी.एम.)**				
	1)	एफ़पीएम व्यय		48.24		72.11
ग)	**छात्रवृत्तियाँ और शिक्षावृत्तियाँ**				
	1)	शैक्षिक छात्रवृत्ति	61.99	71.88	
	2)	पीजीपी फीस के अलावा आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ	305.20	7.80	
	3)	एफ़.पी.एम. छात्रों को शिक्षावृत्ति	347.13	714.32	303.63	383.31
घ)	**अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ**				
	1)	पुस्तकालय सेवाएँ (पुस्तकों के अतिरिक्त)	331.94	287.12	
	2)	आईआईएमए बुलेटिन और वेबसाइट :सीडी रोम	7.68	339.62	2.24	289.36
		कुल		**2,369.81**		**1,878.88**

*आवंटित उपरिव्यय सम्मिलित नहीं हैं।

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 18 : महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखाकरण परम्परा

1.1 वित्तीय विवरण, जर्नलों एवं पत्रिकाओं को मंगाने तथा स्टाफ के विकास भत्ते को छोड़कर, ऐतिहासिक लागत परम्परा, और लेखाकरण की उपार्जन पद्धति के आधार पर तैयार किये गये हैं।

1.2 वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किये गये हैं।

2. वस्तुसूची मूल्यांकन

भंडारों के स्टॉक एवं लेखन सामग्री का उनकी लागत पर मूल्यांकन किया गया है।

3. नियत परिसम्पत्तियाँ

नियत परिसम्पत्तियाँ, अधिग्रहण की लागत पर दर्शायी गई हैं जिनमें किराया, शुल्क और कर व अर्जन से सम्बन्धित आकस्मिक तथा प्रत्यक्ष व्यय सम्मिलित हैं। निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालनात्मक व्यय, पूंजीकृत परिसम्पत्तियों के मूल्य का एक अंग हैं।

दान के रूप में प्राप्त नियत परिसम्पत्तियों को, पूँजी निधि में संगत जमा द्वारा नियत मूल्य पर पूँजीकृत किया गया है।

4. मूल्यह्रास

4.1 भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है जबकि अन्य परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों को छोड़कर, आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों के अनुरूप हैं। भवनों के मामले में जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवनों का बड़ा भाग आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ आयकर अधिनियम द्वारा आवासीय भवनों के लिए नियत मूल्यह्रास की दर 5% लगाई गई हैं जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए नियत दर 10% है।

4.2 परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, जहाँ मदवार वास्तविक लागत रु. 5000/- के बराबर या इससे कम है, वहाँ 100% की दर से उपलब्ध कराया गया है।

4.3 नियत परिसम्पत्तियों से संबंधित पूँजी अनुदानों/ निधियों (सरकारी और गैर सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर इन्हें आय और व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूँजीगत अनुदानों/ निधियों को उसी अनुपात में आय में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है।

5. राजस्व मान्यता

आजीवन सदस्यता शुल्क, पूँजीगत प्राप्ति के रूप में माने गये हैं और कोष/ पूँजीगत निधि के अंतर्गत दर्शाये गये हैं।

निवेशों पर ब्याज के उपार्जन के आधार पर माना गया है।

कार्यकारी अधिकारियों के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजपी) की नामांकन फीस जिसे शैक्षणिक वर्ष की अवधि के हिसाब से लिया जाता है, इसे छोड़कर छात्रों से ली जाने वाली फीस को उपार्जन के आधार पर माना गया है।

6. निवेश पर ब्याज

संचित निधि के अलावा निवेश पर प्राप्त ब्याज को, आय और व्यय खाते में दर्शाया गया है।

निर्धारित के अलावा, बंदोबस्त और अन्य निधियों में किये गये निवेशों पर प्राप्त ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया गया है।

7. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किये गये लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर की गई है।

8. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परसम्पत्तियों के संबंध में अनुदान, पूँजी अनुदान के रूप में माने गये हैं और प्रायोजित निधि शीर्ष के अंतर्गत दर्शाये गये हैं।

नियत परिसम्पत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय और व्यय के लेखे में परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है। अर्थात् पूँजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

9. निवेश

दीर्घ अवधि के निवेशों को लागत पर लगाया गया है।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किये गये प्रीमियम/ छूट को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात अंतरित किया गया है।

10. सेवानिवृत्ति लाभ

संचित छुट्टी नकदीकरण लाभ, मृत्यु / सेवानिवृत्ति पर देय ग्रेच्युइटी और पेन्शन की गणना, बीमांकित मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उपार्जन के आधार पर किया गया है।

11. आकस्मिक देयताएँ

सभी ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान किया गया है। अगर कोई आकस्मिक देयताएँ हैं तो उन्हें लेखा में एक टिप्पणी के रूप में दर्शाया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 19 : लेखे के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ

1. अन्य पिछड़े वर्ग के विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय - भारत सरकार

भारत सरकार का अनुदान अन्य पिछड़े वर्ग के विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय - भारत सरकार के अनुदान का विवरण निम्नानुसार हैः

(रु. लाखों में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	1,540.20	248.11
इस वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	500.00	1,272.00
इस वर्ष के दौरान प्राप्य अनुदान	1,327.88	0.00
ब्याज जमा	0.00	20.09
पूँजी व्यय	3,368.08	0.00
वर्ष के अंत में शेष	0.00	1,540.20

2. अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध (शुद्ध अग्रिम) 471.08 लाख रुपये है (पिछले वर्ष 1360.74 लाख रुपये), जिसके लिए परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि में पर्याप्त निधि उपलब्ध है।

3. आकस्मिक देयताएँ

विवाद में सेवा कर की माँग 23.91 लाख रुपये (पिछले वर्ष 661.99 लाख रुपये) हैं।

4. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम

प्रबंधन की राय में, वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का, सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम-से-कम तुलनपत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर है।

5. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद के पत्र संख्या सीसी-IV/एबीडी/10 (23सी) सेल/10(23सी) (vi) आईआईएम/2010-11/ 1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर से छूट प्राप्त कर ली है।

यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है। इसे देखते हुए, आयकर के लिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

6. अन्य मदें

6.1 कृषि प्रबंध केन्द्र (सी.एम.ए.) के 132.79 लाख रुपये के कुल व्यय में से (गत वर्ष 148.74 लाख रुपये) 122.39 लाख रुपये (गत वर्ष 130.50 लाख रुपये) की राशि कृषि मंत्रालय द्वारा दी गई निधि से और शेष 10.40 लाख रुपये (गत वर्ष 18.24 लाख रुपये) की राशि संस्थान की स्वयं की निधि (सी.एम.ए. कोष) से ली गई है।

6.2 स्रोत पर काटा गया कर :

(रु. लाखों में)

विवरण	2011–2012	2010–2011
क) ब्याज से आय	1.63	0.00
ख) नियोजन से आय	15.18	1.43
ग) एमडीपी/परामर्श	92.85	3.16
घ) अन्य आय	8.75	0.66

6.3 विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	2011–2012	2010–2011
क) विदेश यात्रा	181.46	135.50
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	249.79	114.48
ग) अन्य	15.19	77.22

6.4 विदेशी मुद्रा में आय

(रु. लाखों में)

विवरण	2011–2012	2010–2011
क) परामर्शन एवं अनुसंधान परियोजना से आय	286.78	312.02
ख) नियोजन से आय	72.11	13.89
ग) फीस और अन्य आय	371.52	276.06

6.5 500/- रु. से कम की राशियाँ, जो पृथक रूप से दिखाई जानी चाहिए, वास्तविक रूप में कोष्टकों में दर्शायी गई हैं।

6.6 गत वर्ष की तद्नुरूप राशियों को, वर्तमान वर्ष की राशियों के साथ तुलना करने के लिए जहाँ कहीं आवश्यक था, पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

अनुसूची 1 से 19 पर हस्ताक्षर

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
प्रबंधक
(लेखा एवं अनुपालन)

हस्ताक्षरित
नीना बदलानी
समूह अध्यक्ष
(वित्त एवं बजट)

हस्ताक्षरित
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित
एस. के. बरुआ
निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान

(रु. लाखों में)

	प्राप्तियाँ	2011-2012	2010-2011		भुगतान	2011-2012	2010-2011
1.1	**प्रारंभिक शेष**			**2.1**	**भुगतान के लिए नियत**		
1	प्राप्त नकद	0.25	0.25	1	स्थापना व्यय	3,387.78	3,325.17
2	बैंक शेष			2	प्रशासन व्यय	1,083.25	1,061.26
	- वर्तमान खातों में	519.20	923.89	3	दीर्घ अवधि के कार्यक्रम के व्यय	2,369.82	1,878.88
	- बचत खातों में	327.11	34.07			6,840.85	6,265.31
3	फ्रैंकिंग अग्रिम	1.89	1.45	**2.2**	**विभिन्न निधियों में किये गये भुगतान**		
		848.45	959.66	1	परियोजना/कार्यक्रम	3,420.34	3,340.19
1.2	**प्राप्त ब्याज**			2	शैक्षणिक क्रियाकलाप	182.80	170.20
1	निवेश पर	2511.05	2002.84	3	छात्र अनुदान	46.30	42.36
2	बचत बैंक खाते पर	11.18	9.28	4	संकाय एवं स्टाफ विकास निधि	42.83	75.93
3	ऋणों, अग्रिमों आदि पर	7.00	9.09	5	सीआईआई निधि	6.82	3.92
		2529.23	2021.21			3,699.09	3,632.60
1.3	**प्राप्त अनुदान**						
1	ओबीसी अनुदान	500.00	1272.00	**2.3**	**निवेश (शुद्ध)**	5,767.00	3,995.77
2	टीडीबी मूल सहायता अनुदान	42.00	56.91				
3	भारत सरकार द्वारा सीएमए निधि	150.00	134.00	**2.4**	**नियत परिसम्पत्तियों की खरीद**	2,684.53	1,311.82
		692.00	1462.91				
1.4	**प्राप्त अन्य आय**			**2.5**	**वस्तुसूची में परिवर्तन**	11.22	0.80
1	शुल्क	7690.30	6184.62				
2	परियोजना/कार्यक्रम/सेवाएँ	5255.21	5134.65	**2.6**	**ऋण एवं अग्रिम**		
3	परिसम्पत्तियों की बिक्री	0.02	0.28	1	सैनवैट	6.42	29.84
4	दान	288.41	227.91	2	सांविधिक बकाया राशि	41.78	203.15
5	विविध प्राप्तियाँ	1017.91	1117.19	3	प्राप्य टीडीएस	108.10	-
6	सीआईआई निधि से आय	2.00	3.25	4	अन्य	191.24	-
7	कम्प्यूटर सेंटर प्राप्तियाँ	324.25	281.37			347.54	232.99
8	शैक्षणिक क्रियाकलापों से प्राप्ति	137.56	118.71	**2.7**	**वर्तमान देयताओं में परिवर्तन**		
9	छात्र सहायता निधि	56.06	62.56		परियोजना/कार्यक्रम एवं अन्य देयताएँ	-	1,718.21

(रु. लाखों में)

	प्राप्तियाँ	2011-2012	2010-2011		भुगतान	2011-2012	2010-2011
10	सेवा-निवृत्ति लाभ निधि	-	1.07	**2.8**	**प्रतिभूति जमा**	6.74	
11	अध्यक्ष निधि	15.35	0.00				
12	संकाय, अधिकारी एवं स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि	62.30	48.06	**2.9**	**अंतिम शेष**		
		14849.37	13179.67	1	प्राप्त नकद	0.48	0.25
				2	बैंक शेष		
					- वर्तमान खातों में	612.29	519.20
					- बचत खातों में	85.18	327.11
1.5	**वर्तमान परिसम्पत्तियों में परिवर्तन**			3	फ्रैंकिंग अग्रिम	1.46	1.89
1	टीडीएस धनवापसी		3.31			699.41	848.45
2	ऋण एवं अग्रिम		265.90				
3	सांविधिक बकाया राशि	71.96	41.78				
4	स्वीकृत जमा राशि	90.20	71.40				
5	प्रतिभूति जमा राशि		0.11				
		162.16	382.50				
1.6	**वर्तमान देयताओं में परिवर्तन**						
	परियोजना/कार्यक्रम एवं अन्य देयताएँ	975.17	-				
	कुल	**20056.38**	**18005.95**		**कुल**	**20,056.38**	**18,005.95**

दिनांक : 18 जून, 2012

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**एस. के. बरुआ**	**सी. विजयकुमारन, आई.ए.ए.एस**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक	उप निदेशक/ आई टी आर ए
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)			कार्यालय प्रधान
				निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
				लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा,
				अहमदाबाद - 380 009

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2012 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोहन सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ